विश्व विरासत युवाओं के हाथ में

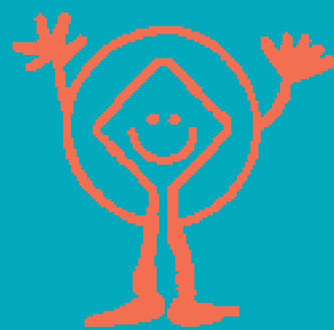

जानिए, संजोइए और कीजिए

शिक्षकों के लिए एक शैक्षणिक संसाधन पुस्तिका

सहयोग

नोर्वेजियन एजेन्सी फॉर डेवेलपमेन्ट कॉरपोरेशन (नोरेड)

अस्वीकृति

इस पुस्तिका में प्रयुक्त सभी संबोधनों तथा इस संपूर्ण प्रकाशन में प्रस्तुत किसी भी सामग्री के द्वारा, किसी देश, क्षेत्र, शहर, या उसके अधिकार में स्थित किसी भी क्षेत्र की वैधानिक स्थिति, उसकी सीमाओं और सीमा क्षेत्रों के विषय में यूनेस्को अपनी कोई भी राय प्रकट नहीं कर रहा है। प्रस्तुत विवरण एक स्वतंत्र प्रकाशन है जिसे यूनेस्को ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से प्राधिकृत किया है। यह वृतांत, विवरण दल के सदस्यों, कई व्यक्तियों, अभिकर्ताओं, संस्थाओं तथा सरकारों द्वारा एक साथ मिलकर किये गये प्रयास का प्रतिफल है और इसमें व्यक्त सभी धारणाओं तथा दृष्टिकोणों का संपूर्ण उत्तरदायित्व निदेशक पर है।

प्रथम प्रकाशन 1998

2002 में संयुक्त राष्ट्रीय शैक्षणिक वैज्ञानिक व सांस्कृतिक संगठन
द्वारा प्रकाशित
7 प्लेस डे फोन्टेनॉय
एफ-75352 पेरिस 07 एस पी (फ्रान्स)

© यूनेस्को 2002

Printed by: Macro Graphics Pvt. Ltd. (www.macrographics.com)

© यूनेस्को 2002

प्रस्तावना

यूनेस्को के डायरेक्टर जनरल द्वारा

विश्व विरासत शिक्षा के अग्रणी कक्षा-शिक्षकों के सम्मान में

पिछली कई सदियों से हमारी विरासत का कुछ इस प्रकार से विनाश हो रहा है कि उसकी बहाली संभव नही हो पा रही। प्राकृतिक विपदायें, युद्ध, अत्यधिक गरीबी, उद्योगीकरण, प्रदूषण आदि कुछ ऐसे कारण हैं जिनके कारण विरासत में मिली हमारी अमूल्य संपदा देखते-देखते ही नष्ट होती जा रही है। बरसों से चलती आ रही इस भयावह स्थिति के लिए जिम्मेदार कुछ और भी कारण हैं जैसे कि, अज्ञान, लापरवाही, उदासीनता और विरासत के प्रति जिम्मेदारी और आस्था का अभाव इत्यादि।

विश्व विरासत कन्वेन्शन (वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेन्शन) के अनुमोदन द्वारा, अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय इस अमूल्य सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को विनाश से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसे अपनाने के बाद लगभग 120 देशों के 700 से भी अधिक क्षेत्रों को विश्व विरासत सूची में शामिल किया जा चुका है। और इस सूची में हर वर्ष नये स्थलों को शामिल किया जा रहा है। इनमें से प्रत्येक स्थल विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण है और हमारी विश्व-व्यापक सभ्यता का एक अभिन्न अंग है। किसी भी ऐसे स्थल का नष्ट होना या नष्ट होने के कगार पर होना संपूर्ण मानवता के लिए एक ऐसी हानि हो सकती है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती।

हमारी बाकी बची विरासत का भविष्य, वर्तमान पीढ़ी के युवाओं के हाथ में हैं जो कल के नेता हैं और जिन्हें आने वाले भविष्य के सभी महत्वपूर्ण निर्णय लेने हैं।

यही कारण है कि आर्टिकल 27 के कथन ' ..... इस समझौते से अनुबंधित सभी राज्य सभी उचित साधनों द्वारा, और मुख्य रूप से शैक्षणिक और सूचना-प्रधान कार्यक्रमों द्वारा, लोगों में अपनी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के प्रति आस्था और आदर की भावना को सुदृढ़ करेंगे ......', से प्रेरित हो, यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज सेन्टर द्वारा सन् 1994 में, 'वर्ल्ड हेरिटेज इन यन्ग हैण्ड्स' नामक परियेजना की शुरुआत की जो युवाओं के लिए विश्व विरासत-प्रशिक्षण की एक परियोजना है और जिसे एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क (एएसपी नेट) के तहत शुरू किया गया था।

इस परियोजना की मुख्य उपलब्धि, 'वर्ल्ड हेरिटेज इन यंग हैण्ड्स' इस संसाधन पुस्तिका (किट) का विकास, परीक्षण व मूल्यांकन है। युवाओं को उनकी स्थानीय, राष्ट्रीय और विश्व विरासत के महत्व को समझाने के लिए यह किट, शिक्षकों के लिए एक ऐसा अमूल्य साधन है जिसने युवाओं में इस कार्य के प्रति एक ऐसी भावना और योग्यता का प्रादुर्भाव किया है कि वे इस अच्छे कार्य को करने में समर्थ हैं और संपूर्ण जीवनकाल तक इस के प्रति समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

ए एस पी नेट के शिक्षकों ने वर्ल्ड हेरिटेज प्रशिक्षण के विकास और उसे इस संसाधन-पुस्तिका के रूप में उपलब्ध करवाने में सबसे अधिक योगदान दिया है। इसलिये मैं विशेष रूप से उन को और विश्व भर के सभी दूसरे शिक्षकों और विरासत विशेषज्ञों को उनके योगदान और पुरोगामी प्रयासों के लिए सम्मानित करना चाहता हूँ। इस किट का प्रकाशन शिक्षकों के अथक प्रयासों के द्वारा ही संभव हो सका है, मैं शिक्षकों की सृजनशीलता और उन तरीकों और नयाचारों की प्रशंसा करता हूँ

© यूनेस्को 2002

जिनके द्वारा उन्होंने युवाओं में विश्व विरासत को संरक्षण देने की भावना को प्रेरित किया है और विद्यालयों और समाज में इस विषय से संबधित प्रशिक्षण कार्य को बढ़ावा दिया है।

व्यक्तिव की परिपूर्णता, विकास, संरक्षण, शांति और स्वस्थता के लिए शिक्षा ही एकमात्र कुंजी है। सही प्रशिक्षण द्वारा युवा पीढ़ी में विश्व विरासत के प्रति एक आस्था की भावना उत्पन्न होती है और वे हमारी सांस्कृतिक, प्राकृतिक, नष्ट हो सकने वाली या नष्ट न हो सकने वाली, स्थानीय या फिर विश्व की धरोहर आदि सभी विरासतों को संरक्षण देने की भावना से प्रेरित होते हैं और इस दिशा में समर्पित भाव से कार्य करने के लिए उद्यत होते हैं। उनके इन प्रयासों द्वारा न केवल वर्तमान में अपितु आने वाले भविष्य में भी हमारी विरासत की सुरक्षा हो सकती है।

विश्व विरासत केवल एक जड़ संकल्पना नही है। प्रत्येक वर्ष वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी द्वारा विश्व-विरासत सूची में नये स्थलों को शामिल किया जाता है। विरासत संबंधी प्रशिक्षण, इक्कीसवीं सदी की एक ऐसी गतिशील प्रणाली है जो चार प्रकार की प्रशिक्षाओं पर आधारित है। विषय को समझना, उसके अनुसार कार्य करने की समझ होना, अपने अस्तित्व को समझना और एक साथ मिल-जुल कर किस प्रकार से रहें, यह समझ पाना ही इस प्रशिक्षण के चार आधार स्तंभ है। इस अभिकल्पना का सीधा संबंध, 'सभी के लिए शिक्षा' इस नारे से भी है जिसे अप्रैल 2000 में डाकार, सेनेगल में संपन्न वर्ल्ड एजुकेशन फोरम ने, 'अपने फ्रेम वर्क फॉर एक्शन' के अन्तर्गत लोगों को अच्छे स्तर की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पारित किया था।

वर्ल्ड हेरिटेज एजुकेशन, विश्व भर की सभी सभ्यताओं में परस्पर आदर, स्वस्थ वार्तालाप, विविधता में एकता, विचारों की सहमति आदि भावनाओं को सुदृढ़ करती है। मैं यह आशा करता हूँ कि विश्व भर में इतिहास, विज्ञान, भूगोल, कला, गणित, भाषा और दूसरे सभी विषयों के शिक्षक इस पुस्तक को अपनी-अपनी कक्षाओं के पाठ्यक्रम में अवश्य शामिल करेंगे। इस पुस्तिका के उपयोग द्वारा वे इस प्रकार के कुछ और संसाधनों का निर्माण कर सकेंगे जिससे वे उनके द्वारा कक्षाओं में दी जा रही शिक्षा को और सुदृढ़ बना सकेंगे और आज के युवाओं में आपसी विश्वास, सद्भाव, विचारों की सहमति आदि ऐसी भावनाओं को भी प्रेरित कर पायेंगे जिनके द्वारा वे संपूर्ण विश्व के लोगों को पास-पास ला सकने में समर्थ हो सकेंगे।

कोईचीरो मतश्यूरा

© यूनेस्को 2002

शिक्षकों के लिए एक शैक्षणिक संसाधन पुस्तिका

विषय-सूची

पृष्ठ

परिचय 7

इस किट का उपयोग किस प्रकार करें 11

विश्व विरासत की ओर एक शैक्षणिक दृष्टि 17

वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेन्शन 39

विश्व विरासत और उसका अस्तित्व 85

विश्व विरासत और पर्यटन 103

विश्व विरासत और पर्यावरण 125

विश्व विरासत और एक शांति की सभ्यता 147

संसाधन सामग्री 163

© यूनेस्को 2002

© यूनेस्को 2002

परिचय

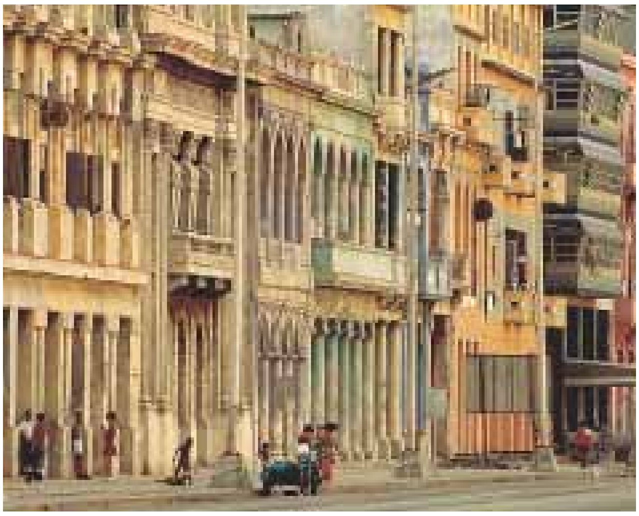

पुराना हवाना और उसकी किलेबंदी ©पेट्रिमोइने 2001/आर. गेलार्डे

आपका स्वागत है, आइये शिक्षकों के लिये - विश्व विरासत शैक्षणिक संसाधन पुस्तिका से आपका परिचय करवायें । यह पुस्तिका, यूनेस्को के यूथ वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट, 'वर्ल्ड हेरिटेज इन यंग हैण्ड्स' के अन्तर्गत तैयार की गई है।

यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर और एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क द्वारा 1994 में शुरू की गई यह परियोजना, वर्ल्ड हेरिटेज कन्जर्वेशन से विद्यार्थियों को अवगत करवाने का एक अनूठा प्रयास है जिसके मुख्य उद्देश्य हैं:

✓ **जानकारी** इसके द्वारा विद्यार्थीगण विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण उन सभी क्षेत्रों के बारे में जानकारी हासिल करेंगे जिन्हें वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल किया गया है।

✓ **योग्यता** यूनेस्को वर्ल्ड कन्वेशन 1972 द्वारा संरक्षण प्राप्त सभी क्षेत्रों की देख-भाल किस प्रकार से की जा सकती है, इस योग्यता को प्राप्त करेंगे।

✓ **आस्था** स्थानीय, राष्ट्रीय और विश्व विरासत के संभार के प्रति आस्था का ऐसा बीज बोना जिसके कारण वे अपने संपूर्ण जीवनकाल, वर्तमान तथा भविष्य दोनों में अपनी विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहें।

✓ **प्रयत्नशीलता** अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग द्वारा विश्व-व्यापी सांस्कृतिक व प्राकृतिक विविधताओं को बनाये रखने के लिए प्रयत्नशील रहें।

इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य, विविध मार्गों द्वारा विद्यार्थियों को उनकी स्थानीय तथा राष्ट्रीय विरासत की देख-रेख संबधी प्रशिक्षण देना है, जिसके परिणामस्वरूप वे म्यूजियम, क्षेत्र प्रबंधकों और स्थानीय जनता के साथ मिलजुल कर उन क्षेत्रों के संरक्षण में अपना योगदान दे सकें।

कक्षा के भीतर और बाहर, शिक्षक अपने विद्यार्थियों को विश्व विरासत के रख-रखाव के बारें में शिक्षित कर सकें इस अनूठी संकल्पना के आधार पर 1999 में यूनेस्को ने, रोहने-पॉलेन्क फाऊँडेशन/इन्स्टिट्यूट डे फ्रान्स, और नोरवेजियन एजेन्सी फॉर डेवलेपमेन्ट कॉरपोरेशन (नोरेड) के सहयोग से यह पुस्तिका तैयार की थी। अन्तर्राष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्तर पर यूनेस्को द्वारा आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरा - नोर्वे (1995), क्रोएशिया (1996), चीन (1997), जापान (1998), सेनेगल (1999), मोरोक्को (1999), आस्ट्रेलिया (2000), पेरू (2001) और स्वीडन (2001)में, लगभग 130 देशों के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया था जिनके द्वारा विकसित नये-नये शैक्षणिक क्रिया-कलापों के आधार पर इस पुस्तिका को तैयार किया गया था।

© यूनेस्को 2002

इस पुस्तिका का पहला संस्करण, अरबी,चीनी, अंग्रेजी, फिनिश, फ्रेंच, इन्डोनेशियन, जापानी, लाओशियाई, रुसी, स्पेनी, उजबेकी और वियतनामी भाषाओं में प्रकाशित हो चुका जिसे लगभग 130 देशों के एएसपी नेट शिक्षकों और यूनेस्को से संलग्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा प्रयोगात्मक रूप से उपयोग में लाया जा चुका है। इसका ऑन लाईन संस्करण, यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन वेब साइट: www.unesco.org/whc/education पर उपलब्ध है।

विश्व के लगभग सभी हिस्सों में, विश्व विरासत संरक्षण के लिये युवाओं के प्रशिक्षण और योगदान हेतु, उप-क्षेत्रीय शिक्षक-प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जाता है। इन सत्रों में विभिन्न राष्ट्र के शिक्षकों कों, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तरों पर अपनाये जा सकने वाले कई प्रकार के क्रिया-कलापों के प्रशिक्षण द्वारा अपने औपचारिक पाठ्यक्रम में इस प्रकार के नये शैक्षणिक प्रयोग को शामिल करने के इस चुनौती-पूर्ण कार्य के लिए तत्पर किया जाता है।

विश्व के कुछ भागों में ही सही, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अलग-अलग विषय की शिक्षा देने वाले शिक्षकों के लिए इस प्रकार की पठन-पुस्तिका विकास करना अपने आप में ही एक चुनौती है। यद्यपि इस पुस्तिका का गठन, बहुत से देशों के शिक्षकों द्वारा,विश्व भर के विद्यार्थियों और शिक्षकों के वास्तविक शैक्षणिक अनुभव और क्रिया-कलापों के आधार पर किया गया है, तदापि स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप इसमें कुछ बदलाव की आवश्यकता हो सकती है।

प्रथम संस्करण के प्रयोगात्मक परीक्षण के दौरान, शिक्षकों और विद्यार्थियों के सुझावों के आधार पर दूसरे संस्करण में कुछ सुधार किये गये हैं। पर इन परीक्षणों से यह बात बिलकुल स्पष्ट हो चुकी है कि इस पुस्तिका को स्थानीय और राष्ट्रीय संरक्षण गतिविधियों के लिये एक साधन के रूप में अवश्य अपनाया जा सकता है। चूंकि विश्व के बहुत से भागों द्वारा इस पुस्तिका की काफी मांग की जा रही है, यूनेस्को इस पुस्तिका का दूसरा संस्करण प्रकाशित कर रही है जो प्रथम संस्करण का संशोधित रूप होते हुए भी मूल पुस्तिका के विषय-वस्तु से हटकर नहीं है।

विश्व भर के शिक्षकों, संरक्षण-विशेषज्ञों और पाठ्यक्रमों को बनाने वाले लोगों द्वारा किये गये इस अनूठी शैक्षणिक परिकल्पना के प्रयोगात्मक परीक्षण के दौरान, विश्व विरासत प्रशिक्षण के लिये क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भी कुछ और पठन-सामग्री तैयार की गई है। यूनेस्को नेशनल कमीशनों द्वारा 15 राष्ट्रीय भाषाओं में इस पुस्तिका का प्रकाशनाधीन होना इसका उदाहरण है। 'वर्ल्ड हेरिटेज इन यंग हैण्ड्स- ए पैसिफिक परस्पेक्टिव्ह', जो इस पुस्तिका का एक क्षेत्रीय संस्करण है, को 2002 में प्रकाशित किया जा चुका है। लैटिन अमेरिका में नेशनल कमेटीज फॉर वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर संरक्षण गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने के उपाय सोचने में लगी हैं।

पाठ्यक्रम का विकास, एक गत्यात्मक प्रयास होता है जिसमें अनुसंधान, प्रयोगात्मक परीक्षण, तथा मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। यह निरंतर चलते रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है जिसके उद्देश्य दूरगामी होते हैं। विश्व आज एक नयी सदी में प्रवेश कर रहा है और साथ ही एक ऐसी नयी शैक्षणिक संकल्पना को अपनाने की कोशिश में है जिसके द्वारा शांत और स्वस्थ संसार की आशा की जा सके। यह एक ऐसा संसार होगा जिसमें हम सभी लोग, विरासत के तौर पर मिली अमूल्य विश्व-विरासत की धरोहर को आज और आने वाले कल में सुरक्षा के साथ सम्भाल कर रखने के लिये एकत्रित रूप से प्रयत्नशील रहेंगे।

यूनेस्को के संपादक

एलिजाबेथ ख्वाजकि | ब्रेडा पेवलिक | साराह टिटचेन

© यूनेस्को 2002

विश्व धरोहर/ विरासत चिन्ह और पेट्रिमोनिटो

विश्व विरासत चिन्ह यह दर्शाता है कि सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और प्राकृतिक विरासत का संरक्षण दोनों एक दूसरे से जुड़े हैं और यही वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेन्शन का संदेश है।

यह चिन्ह दर्शाता है कि सांस्कृतिक और प्राकृतिक क्षेत्र एक दूसरे पर निर्भर हैं। केन्द्र में स्थित वर्ग, लोगों द्वारा निर्मित स्थल को दर्शाता है जबकि वृत प्रकृति को, और जैसा कि चिन्ह से प्रकट हो रहा है दोनों के बीच एक गहरा संबंध है। यह चिन्ह भी विश्व की तरह ही गोलाकार है और साथ ही सुरक्षा का प्रतीक भी है।

पेट्रिमोनिटो का जन्म 1995 में बर्गन, नोर्वे में हुए पहले विश्व वर्ल्ड हेरिटेज फोरम के दौरान हुई एक कार्यशला (वर्कशॉप) में हुआ था। कुछ स्पेनिश बोलने वाले विद्यार्थी ने इसे बनाया था जो एक ऐसा चिन्ह बनाना चाहते थे जो उनकी खुद की ही एक पहचान हो। स्पेनिश में पेट्रिमोनिटो का अर्थ होता है एक छोटा विरासत अभिभावक, और यह चिन्ह एक युवा विरासत सहायक को दर्शाता है।

पहले अफ्रीकन वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फॉरम, जिम्बाबवे में पेट्रिमोनिटो युवाओं को अलविदा कहते हुए.
© यूनेस्को

© यूनेस्को 2002

© यूनेस्को 2002

इस पुस्तिका का उपयोग किस प्रकार करें

यह पुस्तिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की कक्षाओं में पढ़ा रहे उन सभी शिक्षकों के लिए हैं जो –

✓ विश्व भर में अलग-अलग प्रकार की परिस्थितियों, जिनमें कुछ अत्यंत कठिन हैं (विद्यालय की अवसंरचना का अभाव, पाठ्य पुस्तकों/ शैक्षणिक साधनों का अभाव, एक कक्षा में बहुत अधिक विद्यार्थियों का होना, लंबा-चौडा पाठ्यक्रम) से लेकर उन विद्यालयों जिनमें आधुनिक शैक्षणिक-प्रौद्योगिकी की सहायता से शिक्षा दी जाती है (इंटरनेट और सीडी-रॉम के माध्यम से) में शिक्षा प्रदान कर रहें हैं।

✓ वर्ष 12 से लेकर 18 तक के आयु वर्ग के विद्यार्थियों को विभिन्न विषय जैसे कि: भूगोल, भाषा, विज्ञान, गणित, कला आदि पढ़ा रहे हैं।

इस पुस्तिका को अलग-अलग खण्डों में इस प्रकार से विभाजित किया गया है जिससे कि आप:

✓ अपनी कक्षा में आज, कल, अगले सप्ताह या फिर आने वाले महीनों में पढ़ाने के लिए कोई भी सामग्री आसानी से चुन सकते हैं ;

✓ चाहें तो आप इस पुस्तिका को आरम्भ से पढ़ना शुरू कर सकते हैं और इसमें बताये गये शैक्षणिक तरीकों के बारे में जान सकते हैं;

✓ या फिर आप , पुस्तिका में नामांकित अलग-अलग विभाग जैसे कि विश्व विरासत कन्वेन्शन, विश्व विरासत की पहचान, विश्व विरासत और पर्यटन, विश्व विरासत और पर्यावरण, विश्व विरासत और शांति की सभ्यता अदि में से किसी भी विषय पर सीधे ही जा सकते हैं।

✓ इस पुस्तिका में संजोये गये अलग-अलग संसाधनों जैसे कि विश्व विरासत कन्वेन्शन, विश्व विरासत नक्शे, लेमिनेटेड चित्रों आदि को परख सकते हैं ;

✓ आपके देश में स्थित विश्व विरासत स्थलों से संबंधित जानकारी, इन स्थलों के संरक्षण हेतु आपके देश या अन्य जगहों पर की जा रही गतिविधियों से संबंधित जानकारी, फोटो, या फिर कोई और सामान जिसे आप ने या आपके विद्यार्थिंयों ने तैयार किया है को इस पुस्तिका के साथ जोड़ सकते हैं।

© यूनेस्को 2002

इस पुस्तिका के सरल उपयोग के लिये कुछ प्रतीक/संदर्भ चिह्नों को प्रयोग किया गया है:

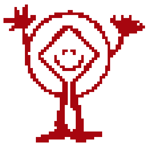

हाशिये में इस चिन्ह का होना दूसरे विभाग के साथ संबंध सूचित करता है।

गाढ़ी स्याही में लिखे गये शब्दों को उनकी व्याख्या के साथ पारिभाषिक शब्द-कोष में शामिल किया गया है।

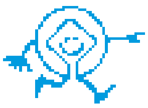

संपर्क पते

संसाधन सामग्री में उन सभी संगठनों के पते दिये गये हैं जिनसे आप विश्व विरासत के संदर्भ मेंअधिक जानकारी और दस्तावेजों के लिये संपर्क करना चाहेंगे।

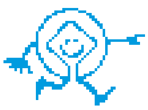

संदर्भ सामग्री की सूची

चूंकि विश्व विरासत से संबंधित समस्त जानकारी को इस पुस्तिका में शामिल नहीं किया जा सकता, संदर्भ-सूची में विभिन्न संसाधनों को शामिल किया गया है जिन्हें आप खरीद सकते हैं या फिर बिना किसी मूल्य के मंगवा सकते हैं।

© यूनेस्को 2002

विद्यार्थी क्रियाकलाप

इस पुस्तिका में बयालीस (42) विद्यार्थी क्रियाकलापों को शामिल किया गया है जिन्हें अलग चौखानों (बॉक्सों) में रखा गया है। इन सभी क्रियाकलापों को सीधे ही, या फिर स्थानीय विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप थोड़ा बदलकर अपनाया जा सकता है। इन क्रियाकलापों के उपयोग में आपकी मदद करने के लिये उन्हें कुछ प्रतीक-चिह्नों से दर्शाया गया है:

क्रियाकलापों के प्रकार

- चर्चा
- दृष्टि-सत्र
- अनुसंधान
- विश्व विरासत स्थलों पर यात्रा
- प्रायोगिक अनुभव
- भूमिका अभिनय

क्रियाकलाप का विवरण

- कक्षा के अंदर का क्रियाकलाप
- प्रस्तावित विषय
- कक्षा के बाहर का क्रियाकलाप
- संसाधन सामग्री
- क्रियाकलाप के लिये संभावित समय
- दूसरी सामग्री

© यूनेस्को 2002

इस पुस्तिका के साथ कुछ विद्यार्थी-क्रियाकलाप के पन्ने भी हैं जिन्हें फोटोकॉपी करवा के कक्षा में विद्यार्थीयों में बांटा जा सकता है।

विश्व विरासत संधि

यह चिन्ह वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेन्शन में शामिल किये गये कुछ लेखों की ओर इंगित करता है जिनके पूर्ण आलेख (टेक्स्ट) को संसाधन सामग्री में शामिल किया गया है।

संक्षिप्त विवरण

संक्षिप्त विवरण, यह चिन्ह यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर के दस्तावेज 'ब्रीफ डिसक्रिपशन्ज' की ओर इंगित करता है जिसमें दिसम्बर 2001 तक विश्व विरासत सूची में शामिल की गई सभी विरासत स्थलों की जानकारी दी गई है, और वे सभी कारण जिनके रहते इन्हें विश्व सूची में शामिल किया गया है उस तिथि के साथ दिये गये हैं, जिस दिन उनका विश्व-सूची में समावेश हुआ था।

विश्व विरासत नक्शा

यह चिन्ह वर्ल्ड हेरिटेज नक्शे की ओर सूचित करता है जिसमें वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेन्शन से अनुबंधित सभी राज्यों को उनकी अनुमोदन (रेटिफिकेशन) तिथियों के साथ दिखाया गया है और साथ ही विश्व विरासत स्थलों के नामों को क्षेत्रों के अनुसार दिखाया गया है।

लैमिनेटेड फोटोग्राफ्स (छाया चित्र)

इस चिन्ह का इशारा 26 प्राकृतिक और सांस्कृतिक विश्व विरासत स्थलों की लैमिनेटेड फोटोग्राफ्स की ओर है जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत स्थलों का नाम, उनका संक्षिप्त विवरण, वे कारण जिनके रहते वे विश्व विरासत सूची में सम्मिलत हैं, उस तिथि के साथ दिया गया है जिस दिन वे इस सूची में शामिल किये गये थे।

हम आशा करते हैं कि आप पुस्तिका में दी गई सभी चुनौती-पूर्ण क्रियाकलापों को कार्यान्वित करने में सफल हो पायेंगे। यूनेस्को आपको अधिक जानकारी देने या आपकी मदद करने के लिए हमेशा आपके साथ है।

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत की ओर एक शैक्षणिक दृष्टि

चीन में हुए एशिया-पेसेफिक वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम में कुछ युवतियाँ बीजिंग के निषिद्ध शहर में ड्रैगन की नक्काशी को देखते हुए। © यूनेस्को

‘ विश्व भर के सभी विद्यालयों में सभी स्तरों पर सभी विद्यार्थियों के लिए विश्व विरासत-प्रशिक्षण की शुरुआत ही मुख्य चुनौती है, इस बात से सभी शिक्षक सहमत थे।’

पहला अफ्रीकन विश्व हेरिटेज यूथ फोरम,

विक्टोरिया फाल्स, जिम्बाब्वे/जाम्बिया

विश्व विरासत की ओर एक शैक्षणिक दृष्टि

एकीकृत प्रशिक्षण की ओर बढ़ते कदम 18

विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित क्रियाकलाप 18
चर्चा 19
अनुसंधान 19
प्रायोगिक अनुभव 19
दृष्टि-सत्र (लैमिनेटेड फोटो) 19
विश्व विरासत स्थलों पर यात्रा 20
विद्यार्थी क्रियाकलाप 1: विश्व विरासत प्रश्नावली 20

विरासत स्थलों और म्यूजियमों में जाना 21

विरासत-स्थलों पर यात्रा 21
तैयारी 21
पूर्व-दर्शन 21
स्थल-दर्शन 22
स्थल-दर्शन पर चर्चा 22
विद्यार्थी क्रिया कलाप पन्ना: विश्व विरासत स्थल-दर्शन 24
म्यूजियमों में जाना 26
म्यूजियमों के अंदर विशेष-भाषण 26
म्यूजियम की किसी वस्तु की जांच 26
विद्यार्थी क्रिया कलाप पन्ना: म्यूजियम की किसी वस्तु पर अन्वेषण 27
हस्तकला कार्यशाला में जाना 28

भूमिका अभिनीत करना 28

कक्षा में तरह-तरह की भूमिका अभिनीत करना 28
विश्व विरासत स्थल के इतिहास की घटनाओं का नाटक 29
विवादास्पद बातों का शांतिपूर्ण हल खोजना 30

वैश्विक नेटवर्क और इंटरनेट 31

वैश्विक नेटवर्क 31
प्रशैक्षणिक दृष्टि से इंटरनेट पर सर्फिंग 32
इंटरनेट 32
इलेक्ट्रोनिक मेल 32
वर्ल्ड वाइड वेब 32
इंटरनेट का उपयोग क्यों 33
विश्व विरासत वेब पर 34
इंटरनेट पर ए एस पी नेट 36
उपयोगी इंटरनेट-पते 36

एकीकृत प्रशिक्षण की ओर बढ़ते कदम

आने वाली पीढ़ियों के लिए विश्व विरासत संरक्षण के विश्व-व्यापक महत्व और मूल्य और हमारी पृथ्वी को बचाने के बचाने की दिशा में किये जा रहे यत्नों की ओर हम यदि शैक्षणिक दृष्टिकोण से देखें तो हम पायेंगे कि प्रशिक्षण हेतु हमारे सामने बहुत से मार्ग उपलब्ध हैं, और यह सभी मार्ग एक दूसरे से जुड़े हैं।

अधिकतर विद्यालयों में भारीभरकम पाठ्यक्रम और शिक्षकों पर बढ़ते दबाव के होते हुए भी जो शिक्षक युवावर्ग को विश्व विरासत संरक्षण के महत्व का संग्राहक बनाना चाहते हैं, वे एकीकृ त प्रशिक्षण को अपनाने की इच्छा रखते हैं।

विभिन्न मार्गों के एकीकरण के द्वारा विभिन्न विषय जैसे कि इतिहास, भूगोल, विज्ञान, कला आदि पढ़ा रहे सभी शिक्षक अपनी कक्षाओं में विश्व विरासत संरक्षण से संबधित कुछ बातें अवश्य ही बता सकते हैं।

इस संसाधन-पुस्तिका के सभी मुख्य विभागों के अन्त में कुछ ऐसी जानकारी के विषय में सुझाव दिये गये हैं जिसे विभिन्न पाठ्यक्रमों में शामिल किया जा सकता है।

विश्व विरासत प्रशिक्षण, सभी विषयों के शिक्षकों को एक साथ मिलकर कुछ ऐसा काम करने की ओर प्रेरित करता है जिससे कि विद्यार्थियों में विश्व विरासत के संरक्षण के प्रति जानकारी लेने, उसे प्रोत्साहन देने और इस दिशा में कार्य करने की इच्छा जागृत हो।

▲ विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित क्रिया-कलाप

इस पुस्तिका में प्रस्तावित क्रियाकलापों के द्वारा एकीकृत-प्रशिक्षण क्या है यह समझने में मदद मिलती है। इन सभी क्रियाकलापों को, विश्व के विभिन्न भागों से चुने हुए उन शिक्षकों द्वारा जो यूनेस्को के यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट के साथ शुरू से ही जुड़े हैं, आंशिक रूप से जांचा और परखा जा चुका है। इन सभी क्रियाकलापों को हर राष्ट्र की स्थानीय शिक्षा प्रणाली के अनुरूप आसानी से ढाला जा सकता है। इन सभी प्रशिक्षण क्रियाकलापों का अन्तिम उद्देश्य युवाओं के मन में हमारी विरासत के संरक्षण के प्रति आस्था को प्रेरित करना और उसे प्रबल बनाना ही है, और साथ ही उत्साहवर्धक क्रिया कलापों के माध्यम से कुछ सामाजिक कार्य कर विद्यालय और समाज के बीच के फासले को मिटाना है।

विद्यार्थी छः प्रकार के क्रिया-कलापों में शामिल हो सकते हैं:

चर्चा
अनुसंधान
प्रयोगिक क्रियाकलाप
दृष्टि सत्र
विश्व विरासत स्थलों की यात्रा
विभिन्न भूमिकाएँ अभिनीत करना

चर्चा

विश्व विरासत प्रशिक्षण, युवाओं को विश्व विरासत का अर्थ और उसके मूल्य समझने में, चर्चा कर सकने, विश्व विरासत संरक्षण के तरीकों को समझने तथा बहु-संख्य जन पर्यटन से विश्व

© यूनेस्को 2002

विरासत को होने वाले फायदे और नुकसान इत्यादि को समझने में समर्थ बनाता है। चूंकि, विश्व विरासत प्रशिक्षण में ज्ञान वर्धन के साथ-साथ कार्य करना भी शामिल है, चर्चा सत्रों का आयोजन, युवाओं को विश्व विरासत संरक्षण से अवगत करवाने में और उनकी सुरक्षा जो संपूर्ण जीवनकाल तक चलने वाली प्रक्रिया है में योगदान देने के हेतु प्रेरित करने के लिए सबसे उपयोगी साधन सिद्ध हुआ है।

एक स्लोवेनियन विद्यार्थी अपनी कुछ विरासत , घर में बनी मिठाइयों को ड्यूबरोवनिक युवा मंच के सहभागियों के साथ बाटंते हुए।
© यूनेस्को 2002

अनुसंधान

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति के कारण कई जगहों पर सूचना की एक क्रान्ति सी आ गई है। कई प्रकार के डाटा बैंक्स, अनुसंधानों के निष्कर्ष, कई प्रकार के आंकड़ों के बारे में संक्षिप्त जानकारी, पुस्तकालय या फिर इंटरनेट अदि पर वर्तमान में उपलब्ध हैं या होंगे। विश्व विरासत प्रशिक्षण, विश्व विरासत संरक्षण के संदर्भ में, विद्यार्थियों को अनुसंधान के सरल तरीकों जैसे कि सूचना को इकट्ठा करना, उसका विश्लेषण करना, निष्कर्ष निकालना और उसके अनुसार कार्य करने आदि के विषय में जानकारी देता है।

क्रियात्मक अनुभव

विश्व विरासत प्रशिक्षण करो और सीखो इस बात पर अधिक महत्व देता है जिसमें विद्यार्थियों को बहुत से क्रियाकलाप स्वयं करने को कहा जाता है, इसे ही प्रयोगात्मक अथवा क्रियात्मक शिक्षा कहा जाता है। इन क्रियाकलापों में विद्यार्थियों की सृजनशीलता, कल्पना-शक्ति, समस्याओं को हल करने की क्षमता, कला और सौन्दर्य दृष्टि, खेल अथवा नाट्यक्षमता आदि का उपयोग होता है। कुछ क्रियाकलापों में विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ने होते हैं जिन्हे विद्यार्थी आसानी से भर सकते हैं।

दृष्टि-सत्र

विश्व विरासत प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को विश्व विरासत सूची/वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट (जिसमें दिसम्बर 2001 तक 72 स्थल थे) में दर्ज किए गए स्थलों के बारे में जानकारी दी जाती है। इस किट में विद्यार्थियों को दिखाने के लिए विविध प्रकार के फोटो आदि होते हैं। कितने ही विद्यार्थी इन स्थानों को पहली बार देखते हैं और देखने के बाद शायद हमेशा के लिए याद भी रख पाते हैं। जिन विद्यार्थियों को इंटरनेट या सी डी-रॉम जैसी नयी शैक्षणिक प्रौद्योगिकी उपलब्ध है उन्हें इन साधनों द्वारा विश्व विरासत स्थलों के बारे में चमत्कारी तथ्यों को खोजने के लिए प्रेरित किया जाता है।

© यूनेस्को 2002

हंगरी के कुछ विद्यार्थी एगटेलेक क्रास्ट और स्लोवाक क्रास्ट, हंगरी स्लोवाकिया के विषय में विशेषज्ञों से सीधे ही जानकारी प्राप्त करते हुए।
© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत स्थलों की यात्रा

यूनेस्को यंग पीपुल वर्ल्ड हेरिटेज के कारण यह बात बिलकुल खुल कर सामने आई है कि इस प्रशिक्षण द्वारा विश्व विरासत के बारे में जितनी अधिक जानकारी दी जाती है, उतनी ही और अधिक जानकारी प्राप्त करने की ऐसी इच्छा जागृत होती है जिसके लिए देश व महाद्वीप जैसी सीमायें कोई मायने नहीं रखतीं। किट में दिये गये क्रियाकलापों द्वारा, विश्व के विभिन्न भागों में स्थित कुछ चुनिंदा प्राकृतिक और सांस्कृतिक विश्व विरासत स्थलों के विशिष्ट व प्रतिरूपक गुणों, उनके महत्व और संरक्षण के बारे में पता चलता है। फोटाग्राफ्स और उनके पीछे दी गये विवरण को देखकर विद्यार्थी सुदूर प्रांतो की यात्रा करने तथा उन क्षेत्रों का अन्वेषण करने की भावना से प्रेरित होते हैं जिससे उनमें इन स्थलों के प्रति रुचि और लगाव का निर्माण होता है।

■ विद्यार्थी क्रिया-कलाप 1

विश्व विरासत स्थल प्रश्नावली

उद्देश्य: विश्व -विरासत स्थलों के बारे में विद्यार्थियों के ज्ञान की परीक्षा और उनमें विश्व विरासत संरक्षण के लिए रुचि उत्पन्न करना।

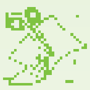
प्रायोगिक अनुभव

कक्षा-क्रिया कलाप

कक्षा का एक पीरियड

भूगोल, समाज-शास्त्र

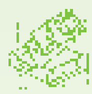
लैमिनेटेड फोटाग्राफ्स
विश्व विरासत सूची
संक्षिप्त विवरण

✓ विद्यार्थियों को बताइये कि उन्हें विश्व विरासत के बारे में प्रश्न पूछे जायेंगे। उन्हें अपनी कॉपी में 1 -26 तक नंबर लिखने के लिए कहें और उनके सामने उस विरासत स्थल का नाम लिखने को कहें जिनका फोटो उन्हें दिखाया जाएगा। अगर उन्हें स्थल का नाम ठीक से याद नहीं है तो उन्हे उस देश का नाम लिखने को कहें जिसमें वह स्थल स्थित है। आप उन्हें एक-एक करके 26 फोटो दिखायें ताकि उन्हें प्रत्येक स्थल का नाम लिखने का समय मिल सके। (आपकी सूचना के लिए उस स्थल का नाम, फोटो के पीछे दिया गया है।)

✓ सभी फोटो दिखाने के बाद, विद्यार्थियों को अपने-अपने पन्ने, अपने से आगे बैठे विद्यार्थी को देने के लिए कहें जो उन्हें विरासत का सही नाम लिखने के लिए एक नंबर और देश का सही नाम लिखने के लिए आधा नंबर देगा (जहाँ उन्होंने स्थल का नाम नहीं लिखा है)।

© यूनेस्को 2002

विरासत स्थलों और म्यूजियमों में जाना

विश्व विरासत प्रशिक्षण का एक ऐसा पहलू भी है जो विद्यार्थियों के मनों को उल्लास से भर देता है, और वह है, उन्हे कक्षा की चारदिवारी से बाहर जाने का एक अवसर प्रदान करना। इस प्रशिक्षण के तहत विद्यार्थियों को उनके आस-पास के क्षेत्रों, अपने देश या अपने देश के बाहर के म्यूजियमों और विरासत स्थलों पर जाने का मौका मिलता है। एसे मौकों को अधिक से अधिक प्रभावी बनाने के लिए, सावधानी पूर्वक योजना बनाना, अच्छे संगठन और दर्शनोत्तर गतिविधियों की आवश्यकता होती है।

▲ विरासत स्थल दर्शन

अनुभव बताता है कि किसी विश्व विरासत स्थल का दर्शन, विश्व विरासत प्रशिक्षण के रोमांचकारी क्षणों में से एक है। ऐसे अवसर शिक्षक तथा विद्यार्थी दोनों के लिए यादगार अनुभव बन सकते हैं यदि वे निम्न लिखित बातों पर अमल करें:

तैयारी

इन अवसरों को सफल बनाने के लिये बहुत तैयारी की जरूरत होती है, यह तैयारी है:

- शिक्षक/शिक्षकों द्वारा पहले ही एक बार उस स्थल पर जा कर आना
- स्थल पर जाने से पहले और स्थल से लौटने के बाद, विद्यार्थियों को देने के लिए प्रश्नावली बनाना जिसके द्वारा उनके स्थल और उसके संरक्षण से संबधित ज्ञान, मानसिकता, दक्षता और व्यवहार में आये परिवर्तन का आकलन किया जा सके ;
- विद्यार्थियों को विशेष प्रकार की गतिविधियों के लिये तैयार करना जैसे कि इतिहास का नाटक द्वारा प्रस्तुतीकरण, स्थल से संबंधित कहानियों और दंतकथाओं को सुनाना या फिर स्थल के चित्र बनाना आदि
- कुछ ऐसे कार्यों की योजना बनाना जो विद्यार्थियों को स्थल-दर्शन से लौट कर कर सकें।

पूर्व-तैयारी

विभिन्न विषयों के शिक्षक मिलकर विद्यार्थियों के लिए स्थल-दर्शन की तैयारी कर सकते हैं। उदाहरण के लिये, इतिहास के शिक्षक उस स्थल के पूरे इतिहास के बारे में जानकारी दे सकते हैं, भूगोल के शिक्षक उस स्थल की भौगोलिक स्थिति के विषय में विशेष बातें विद्यार्थियों को बता सकते हैं, भाषा के शिक्षक स्थल से संबधित गद्य या पद्य (कविता, कहानी, नाटक) आदि उपलब्ध करवा सकते हैं, कला शिक्षक विद्यार्थियों को स्थल के चित्र या स्केल मॉडल बनाने के लिए कह सकते हैं, गणित के शिक्षक विद्यार्थियों को किसी सांस्कृतिक स्थल से संबंधित गणित के सवाल हल करने के लिए कह सकते हैं, या किसी प्राकृतिक स्थल में कितनी स्पिशीज रहती हैं इसका अंदाज लगाने के लिए कह सकते हैं, विज्ञान के शिक्षक, पर्यटन, प्रदूषण या फिर नजरअंदाजी के कारण उन स्थलों को पहुंचने वाले खतरे के बारे में विद्यार्थियों को बता सकते हैं ।

ए एस पी विद्यार्थी सिढ़ीदार पिरामिड सग्गारा, मिस्र की यात्रा के दौरान, मिस्र के आदिकालीन सिर ढ़कने के वस्त्रों को बाधें हुए।
© यूनेस्को 2002

© यूनेस्को 2002

स्थल दर्शन को एक अविस्मरणीय अनुभव बनाने के लिये आप विद्यार्थियों को उस दिन पांरपरिक वेशभूषा में आने के लिए कह सकते हैं, पुरातन या पांरपरिक संगीत को अपने साथ ले जा सकते हैं, विद्यार्थियों को वैसा गाना गाने के लिए कह सकते हैं या फिर किसी विशेष अतिथि को स्थल पर आमंत्रित कर सकते हैं। क्या प्रस्तावित स्थल पर कोई एजूकेशन आफिसर है जो आपको उस स्थल दर्शन की योजना में मदद कर सकता है, इसकी पूर्व जानकारी भी आप ले सकते हैं।

यदि उस स्थल से संबंधित कुछ शैक्षणिक सामग्री पहले से ही उपलब्ध हैं तो स्थल दर्शन से पूर्व आप उसे विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए दे सकते हैं। अधिक से अधिक व्यवहारिक जानकारी (अंदर जाने की टिकट की दर, खुलने और बंद होने का समय, फोटो निकालने के लिए अनुमति लेने की आवश्यकता, खान-पान की सुविधा, सोविनेर दुकानें, आराम के लिए जगह, पूर्व चिकित्सा की उपलब्धता आदि), और एक साथ सभी विद्यार्थी अंदर जा सकते या फिर उन्हें टुकड़ियों में जाना होगा यह सब जानकारी आप पहले से ही एकत्रित कर लें।

विद्यार्थी-क्रियाकलाप पन्नों को पहले से ही बनाकर रख लें ताकि विद्यार्थी उन्हें स्थल-दर्शन के समय भर सकें। साथ ले जाने के लिए सभी प्रकार की सामग्री जैसे लिखने और चित्र बनाने के लिए कागज, पेन्सिल व कैमरा आदि एकत्रित कर लें।

यदि आपके पास विडियो कैमरा है तो आप स्थल-दर्शन की विडियो टेप बना सकते हैं जो विद्यार्थियों, अभिभावकों और दूसरे लोगों को दिखाई जा सकती है।

स्थल दर्शन

स्थल दर्शन के समय पर की जा सकने वाली सभी क्रियाकलापों की पूर्वयोजना बना लें जैसे कि - चित्र बनाना या फोटो लेना, इंटरव्यू लेना (स्थल के गाइड, दूसरे लोगों या फिर विद्यार्थियों में से किसी का), प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा दर्शन का एक वृत्तांत-पत्रिका बनाना, विडियो बनाना, आराम और मनोरंजन (गानों का कार्यक्रम, किसी अभिभावकों द्वारा बनाये गये विशेष व्यंजनों को स्थल के कायकर्ताओं के साथ बांट कर खाना अदि)।

विद्यार्थी, बिजिंग वर्ल्ड यूथ फोरम में 25 मीटर लंबी विरासत पट्टी पर टेम्पल ऑफ हेवन की यात्रा पर जाते समय अपने विरासत स्थलों के चित्र बनाते हुए। © यूनेस्को 2002

विक्टोरिया फाल्स (मोसी-ओआ-टून्या) जाम्बिया और जिम्बाब्वे में हुए विश्व विरासत युवा मंच के दौरान कुछ विद्यार्थी अपने स्थल - दर्शन पर वाद-विवाद करते हुए © यूनेस्को

स्थल दर्शनोपरांत के क्रियाकलाप

दर्शनोपरांत कुछ क्रियाकलाप स्थल दर्शन की पूर्व तैयारी जितने ही महत्वपूर्ण है क्यों कि ये क्रियाकलाप विद्याथियों को स्थल दर्शन के समय दी गई जानकारी को आत्मसात करने तथा उसे दूसरों के साथ बांट सकने में सहायक होते हैं। ऐसे कुछ प्रस्तावित क्रियाकलाप इस प्रकार हैं:

- अपने विद्यार्थियों से चर्चा करें कि उन्होंने क्या देखा और क्या सीखा, उनसे यह भी पूछें कि उन्हें क्या सबसे अच्छा लगा और क्या सबसे कम ;

© यूनेस्को 2002

→ विद्यार्थियों को लिखने के लिए कुछ अनुसंधानिक विषय दिये जा सकते हैं जैसे कि उस स्थल पर संरक्षण को हानि पहुँचाये बिना पर्यटन को बढ़ावा देने के उपाय, स्थल को हो सकने वाले भावी खतरों का अवलोकन और उस पर कारगर उपाय, गाइडों के लिए पर्यटन प्रबन्धन पर प्रस्तावित सुझाव आदि ;

→ विद्यार्थियों को स्थल दर्शन के समय बनाये गये चित्रों के आधार पर, पेंटिंग्स और प्रतिमायें बनाने और उन्हें प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित करना;

→ स्थलों पर लिये छाया चित्रों की प्रदर्शनी लगाना, जिसमें से कुछ बेहतरीन फोटो विरासत-फोटो के रूप में अभिभावकों द्वारा चुने जा सकते हैं और विजेता विद्यार्थियों को कुछ छोटे उपहार दिये जा सकते हैं ;

→ विद्यार्थियों को स्थल-दर्शन पर लेख लिखने के लिये कहा जा सकता है जिन्हें स्कूल की पत्रिका या फिर स्थानीय समाचार पत्र आदि में प्रकाशित किया जा सके;

→ विद्यार्थियों को दूसरे किसी स्थल-दर्शनार्थ लिखित प्रस्तावना तैयार करने के लिए कहना।

बीजिंग वर्ल्ड हेरिटेज फोरम © यूनेस्को 2002

© यूनेस्को 2002

विद्यार्थी द्वारा स्थल दर्शन से पूर्व, दर्शन के समय तथा उसके तुरंत बाद में भरे जाने के लिए (विशेष रूप से किसी विश्व विरासत स्थल दर्शनार्थ)

विरासत स्थल का नाम ....

विद्यार्थी का नाम ....

स्थल दर्शन तिथि ....

आपको इस स्थल दर्शन से क्या क्या आशाएँ हैं (आप किस प्रकार का अन्वेषण करना चाहेंगे और क्या जानकारी चाहेंगे आदि)

स्थल-दर्शन के समय

विरासत स्थल के उस भाग का चित्र बनाना जो आपको सबसे अच्छा लगा हो (अलग कागज का उपयोग करें)

उस जानकारी और तिथियों को लिखिये जिन्हें आपने स्थल के बारे में जाना

इन्द्रियजनित अनुभव लिखिये: आँख बंद कर के सोचिये कि आपने क्या सुना, सूंघा और स्थल के उस पहलू के बारे में लिखिये जिसने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया

ध्वनि ....

....

गंध ....

....

दृष्टि..

....

दर्शनोपरान्त

क्या आपके दर्शन के पूर्व की आशायें पूर्ण हुईं ❑ हाँ ❑ ना

समझाइये

इस स्थल से संबंधित महत्वपूर्ण पहलू क्या हैं?

अंतिम टीका-टिप्पणी

हस्ताक्षर

तिथि

▲ म्यूजियम में जाना

म्यूजियमों में जाना विश्व विरासत प्रशिक्षण का एक और अहम पहलू है और म्यूजियम में काम करने वाले लोग और अतंर्राष्ट्रीय म्यूजियम समिति (इंटरनेशनल काऊन्सिल ऑफ म्यूजियम, आई सी ओ एम) के सदस्य इस प्रशिक्षण में शिक्षकों के भागीदार हो सकते हैं। केवल म्यूजियम ही वे स्थान हैं जहाँ पर किसी प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक स्थल से संबंध रखने वाले किसी तथ्य का प्रमाण मिल सकता है।

उन स्कूलों में जो किसी म्यूजियम के पास स्थित नहीं हैं, स्थानीय लोग और अभिभावकगण और विद्यार्थियों के दादा-दादी, नाना-नानी इत्यादि दूसरे स्थानीय स्थानों के इतिहास के बारे में कुछ तथ्य बताकर, वर्तमान को भूतकाल से जोड़ने की दिशा में सहायक हो सकते हैं।

विद्यार्थी गोरे द्वीप पर ऐतिहासिक स्मारक का दर्शन करते हुए, जो कभी गुलामों के घर थे © यूनेस्को

एसपी विद्यार्थी एलेक्सेन्ड्रीया, मिस्र के रोमन म्यूजियम में एक विशेष भाषण को सुनते हुए। © यूनेस्को

म्यूजियमों में विशेष भाषणों का आयोजन

कुछ म्यूजियम इतने विशाल होते हैं और उनमें इतनी अधिक वस्तुओं और कला के नमूनों का संग्रह होता है कि विद्यार्थियों के लिए एक समय में उनके विषय की जानकारी को आत्मसात करना संभव नहीं होता। इसलिये कुछ शिक्षक म्यूजियम में से कोई एक विषय या विभाग चुन ले ते हैं और म्यूजियम-दर्शन के समय किसी विशेष व्यक्ति द्वारा उस विषय पर एक भाषण (ऐसा व्यक्ति जो ज्ञान- वर्धन के साथ-साथ विद्यार्थियों का मनोरंजन भी कर सके) का आयोजन करते हैं।

म्यूजियम के किसी वस्तु विशेष पर अन्वेषण

म्यूजियम जाने से पहले प्रत्येक विद्यार्थी को म्यूजियम की किसी एक वस्तु के बारे में विस्तारपूर्वक निरीक्षण और अन्वेषण करने को कहा जा सकता है। प्रत्येक विद्यार्थी को एक 'म्यूजियम वस्तु अन्वेषण-विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना' दिया जा सकता है जिसमें सभी विद्यार्थी म्यूजियम से लौटकर अपनी-अपनी खोजों के विषय में लिख सकते हैं।

© यूनेस्को 2002

म्यूजियम की उस वस्तु का नाम लिखें जिस पर अन्वेषण करना है:

निरीक्षण के विभिन्न पहलू	प्रश्न	निरीक्षण टिप्पणी	आगे और अनुसंधान की आवश्यकता
भौतिक गुण	▪ वस्तु का रंग क्या है? ▪ इसकी गंध कैसी है? ▪ इसकी आवाज कैसी है? ▪ यह किस पदार्थ से बनी है? ▪ क्या यह प्राकृतिक है या फिर इसे बनाया गया है? ▪ क्या यह संपूर्ण है? ▪ क्या इसको बदला, जोड़ा या परिस्थिति के अनुसार ढाला गया है? ▪ क्या यह टूट फूट चुकी है?		
निर्मिती	▪ यह मशीन से बनी है या हाथ से? ▪ क्या इसे सांचे में ढालकर बनाया गया था या टुकड़ो को जोड़ कर? ▪ टुकड़ों को एक साथ कैसे जोड़ा गया?		
कार्य	▪ इस वस्तु का उपयोग कैसे किया जाता था? ▪ क्या इसके उपयोग को बदला गया है?		
डिजाईन (अभिसरंचना)	▪ क्या यह वस्तु वह कार्य ठीक प्रकार से कर रही है जिसके लिए इसे बनाया गया था? ▪ क्या इसे सजाया गया है? ▪ क्या इसे सबसे अच्छी सामग्री से निर्मित किया गया था? ▪ क्या आप को इसकी आकृति पसंद आई? ▪ आप इस वस्तु को किस प्रकार से बनाते?		
मूल्य	▪ इसका मूल्य क्या है? ▪ जिसने इसे बनाया उनके लिए ? ▪ जिन्होंने इसका उपयोग किया? ▪ जिन्होंने इसे रखा? ▪ आपके लिए? ▪ म्यूजियम के लिए? ▪ एक संग्रहकर्ता के लिए?		

हस्त -शिल्प कार्यशाला में जाना

संदर्भ सामग्री की सूची

म्यूजियम में देखी गई कुछ हस्त-शिल्पकला की वस्तुएँ (जैसे कि मिट्टी के बर्तन आदि) आज भी कारीगरों द्वारा बनायी जाती हैं, जिनकी यह कला, एक दशक से दूसरे दशक यहां तक कि शताब्दियों से ही पीढ़ी दर पीढ़ी चलती आ रही है। ऐसी उद्योगशालाओं में विद्यार्थी, पारंपरिक वस्तुएँ जो आज भी बन रहीं हैं को अपने सामने बनते हुए देख सकते हैं, और उन्हें छूकर भी देख सकते हैं। इन स्थानों पर आने के बाद वे उस कला के अस्तित्व, विरासत (जिसमे विश्व विरासत भी शामिल है) और स्थानीय कला के बीच के संबंध को समझ सकते हैं।

यूनेस्को के कला और दस्तकला के अंतर्क्षेत्रीय परियोजना के अन्तर्गत वाटेमाला में कपड़ा बुनने की कला को सीखते हुए कुछ विद्यार्थी © यूनेस्को

अभिनय (अलग-अलग भूमिकाओं में अभिनय)

विश्व विरासत में विद्यार्थियों की रुचि को बढ़ाने के लिए कई शिक्षक, अलग-अलग भूमिकाओं के अभिनय प्रस्तुतीकरण को बहुत उपयोगी समझते हैं। इस के पाँच मुख्य शैक्षणिक उद्देश्य हैं:

- जागरुकता को बढ़ाना
- कठिन और अव्यावहारिक लगने वाले विषयों को सरल बनाना
- नयी अनुसंधानिक योग्यता प्राप्त करवाना
- विरासत के प्रति आस्था और उसके कार्य के प्रति जीवनपर्यन्त प्रतिबद्धता को जागृत करना
- विद्यार्थियों की सृजनशीलता को विकसित करना

▲ कक्षा में भूमिकायें अभिनीत करना

विश्व विरासत संरक्षण के दौरान कुछ चुनौती-पूर्ण और जटिल प्रश्नों के समाधान की आवश्यकता पड़ती है जैसे कि विश्व विरासत सूची में नये स्थलों को शामिल करना, सुरक्षा के लिए सही सामग्री व विधियों का चुनाव करना, विकास कार्य (पुराने घरों को तोड़ना, पर्यटन विकास, नये रास्तों को बनाना, आदि), संरक्षण और प्रबंधन की योजनायें बनाना, स्थल-निरीक्षण, प्रचार अभियान, धन की उपलब्धता के लिए किसी एक स्थल को दूसरे स्थलों की अपेक्षा अधिक प्राथमिकता देना आदि।

अलग अलग भूमिकाओं के अभिनय से विद्यार्थी इन मसालों को अच्छी तरह समझ पाते हैं और इन स्थितियों में सही निर्णय कैसे लिये जाते हैं यह सीखते हैं। शिक्षकों द्वारा कक्षा को पहले छोटे-छोटे समूहों में विभाजित किया जाता है। हर समूह को किसी किरदार या किसी वर्गविशेष के लोगों

© यूनेस्को 2002

की भूमिकाओं के विषय में कुछ अनुसंधान करने को कहा जाता है। बाद में, विद्यार्थियों को उन भूमिकाओं को अभिनीत करने व उन किरदारों की परिस्थितियों को प्रकट करने को कहा जाता है। शिक्षक, विद्यार्थियों को इनके बारे में उचित जानकारी कहां मिलेगी यह बताने में मदद कर सकते हैं या फिर, शिक्षक पहले से ही विभिन्न पक्षों के लिए, उनके विचारों और निर्णयों के कुछ विवरण लिख कर रख लेते हैं और उन्हें विभाजित विद्यार्थी समूहों में बांट देते हैं। विद्यार्थी अपने-अपने समूहों में अपने किरदारों के विषय में चर्चा करते हैं और किसी एक विद्यार्थी को अभिनय द्वारा उस किरदार की भूमिका को अभिनीत करने के लिए चुनते हैं। प्रत्येक अभिनेता विद्यार्थी अपने पक्ष के समर्थन में बोलता है और बाकी के विद्यार्थी उन पक्षों को सुनकर, जज या कमिटी के तौर पर निर्णय सुनाते हैं।

विद्यार्थियों द्वारा भूमिका-अभिनय प्रक्रिया को पूर्णता से समझने के लिए, निम्नलिखित उपाय किये जा सकते हैं:

- विश्व विरासत स्थल के संरक्षण के लिये क्या-क्या चुनौतियाँ हैं यह विद्यार्थियों को अच्छी तरह से समझाना;
- संरक्षण से संबंधित अलग-अलग लोग इन चुनौतियों का सामना किस प्रकार से करते हैं, इसका अभिनय द्वारा प्रस्तुतीकरण;
- विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तावित उपायों का मूल्यांकन;
- विद्यार्थियों द्वारा प्रजातंत्रीय रूप से सबसे अच्छे उपाय का चयन;
- उपायों का कार्यान्वयन कैसे किया जाय इसका विद्यार्थियों द्वारा निर्णय लेना;
- चुने जा रहे उपायों से भविष्य में होने वाले परिणामों का मूल्यांकन।

▲ विश्व विरासत स्थल के इतिहास का नाटक के रूप में प्रस्तुतीकरण

किसी विरासत स्थल पर ऐतिहासिक नाटक का प्रस्तुतीकरण विद्यार्थियों के मन पर एक अमिट छाप छोड़ सकता है। कितने ही प्रसिद्ध नाटकों जैसे कि शेक्सपियर के हेमलेट को डेनमार्क के किले क्रोनबोर्ग में, और वर्दी ओपेरा एइडा को लक्सर, इजिप्ट में खेला जा चुका है। यूनेस्को एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क (ए एस पी नेट) विद्यार्थियों द्वारा क्रोयेशिया के विश्व विरासत नगर स्प्लिट में, रोम के राजा डायोक्लेशियन से संबंधित एक नाटक का मंचन उसीके राजमहल के खण्डहर के अंदर किया गया था।

विश्व विरासत शहर स्प्लिट के विद्यार्थी भूमिका अभिनय के द्वारा इतिहास को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हुए। स्प्लिट का ऐतिहासिक संकाय और डायोक्लेशियन के महल, क्रोएशिया
© यूनेस्को

© यूनेस्को 2002

▲ विवादास्पद मामलों का शान्तिपूर्ण हल खोजना

कभी-कभी वर्ल्ड हेरिटेज संरक्षण के मामले में विवाद भी खड़े हो जाते हैं, उदाहरण के तौर पर मालकियत को लेकर झगड़ा, युद्ध के कारण या फिर विकास के लिए प्रस्तावित निर्माण कार्य के कारण। इन सभी परिस्थितियों में, कल्पनाशक्ति के उपयोग से सही हल ढूंढने की आवश्यकता होती है। भूमिका-अभिनय युवाओं को अहिंसात्मक तरीकों से विवादों के हल ढूंढ निकालने की क्षमता, किसी मसले को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखने की आवश्यकता, और समझौते की कार्यनीति के महत्व को समझने में सहायक होते हैं।

शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष किसी एक परिस्थिति को रख सकते हैं, जैसे किसी विकास योजना के विश्व विरासत स्थल संरक्षण के आड़े आना आदि। कक्षा को अलग-अलग समूहों में विभाजित कर दिया जाता है और प्रत्येक समूह को एक विशिष्ट भूमिका जैसे कि विकास प्रबंधक, विरासत स्थल का पारंपरिक संरक्षणकर्ता, स्थानीय मेयर, स्थानीय निर्माण कारीगर या फिर कोई पर्यटक। सभी समूहों को नीचे दी गई चेक लिस्ट दे दी जाती है जिससे कि वाद-विवाद के दौरान वे अपने पक्ष को पेश कर सकें और किसी ऐसे हल को खोज सकें जो सभी को मान्य हो तथा जिससे भविष्य में भी किसी कठिनाई के आने की संभावना न हो।

विश्व विरासत संरक्षण के लिये भूमिका अभिनय द्वारा शांतिपूर्ण हल निकालने हेतु चेकलिस्ट:

1. कौन बोल रहा है इसकी अपेक्षा मसले की ओर अधिक ध्यान दें।
2. अपने आप को विरोधी पक्ष/पक्षों की जगह रख कर देखें और याद रखें कि किसी समूह को एक से अधिक विषयों में रुचि हो सकती है।
3. अपने विरोधी पक्ष को उनके विचार और भावनाएँ खुल कर बोलने दें, उसकी सभी बातों को ध्यान से सुनें।

4. विरोधी पक्ष/ पक्षों को समझने की कोशिश करें और उनका विरोध के मुख्य मुद्दे क्या है यह अच्छी तरह से जान लें।
5. विरोधी पक्ष पर हावी होने के बजाय अपने प्रश्नों के उत्तर मांगे।
6. आप अपने पक्ष को इस प्रकार से रखें कि विरोधियों को आपकी बातें आसानी से समझ आ जायें।
7. मामले के विस्तार में खो न जायें।
8. जहां तक हो सके ऐसे समाधान खोजें जिनसे सभी पक्षों को संतोष हो। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य सही हल ढूंढना है।
9. अपने विरोधी पक्ष/पक्षों को डराये-धमकायें नहीं।
10. किसी भी प्रकार के दबाव में न आयें।
11. चौंका देने वाला सकारात्मक योगदान दें।
12. विवाद के समाधान की तरफ धीरे-धीरे बढ़ें, सरल प्रश्नों के उत्तर खोजते हुए, जटिल प्रश्नों के समाधान की ओर बढ़ें।
13. नये विवाद को उठने से रोकने के लिये सहयोग दें।
14. भविष्य के संभावित विवादों के समाधान के लिये सहमत रहें।

शिक्षक इस वाद-विवाद के समय पार्श्वभूमि में ही रहें, पर विद्यार्थी यदि मदद चाहें तो उसके लिए हमेशा तैयार रहें।

© यूनेस्को 2002

वैश्विक नेटवर्किंग और इंटरनेट

आज के युग को सूचना-युग कहा जा सकता हैं क्यों इस समय हर जगह से सूचना का विस्फोट-सा हो रहा है। इंटरनेट के द्वारा हम, विश्व के विभिन्न भागों में स्थित पुस्तकालयों, डाटा बैंक, अभिलेखागार, मौसम तथा उपभोक्ता उत्पादों के बारे में जानकारी जब जी चाहे हासिल कर सकते हैं। सूचना और डाटा दोनों ही विश्व विरासत प्रशिक्षण के महत्वपूर्ण पहलू हैं, और आधुनिक प्रौद्योगिकी, शिक्षक और विद्यार्थियों दोनों के लिये ही विश्व विरासत स्थलों के महत्व को समझने और उनके सरंक्षण के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करने हेतु नये-नये रास्ते उपलब्ध करवाती है।

हालांकि, इंटरनेट की सुविधा सभी को उपलब्ध नहीं है, यह विश्व के सभी भागों में भी अभी नहीं पहुँच पाई है, और अधिकतर लोगों की पहुंच से बाहर है, फिर भी जैसे-जैसे कम्प्यूटर की कीमत कम होती जायेगी और टेलिकम्यूनिकेशन सेवाएँ भी कम दर पर उपलब्ध होती जायेंगी, इंटरनेट का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या तेजी से विश्व के सभी भागों में बढ़ती जायेगी।

▲ वैश्विक नेटवर्किंग

यूनेस्को यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट के तहत, विश्व के सभी भागों में सभी प्रकार के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ग्लोबल नेटवर्किंग का एक हिस्सा बन सकते हैं। इस परियोजना का एक नया आयाम है, अपने अनुभवों को दूसरों के साथ बांटना और इनके द्वारा नये और प्रभावी तरीके अपनाकर विश्व विरासत संरक्षण को विद्यालयीन पाठ्यक्रम का एक हिस्सा बनाना।

इस परियोजना में भाग लेने वाले सभी स्कूल, यूनेस्को एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क (ए एस पीनेट) के सदस्य हैं जिसका मुख्य उद्देश्य, 'यूनेस्को यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट' जैसे पायलेट प्रोजेक्टों (प्रारूप परियोजना) के माध्यम से शिक्षा के मानवीय, सांस्कृतिक और अंतर्राष्ट्रीय आयामों को सुदृढ़ बनाना है। ए एस पीनेट यह पायलट प्रोजेक्ट, यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर के साथ मिलकर चलाती है। ए एस पी नेट के सभी स्कूल आपस में न केवल अपने अनुभव बांटते हैं बल्कि कभी-कभी अपने संसाधनों की साझेदारी भी करते हैं।

विश्व के विभिन्न भागों के विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक साथ लाना भी नेटवर्किंग का महत्वपूर्ण हिस्सा है, और यूनेस्को यह कार्य, वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरा के माध्यम से और शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय और उपक्षेत्रीय क्रियात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा सम्पन्न करती है। यूनेस्को के सभी सदस्य राज्यों को प्रोत्साहित करते हैं कि वे शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रशिक्षण-क्रमों का आयोजन करें।

अलग-अलग देशों के विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक साथ एकत्रित करने के लिए बहुत धन की आवश्यकता होती है। पर आधुनिक प्रौद्योगिकी जैसे कि इंटरनेट के उपयोग द्वारा, कम खर्च में ही लोग एक दूसरे को जान सकते हैं और अपने विचारों के परस्पर आदान-प्रदान को नियमित रूप से चालू रख सकते हैं।

नेटवर्किंग को प्रभावी बनाने के लिए समय-समय पर सूचना का निस्सरण और मजबूत भागीदारी की आवश्यकता होती है। यूनेस्को नियमित रूप से अपने यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज प्रोजेक्ट से संबंधित जानकारी को इंटरनेट और अलग-अलग प्रकाशनों के माध्यम से उपलब्ध करवाता रहता है।

© यूनेस्को 2002

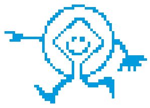

▲ विश्व विरासत प्रशिक्षण के संदर्भ में इंटरनेट पर सर्फिंग

नये नये संचार प्रौद्योगिकी (टेक्नालॉजी) के कारण किसी विषय से संबंधित जानकारी को खोजने के तरीको में आये दिन बदलाव आता जा रहा है। पर चारों तरफ से तरह तरह की जानकारी और डाटा के बढ़ते बहाव के बीच आज के युवाओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है उन सभी जानकारियों में से सही और उपयोगी जानकारी को चुनना। और साथ ही, उनके लिए यह जानना भी जरूरी है कि वे किस जानकारी को खोजें, कैसे खोजें और कहां से खोजे।

इंटरनेट

इंटरनेट एक वैश्विक नेटवर्क है जिसके द्वारा सूचना एक जगह से दूसरी जगह पहुंचती है। इंटरनेट साझे (कॉमन) प्रोटोकोल (पूर्वलेखों) और संचार के कुछ स्टेण्डर्ड (मानकों)पर निर्भर है।

इंटरनेट के द्वारा सूचना, डाटाबेस, इलेक्ट्रॉनिक जर्नल, पुस्तक-सूची, सॉफ्टवेयर आदि उपलब्ध हो सकते हैं। इंटरनेट सूचना के विनिमय और विस्तार के लिये एक नये माध्यम के रूप में भी काम करती है।

इलेक्ट्रोनिक मेल (ई-मेल)

इलेक्ट्रोनिक मेल कम्प्यूटर के द्वारा संदेश भेजने की एक विधि है। कम्प्यूटर पर संदेश टाइप कर दिये जाते हैं जो कि इलेक्ट्रोनिक माध्यम द्वारा दूसरे कम्प्यूटरों से मोडम और टेलिफोन, या फिर पावर लाइनों से जुड़ा होता है।

कोई भी विद्यालय जिसमें किसी भी प्रकार का कम्प्यूटर है जिसमें मोडम लगा है और एक टेलिफोन लाइन है,

ई-मेल का विनिमय कर सकता है और इस प्रकार नये वैश्विक संचार नेटवर्क का एक हिस्सा बन सकता है।

उदाहरण के लिए डब्ल्यू एच न्यूज को यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज इलेक्ट्रोनिक न्यूज सर्विस या फिर वर्ल्ड हेरिटेज न्यूजलेटर को ई-मेल के जरिये मंगवा के पढ़ा जा सकता है।

ई-मेल के जरिये वर्ल्ड वाइड वेब से भी सूचना (इनफारमेशन) ली जा सकती है।

वर्ल्ड वाइड वेब (डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू या वेब)

विश्व भर के इंटरनेट के श्रोताओं को जानकारी उपलब्ध करवाने वाली सुविधाओं में से वेब भी एक है। लोग अपनी सूचना वेब पर इस प्रकार से भेजते हैं जैसे उसे वे किसी बुलेटिन बोर्ड पर लगा रहे हैं।

वेब के अलग-अलग पन्नों को वेब पेजेस कहा जाता है। इन पन्नों में कुछ ऐसे शब्द या वाक्य होते हैं जो अलग दिखाई देते हैं इन्हें हाइलाइटेड कहा जाता है और ये वेब के दूसरे पन्नों पर की दूसरी सूचनाओं, दस्तावेजों, संस्थानों आदि से जुड़े होते हैं।

© यूनेस्को 2002

कुछ पन्नों पर लिखित सूचना होती है तो कुछ पर चित्र, चलचित्र या ध्वनि आदि माध्यमों के द्वारा भी सूचना उपलब्ध होती है।

एक वेब साइट, वेब पन्नों का एक समूह है जिनको किसी संस्थान, संगठन, व्यक्ति, विद्यालय आदि द्वारा उपलब्ध किया गया है।

इंटरनेट का उपयोग क्यों करें?

इंटरनेट शिक्षकों और विद्यार्थियों को जानकारी के बहुत से स्रोत उपलब्ध करवाती है और उन्हें विश्व के किसी भी कोने में दूसरे शिक्षकों, या विद्यार्थियों से सीधे संपर्क साधने के अवसर प्रदान करती है। विद्यार्थियों को इस विशाल नेटवर्क पर उपलब्ध स्रोतों का लाभ मिल सके इसके लिये उन्हें कुछ जरूरी जानकारी जैसे कि इंटरनेट और उससे संबंधित उपकरणों के उपयोग की विधि आदि बताने की आवश्यकता होती है।

इंटरनेट के निम्नलिखित उपयोग हैं:

- विद्यार्थियों को इंटरनेट के मुख्य कार्यों के बारे में जानकारी देना;
- सूचना-प्रौद्योगिकी के उपयोग की विधि को जानकर विश्व विरासत पर अनुसंधान कार्य करना;
- विश्व विरासत के कुछ विशिष्ट विषयों के संदर्भ में सूचना उपलब्ध करवाना, इलेक्ट्रोनिक जर्नेलिज्म, सॉफ्टवेयर प्रोग्रामों को उपलब्ध करवाना, सूचना-विनिमय के माध्यम के रूप में काम करना;
- विश्व के दूसरे भागों में रहने वाले समान पदधारी (पीयर) लोगों के बीच सीधे संपर्क द्वरा ज्ञान-वर्धन;
- विशेष परिस्थितियों में समस्या-समाधान के लिए सूचना-प्रौद्योगिकी के माध्यम का उपयोग करने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना।

इंटरनेट और ई मेल के द्वारा विद्यार्थी, अपनी संस्कृति, रीति-रिवाज, मूल्य और विरासत से परिचित हो सकते हैं और साथ ही दूर-दराज में रहने वाले समान स्तर के अपने साथियों को भी इन सबके बारे में सूचना दे सकते हैं। अपनी कक्षा के अंदर ही वे अपने देश और विदेश के विद्यार्थियों से संपर्क कर उनकी संस्कृति, सभ्यता और विरासत स्थलों के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। विश्व के विभिन्न भागों के विद्यार्थी, विश्व विरासत को, जो कि उन सभी की धरोहर है, प्रदूषण, शहरों की बढ़ती सीमाओं, युद्ध या फिर नज़र अंदाज़ी के खतरे से बचाने के उद्देश्य से एक साथ मिलकर कार्य कर सकते हैं।

गतिधियाँ:

1. यूनेस्को के वेब पन्नों को खोलकर देखें कि वह विश्व विरासत संरक्षण के लिये क्या-क्या कर रहा है।
2 एसपीनेट की वेबसाइट पर जाकर विश्व विरासत प्रशिक्षण से जुड़े किसी विद्यालय की पहचान करे।
3. विश्व-विरासत प्रशिक्षण के लिये एक परियोजना तैयार करें जिससे दो देशों के विश्व विरासत स्थलों के पर्यटन का विवरण तथा तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत हो।
4. विभिन्न देशों के स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिये प्रस्तावित नामों की सूची तैयार कर उसका सभी विद्यालयों में विनिमय करें।

© यूनेस्को 2002

5. पेट्रिमोनिटो की किसी स्थानीय स्थल पर यात्रा, इस विषय पर एक कहानी व्यंग्य चित्रों के माध्यम से तैयार करें और उसे दूसरे विद्यालयों में भेजें।
6. किसी विश्वविद्यालय के मुख्य पुस्तकालय से संपर्क कर किसी विशेष विश्व विरासत स्थल की जानकारी देने वाली किताबों की सूची तयार करें।
7. विश्व विरासत विद्यालय प्रशिक्षण से जुड़े किसी स्कूल को इंटरनेट से जोड़ने के लिये आवश्यक उपकरण की व्यवस्था के लिये आवश्यक निधि को इकट्ठा करें।
8. आपके विद्यालय में चल रहे विश्व विरासत परियोजना के विवरण के प्रस्तुतीकरण के लिये अपने स्कूल का होमपेज बनायें।
9. विश्व विरासत प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं के विषय में दूसरे देशों के समान पदधारी शिक्षकों से विचारों का आदान-प्रदान करें।
10. ए एस पी नेट को देख कर, इलेक्ट्रॉनिक वर्ल्ड हेरिटेज न्यूज़लेटर, डब्ल्यूएच न्यूज आदि मंगवायें और तथा समय-समय पर विश्व विरासत प्रशिक्षण वेब साइट को देखते रहें।

▲ विश्व विरासत वेब पर

विश्व विरासत वेब साइट, विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा से संबंधित संधि के सचिवालय की अधिकृत वेब साइट है और इसके द्वारा विश्व विरासत सूची और संधि को अनुमोदन देने वाले विश्व भर के सभी सहभागी देशो के बारे में अधिकृत सूचना प्राप्त हो सकती है। इस वेब साइट पर 1200 पन्ने और बहुत से चित्र हैं तथा विरासत स्थलों, संधि, प्रकाशनों, सहायता कैसे करें और विश्व विरासत के संरक्षण से संबंधित विभिन्न संगठनों में किसे संपर्क करें यह सब जानकारी उपलब्ध है। विश्व विरासत सूची में शामिल सभी 721 स्थलों के विवरण उन सभी सहभागी संगठनों के लिंक के साथ दिया गया है जहाँ से उस संदर्भ में और अधिक जानकारी मिल सकती है। संधि को अनुमोदन देने वाले 167 राज्यों के बारे में विवरण भी इसके वेब पन्नों पर है जिसमें कई संपर्क सूचनायें, दूसरे उपयोगी वेब पेजों के लिंक और राज्यों में चल रही विश्व विरासत गतिविधियों के विषय में जानकारी दी गई है।

विश्व विरासत वेब साइट को अभी छह विभागों में बांटा गया है:

न्यूज
साइट्स
कन्वेन्शन
भागीदारी
केवल बच्चों के लिये
शिक्षा

'साइट्स' पर नक्शे और विश्व विरासत स्थलों की, क्षेत्र और श्रेणी के अनुसार तैयार की गई सूचियाँ हैं, 'कन्वेन्शन' में यह दिया गया है कि इस सन्धि के तहत क्या-क्या काम हो रहा है, 'शिक्षा' विभाग के अर्न्तगत आप 'वर्ल्ड हेरिटेज इन यंग हैण्ड्स' इस प्रोजेक्ट से संबंधित जानकारी को पढ़ सकते हैं और वेब साइट पर अपने हस्ताक्षर के बाद इस किट को अंग्रेजी अथवा फ्रेंच में पढ़ सकते हैं।

विश्व विरासत वेब साइट का पता है: http://www.unesco.org/whc

दूसरे पते जो आप याद रखना चाहेंगे:

विश्व विरासत सूची:	www.unesco.org/whc/heritage.htm
विश्व विरासत स्थल जो खतरे में हैं:	unesco.org/whc/danglist.htm
कन्वेन्शन से अनुमोदित राज्य:	www.unesco.org/whc/wldrat.htm

© यूनेस्को 2002

वर्ल्ड हेरिटेज इनफारमेशन नेटवर्क (व्हिन)

वर्ल्ड हेरिटेज इनफारमेशन नेटवर्क (व्हिन), वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर और विश्व विरासत स्थलों के लिये कार्यरत दूसरे संघों के बीच की एक भागीदारी है। जिन संगठनों की अपनी एक वेब साइट है उन्हें व्हिन पार्टनर्स के रूप में मान्यता दी जाती है और उन्हें विश्व विरासत स्थलों के बारे में संशोधित सूचना देने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। वेब साइट पेजों पर व्हिन भागीदारों के लिंक उपलब्ध होते हैं। कृपया और अधिक जानकारी के लिये व्हिन पेज से संपर्क इस पते पर करें

http://www.unesco.org/whc/whin/enindex.htm या whin@unesco.org को लिखें।

वर्ल्ड हेरिटेज न्यूजलेटर और डब्ल्यू एच समाचार

वर्ल्ड हेरिटेज न्यूजलेटर को 1992 से प्रकाशित किया जा रहा है। अब यह 4-पन्नों की है जिसे दो महीनों में एक बार प्रकाशित किया जाता है और इसकी मांग करने वाले सभी लोगों को इसे बिना किसी शुल्क के भेजा जाता है। इसे मंगवाने के लिये Wheditor@unesco.org पर इमेल करें या फिर यूनेस्को हेडक्वाटर्स, 7 प्लेस डे फोन्टेनोय, 75352 पेरिस 07 एस पी, फ्रान्स को लिखें। इस न्यूजलेटर के वर्तमान और पूराने संस्करण वेब साइट पर निम्नलिखित पते पर उपलब्ध हैं

http://www.unesco.org/whc/news/index-en.htm (English)
http://www.unesco.org/whc/fr/news/index-fr.htm (French)

डब्ल्यू एच न्यूज, न्यूजलेटर का ई-मेल रूप है जिसे इसकी मांग करने वाले सभी लोगों को ई-मेल के जरिये दो सप्ताह में एक बार मुफ्त भेजा जाता है। डब्ल्यू एच न्यूज के संदर्भ में और अधिक जानकारी और इसके पुराने संस्करणों को देखने लिये वेब पेज http://www.unesco.org/whc/news/whnews.htm पर जायें। इसे मंगवाने के लिये majordomo@world.std.com पर ई-मेल द्वारा *'subscribe whnews'* यह दो शब्दों का संदेश भेजें (संदेश में उद्धरण चिन्ह न लगायें)

© यूनेस्को 2002

▲ इंटर नेट पर ए एस पीनेट

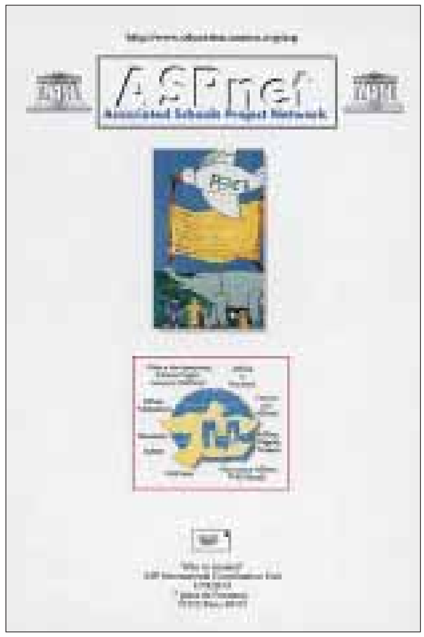

यूनेस्को के एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क (ए एस पीनेट) की वेब साइट पर, नेटवर्क से संबंधित साधारण जानकारी, इसके उद्देश्य, इसमें भाग लेने वाले स्कूल और देश, आगे की ओर अग्रसर प्रोजेक्ट्स, प्रकाशन, और ए एस पीनेट के क्रियात्मक मेन्यूलों का आलेख और ब्राशर, पत्रिकायें आदि उपलब्ध हैं।

अधिक जानकारी के लिये इस पते पर ई-मेल करें: aspnet@unesco.org

▲ उपयोगी इंटरनेट पते:

एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क
http://www.unesco.org/education/asp

यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर
http://www.unesco.org/whc/
e mail: wh-info@unesco.org

वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट
http://www.unesco.org/whc/nwhc/pages/sites/main.htm

वर्ल्ड कन्सर्वेशन यूनियन (आई यू सी एन)
http://www.iucn.org

इंटरनेशनल कॉउन्सिल ऑफ म्यूजियम्स (आई सी ओ एम)
http://www.icom.org

इंटरनेशनल काउन्सिल ऑफ मोन्यूमेंट्स एण्ड साइट्स (आई सी ओ एम ओ एस)
http://www.icomos.org

इंटरनेशनल सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ द प्रिजरवेशन एण्ड रिस्टोरेशन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी (आई सी सी आर ओ एम)
http://www.iccrom.org

इंटरनेट रिसोर्सेज फॉर हेरिटेज कर्न्सवेशन
http://www.cr.nps.gov/ncptt/irg/

आर्गेनायजेशन ऑफ वर्ल्ड हेरिटेज सिटिज (ओ डब्ल्यू एच सी)
http://www.ovpm.org

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत संधि

माछू पिकछू की ऐतिहासिक सेंक्च्यूरी, पेरू। © यूनेस्को/वी. मोराउ

सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का भ्रष्ट या नष्ट होना विश्व की सभी राष्ट्रीय विरासतों को शक्तिहीन करने वाली एक हानि है।

वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेन्शन की प्रस्तावना

विश्व विरासत संधि

पृष्ठ

उद्देश्य 39
ज्ञान 39
मानसिक दृष्टिकोण 39
योग्यता 39

हमारी विरासत के प्रति जागरुकता 40
विरासत क्या है? 40
विद्यार्थी क्रियाकलाप-2: हेरिटेज का अर्थ
हमारी विरासत के अस्तित्व को गम्भीर खतरा 42

विश्व विरासत का बचाव 43
सफल अबू सिम्बेल अभियान 44
विद्यार्थी क्रियाकलाप 3:
विश्व के सात अजूबे 45
विश्व विरासत को बचाने के लिये
समझौते/संधि का प्रारूप लिखना
विद्यार्थी क्रियाकलाप 4:
विरासत और संरक्षण की परिभाषा लिखना 46

यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज संधि/समझौता 47
वर्ल्ड हेरिटेज संधि 47
विद्यार्थी क्रियाकलाप 5: विरासत संरक्षण
प्राकृतिक नियम और अन्तर्राष्ट्रीय संधियां 49
प्रकृति और संस्कृति के बीच गहरा संबंध 50
सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत 50
सांस्कृतिक परिदृश्य 50

विश्व विरासत संरक्षण प्रक्रिया 51
विश्व विरासत सूची - वैश्विक स्तर पर
महत्वपूर्ण कुछ स्थल 53
एक प्रतिनिधिक और संतुलित विश्व विरासत
सूची बनाने की वैश्विक नीति 53
विद्यार्थी क्रियाकलाप 6: 54
किसी विश्व विरासत स्थल का एक प्रारूप तैयार करना
विद्यार्थी क्रियाकलाप 7:
आपके क्षेत्र के विश्व विरासत स्थलों को पहचानना 55
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना
आपके क्षेत्र में विश्व विरासत स्थलों को पहचानना 56

विश्व विरासत स्थलों के चयन के लिये कुछ मानदंड 57
सांस्कृतिक विश्व विरासत स्थलों
के चयन के मानदंड 58
प्राकृतिक विश्व विरासत स्थलों के चयन के मानदंड 58
मिश्र सांस्कृतिक व प्राकृतिक विश्व विरासत स्थलों
के चयन के मानदंड
स्थलों को प्रमाणित करना 59
विद्यार्थी क्रियाकलाप 8:
विश्व विरासत स्थलों को नक्शों में ढूंढना 60
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना
विश्व विरासत स्थलों को नक्शों में ढूंढना 61
विद्यार्थी क्रियाकलाप 9:
विश्व विरासत के मानदंडों को समझना 63
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना
विश्व विरासत के मानदंडों को समझना 64
विद्यार्थी क्रियाकलाप 10
प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों का नामांकन 66
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना:
प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों का नामांकन 67

विश्व विरासत कमेटी और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर 69
विद्यार्थी क्रियाकलाप 11:
नेशनल हेरिटेज कमेटी से भेंट 70
विद्यार्थी क्रियाकलाप 12:
सान्ता क्रूज डे मॉमपाक्स, कोलम्बिया का
ऐतिहासिक केन्द्र 71

विश्व विरासत स्थलों के संरक्षण स्थिति का अवलोकन 74
खतरे में पड़ी विश्व विरासत स्थलों की सूची 74
विद्यार्थी क्रियाकलाप 13:
यलोस्टोन
युनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका 76
विद्यार्थी क्रियाकलाप 14:
विश्व विरासत पर एक रेडियो कार्यक्रम तैयार करना 79
विश्व विरासत चंदा/फंड 79
विद्यार्थी क्रियाकलाप 15: जागरुकता को बढ़ाना 81

विश्व विरासत कन्वेन्शन: पाठ्यक्रम पर एक दृष्टि 82

उद्देश्य

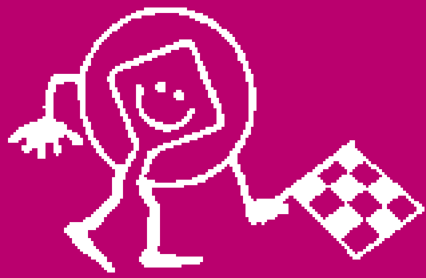

ज्ञान

सहायता विद्यार्थियों में निम्नलिखित विषयों से संबंधित ज्ञान और समझ के विकास के लिये सहायता देना

- विरासत और विश्व विरासत की संकल्पना
- विश्व विरासत के समक्ष खतरे
- विश्व विरासत कन्वेन्शन का महत्व
- विश्व विरासत सूची में सम्मिलित करने के लिये सही मानदंडों का चयन
- विश्व विरासत संरक्षण: एक जीवंत प्रक्रिया।

मानसिक दृष्टिकोण

प्रेरणा विद्यार्थियों को प्रेरणा देना जिससे कि वे

- स्थानीय विरासत के संरक्षण में सहभागी हों
- विश्व विरासत स्थलों महत्व के प्रति आदरभाव रखें
- दूसरों की संस्कृति के प्रति जागरुक हों तथा उसमें रु चि रखें
- सांस्कृतिक और प्राकृतिक विभिन्नता के प्रति आदरभाव रखें।

योग्यता

सहायता विद्यार्थियों को निम्नलिखित योग्यता दिलवाने में सहायक होना

- स्थानीय और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के लिये जिम्मेदारी से निर्णय लेने में
- विरासत के मामलों में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिये हल खोजने में
- विरासत संरक्षण कार्य में
- विश्व विरासत के विषय में अनुसंधान और विश्लेषण द्वारा अधिक जानकारी हासिल करने में।

हमारी विरासत के प्रति जागरुकता

▲ विरासत क्या है?

विरासत वह दान है जो हमें भूतकाल से प्राप्त हुआ है, वह जिसके साथ हम वर्तमान में रह रहें हैं, और वह जो हम हम आने वाली पीढ़ियों को देंगे जिससे कि वे कुछ सीख सकें, उस पर चकित हो सकें और उसे देख कर खुश हो सकें।

एक शब्द कोश में विरासत का मतलब है ऐसी कोई वस्तु जो हमें उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त हुई है।

हेरिटेज

1. ऐसी कोई वस्तु जो उत्तराधिकार स्वरूप प्राप्त हुई है या होगी।
2. किसी वस्तु के उत्तराधिकारी होना, उत्तराधिकार की परंपरा
3. कोई भी वस्तु जो पूर्ण अधिकार के साथ ग्रहण की जाये या दी जाए।
4. संपत्ति जिस पर आपका पूर्ण अधिकार है या वह हिस्सा जिस पर आपका अधिकार है।

ऑक्सफोर्ड लघु शब्द-कोष

आप विरासत का मतलब उस जगह या वस्तु से लगा सकते हैं जो हम रखना चाहते हैं। यह सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थान या वस्तुएँ हैं जिन्हें हम बहुत मान देते हैं क्योंकि ये हमारे पूर्वजों की निशानी हैं, बहुत सुंदर हैं, वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, वे उदाहरण हैं जिनकी कमी पूरी नहीं की जा सकती और चेतना और प्रेरणा के स्रोत हैं। ये हमारी कल्पनाशक्ति की कसौटी, हमारे संदर्भ बिन्दु और हमारे अस्तित्व की पहचान हैं। हमारी विरासत के द्वारा हमें हमारे पूर्वजों के रहन-सहन के बारे में पता चलता है। और हमारी विरासत अभी तक इसीलिये टिक पाई है क्योंकि हमने इनकी सुरक्षा के लिये विशेष प्रयत्न किये थे।

विश्व विरासत और अस्तित्व

क्या आप का स्थानीय स्थान आपको बिना किसी विरासत के प्राप्त हो गया है? आप उन स्थानों के बारे में सोचिये जिसमें आप और आप के विद्यार्थी रहते हैं। इन सबका कोई न कोई भूतपूर्व रूप अवश्य था, इनका वर्तमान है और इनका भविष्य भी होगा। भविष्य के लिये आप क्या बचा कर रखना चाहेंगे? आप क्या बदलना चाहेंगे? ऐसा क्या है जिसे बदला नहीं जा सकता।

विश्व में सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों तरह की विरासतें हैं। आपके स्थानीय क्षेत्र में कई पुरातात्विक स्थल हो सकते हैं या फिर ऐसे स्थल हो सकते हैं जहां शिलाओं पर कलाकारी की गई है, चर्च हो सकता है या दूसरे धार्मिक और पवित्र स्थान हो सकते हैं, या फिर वह एक ऐतिहासिक नगर हो सकता है। इन सबको हम सांस्कृतिक विरासत कहते हैं। आप किसी जंगल के निकट रहने वाले हो सकते हैं, या फिर आप समुद्र तट के एक सुंदर स्थान के रहने वाले हो सकते हैं। ऐसे क्षेत्रों को प्राकृतिक विरासत कहते हैं। ये विरासत हैं जिन्हें अचल विरासत (जिन्हें आसानी से हिलाया नहीं जा सकता) कहा जाता है। विरासत की वस्तुएँ जैसे कि सिक्के, पौधों के नमूने, पेंटिंग, पुतले, या पुरातन हस्तशिल्प के नमूने चल विरासत (जिन्हें आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर हिलाया जा सकता है) में आते हैं।

अचल विरासत
ताज महल, इंडिया
© यूनेस्को /पी.लेकलेयरे

चल विरासत
अफ्रीकी मुखौटे
© यूनेस्को /पी.लेकलेयरे

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 2

विरासत का अर्थ

उद्देश्य: विरासत शब्द का अर्थ, महत्व और उसके प्रकारों को समझना

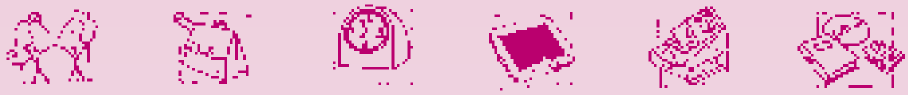

चल विरासत

✓ विद्यार्थियों को अपनी कोई ऐसी वस्तु (एक पेंटिंग, कोई गहना, एक कपड़े का टुकड़ा, चीनी मिट्टी की बनी कोई वस्तु) दिखाइये जो आपके परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी चलती आ रही है और वह आपके लिये बहुत मूल्यवान है और वह आपको बहुत खुशी देती है। समझाइये कि यह चल विरासत का एक उदाहरण है जिसे किसी भी दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है। क्या यह सांस्कृति विरासत है या फिर प्राकृतिक?

✓ चर्चा करें

→ एक वस्तु क्या है? आपके लिये वह मूल्यवान क्यों हैं, और आप उसको क्यों संभाल कर रखना चाहते हैं? अगर आप किसी वस्तु को संभाल कर रखना चाहते हैं और उसे अपने बच्चों को देना चाहेंगे तो आप उसकी सुरक्षा के लिये क्या करेंगे?

→ विद्यार्थियों को अगले दिन कुछ ऐसी वस्तु लाने को कहें जो उन्हें बहुत प्रिय है। सभी विद्यार्थियों की वस्तुओं को कक्षा में सजाकर थोड़े समय के लिये एक कक्षा-म्यूजियम बनाइये और रखी गयी वस्तुओं पर चर्चा कीजिये। उन चीजों में ऐसा क्या है जिसकी वजह से वे विद्यार्थियों के लिये बहुत मूल्यवान हैं और उन्हें वे अपने भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को देना चाहेंगे?

✓ समझायें कि यूनेस्को के द्वारा एक और अंतर्राष्ट्रीय संधि को पारित किया गया है जिसे चल सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिये बनाया गया है। *(यह संधि है, सांस्कृतिक संपदा के गैर कानूनी आयात-निर्यात, उसकी मालकियत बदलने पर रोक लगाना, 14 नवम्बर, 1970)*

अचल विरासत

समझायें कि विश्व विरासत सूची में शामिल सभी स्थल, अचल विरासत के अन्तर्गत आते हैं, इसका अर्थ है कि इन विरासतों को आसानी से हिलाया नहीं जा सकता। लैमिनेटेड फोटो दिखाकर आप इस प्रकार की विरासत के कुछ उदाहरण दे सकते हैं।

✓ चर्चा

→ विद्यार्थियों से कहें कि वे कुछ ऐसे स्थलों के बारे में सोचें जिनके बारे में उन्होंने पढ़ा है या फिर उन्हें देखा है (अपने देश में या विदेश में) और लिखें कि उन स्थानों के द्वारा हमें किस-किस प्रकार की जानकारी मिली है और उस जानकारी से हम क्या समझते हैं। (वे वास्तुकला के अप्रतिम नमूने हैं, वे पेड़-पौधों या जानवरों की दुर्लभ स्पीशिज हैं)

→ विद्यार्थियों से कुछ ऐसे स्थानीय प्राकृतिक स्थलों के बारे में सोचने को कहें जिन्हें वे आने वाली पीढ़ियों के लिये ज्यों-का-त्यों रखना चाहेंगे। उनसे वे कारण भी लिखने को कहें जिनके लिये वे इन स्थलों को सुरक्षित रखना चाहेंगे।

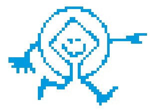

संदर्भ सामग्री की सूची

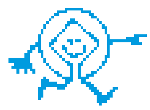

लैमिनेटेड फोटो

© यूनेस्को 2002

अस्पृश्य विरासत,
बुरुन्डी के नर्तक
© यूनेस्को/ एम क्लाउडे

विश्व विरासत और अस्तित्व

विश्व विरासत और पर्यटन

संदर्भ सामग्री की सूची

विश्व विरासत और पर्यावरण

▲ हमारी विरासत को गम्भीर खतरा

हमारी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत बहुत ही नाजुक है और उसे गम्भीर खतरा है, विशेषकर पिछले 100 वर्षों से। उदाहरण के लिये, पहले और दूसरे विश्व युद्ध जिनकेकारण बहुत से शहर और जिले उजड़ गये, महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थलों को बहुत हानि पहुँची या फिर वे नष्ट हो गये। शहर की बढ़ती सीमाओं, गरीबी, प्राकृतिक विपदाओं और पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण के कारण भी हमारी विरासत को खतरा मौजूद है। बहुसंख्य जन पर्यटन की चपेट में बहुत से सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थल आते जा रहे हैं। विश्व भर में लोगों का उनके प्रति लापरवाह होना, विरासत के लिये सबसे बड़ा खतरा है।

दोनों विश्व युद्धों के दौरान, विरासत के सामने बढ़ते खतरे को देखते हुए, लीग ऑफ नेशन्स, जो यूनाइटेड नेशन्स (संयुक्त राज्य संघ) का पूर्वायायी संगठन था, ने हमारी विरासत को बचाने के तरीकों को खोजना शुरू कर दिया था। लीग ने, विश्व भर के देशों को आपसी सहयोग द्वारा विश्व विरासत को संरक्षण देने की अपील की। दूसरे विश्व युद्ध के समाप्त होने के पश्चात जब 1945 में, यूनाइटेड नेशन्स एजूकेशनल, साईंटिफिक एण्ड कल्चरल आरगेनाइजेशन (यूनेस्को) का जन्म हुआ, तब इस कार्य को बढ़त मिली और विशेष महत्व रखने वाले कुछ स्थलों को बचाने के लिये अभियान शुरू किये गये और अंतर्राष्ट्रीय संधियों के प्रारूप लिखे गये और मानवता की विरासत को बचाने के लिये सिफारशें की गईं। इन संधियों में एक संधि की अभिकल्पना तो युद्ध के समय में सांस्कृतिक विरासत को बचाने के उद्देश्य से की गई थी -जिसे *कन्वेन्शन फॉर द प्रोटक्शन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी इन द इवेन्ट ऑफ आर्म्ड कनफ्लीक्ट* कहा जाता है *(इसे 1954 हेग कन्वेन्शन के नाम से भी जाना जाता है)*।

विश्व विरासत

यह विश्व हमारी विरासत है
यह मेरा तुम्हारा और सबका है
आइये हम आने वाले कल के देशों के लिये इसे संभाल कर रखें

विक्टोरिया झील का शांत पानी
और शानदार विक्टोरिया फाल्स और डान्यूबी नदी की गरिमा
और इसके साथ चहचहाते पक्षी
और इठलाती बलखाती मिस्सीसिप्पी और मिसौरी नदियों के घुमावदार रास्ते

मैं खड़ा होकर क्या देखता हूँ?

© यूनेस्को 2002

एक अति सुंदर दृश्य और जिम्बाब्वे के खण्डहर
फराओ की जमीनों पर बने आश्चर्य चकित करते इजिप्ट के पिरामिड
मैं जेरूसलम की पुरानी दीवारों और चीन की बहुत बड़ी दीवार को देखता हूँ

और क्या देखता हूँ
विशाल ड्रेकेन्सबर्ग के पहाड़
मूचिंगा एसकारपमेन्ट पहाड़ियों की ढलानें
हिमालय पर्वत और रशिया के उराल
मैं कनाडा की चट्टानों को गिनता हूँ और किलिमन्जारो की ओर आह भर कर देखता हूँ

तो सुनो! आप मैं और वे लोग जो वहां खड़े हैं
विश्व हमारी विरासत है
इसकी देख-रेख आप ही को करनी है
हमारी विश्व विरासत को नष्ट मत करो
सुंदर धरातल और पहाड़ों को समतल मत करो
नेशनल पार्क और उनके वन्य-जीवन को नष्ट मत करो
और न ही कांगो और अमेजन के वनों और जंगलों को
कृपया विश्व विरासत को संभाल कर रखें और उसका बचाव करें।

मायेनेयी मारेबेसा, विद्यार्थी, जाम्बिया, वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, विक्टोरिया फाल्स, जाम्बिया और जिम्बाब्वे

विक्टोरिया फाल्स (मोसि-ओआ-तून्या) जाम्बिया और जिम्बाब्वे © यूनेस्को /डी.रीड

विश्व विरासत का बचाव

वर्ष 1950 में जब इजिप्ट में आसवान नदी पर ऊँचा बांध बनाने का निर्णय लिया गया था तो यूनेस्को द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय हलचल शुरू की गई ताकि एक महत्वपूर्ण विरासत स्थल को बचाया जा सके। नील नदी की घाटी में बाढ़ की चपेट में आ रहे पुरानी इजिप्ट (मिस्र) की सभ्यता की अमूल्य निधि, अबू सिम्बेल मंदिरों के लिये विश्व भर के लोगों में चिंता की लहर फैल गई और सबने यह महसूस किया कि इस समय शीघ्र और समन्वयक (कोओरडिनेटेड) सुरक्षा कार्य की आवश्यकता है। इजिप्ट और सूडान की सरकारों की अपील के पश्चात, यूनेस्को ने 1959 में अबू सिम्बेल को बचाने के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान शुरू किया । यूनेस्को के इस प्रयास में लगभग 50 देशों ने साथ दिया और 18 वर्ष के इस आपातकालीन संरक्षण अभियान में लगभग 8 करोड़ अमेरीकी डालर एकत्र किये गये।

© यूनेस्को 2002

आधुनिक इंजिनियरिंग के एक अद्भुत कार्य के द्वारा, फिली द्वीप पर बने मंदिरों के पत्थरों की शिलाओं को पहले अलग-अलग करके निकाला गया और फिर उन को फिर उसी तरह से जोड़ कर मंदिरों का पुनर्निर्माण पास के द्वीप एजिलिका पर किया गया जहां नील नदी के बाढ़ का पानी नहीं पहुँच सकता था। इस द्वीप पर मंदिरों की इमारत पूरी आ सके इसके लिये वहां की चट्टानों को विस्फोट द्वारा तोड़ा गया और मंदिर से निकाली गई भव्य शिलाओं को चट्टानों की दीवारों के भीतर गाड़ा गया। मंदिर से निकली शिलाओं की प्रत्येक शिला का वजन लगभग 1/2 टन और 12 टन के बीच था। इस अभियान में ऐसी लगभग 40,000 शिलाओं को स्थानांतरित किया गया था। प्रत्येक शिला पर विशेष रूप से नामांकन किया गया था जिससे कि उसे ठीक जगह पर बैठाया जा सके।

आसवान बांध बनाने के कारण, अबू सिम्बेल के मंदिर पूरी तरह से बाढ़ के पानी में डूब सकते थे। मंदिर की शिलाओं को निकालकर उनको स्थानांतरित करना ही एक पर्याय था जिसकी वजह से इन मंदिरों का बचाया जा सकता था (एक उदाहरण जिसमें एक चल समझी जाने वाली विरासत को हिलाया गया)। आज विश्व भर के सभी विरासत संरक्षण-विशेषज्ञ, सांस्कृतिक विरासतों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरण उस समय तक ठीक नहीं समझते जब तक कि ऐसा करने के सिवाय कोई और पर्याय न बचा हो जैसा कि अबू सिम्बेल के विषय में हुआ था।

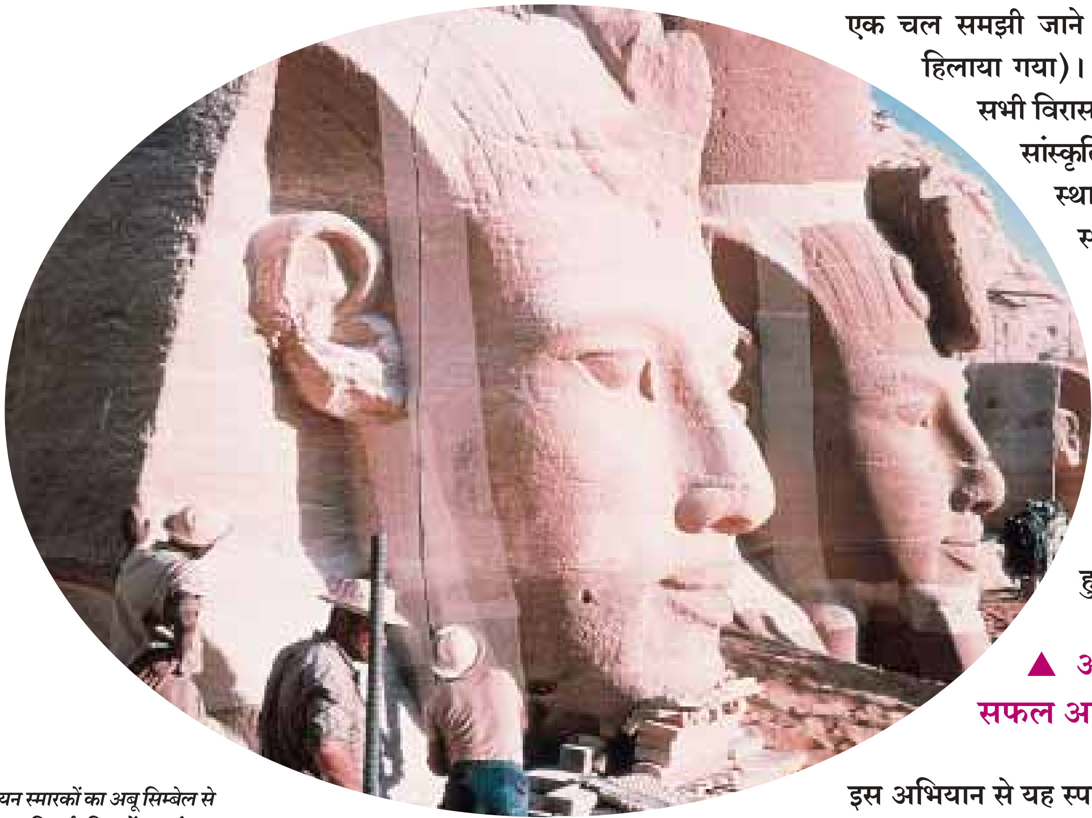

नूबियन स्मारकों का अबू सिम्बेल से फिलई, मिस्त्र में स्थानांतरण
© यूनेस्को /नेनाडोविक

▲ अबू सिम्बेल का सफल अभियान

इस अभियान से यह स्पष्ट हो गया कि संपूर्ण विश्व में कुछ ऐसे स्थल हैं जो वैश्विक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं और इनके लिये विश्व भर के लोग, चाहे फिर वह स्थल किसी भी देश या स्थान पर स्थित क्यों न हो, आस्था रखते हैं। यह उदाहरण विभिन्न देशों में विरासत संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी और एकता के भाव को प्रकट करता है। इस अभियान की सफलता ने दूसरे कई अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा अभियानों को दिशा दिखाई है: वेनिस; इटली; मोहनजोदारो; पाकिस्तान; बोरोबुदुर, इंडोनेशिया अदि इनमें से कुछ नाम हैं जिनमें से कुछ अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यक्रम अभी चल रहे हैं जैसे कि अंगकोर, कम्बोडिया में।

© यूनेस्को 2002

विद्यार्थी क्रियाकलाप 3

विश्व के सात आश्चर्य/अजूबे

उद्देश्य: पुरातन काल से आज तक – अद्वितीय स्थलों की संकल्पना, इस विषय पर रोशनी डालना

चर्चा | कक्षा क्रियाकलाप | कक्षा का एक पीरियड | इतिहास भूगोल, समाजशास्त्र | विश्व विरासत नक्शा संक्षिप्त विवरण

विश्व के महत्वपूर्ण स्थलों की सूची बनाना यह संकल्पना बहुत पुरानी है। पुराने समय में ग्रीक लोगों ने संसार के सात अजूबों की सूची इस प्रकार से बनाई थी

- मिस्र के पिरामिड
- बेबीलोन के झूलते बाग
- इफेसस में आरटेमिस का मंदिर
- ओलम्पिया में जीयस का पुतला
- हालीकारनासस का मूसोलियम
- रोहडेस का कोलोसस
- एलिक्सेन्डरिया का फारोस

मेमफिस तथा इसके नेक्रोपोलिस– गिजा से दहशूर तक पिरामिडों के मैदान, मिस्र
© यूनेस्को /एफ. एलकोसेबा

जबकि इजिप्ट के पिरामिड अभी विद्यमान हैं, दूसरे 6 अजूबे अब लगभग नष्ट हो चुके हैं, केवल इनके कुछ पुरातात्विक अवशेष बचे हैं।

पुराने समय के ग्रीक लोगों ने इन सात अजूबों को मध्यकालीन विश्व की बेहतरीन सांस्कृतिक इमारते घोषित किया था। विश्व विरासत सूची में संपूर्ण विश्व के सांस्कृतिक व प्राकृतिक स्थलों को शामिल किया गया है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, विश्व विरासत संधि, के द्वारा उनकी सुरक्षा कानूनी तौर पर हो सकती है। पुराने समय के सात आश्चर्यों की पूरी सुरक्षा तो नहीं हो सकी, पर अब हम ऐसी आशा करते हैं कि आने वाली कई शताब्दियों में हम विश्व के सभी विरासत स्थलों की सुरक्षा कर पायेंगे।

✓ अपने विद्यार्थियों से एक नई सूची बनाने को कहें जिसमें वे उन सात स्थलों को शामिल करें जिन्हें वे सबसे अधिक महत्वपूर्ण समझते हैं – यह संसार के उनके अपने अजूबे हैं । वे इन स्थलों की तुलना उन स्थलों से करें जिन्हें विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है। निकलने वाले परिणामों पर चर्चा करें।

विश्व विरासत नक्शा

संक्षिप्त विवरण

© यूनेस्को 2002

▲ हमारी विरासत बचाने के लिये संधि/समझौते का प्रारूप तैयार करना

अबू सिम्बेल बचाव अभियान के सीधे परिणाम के रूप में यूनेस्को ने, एक गैर-सरकारी संघ, इंटरनेशनल कॉउन्सिल ऑन मान्यूमेन्ट्स एण्ड साइट्स (आईसीएमओएस) के साथ मिलकर सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिये एक संधि/समझौते का प्रारूप तैयार किया। संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतराष्ट्रीय यूनियन फॉर कन्सर्वेशन ऑफ नेचर (आई यूसी एन) जिसे अब वर्ल्ड कन्सर्वेशन यूनियन के नाम से जाना जाता है और जो एक गैर-सरकारी संघटन है, ने यह प्रस्ताव रखा कि प्राकृतिक विरासत और सांस्कृतिक विरासत दोनों का संरक्षण एक ही कानून के तहत किया जाये। यह प्रस्ताव, सितम्बर 1972 में स्टाकहॉम स्वीडन में हुई यूनाइटेड नेशन्स कान्फ्रेंस में पेश किया गया था। इस कान्फ्रेंस का विषय 'मानव पर्यावरण' (ह्यूमन इनवायरोनमेन्ट) था। (और इसके 20 साल बाद 1992 में सम्पन्न हुआ रियो अर्थ समिट भी इसी विषय पर आधारित था)। इस प्रकार, वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों प्रकार की विरासतों को बचाने के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय साधन बने, इस प्रस्ताव को एक ठोस आधार मिल चुका था। स्टॉकहोम कान्फ्रेंस ने यूनेस्को पर यह जिम्मेदारी डाली कि वह प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार की विरासत के संरक्षण के लिये एक समझौते (कन्वेन्शन) की रूपरेखा तैयार करे, क्यों कि संयुक्त राष्ट्र संघ की पूर्ण प्रणाली में यूनेस्को ही एक ऐसी विशिष्ट संस्था है जिसे शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति तीनों ही क्षेत्रों में आदेश प्राप्त है।

स्टाकहाम कान्फ्रेंस के कुछ महीनों बाद ही, यूनेस्को के हेडक्वार्टर पेरिस में 16 नवम्बर 1972 को *प्राकृतिक और सांस्कृतिक विश्व विरासत को संरक्षण* देने के समझौते को यूनेस्को के जनरल कान्फ्रेंस मीटिंग के 17 वे सत्र में पारित किया गया।

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप

विरासत और संरक्षण की परिभाषा

उद्देश्य : विरासत और संरक्षण की संकल्पना को समझना

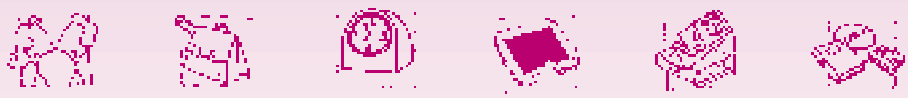

✓ आपके विद्यर्थियों को विरासत और संरक्षण की परिभाषा लिखने को कहें और इन दोनों शब्दों पर संक्षिप्त में निबंध लिखने को कहें। उनसे पूछें कि क्या वे उनके स्थानीय क्षेत्र में विरासत संरक्षण के किसी परियोजना के बारे में जानते हैं। विद्यार्थियों को स्थानीय क्षेत्र के किसी विरासत स्थल के संरक्षण के लिये प्रस्तावना लिखने के लिये कहा जा सकता है।

© यूनेस्को 2002

यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेन्शन

▲ *विश्व विरासत समझौता*

संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन
Organización de las Naciones Unidas para la Educatión, la Ciencia y la Cultura
Organisation des Nations Unies pour l'éducation, la science et la culture
Организация объединенных наций по вопросам образования, науки и культуры
منظمة الامم المتحدة للتربية والعلم والثقافة

विश्व विरासत को संरक्षण देने हेतु समझौता

16 नवम्बर 1972 को पेरिस में जनरल कान्फ्रेंस के सत्रहवें सत्र में पारित किया गया

विश्व विरासत
संधि

Convención sobre la protección del patrimonio mundial, cultural y natural

aprobada por la Conferencia General en su decimoséptima reunión
Paris, 16 de noviembre de 1972

Convention concernant la protection du patrimoine mondial, culturel et naturel

adoptée par la Conférence générale à sa dix-septième session
Paris, 16 novembre 1972

Конвенция об охране всемирного культурного и природного наследия

принятая Генеральной конференцией на семнадцатой сессии,
Париж, 16 ноября 1972 г.

اتفاقية لحماية التراث العالمي الثقافي والطبيعي

أقرها المؤتمر العام في دورته السابعة عشرة
باريس، ١٦ نوفمبر/تشرين الثاني ١٩٧٢

© यूनेस्को 2002

यूनेस्को मुख्यालय, पेरिस फ्रांस,
© यूनेस्को /एफ ड्यूनोऊ

यह समझौता पहला अंतर्राष्ट्रीय कानूनी उपकरण है जिसे ऐसी प्राकृतिक व सांस्कृतिक विरासत के नामांकन और संरक्षण की शीघ्रता को देखते हुए बनाया गया था जो वैश्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और जिनकी क्षति अपूरणीय है।

यह समझौता इस बात की स्वीकृति पर जोर डालती है कि प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदा जो हम सबकी साझी विरासत है की सुरक्षा हेतु, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलजुल कर सहभागी होना, हम सबकी नैतिक और आर्थिक जिम्मेदारी है।

विश्व विरासत संकल्पना में निहित हैं:

- → वैश्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण विरासत का संरक्षण
- → प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों तरह की विरासत
- → वह विरासत जिसे स्थानान्तरित नहीं किया जा सकता
- → उन स्थलों का संरक्षण जिनकी हानि की भरपाई नहीं की जा सकती
- → विश्व विरासत का संरक्षण एकीकृत अंतर्राष्ट्रीय प्रयत्नों पर आधारित है

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 5

विरासत-संरक्षण राष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय समझौते

उद्देश्य: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनो विरासतों के संरक्षण कार्यान्वयन के विषय में जागरुकता को बढ़ावा देना।

अनुसंधान | कक्षा क्रियाकलाप | कक्षा का एक पीरियड | भाषा इतिहास, समाजशास्त्र | विश्व विरासत नक्शा, विश्व विरासत कन्वेन्शन | संदर्भ सूची

✓ कक्षा को विभागों में बांटिये और निम्नलिखित अंनुसंधान कार्य और प्रश्न करने को दीजिये:

(क) विभाग 1 से पूछिये कि उनका देश समझौते से अनुबंधित होने वाला राज्य कब से बना (विश्व विरासत नक्शे में देखिये कि वह कौनसा वर्ष था जिसमें देश समझौते से अनुबंधित राष्ट्र बने थे। समझौते पर हस्ताक्षर करने के और क्या फायदे हैं।

(ख) विभाग 2 को उन कारणों की सूची बनाने के लिये कहें जिनकी खातिर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय (यूनेस्को) ने विश्व विरासत समझौते का अनुमोदन किया।

(ग) विद्यार्थियों को कहें कि वे विश्व विरासत कन्वेन्शन को पढ़ें, उसे संक्षिप्त करें और उस पर चर्चा करें।

विश्व विरासत को शैक्षणिक कार्यों में शामिल करने के महत्व की व्याख्या विभाग 6 के अध्याय 27 में की गई है जिसमें सभी अनुबंधित राज्यों को आवाहन दिया गया है कि वे 'सभी उचित साधनों द्वारा, और विशेष रूप से शैक्षणिक और सूचना-प्रधान कार्यक्रमों द्वारा अपने देश के लोगों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति प्रशंसा और आदर को सुदृढ़ करेंगे।'

हमारी प्रतिज्ञा ..... सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की दिशा में शिक्षण, जिससे हम विश्व विरासत समझौते को समझ सकें, और जिसे राष्ट्र के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाये। इस प्रकार के प्रशिक्षण में सभी स्थलों की यात्रा के साथ साथ इस विषय पर नियमित रूप से कुछ घंटों की पढ़ाई की भी आवश्यकता है।

विद्यार्थी, पहले वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम के दौरान,
बर्गन, नोरवे

विश्व विरासत युवा मंच, नोर्वे में सहभागी युवा
© यूनेस्को

जब तक हम युवाओं के मन में धीरे-धीरे यह प्रविष्ट नहीं कर पाते कि विरासत को सुरक्षा देने के पीछे क्या कारण हैं, तब तक विशिष्ट संस्थानों और राष्ट्रीय कानून द्वारा विरासत को सुरक्षा देने का क्या अर्थ है।

श्री बोजो बिस्कुपिक, सांस्कृतिक मंत्री, क्रोएशिया,
पहले यूरोपियन रिजनल वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम,
ड्यूबरोविंक के उद्घाटन के समय

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत और अस्तित्व

विश्व विरासत संधि

विश्व विरासत संधि

विश्व विरासत और अस्तित्व

संपर्क पते

▲ संस्कृति और प्रकृति के बीच गहरा सम्बन्ध

यह कन्वेन्शन पूर्ण रूप से मौलिक है, क्योंकि यह प्रकृति के संरक्षण को संस्कृति के संरक्षण के साथ जोड़ती है। इस दिशा में बहुत कम ही राष्ट्रों में कानून बनाये गये हैं, और कोई भी दूसरा ऐसा अंतर्राष्ट्रीय कन्वेन्शन नहीं है जो प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण को इतनी गहराई के साथ जोड़ता है। प्रकृति और संस्कृति वास्तव में ही एक दूसरे के पूरक हैं। लोगों के अलग-अलग सांस्कृतिक पहचान की झलक उस वातावरण में भी नजर आती हैं जिसमें वे रहते हैं और सुंदरतम ऐतिहासिक स्थलों और दूसरी इमारतों और स्थलों की सुंदरता का कुछ श्रेय उनके चारों ओर के सुंदर वातावरण को भी जाता है। यहां तक कि कुछ अत्यन्त प्रेक्षणीय प्राकृतिक स्थलों पर बरसों से होती आ रही मानविक क्रियाकलापों की छाप स्पष्ट दिखाई देती है, या फिर कुछ प्राकृतिक स्थल वहां के लोगों के लिये आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और कलात्मक दृष्टि से बहुत ही मूल्यवान होते हैं।

विश्व विरासत चिन्ह, सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों तथा संस्कृति और प्रकृति के बीच निहित संबंध का ही एक प्रतीक है।

▲ सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत

इस कन्वेन्शन में सांस्कृतिक विरासत की परिभाषा अध्याय 1, और प्राकृतिक विरासत की परिभाषा अध्याय 2 के अन्तर्गत दी गई है।

नेपाली ए एस पी विद्यार्थी बज्रयोगिनी मंदिर की सीढ़ियों पर झाड़ू लगाते हुए
© यूनेस्को

हमारे शहरों की सांस्कृतिक विरासत के वास्तविक संरक्षक तो वहां के निवासी हैं। हम उन्हें कहां खोज सकते हैं? वैसे देखा जाय तो कहीं भी – उन्हें खोजने की शुरुआत हम सबसे स्पष्ट और प्रभावी स्थान विद्यालय से कर सकते हैं, जिसके लिये हम यूनेस्को नेटवर्क का सहारा ले सकते हैं, यूनेस्को के एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क (एएसपीनेट) के अन्तर्गत तो हजारों स्कूल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग द्वारा यह कार्य कर रहे हैं।

एमएस एसे क्लेवेलेन्ड, सांस्कृतिक मंत्री, नोर्वे (1995)

▲ सांस्कृतिक परिदृश्य

वर्ष 1992 से, विश्व विरासत कमेटी ने भी प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों या धरातलों के बीच होने वाली विशिष्ट अंतर्क्रियाओं को मान्यता दी है।

सांस्कृतिक परिदृश्य जैसे टोंगेरियो नेशनल पार्क, न्यूजीलैण्ड; उलयूरू -काटा त्यूजूटा नेशनल पार्क, आस्ट्रेलिया; फिलिप्पाइन कोरडीलेरास, फिलीपाइन्स; सिन्ट्रा पोरतुगाल का सांस्कृतिक स्थल; लेडनिस-वाल्टिस, चेक रिपब्लिक; हालस्टाट-डेचस्टीइन/सालज्कार्म्मेगुट सांस्कृतिक स्थल, आस्ट्रिया, पायरेनीज-मोन्ट परडू, फ्रान्स/स्पेन; कोस्टेरिया अमलफिटाना, इटली; और स्वीडन के दक्षिणी ओलैण्ड के कृषिक्षेत्र को विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है। विश्व विरासत सांस्कृतिक धरातलों के बारे में और अधिक जानकारी यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर और इंटर नेट पर इसकी वेबसाइट से ली जा सकती है।

© यूनेस्को 2002

सिन्ट्रा , पोर्तुगाल का सांस्कृतिक परिदृश्य © यूनेस्को

विश्व विरासत संरक्षण प्रक्रिया

विश्व विरासत के संरक्षण एक जीवनभर चलने वाली ऐसी प्रक्रिया है जो बहुत से महत्वपूर्ण चरणों से होकर गुजरती है। सबसे पहले देश विश्व विरासत समझौते के अनुबंधित राज्य बनकर उसके प्रति निष्ठावान बनते हैं और फिर विश्व विरासत सूची में शामिल करवाने के लिये कुछ स्थलों का प्रस्ताव रखते हैं। निम्नलिखित चित्रों के द्वारा नामांकन की प्रक्रिया को दिखाया गया है।

1 एक देश विश्व विरासत समझौते पर हस्ताक्षर करके एक अनुबंधित राज्य बनता है और प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की प्रतिज्ञा लेता है।

2 एक अनुबंधित राज्य उसके क्षेत्र में स्थित उन सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत स्थलों की एक प्रस्तावित सूची तैयार करता है, जिन्हें वह वैश्विक रूप से अत्यधिक मूल्यवान समझता है।

3 अनुबंधित राज्य उस प्रस्तावित सूची में से कुछ स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिये नामांकन देता है।

© यूनेस्को 2002

4 नामांकन पत्र को पूर्ण रूप से भरकर यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर में भेजा जाता है।

5 यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर यह देखता है कि नामांकन पत्र पूर्ण रूप से भरा गया है या नहीं, फिर वह पूर्ण नामांकन पत्रों को आई यू सी एन/ या आई सी ओ एम ओ एस में विरासतों के मूल्यांकन के लिये भेजता है।

6 विशेषज्ञ स्थल पर जाते हैं और उसके संरक्षण और प्रबंधन का मूल्यांकन करते हैं।

7

आई सी ओ एम ओ एस और/या आई यू सी एन, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत मानदंडों के आधार पर नामांकनों का मूल्यांकन करते हैं।

8 आई सी ओ एम ओ एस और/या आई यू सी एन एक मूल्यांकन रिपोर्ट बनाते हैं।

9

वर्ल्ड हेरिटेज ब्यूरो के सात सदस्य, नामांकन और मूल्यांकन की समालोचना करते हैं और अपनी सिफारिश कमेटी के समक्ष रखते हैं।

10 नामांकन को विश्व सूची में सम्मिलित करने, विलंबित करने या उसे अस्वीकार करने का अंतिम निर्णय, 21 सदस्यों वाली विश्व विरासत कमेटी द्वारा लिया जाता है।

© यूनेस्को 2002

▲ विश्व विरासत सूची- वैश्विक दृष्टि से अत्यधिक मूल्यवान कुछ स्थल

विश्व विरासत संधि पर हस्ताक्षर के द्वारा कोई देश एक अनुबंधित राज्य बन कर, वर्तमान और भविष्य के लिये अपनी सीमाओं के भीतर स्थित प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की प्रतिज्ञा करता है।

कन्वेन्शन पर हस्ताक्षर करने के बाद वह अपनी सीमाओं के अंदर स्थित स्थलों को विश्व विरासत सूची में अंकित किये जाने के लिये नामांकन भेजने की प्रक्रिया की शुरुआत कर सकता है। नामांकन के लिये पहला प्रस्ताव कुछ स्थानीय लोगों के समूह द्वारा आ सकता है, पर यूनेस्को को यह प्रस्ताव केवल उस देश की सरकार द्वारा ही भेजा जा सकता है। सबसे पहले, अनुबंधित राज्य यह निर्णय लेता है कि उसे कौन-कौन से स्थलों के लिये नामांकन देना है। इस प्रक्रिया को स्थलों का चयन/पहचान कहा जा सकता है। अनुबंधित राज्य को उसके क्षेत्र में स्थित वैश्विक स्तर पर अत्यधिक महत्वपूर्ण सभी प्राकृतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों की एक सूची बनाने को कहा जाता है। संभावी विरासत स्थलों की उस सूची को एक प्रस्तावित सूची के रूप में यूनेस्को वर्ल्ड सेंटर को भेज दिया जाता है।

जब कोई अनुबंधित राज्य किसी स्थल को नामांकन के लिये चुनता है तो इसके लिये उसे एक विशिष्ट नामांकन-प्रपत्र को पूर्ण रूप से भरने की आवश्यकता होती है। अनुबंधित राज्य द्वारा नामांकन के लिये भेजा जा रहा स्थल, विश्व विरासत सूची में शामिल होने की योग्यता पूर्ति विश्व विरासत कमेटी द्वारा निश्चित किये गये किन मानदंडों के आधार पर कर रहा है यह प्रपत्र में लिखा जाना विशेष रूप से अनिवार्य है, और साथ ही यह दिखाना भी जरूरी होता है कि स्थल का संरक्षण औार प्रबंधन भली प्रकार हो रहा है। प्रस्तावित स्थल इसी प्रकार के दूसरे स्थलों की तुलना किस प्रकार से कर सकता है इसका विश्लेषण देना भी महत्वपूर्ण है। आई सी ओ एम ओ एस और/अथवा आई यू सी एन, नामांकनों का मूल्यांकन करते हैं और उसकी सिफारिश विश्व विरासत कमेटी को भेज देते है जो उस स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने या ना करने का अंतिम निर्णय लेती है।

जनवरी 2002 तक विश्व विरासत सूची में 721 स्थलों को अंकित किया जा चुका है – ये 124 देशों के स्थल हैं जिनमें 554 सांस्कृतिक स्थल, 144 प्राकृतिक स्थल और 23 मिश्र सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थल हैं।

▲ एक प्रतिनिधिक और संतुलित विश्व विरासत सूची बनाने की वैश्विक नीति

विश्व विरासत कमेटी इस दिशा में बहुत परिश्रम करती है कि विश्व विरासत सूची में शामिल सभी स्थल विश्व के सभी क्षेत्रों से चुने जायें - अफ्रीका से, अरब गणराज्य से, एशिया से, प्रशांत क्षेत्र से, यूरोप से, उत्तरी अमेरिका से, लेटिन अमेरिका से और केरेबियन क्षेत्र सभी से। वर्ष 1994 में विश्व विरासत कमेटी ने यह निर्णय लिया कि विश्व विरासत सूची में स्थलों के चुनाव के समय क्षेत्रीय, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाये और इसी संदर्भ में एक 'प्रतिनिधिक और संतुलित विश्व विरासत सूची बनाने की वैश्विक नीति' को अनुमोदित किया।

मैं दूसरों को यह बताना चाहता हूं कि मैं इस समय क्या महसूस कर रहा हूं। मैं यह सोचता हूं कि अफ्रीकी विरासत के संबंध में बहुत ही कम जानकारी उपलब्ध है।

मोजेम्बिक विद्यार्थी, वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, विक्टोरिया फाल्स, जांबिया और जिम्बाब्वे

© यूनेस्को 2002

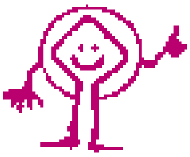

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 6

किसी विश्व विरासत स्थल का एक प्रतिरूप (स्केल माडल) बनाना

उद्देश्य: सृजनशीलता को प्रेरित करना और किसी विश्व विरासत स्थल के बारे में विस्तार पूर्वक जानना

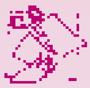
क्रियात्मक अनुभव

कक्षा के अंदर या बाहर का क्रियाकलाप

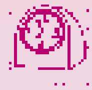
बहुत से कक्षा घंटे

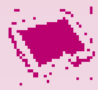
गणित कला, इतिहास

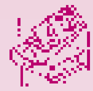
लेमिनेटेड फोटो

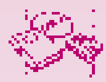
गत्ते गोंद, मिट्टी

✓ आपके विद्यार्थियों को लैमिनेटेड फोटो दिखायें। उन्हें किसी एक विश्व विरासत स्थल को चुनने के लिये और उसका एक प्रतिरूप बनाने के लिये आमंत्रित करें। गणित के शिक्षक विद्यार्थियों को यह बता सकते हैं कि वे किस प्रकार से स्केल से माप लेकर यह मॉडल बना सकते हैं। कला शिक्षक या फिर कोई कलाकार या आर्किटेक्ट मॉडल बनाने के के कई सुझाव दे सकता है। इतिहास के शिक्षक उस स्थल की ऐतिहासिक तिथियों के बारे में सुझाव दे सकते हैं। मॉडलों के पूर्ण हो जाने के बाद उन्हें एक प्रदर्शनी के रूप में प्रस्तुत करें और अभिभावकों और समाज के दूसरे लोगों को आमंत्रित करें।

ग्रेट वाल ऑफ चाइना का प्रतिरूप (स्केल माडल)
© यूनेस्को

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप: 7

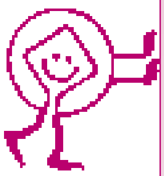

अपने क्षेत्र के विश्व विरासत स्थलों को पहचानना

उद्देश्य: अपने क्षेत्र में स्थित विश्व विरासत स्थलों से अवगत होना

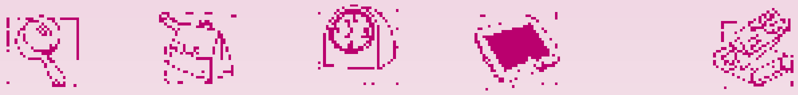

अनुसंधान | कक्षा क्रियाकलाप | एक या दो कक्षा-घंटे | भूगोल इतिहास | विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना: अपने क्षेत्र में विश्व विरासत पहचानना विश्व विरासत नक्शा, संक्षिप्त विवरण

✓ विद्यार्थी क्रियाकलाप-पन्ने की प्रत्येक विद्यार्थी के लिये एक फोटोकॉपी करवा लें।

विद्यार्थियों से अपने देश या फिर पास के किसी देश के दस विरासत स्थलों की सूची बनाने को कहें।

उनसे पूछें कि क्या उनके देश ने *विश्व विरासत संधि* पर हस्ताक्षर किये हैं?

आपके देश में *विश्व विरासत संधि* को लागू करने के लिये कौन सी संस्थायें और प्राधिकरण हैं (सांस्कृतिक विरासत के लिये और प्राकृतिक विरासत के लिये)

आपका देश यूनेस्को के द्वारा किस प्रकार से संबंधित है? उदाहरण के लिये क्या आपके देश में यूनेस्को की नेशनल कमीशन है?

© यूनेस्को 2002

विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना

विश्व विरासत नक्शा

विश्व विरासत संधि

विश्व विरासत नक्शा उन सभी राष्ट्रों की सूची दिखाता है जो कि विश्व विरासत संधि से अनुबंधित राज्य हैं, नक्शे में उन 721 स्थलों की स्थिति को भी दिखाया गया हैं जिन्हें अब तक विश्व विरासत सूची में शामिल किया जा चुका है।

अपने देश या उसके आस-पास स्थित दस विश्व विरासत स्थलों और उनकी भौगोलिक स्थिति को नीचे दिये गये खानों में लिखिये। लिखिए कि वे प्राकृतिक स्थल हैं, सांस्कृतिक स्थल हैं या मिश्र प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थल।

अपने उत्तरों पर एक साथ चर्चा करें।

क्रमांक	विश्व विरासत का नाम	वर्ष जिसमें इसे विश्व विरासत सूची में अंकित किया गया	अनुबंधित राज्य	विरासत का प्रकार (प्राकृतिक, सांस्कृतिक मिश्र प्राकृतिक- सांस्कृतिक)
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				

अपने क्षेत्र के विरासत स्थलों को पहचानना

विश्व विरासत स्थलों के चुनाव के प्रमाण/मानदंड

शिक्षकों को विश्व विरासत स्थलों के चुनाव के मानदंडों के विषय में विशेष सूचनायें

ये मानदण्ड विश्व विरासत संरक्षण के आवश्यक पहलू हैं और प्रशिक्षण के प्रत्येक चरण पर इन पर ध्यान देना आवश्यक है।

संदर्भ सामग्री की सूची

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिये एक विश्व विरासत सूची बनाना किसी बहुत बड़ी चुनौती से कम नहीं है : कैसे किसी स्थल, इमारतों के समूह, या स्मारकों को दूसरों की तुलना में विश्व विरासत का हिस्सा बनाया जाय, इसका निर्णय किस प्रकार से लिया जाय? दूसरे शब्दों में कहा जाय तो किसी प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थल में ऐसा क्या ढूंढा जाय जिससे वह वैश्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण प्रमाणित हो सके?

बहुत से वर्षों के परिश्रम के बाद विश्व विरासत कमेटी ने विश्व विरासत संधि के कार्यान्वयन की मार्ग-दर्शक सूचनायें तैयार की हैं। उसमें यह विस्तारपूर्वक दिया गया है कि विश्व विरासत सूची में शामिल करवाने के लिये नामांकन किस प्रकार दिया जा सकता है और नामाकंन के लिये आवश्यक मानदंड क्या हैं?

▲ किसी सांस्कृतिक विश्व विरासत स्थलों के चुनाव के प्रमाण/मानदंड

कार्यान्वयन की मार्ग-दर्शक सूचनाओं में 6 मानदंडों को सम्मिलित किया गया है जिनके द्वारा सांस्कृतिकविरासत स्थलों, इमारतों के समूह और वे दूसरे स्थल जिन्हें विश्व विरासत सूची का हिस्सा बनाया जा सकता है, का चुनाव किया जाता है।

किसी सांस्कृतिक स्थल के नामांकन के लिये आवश्यक है कि वह:

(1) मानवीय सृजनात्मक कल्पनाशक्ति के सर्वश्रेष्ठ नमूनों का प्रतिनिधिक हो;

तस्सीली न'अजेर, अलजेरिया.
© यू डब्ल्यू आई जी/ ओ पी एन टी

(2) किसी कालाविधि में, कला के किसी क्षेत्र में जैसे कि वास्तुकला या प्रौद्योगिकी के विकास में, स्मारक निर्माण कला, शहरों की योजना बनाने या फिर भू-सज्जा (लेंडस्केपिंग) अदि क्षेत्रों में मानीय मूल्यों के विशेष आदान-प्रदान का नमूना हो; या

लैमिनेटेड फोटो
ग्रेट जिम्बाब्वे,
राष्ट्रीय स्मारक, जिम्बाब्वे

(3) किसी सांस्कृतिक परंपरा या सभ्यता जो अभी तक जीवित है या फिर गुम हो चुकी है, का एक अनूठा प्रमाण हो ; या

जेल्लिंग टीले, रयूनिक पत्थर
और चर्च, डेनमार्क
© यूनेस्को

(4) कोई ऐसी इमारत, वास्तुकला या प्रौद्योगिकी एक ऐसा नमूना या फिर ऐसा प्राकृतिक स्थल हो जो मानवता के इतिहास के विशिष्ट सोपान/सोपानों को प्रमाणित करता है; या

लैमिनेटेड फोटो
ब्राज़िलिया, ब्राज़ील

© यूनेस्को 2002

लैमिनेटेड फोटो
चिक्वीटोस का जेस्यूइत मिशन, बोलिविया

लैमिनेटेड फोटो
मेम्फिस और उसका नेक्रोपोलिस, गिजा से दाहशूर तक के पिरामिड क्षेत्र, मिस्र

(5) लोगों की परंपरागत बस्तियों या जमीन के उपयोग का एक विशिष्ट नमूना हो। किसी सभ्यता या सभ्यताओं का एक प्रतिनिधिक उदाहरण हो, विशेष रूप से उस स्थिति में जब वह सभ्यता किसी अपरिवर्तनीय हादसे के चपेट में आ गई हो; या

(6) सीधे और स्पष्ट रूप से किन्हीं ऐसी घटनाओं, जीवित परंपराओं, विचारों, विश्वासों, कलात्मक और साहित्यिक रचनाओं से जुड़ा वह स्थल है जो वैश्विक स्तर पर अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं (कमेटी का ऐसा मानना है कि इस प्रमाण का उपयोग केवल विशिष्ट परिस्थितियों और विश्व विरासत सूची में अंकन के दूसरे मानदंडों के पूरक के रूप में ही किया जाना चाहिये)।

इन सबके साथ, किसी सांस्कृतिक स्थल की मौलिकता/ प्रमाणों की विश्वसनीयता, संरक्षण और प्रबंधन का भी उतना ही महत्व है।

▲ प्राकृतिक विरासत स्थलों के चयन के मानदंड

वैश्विक विरासत के स्तर से महत्वपूर्ण प्राकृतिक विरासत स्थलों के चयन हेतु मार्गदर्शक सूचनाएँ निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर दी गई हैं।

मेसेल पिट फोसिल साइट जर्मनी
© यूनेस्को

(1) पृथ्वी के इतिहास के विभिन्न चरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ उदाहरण, जिसमें जीवन के प्रमाण शामिल हैं, भूगर्भीय प्रक्रियाओं जिनके द्वारा विभिन्न प्रकार के धरातल बनते हैं के उदाहरण या फिर कुछ भूगर्भीय या भौगोलिक आकृतियाँ हैं, या;

58

(2) स्थल, जल, समुद्रतट, या समुद्र के पानी के अंदर जीव-संकुलों (इकोसिस्टम) और पेड़-पौधों और जानवरों के समुदायों की उत्पत्ति और विकास में सहायक स्थलवैज्ञानिक और जैववैज्ञानिक प्रक्रियाओं के कुछ विशिष्ट उदाहरण, या

बेलिजे बेरियर-रीफ रिजर्व प्रणाली, बेलिजे
© यूनेस्को

लैमिनेटेड फोटो
ग्रेट बैरियर रीफ, आस्ट्रेलिया

लैमिनेटेड फोटो
रियो प्लेटेनो बायोस्फियर रिजर्व, होन्डूरास

(3) प्राकृतिक क्रियाकलापों के अतुलनीय/उदाहरण, प्राकृतिक सुंदरता और सौन्दर्य के परिदृश्य हैं, या;

(4) जीवों के प्राकृतिक आवासों के महत्वपूर्ण और विशिष्ट वे स्थान हैं जो स्थल जैव विविधता के स्व-स्थान (इन-सिट्यू) संरक्षण के लिये वैज्ञानिक और संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इन स्थानों पर वैश्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण जीवों की ऐसी प्रजातियां भी रहती हैं जिनके लुप्त हो जाने का खतरा है।

प्राकृतिक स्थलों की संपूर्णता/अखण्डता, उसकी सुरक्षा और प्रबंधन का भी उतना ही महत्व है।

▲ मिश्र प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत स्थलों के चयन के मानदंड

चूंकिमिश्र प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत स्थल प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों ही दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इनके विश्व विरासत सूची में शामिल करने के मानदंड, प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों के चयन के मानदंडों के मिले-जुले रूप है। अभी तक विश्व विरासत सूची में

© यूनेस्को 2002

तेईस मिश्र प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थल हैं (उदाहरण के लिये, पेरू की माछू पिकचू का ऐतिहासिक अभयारण्य (सेंक्च्यूरी) और स्वीडन का लेपोनियन क्षेत्र)

▲ मानदंडों का प्रयोग

इन सभी मानदंडों का प्रयोग बहुत कठोरता के साथ किया जाता है ताकि विश्व विरासत सूची अधिक ही लंबी न हो जाय और ना ही सूची, सूची ना रह कर एक ऐसी सारणी बन कर रह जाय जिसमें सभी राष्ट्रों के सभी क्षेत्रों को शामिल कर लिया गया है क्योंकि राष्ट्र उनका नाम सूची में देखना चाहते हैं।

सभी देशों में ऐसे स्थल हैं जिनमें स्थानीय और राष्ट्र के लोगों को रुचि हो सकती है, और निश्यच ही वे स्थल राष्ट्र के गौरव के प्रेरणा-स्रोत हैं। यह सन्धि, ऐसे क्षेत्रों की पहचान और संरक्षण को प्रोत्साहन देती है फिर भले ही वे स्थल विश्व विरासत सूची में अंकित हों या न हों।

© यूनेस्को 2002

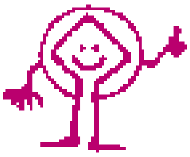

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 8

विश्व विरासत स्थलों को नक्शे पर दिखाना

उद्देश्य: भौगोलिक स्थानों और विश्व विरासत स्थलों के प्रकारों को जानना

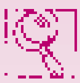
अनुसंधान

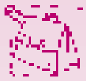
कक्षा क्रियाकलाप

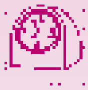
बहुत से कक्षा घंटे

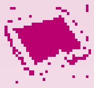
भूगोल सामाजिक ज्ञान

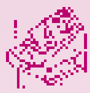
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना: विश्व विरासत स्थलों को नक्शे पर दिखाना, संक्षिप्त विवरण विश्व विरासत नक्शा, लेमिनेटेड फोटो

✓ अगर हो सके तो प्रत्येक विद्यार्थी के लिये विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ने की फोटोकॉपी करवायें।

✓ विद्यार्थियों को संलग्न नक्शे पर दिखाये गये विश्व विरासत स्थलों (क से ञ) को नीचे दिये गये विरासत स्थलों (1 से 10) से जोड़ने तथा यह बताने को कहें कि वे सांस्कृतिक स्थल हैं, प्राकृतिक स्थल हैं या फिर मिश्र प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थल।

✓ विद्यार्थियों से अपनी उत्तरों को दूसरे विद्यार्थियों से बदल कर उत्तरों की जाँच करने को कहें। कक्षा का प्रयास कैसा था? विजेताओं को पेट्रिमोनिटो स्टिकर जैसे कुछ छोटे-छोटे उपहार दें।

दो या तीन हफ्तों के कक्षा-कार्य के बाद, इसी क्रियाकलाप को नक्शे पर दस और नयी विरासतों को जोड़कर दोहरायें। इस क्रियाकलाप को आप जितनी बार चाहें दोहरा सकते हैं।

उत्तर

1.	चाइल	रापा नूई नेशनल पार्क (इस्टर आयलेन्ड)
2.	क्यूबा	पुराना हवाना और उसकी किलेबंदी
3.	मेक्सिको	एल वीजकेएनो की व्हेल सेंक्च्यूरी
4.	घाना	फोर्ट्स और कैसल्स, वोल्टा ग्रेटर एक्करा, मध्य और पश्चिमी क्षेत्र
5.	जापान	पुरातन क्योओटो का ऐतिहासिक स्मारक (क्योओटो, उजी, और ओतसू के शहर)
6.	जोर्डन	पेट्रा
7.	फ्रान्स	मोन्ट-सेन्ट मिचल और उसकी खाड़ी
8.	चीन	माउन्ट तेइशान
9.	संयुक्त राज्य तन्जानिया	सेरेन्जेटी नेशनल पार्क
10.	नाइजर	एयर और टेनेरे नेचुरल रिजर्व

एयर और टे'ने'रे' प्राकृतिक आरक्षित क्षेत्र, नाइजर
© आई यू सी एन/ जे थोरसेल

© यूनेस्को 2002

दिया गया नक्शा विश्व विरासत सूची में शामिल दस स्थलों को दिखाता है।

संलग्न नक्शे पर दिये गये विश्व विरासत स्थलों (क से ञ) को दिये गये विरासत स्थलों की सूची (1 से 10) से जोड़िये। उन स्थलों के नामऔर उनकी भौगोलिक स्थिति लिखिए और बताइए कि वे सांस्कृतिक स्थल हैं, प्राकृतिक स्थल हैं या फिर मिश्र प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थल। हमारी शुभ कामनायें आपके साथ हैं!

अक्षर	सही संख्या से जोड़ें (1-10)	विश्व विरासत स्थल का नाम	अनुबंधित राज्य	विरासत का प्रकार (प्राकृतिक, सांस्कृतिक मिश्र प्राकृतिक सांस्कृतिक)
क				
ख				
ग				
घ				
ङ				
च				
छ				
ज				
झ				
ञ				

विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना

नक्शे पर विश्व विरासत स्थलों को दिखाना

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना 9

विश्व विरासत मानदंडों/ प्रमाणों को समझना

उद्देश्य: विश्व विरासत सूची में अंकित होने के मानदंडों/ प्रमाणों को अच्छे प्रकार से समझना

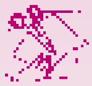
प्रयोगात्मक

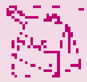
कक्षा क्रियाकलाप

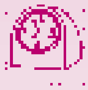
दो या दा से अधिक कक्षा घंटे

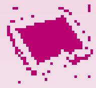
भूगोल

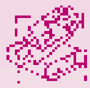
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना: विश्व विरासत मानदंडो को समझना, विश्व विरासत नक्शा संक्षिप्त विवरण

विश्व विरासत कमेटी द्वारा निर्धारित किये गये मानदंडो पर खरे उतरने के बाद ही किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में अंकित किया जाता है।

✓ कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बांटिये, उन्हें कहिये कि वे विश्व विरासत नक्शे और संक्षिप्त विवरण को देखें और उन स्थलों को विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ने पर दिये गये खानों में भरें, प्रत्येक क्षेत्र के लिये एक स्थल, ऐसा प्रत्येक मानदंड के लिये करें। (विश्व विरासत सूची में अंकित सभी क्षेत्र एक से अधिक मानदंडों/प्रमाणों के आधार पर चुने गये थे।)

✓ मिश्र स्थलों के लिये, एक क्षेत्र के लिये एक या दो स्थल लिखें और चयन के मानदंड और स्थलों के नाम भी साथ में लिखें।

✓ विद्यार्थियों की खोजों पर चर्चा करें।

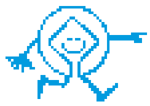

संक्षिप्त विवरण

© यूनेस्को 2002

विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना

सांस्कृतिक स्थल	मानदंड (1) मानवीय सृजनशीलता के सर्वश्रेष्ठ नमूने	मानदंड (2) मूल्यों का महत्वपूर्ण आदान-प्रदान	मानदंड (3) जीवंत अथवा लुप्त परंपराओं के उत्कृष्ट प्रमाण	मानदंड (4) वास्तुकला अथवा प्रौद्योगिकी, इमारत भू-सज्जा के उत्कृष्ट नमूने	मानदंड (5) परंपरागत बस्तियों या भू-उपयोग के उत्कृष्ट नमूने	मानदंड (6) घटनाओं, विचारों, जीवंत परंपराओं साहित्य, कला आदि से जुड़े स्थल या वस्तुएं
अफ्रिका						
लेटिन अमेरिका और केरिबियन						
अरब राज्य					(लिबियन अरब जमहिरिया) में घाडामेज का पुरातन कस्बा	
एशिया और प्रशांतीय क्षेत्र						
यूरोप और उत्तरी अमेरिका						

प्राकृतिक स्थल	मानदंड (1) पृथ्वी के इतिहास के महत्वपूर्ण चरण	मानदंड (2) स्थल वैज्ञानिक और जीव वैज्ञानिक प्रक्रियाएँ	मानदंड (3) प्राकृतिक घटना, और प्राकृतिक सुंदरता अथवा सौंदर्य के अतुलनीय नमूने	मानदंड (4) जीव विविधता संरक्षण के लिये आवश्यक जीवों के प्राकृतिक आवास
अफ्रिका		मेनोवो-गाउन्डा सेंट फ्लोरिस नेशनल पार्क (केन्द्रीय अफ्रीकन गणराज्य)		
लेटिन अमेरिका और केरिबियन				
अरब राज्य				
एशिया और प्रशांतीय क्षेत्र				
यूरोप और उत्तरी अमेरिका				

क्षेत्र	मिश्र स्थल का नाम	प्राकृतिक विरासत मानदंड (1), (2) (3) या (4)	सांस्कृतिक विरासत मानदंड (1), (2), (3), (4) (5) या (6)
अफ्रिका			
लेटिन अमेरिका और केरिबियन			
अरब राज्य			
एशिया और प्रशांतीय क्षेत्र			
यूरोप और उत्तरी अमेरिका	गोरेम नेशनल पार्क और टर्की की केप्पेडोसिया चट्टानें	(3)	(1), (3), (5)

गोरेमे नेशनल पार्क और केपेडोशिया के चट्टानी स्थल
© यूनेस्को/ डी. रोगर

विद्यार्थी क्रियाकलाप 10

सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों के लिये नामांकन

उद्देश्य: विरासत संरक्षण सूची में शामिल होने के लिये नामांकन प्रक्रिया को समझना

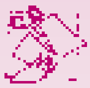

प्रायोगिक क्रियाकलाप

कक्षा क्रियाकलाप

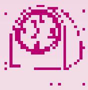

एक या बहुत से कक्षा-घंटे

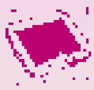

भाषा कला

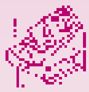

विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों के लिये नामांकन, विद्यार्थियों के लिये मार्गदर्शक-सूचनायें

✓ विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना और मार्गदर्शक सूचनाओं के उपयोग द्वारा कक्षा को किसी स्थानीय या क्षेत्रीय विरासत स्थल को राष्ट्रीय विरासत सूची या रजिस्टर में शामिल करने हेतु नामांकन तैयार करने को कहें।

✓ विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित करें, और प्रत्येक समूह को एक स्थानीय स्थल के लिये नामांकन तैयार करने को कहें।

✓ विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गये नामांकन प्रस्तुतीकरणों को दीवार पर लगाया जा सकता है या फिर उन सबको एक साथ एक पुस्तिका के रूप में एकत्रित किया जा सकता है। इस पुस्तिका की एक प्रति विद्यार्थियों की शुभकामनाओं के साथ क्षेत्रीय या स्थानीय प्राधिकरण को भेजें। राष्ट्रीय विरासत कमेटी के साथ आपकी मुलाकात की टिप्पणी को भी साथ भेजें।

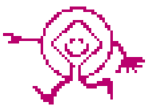

विद्यार्थी क्रियाकलाप 11

© यूनेस्को 2002

विद्यार्थियों के लिये मार्ग-दर्शक सूचनायें

आपके राष्ट्र के किसी स्थल को आपके राष्ट्रीय विरासत सूची, विवरण सूची, या रजिस्टर में शामिल करने के लिये नामांकन भेजना

आपके देश ने राष्ट्रीय प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों की एक सूची बनाने का निर्णय लिया है। आपकी कक्षा को बोला गया है कि आप एक या अधिक स्थानीय प्राकृतिक और/अथवा सांस्कृतिक स्थलों के लिये नामांकन तैयार करें। यह क्रियाकलाप कक्षा के अंदर और बाहर दोनों स्थानों पर किया जायेगा। (उदाहरण के तौर पर स्थलों की यात्रा)

नामांकन बनाने के लिये मार्ग-दर्शक सूचनायें

साथ में दिये गये प्रपत्र को नीचे दिये गये निर्देशों के अनुसार भरिये:

विवरण विभाग में यह सब होगा:

- स्थल का विवरण, और इसके मुख्य और विशेष लक्षण (प्राकृतिक स्थलों के लिये: पक्षियों, जानवरों और पेड़ों आदि के प्रकारऔर सांस्कृतिक स्थलों के लिये इमारत, पुरातत्व से संबंधित लक्षण);
- स्थल का इतिहास;
- नक्शे;
- फोटो आदि (को संलग्न करें);
- इस स्थल के बारे में जानकारी के मुख्य स्रोतों की एक संक्षिप्त संदर्भ सूची।

राष्ट्रीय प्राकृतिक और सांस्कृतिक विभाग में शामिल होने के तर्कसंगत प्रमाण जिसमें होंगे:

- वे कारण जिनसे यह राष्ट्र के लिये महत्वपूर्ण है। अगर आपके देश में ऐसे मानदंड हैं जिनके आधार पर उनके राष्ट्रीय महत्व को आंका जा सकता है तो स्थल के महत्व निर्धारण के लिये उन्हें उपयोग में लायें।

स्थल-संरक्षण विभाग में होंगे:

- स्थल की देख-रेख कौन करता है इस बारे में कुछ जानकारी। क्या स्थानीय लोग स्वयं ही इसकी देख-रेख करते हैं या फिर कोई स्थानीय या क्षेत्रीय संघटन इसकी देखभाल करता है ? क्या वे जो इसकी देख-भाल करते हैं इस स्थल को सुरक्षित रखने में सक्षम हैं ? क्या उनके पास पर्याप्त पैसा और योग्यता है? क्या स्थल की सुरक्षा के लिये कोई कानून है?

दूसरे ऐसे स्थलों से तुलना विभाग में होंगे:

- आपके देश या उस क्षेत्र जिसमें आपका देश आता है, इस स्थल जैसे दूसरे कुछ स्थलों के विवरण;
- राष्ट्र के इसी प्रकार के दूसरे स्थलों की तुलना में इस स्थल की संरक्षण स्थिति।

क्या इस स्थल की दशा इतनी खराब हो चुकी है कि इसकी बहाली नहीं हो सकती? उदाहरण के लिये किसी प्राकृतिक स्थल के लिये देखें कि उस जगह रहने वाले पेड़-पौधों को कहीं मरने का खतरा तो नहीं?

उस देश का नाम जहाँ वह स्थल स्थित है ....

उन लोगों के नाम जिन्होंने नामांकन तैयार किया है...

तिथि ....

स्थल का नाम

स्थल की भौगोलिक स्थिति

स्थल का विवरण

राष्ट्रीय सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत में शामिल करने के लिये कुछ तर्क-संगत प्रमाण

मानदंडों की कसौटी

स्थल का संरक्षण

दूसरे स्थलों से तुलना

02

विश्व विरासत कमेटी और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर

कार्यरत विश्व विरासत कमेटी
© आर. मिल्न

किस स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करना है या अंकित करना है यह निर्णय विश्व विरासत कमेटी द्वारा लिया जाता है।

विश्व विरासत कमेटी जिसकी सभा साल में एक बार होती है, के चार महत्वपूर्ण कार्य हैं:

- सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों को विश्व विरासत सूची में अंकित कर, विश्व विरासत को परिभाषित करना। इस कार्य में उसे आई सी ओ एम ओ एस और आई यू सी एन सहायता करते हैं, वे विभिन्न अनुबंधित राज्यों द्वारा भेजे गये नामांकनों को बहुत ही सावधानी-पूर्वक देखते हैं और प्रत्येक नामांकन के लिये एक विवेचना तैयार करते हैं। द इंटरनेशनल सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ द प्रिसर्वेशन एण्ड रिस्टोरेशन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी (आई सी सी आर ओ एम) भी कमेटी को सुझाव देती है। (उदाहरण के लिये सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण और सांस्कृतिक संरक्षण की विधियों पर)।
- विश्व विरासत स्थलों के संरक्षण से संबंधित भेजे गये विवरणों की जांच और स्थलों के प्रबंधन और संरक्षण की स्थिति ठीक न होने पर अनुबंधित राज्यों को विशिष्ट संरक्षण कार्य करने का आदेश देना।
- किसी ऐसे स्थल जिसे भविष्य में खतरा होने की संभावना है, पर संबंधित अनुबंधित राज्य के साथ विचार-विमर्श के बाद, खतरे में पड़ी विश्व विरासत इस सूची में शामिल करने या न करने का निर्णय लेना।
- विश्व विरासत निधि (वर्ल्ड हेरिटेज फंड) का प्रशासन और राष्ट्रों द्वारा अपनी विरासतों के संरक्षण के लिये मदद मांगे जाने पर, दी जाने वाली प्रौद्योगिक और आर्थिक मदद तय करना।

संधि के कार्यान्वयन के लिये यूनेस्को द्वारा सचिवालय उपलब्ध करवाया गया है, जिसे यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर के नाम से जाना जाता है। यह सेंटर, अनुबंधित राज्यों को, संधि के दिन-प्रति-दिन के संरक्षण कार्यों में सहायता करता है और विश्व विरासत कमेटी द्वारा लिये गये निर्णयों को प्रस्तावित या कार्यान्वित करता है।

संपर्क पते

संपर्क पते

© यूनेस्को 2002

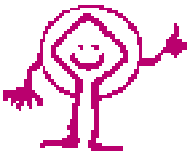

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 11

राष्ट्रीय विरासत कमेटी की सभा

उद्देश्य: किसी विरासत स्थल के नामांकन के निर्णय की प्रक्रिया को समझना

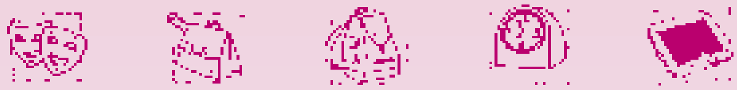

इस क्रियाकलाप में विद्यार्थी, राष्ट्र की विरासत कमेटी के सदस्यों की भूमिकाओं को अभिनीत करेंगे। आपकी कक्षा द्वारा प्रस्तावित स्थानीय और क्षेत्रीय स्थलों का अवलोकन कर वह यह निर्णय लेगी कि उन स्थलों को संरक्षण दिया जाय या नहीं।

✓ एक चेयरपरसन, दो उपचेयरपरसन और एक रेपोर्टीयर को चुनिये। ध्यान रहे कि लड़कियों और लड़कों के बीच संतुलन हो। चुने गये तीन विद्यार्थी चर्चा को आगे बढ़ायेंगे और वाद-विवाद का संचालन करेंगे।

✓ बाकी बचे विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित करें। हर समूह एक स्थल को समझेगा और अपनी सिफारिश पूरी कमेटी के समक्ष रखेगा (वह यह कि उस स्थल का संरक्षण किया जाय या नहीं और उसे राष्ट्रीय विरासत सूची या रजिस्टर में शामिल किया जाय या नहीं?)

✓ नामांकन प्रपत्र को बारीकी से देखें और निम्नलिखित बातों का विश्लेषण करें:

(क) वह स्थल स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय या फिर अंतर्राष्ट्रीय मूल्य का है?
(ख) क्या उस स्थल का संरक्षण ठीक प्रकार से किया गया है?
(ग) क्या स्थल को पर्याप्त कानूनी संरक्षण प्राप्त है?
(घ) क्या स्थल के प्रबंधन और संरक्षण के लिये समुचित योजना बनाई जा चुकी है?
(ङ) क्या स्थल के नामांकन के लिये स्थानीय लोगों से सलाह की गई थी?

✓ समूहों द्वारा लिये गये मूल्यांकन पर खुली चर्चा करें। यह निर्णय लें कि किस स्थल का राष्ट्रीय मूल्य है? विद्यार्थियें को कहें कि वे स्थलों के राष्ट्रीय सूची में सम्मिलित करने के लिये अपना वोट दें। फिर विद्यार्थियों से पूछें कि क्या इन स्थलों में एक या दो स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल किया जा सकता है?

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 12

सान्ता क्रूज डे मोमपोक्स का ऐतिहासिक केन्द्र, कोलम्बिया

उद्देश्य: विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिये नामांकन के विभिन्न चरणों को भली-भांति समझना

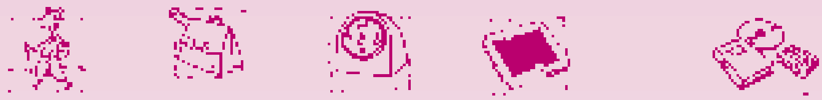

यात्रा | कक्षा क्रियाकलाप | बहुत से कक्षा-घंटे | इतिहास भूगोल | लेमिनेटेड फोटो संक्षिप्त विवरण विश्व विरासत नक्शा

विद्यार्थियों को किसी स्थल के लिये नामांकन भेज कर उसे विश्व विरासत सूची में अंकित करने की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को समझाने के लिये, हम कोलम्बिया द्वारा 1994 में भेजे गये नामांकन को बारीकी से देखते हैं, जिसे 1995 में सूची में अंकित कर लिया गया था।

✓ विद्यार्थियों को निम्नलिखित जानकारी दें:

इस स्थल के विश्व विरासत सूची में अंकित होने के प्रमाण

जब लेटिन अमेरिका में स्पेन द्वारा औपनिवेशिक राज्य स्थापित किया गया तो उस काल में वहां बहुत सी कलात्मक उपलब्धियां हुईं। मोमपोक्स शहरी सभ्यता एक ऐसा उत्कृष्ट उदाहरण है जो उस क्षेत्र में कहीं और देखने को नहीं मिलता।

सांस्कृतिक विरासत का प्रकार (कनवेन्शन के लेख 1 देखें): इमारतों का एक समूह

इतिहास

मामपोक्स शहर को 1540 में कारटाजेना के गर्वनर जान डे सान्ता क्रूज ने स्थापित किया था जिसे उसने अपना नाम भी दिया। मागदालेना नदी के किनारे धीरे-धीरे बसना शुरू हुए इस शहर का व्यावसायिक और तर्क संगत दृष्टि से बहुत महत्व था: कारटागाना बंदरगाह और शहर के भीतरी भागों में यातायात नदी के द्वारा ही होता था और शहर के सभी रास्ते भी नदी पर ही आ कर मिलते थे। मामपोक्स शहर के विकास का कारण बना समाज का वह औपनिवेशिक वर्ग, जिसके हाथ में धीरे-धीरे सत्ता आ रही थी, यह वर्ग उन लोगों का था जिन्हें स्पेन औपनिवेशिक राज्य द्वारा काम पर रखा गया था और साथ ही ज़मीनी ज़ायदादों की मालकियत और उस जमीन पर इंडियन्स को गुलामों की तरह काम करवाने जैसे अधिकार भी दिये गये थे। इंडियन्स की सारी जमीन हड़प ली जाती थी और उन्हें किसी छोटी सी जगह पर रहने के लिये भेज दिया जाता था। ऐसी परिस्थितियों के कारण जिसमें मौसम का बहुत खराब होना और खराब भौगोलिक स्थितियां भी शामिल थीं, उस जगह पर खेती करना बहुत ही कठिन कार्य था। यही कारण था कि इस स्थान को कोई सामाजिक या आर्थिक महत्व प्राप्त नही था और इस शहर का विकास बहुत ही धीरे-धीरे हो रहा था। इस शहर की ओर कुछ ऐसे अवांछनीय तत्व भी आकर्षित हो गये जिनके लिये चोरी छिपे माल को लाना और ले जाना (स्मगलिंग), बहुत ही फायदेमन्द व्यवसाय बन चुका था। औपनिवेशिक काल में इस शहर का विकास केवल उन समृद्ध पूंजीपतियों के कारण हुआ जिन्होंने खेती और व्यापार द्वारा बहुत सा पैसा कमाया। ऐसे कुछ लोग कारटाजेना से मोमपोक्स आये और अपने साथ बहुत से कारीगरों और शिल्पकारों को लेकर आये जो उनके ऐशो-आराम केसामान को बना सकते थे। शहर के मुन्शी (क्लर्क) और धार्मिक पंथो के कुछ सदस्य वे दूसरे तत्व थे जिनके हाथ में सत्ता थी।

© यूनेस्को 2002

प्रबंधन और संरक्षण

कानून: कानूनी रूप से यह शहर, कुछ व्यक्तियों, संस्थाओं, रोमन केथोलिक चर्च और स्थानीय सरकारी प्राधिकरणो की साझी मालकियत में है। इस ऐतिहासिक केन्द्र को एक राष्ट्रीय स्मारक की मान्यता दी गई है और 1970 से इस शहर को म्यूनिसिपल इमारत संहिता (कोड) द्वारा विनियमित किया गया है।

प्रबंधन: इस शहर की कोई विशेष प्रबंधन योजना नहीं है। पर कठोर बिल्डिंग कोड और शहरी विनियमन (रगुलेशन) द्वारा इस शहर का कड़ा प्रबन्धन हो रहा है।

संरक्षण और मौलिकता

संरक्षण: अभी कुछ दशकों से इस शहर में बहाली और संरक्षण का काम चल रहा है। यह शहर संरक्षण की अच्छी स्थिति में है। निजी मालिकों को अपनी जायदाद पर बहुत गर्व है और वे बिना किसी सरकारी हस्तक्षेप के अपनी जायदाद को बहुत ही अच्छी स्थिति में रखे हुए हैं।

मौलिकता: मोमपोक्स उन्नीसवीं सदी में अपना आर्थिक महत्व खो चुका था, इसी तथ्य के कारण ही इस ऐतिहासिक केन्द्र पर पुनर्विकास आदि जैसा कोई दबाव नहीं पड़ा जैसा कि लेटिन अमेरिका के ऐसे ही कुछ दूसरे शहरों पर पड़ा। पुरानी गलियों को और इमारती सामान को अपनी मौलिक स्थिति में ही रखा गया है। इस प्रकार इस ऐतिहासिक केन्द्र के बाहरी रूप और निर्माण के लिये उपयोग में लाये गये सामान में अत्यधिक मौलिकता दिखाई देती है।

आई सी ओ एम ओ एस द्वारा मूल्यांकन

आई सी ओ एम ओ एस ने फरवरी 1995 में इस शहर की यात्रा की और यह विश्व विरासत कमेटी को यह सिफारिश भेजी कि मानदंड (4) और (5) के अन्तर्गत इस स्थल को विश्व विरासत सूची में अंकित कर लिया जाय।

आई सी ओ एम ओ एस ने कोलम्बियन प्राधिकरण को मोमपोक्स के संरक्षण के कुछ भावी सुझाव भी दिये। यह सुझाव विश्व विरासत कमेटी को भी भेज दिये गये। इन सुझावों में, इमारतों के बाहरी भागों पर रंगों की पुताई, शहर में पनप रहे एक आधुनिक बाजार को बाहर निकालना और बाद में बनाये गये इमारत के भागों को निकाला जाना, आधुनिक बाजार की इमारत को एक बोट टर्मिनल और टूरिस्ट इनफारमेशन सेंटर में बदलना, नदी के किनारों की सफाई हमेशा जारी रखना, ऐतिहासिक केन्द्र की सभी गलियों की सतह को सब जगहों पर एक समान बनाना, पर्यटन की विस्तार पूर्वक योजना बनाना और प्रस्तावित विश्व विरासत स्थल की उत्तरी सीमाओं को सुझाव के अनुरूप बदलना आदि शामिल थे।

सान्ता क्रूज डे मामपाक्स का ऐतिहासिक केन्द्र, कोलम्बिया
© एच. वोन हूफ

जुलाई 1995 में ब्यूरो ऑफ वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी की मीटिंग से पहले आई सी ओ एम ओ एस ने कोलम्बिया प्राधिकरण से यह आश्वासन ले लिया था कि वह मोमपाक्स के संरक्षण के सभी मुद्दों को ध्यान में रखेगी।

© यूनेस्को 2002

ब्यूरो ऑफ वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी की मीटिंग,जुलाई 1995

आई सी ओ एम ओ एस ने ब्यूरो को बताया कि कोलम्बियन प्राधिकरण ने उन्हें एक नयी योजना भेज दी थी जिसमें प्रस्तावित क्षेत्र की सीमाओं को आई सी ओ एम ओ एस के सुझाव के अनुसार बदल दिया गया था। ब्यूरो ने कमेटी से सान्ता क्रूज डे मोमपाक्स को, उन सांस्कृतिक मानदंडों के आधार पर विश्व विरासत सूची में अंकित कर लेने की सिफारिश की जिनके लिये प्रस्ताव पहले सी भेजा जा चुका था।

विश्व विरासत कमेटी की मीटिंग, दिसम्बर 1995

कमेटी ने यह निर्णय लिया कि सान्ता क्रूज डे मोमपाक्स का ऐतिहासिक केन्द्र, स्पेन औपनिवेशिक बस्ती का एक उत्कृष्ट उदाहरण है जो किसी बड़ी नदी के किनारे बसाई गई थी और जिसने व्यापार और कूटनीति की दृष्टि से बहुत ही अहम भूमिका निभाई थी, और वह आज भी ज्यों-का-त्यों संरक्षित रखी गई है। सांस्कृतिक विरासत मानदंड (4) और (5) के आधार पर कमेटी ने सान्ता क्रूज डे मोमपाक्स के ऐतिहासिक केन्द्र को विश्व विरासत सूची में अंकित करने का निर्णय ले लिया।

कोलम्बियन प्राधिकरण ने विश्व विरासत फंड में से 30,000 अमेरिकन डॉलर की मांग की थी जिससे कि वह स्थल पर पर्यटन के प्रभाव के विषय में कुछ अनुसंधान कर सके। विश्व विरासत कमेटी ने इस मांग को स्वीकृति दे दी।

संक्षिप्त कालक्रम

1994	कोलम्बिया ने यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेन्टर को मोमपाक्स के लिये नामांकन भेजा
फरवरी 1995	आई सी ओ एम ओ एस द्वारा मूल्यांकन
जुलाई 1995	वर्ल्ड हेरिटेज ब्यूरो ने नामांकन की जांच की
दिसम्बर 1995	विश्व विरासत कमेटी ने मोमपाक्स को सांस्कृतिक विरासत मानदंड (4) और (5) के आधार पर विश्व विरासत सूची में अंकित कर लिया। कमेटी द्वारा स्थल पर पर्यटन के प्रभाव पर अनुसंधान के लिये 30,000 अमेरिकन डालर दिये गये।

आपके विद्यार्थियों के साथ विश्व विरासत सूची के लिये नामांकन भेजने और उसमें अंकित होने के विभिन्न चरणों पर चर्चा कीजिये। विद्यार्थियों के साथ मिलकर एक स्थानीय राष्ट्रीय स्थल चुनिये जिसका अत्यधिक वैश्विक महत्व हो सकता है और उन्हें उस स्थल को विश्व विरासत सूची में अंकित करवाने हेतु कार्यान्वयन योजना बनाने को कहें।

© यूनेस्को 2002

संक्षिप्त विवरण

एक प्रस्तावित सूची के साथ अनुबंधित राज्य अपने स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करवाने के लिये यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर को नामांकन भेजते हैं। यह नामांकन, एक नामांकन प्रपत्र के जरिये भेजा जाता है जिसे पूर्ण रूप से भरना आवश्यक होता है। आई सी ओ एम ओ एस और/आई यू सी एन, नामांकनों का मूल्यांकन करते हैं और सिफारिशें बनाते हैं। विश्व विरासत कमेटी, किस स्थल को सूची में शामिल करना है इसका अंतिम निर्णय लेती है। विश्व सूची में अंकित करने के लिये स्थलों का चुनाव,प्रस्तावित मानदंडों के आधार पर बहुत ही सख्ती के साथ किया जाता है। साथ ही स्थल का अच्छी संरक्षण स्थिति में होना तथा सांस्कृतिक स्थलों के लिये वास्तविकता/मौलिकता और प्राकृतिक स्थलों के लिये संपूर्णता/अखण्डता की कसौटी पर खरा उतरना भी आवश्यक होता है।

विश्व विरासत स्थलों का संरक्षण की दृष्टि से अवलोकन

विश्व विरासत संरक्षण एक गत्यात्मक प्रक्रिया है। संधि से अनुबंधित राज्य, आई यू सी एन और आई सी ओ एम ओ एस, समय-समय पर विश्व विरासत स्थलों की संरक्षण स्थिति, जैसे कि, उनके संरक्षण के लिये क्या-क्या कदम उठाये गये हैं, और लोगों में सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों के मूल्य और संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिये क्या क्या प्रयास किये जा रहें हैं आदि के बारे मे विवेचना विश्व विरासत कमेटी को भेजते रहते हैं।

वास्तव में, अनुबंधित राज्य अपनी जिम्मेदारी बहुत ही गम्भीरता से निभाते हैं। यदि कोई देश कन्वेन्शन के प्रति कृतज्ञ नही है या फिर विश्व विरासत सूची में शामिल कोई स्थल, नष्ट भ्रष्ट हो रहा है तो उस स्थल को सूची से बाहर भी निकाला जा सकता है। इस के लिये संधि की मंजूरी एकदम साफ है। पर आजतक किसी भी स्थल को सूची से बाहर नही निकाला गया है।

जब यूनेस्को को किसी विश्व विरासत स्थल पर आने वाले किसी भावी खतरे के बारे में सतर्क कर दिया जाता है और यदि ऐसा करना तर्कसंगत पाया जाता है तथा स्थल पर मंडराने वाला खतरा बहुत गम्भीर है तो उस स्थल को ' विश्व विरासत खतरे में' इस सूची में शामिल कर दिया जाता है। यह सूची इसलिये बनाई जाती है ताकि विश्व का ध्यान उन प्राकृतिक और मनुष्य-निर्मित परिस्थितियों की ओर मोड़ा जा सके जिनके कारण विरासत स्थलों के उन लक्षणों को ही खतरा उत्पन्न हो जाता है जिनके रहते वे विश्व विरासत सूची में अंकित किये गये थे। इन खतरे में पड़े स्थलों के संरक्षण के लिये यूनेस्को की ओर से विशेष प्रयास किये जाते हैं और उन पर आपातकालीन कार्य किया जाता है।

केवल विशेष और आपतकालीन स्थितियों में जैसे कि युद्ध के शरू होने के समय (उदाहरण के लिये वर्ष 1991 में ड्यूबरोविन्क), कमेटी किसी स्थल को, अनुबंधकर्ता राज्य के औपचारिक निवेदन के न भेजे जाने पर भी खतरे वाली सूची में शामिल कर सकती है।

▲ खतरे में पड़ी विश्व विरासत स्थलों की सूची

किसी स्थल को खतरे में पड़ी विश्व विरासत सूची में इसलिये शामिल किया जाता है ताकि विश्व का ध्यान उस स्थल की ओर खींचा जा सके जिसके उन्हीं मूल्यों पर खतरा आ बन पड़ा है जिनके रहते उसे विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया था और स्थल पर कुछ आपातकालीन संरक्षण कार्य किया जा सके।

© यूनेस्को 2002

खतरे में पड़ी विश्व विरासतों की सूची

ऐसे 31 स्थान हैं जिन्हें विश्व विरासत कमेटी ने *कन्वेन्शन* की धारा ॥ (4) के तहत विश्व विरासत खतरे में इस सूची में शामिल करने का निर्णय लिया है। दिसम्बर 2001 तक संशोधित सूची इस प्रकार है:

अलबेनिया	ब्यूट्रीन्टी
बेनिन	एबोमे के रायल पेलेसेस
बल्गेरिया	स्रेबारना नेचुरल रिजर्व
कम्बोदिया	अगोंकार
केन्द्रीय अफ्रीकन गणराज्य	मेनोवो-गाउन्डा सेंट फ्लोरिस नेशनल पार्क
कोटे डेलवायरे और गिनीया	माउन्ट निम्बा नेशनल पार्क
कान्गो का प्रजातंत्रिक गणराज्य	विरुन्गा नेशनल पार्क
	गराम्बा नेशनल पार्क
	कहूजी-बिइगा नेशनल पार्क
	ओकापी वाइल्डलाइफ रिजर्व
	सलोन्गा नेशनल पार्क
यूकेडोर	संगय नेशनल पार्क
इजिप्ट	अबू मेना
इथियोपिया	सिमेन नेशनल पार्क
होन्डूरास	रिओ प्लेटेनो बायोस्फेयर रिजर्व
इन्डिया	मानस वाइल्डलाइफ सेन्चुरी
	हम्पी का स्मारक समूह
जेरुसलम	जेरुसलम का पुराना शहर और उसकी दीवारें
माली	टिम्बकटू
निजेर	एयर और टेनेरे नेचर रिजर्व
ओमान	बहाला फोर्ट
पाकिस्तान	लाहौर का किला और शलिमार गार्डन
पेरु	चान चान आर्कियोलोजिकल ज़ोन
फिलीप्पाइनस	फिलिपियन कोरडीलेरास के चावल के खेत
सेनेगल	द्ज्ओद्ज नेशनल बर्ड सेंक्च्यूरी
ट्यूनिशिया	इशकूइल नेशनल पार्क
यूगान्डा	र्वेन्जारी माउटेन्स नेशनल पार्क
यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका	एवरग्लेडेस नेशनल पार्क
	यलोस्टोन
यमन	जबिद का एतिहासिक नगर
यूगोस्लाविया	कोटोर का प्राकृतिक और सांस्कृतिक-ऐतिहासिक क्षेत्र

विरून्गा नेशनल पार्क,
कान्गों का प्रजातांत्रिक गणराज्य
© *यूनेस्को /इनका फो/जी.ग्रान्डे*

अमेरिका का यलोस्टोन इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण है कि 'खतरे में पड़ी विश्व विरासत' इस सूची ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान यलोस्टोन की तरफ खींचने में किस प्रका र से सहायता की विशेषतया उस समय जब यलोस्टोन पर खतरा बढ़ता जा रहा था। (उदाहरण के लिये पर्यटन से और पार्क के आस पास विकसित की जाने वाली बड़ी बड़ी खदानों से)

विद्यार्थी क्रियाकलाप 13

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 13

येलोस्टोन यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

उद्देश्य: किसी विश्व विरासत स्थल को 'विश्व विरासत खतरे में' इस सूची में क्यों शामिल किया जाता है,यह समझना।

यात्रा

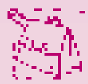
कक्षा क्रियाकलाप

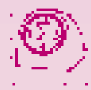
बहुत से कक्षा-घंटे

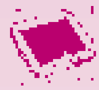
भाषा भूगोल, विज्ञान

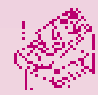
लैमिनेटेड फोटोग्राफ्स संक्षिप्त विवरण, विश्व विरासत नक्शा

विद्यार्थियों को निम्नलिखित जानकारी दें:

कालक्रम

1973 यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका विश्व विरासत कन्वेन्शन पर हस्ताक्षर कर उसे अनुमोदन करने वाला पहला देश बनता है।

1978 यलोस्टोन - विश्व में पहला नेशनल पार्क है जो -विश्व विरासत सूची में शामिल की गई बारह विरासत स्थलों में सबसे पहले स्थान पर अंकित किया गया था।

1995 विश्व विरासत कमेटी इस नेशनल पार्क को विश्व विरासत खतरे में इस सूची में शामिल करने का निर्णय लेती है।

यलोस्टोन का विश्व विरासत मूल्य

यलोस्टोन योमिंग के उत्तर-पश्चिमी किनारे और मोन्टाना और इडेहो के आस पास के स्थानों में एक बहुत ही बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। यह पार्क अधिकतर ज्वालामुखी के पठारों पर बना हुआ है जिसमें कुछ हिस्से सेडिमेन्टरी (तलछट) चट्टान से बने हैं। पहाड़ों के बीच के स्थान (गोर्जेस) और पहाड़ों से निकलने वाली पानी की धाराएँ और झरने अत्यधिक सुंदर हैं। यहां अभी कई जीवित ज्वालामुखी हैं, जिनमें से यहां लगभग 10,000 गीजर और गरम पानी के झरने फूट रहे हैं या बह रहे हैं। पानी की अधिकता के कारण यहां पर कई तरह के पेड़-पौधे और जीव-जंतु रहते हैं। इस पार्क का मध्य भाग पृथ्वी पर सबसे बड़ा ज्वालामुखी का मुंह है जो इंडोनेशिया के क्रेक्टोआ से सौ गुना बड़ा है। यहां की पुरानी चट्टाने लगभग 2.7 खरब वर्ष पुरानी हैं और कई नई चट्टानें अभी बन रहीं हैं। इस ज्वालामुखी के मुख के अंदर सत्ताइस फॉसिल (जीवाश्म) जंगल हैं।

प्रजातियां जो खतरे में हैं

पार्क का इकोसिस्टम एक ऐसा पर्यावरण उपलब्ध करवाता है जिसमें जीवों की बहुत सी ऐसी प्रजातियां रहती हैं जिनके अस्तित्व को खतरा बना हुआ है जैसे कि ग्रीजली बियर, पहाड़ी शेर, गंजी चीलें यहां तक कि भेड़ियों का एकमात्र जीवित समूह।

© यूनेस्को 2002

यलोस्टोन, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका © यूनेस्को

यलोस्टोन को खतरा

फरवरी 1995 को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर को सूचित किया गया था कि यलोस्टोन पर बहुत से खतरे मंडरा रहे हैं, विशेष रूप प्रस्तावित खदानों से जो इसके आस पास के क्षेत्रों में खोदी जायेंगी, पर साथ ही जंगलों का कटना, पर्यटन के प्रभाव और वन्य जीवन नीतियां आदि जैसे खतरे भी हैं।

विश्व विरासत ब्यूरो का 19 वां अधिवेशन, जुलाई 1995

विश्व विरासत ब्यूरो की यूनेस्को हेड क्वाटर्स में हुई मीटिंग में अनुबंधित राज्य (य.ूएस ए) ने एक पत्र रखा जिसमें यलोस्टोन को हानि पहुंचा सकने वाले खतरों के बारे में चिंता व्यक्त की गई थी और विश्व विरासत कमेटी और आई सी यू एन को के प्रतिनिधियों को पार्क का अवलोकन करने का निमंत्रण था। यूनाइटेड स्टेट्स ने वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी को आमंत्रित किया कि वे उस स्थल को 'खतरे में पड़ी विश्व विरासत' इस सूची में शामिल करे।

यलोस्टोन के समीप की प्रस्तावित खदान के विरुद्ध कुछ आवाजें उठीं

प्रस्तावित खदान एक 'विपदा' है जिससे 'अमेरिकन पार्क सिस्टम के सरताज' को खतरा है।
न्यूयोर्क टाइम्स

इससे चाहें कितने भी लाभ क्यों न हों वे यलोस्टोन को हमेशा के लिये हो जाने वाली हानि की भरपाई नही कर सकते।

बिल क्लिंटन, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के राष्ट्रपति

इस विशिष्ट स्थल के परिचारक होने के नाते, अमेरिकन लोगों का यह उत्तरदायित्व है कि वे इसे सुरक्षित रखें, केवल अपने नागरिकों के लिये नहीं, पर विश्व के सभी नागरिकों के लिये, और न केवल इस पीढ़ी के लिये नहीं बल्कि आनेवाली पीढ़ियों के लिये भी।

नेशनल पार्क्स और कन्जर्वेशन एसोसियेशन, सितम्बर 1995

© यूनेस्को 2002

जॉयन्ट मोनिटरिंग मिशन, सितम्बर 1995

जॉयन्ट मोनिटरिंग मिशन सितम्बर 1995 में शुरू हुआ। मिशन के समय लोगों के बीच वाद-विवाद शुरू किये गये तथा उद्योगों, सरकार और पर्यावरण संरक्षण समुदायों की ओर से रिपोर्ट पेश की गई।

विश्व विरासत कमेटी का 19वां अधिवेशन, दिसम्बर 1995

अनुबंधित राज्य और आई सी यू एन ने अपनी जांच की रिपोर्ट विश्व विरासत कमेटी के समक्ष दिसम्बर 1995 में रखी। खदानों की इतनी बड़ी परियोजना, पाइपलाइनों में लीक की वजह से पानी का प्रदूषण, कचरे का इधर उधर फेंका जाना, रास्ते बनाये जाना, पर्यटन के दबाव, जानवरों की कुछ प्रजातियों की संख्या में कमी जिसमें ट्राउट नाम की बहुत ही दुर्लभ प्रजाति भी शामिल है, भैसों का ब्रूसेलोसिस से संक्रमित होना आदि सभी इस बात के प्रमाण थे कि स्थल पर गहरे खतरे के बादल मंडरा रहे थे।

बहुत ही लंबी चर्चा के बाद, वास्तविक तथा संभावित दोनों प्रकार के खतरों की ओर देखते हुए, विश्व विरासत कमेटी ने यह निर्णय लिया कि यलोस्टोन को 'खतर में पड़ी विश्व विरासत' इस सूची में डाल दिया जाय।

यूनाइटेड स्टेट्स के प्रेसिडेन्ट द्वारा घोषणा, सितम्बर 1995

प्रेसिडेन्ट ने लोगों के सामने यह घोषणा की कि वे खदानों के मुद्दे का कोई संतोषजनक उत्तर खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

विश्व विरासत कमेटी का 20 वां अधिवेशन, दिसम्बर 1996

यूनाइटेड स्टेट्स के एक डेलिगेट ने कहा कि यलोस्टोन के संरक्षण का कार्य काफी हद तक आगे बढ़ चुका है।

इसके आगे क्या?

कमेटी ने कहा कि इस विश्व विरासत स्थल के पूर्ण संरक्षण के लिये, इस स्थल पर पर्यावरण के प्रभाव तथा स्थल पर संरक्षण उपायों की रिपोर्टों को जल्दी जल्दी भेजा जाय। इस प्रकार से, विश्व विरासत कमेटी को स्थल की सही स्थिति का पता चलता रहेगा। भविष्य में यदि कमेटी यलोस्टोन के संरक्षण कार्य की प्रगति से संतुष्ट हो जाती है तो वह इस स्थल को 'खतर में पड़ी विश्व विरासत' इस सूची से बाहर कर देगी।

यलोस्टाने खतरे में: यलोस्टान, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका © यूनेस्को/एम.स्पायर-डोनाटी

यलोस्टोन को विश्व विरासत खतरे में इस सूची में डालने के कारण ही अमेरिकन लोगों, प्रेसिडेन्ट, और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस अनोखे नेशनल पार्क के संरक्षण पर केन्द्रित किया जा सका था।

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 14

विश्व विरासत से संबंधित रेडियो कार्यक्रम बनाना

उद्देश्य: विद्यार्थियों में विश्व विरासत संरक्षण से सम्बन्धित वाक पटुता का विकास

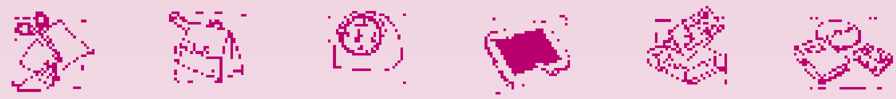

प्रयोगात्मक क्रियाकलाप | कक्षा क्रियाकलाप तथा कक्षा के बाहर के क्रियाकलाप | बहुत से कक्षा-घंटे | भाषा संगीत | संक्षिप्त विवरण विश्व विरासत नक्शा | किताबें, सी डी ऑडियो केसेट आदि

✓ कक्षा को अलग-अलग समूहों में विभाजित करें और विश्व विरासत से संबंधित रेडियो कार्यक्रम की योजना बनायें। इस कार्यक्रम का विषय निम्नलिखित में से कोई हो सकता है :

- किसी स्थल को विश्व विरासत में शामिल किया जाय या नहीं इस विषय पर विद्यार्थियों के बीच संवाद
- विश्व विरासत सूची में शामिल किए गए किसी स्थल के महत्व, भौगोलिक स्थिति और उसके सौंदर्य के विषय में विवरण
- किसी विश्व विरासत स्थल के विषय में लिखी गई किसी कविता के कुछ अंश
- किसी विश्व विरासत की याद दिलाने वाले कुछ संगीत और ध्वनियां (प्रकृति, पशुओं की आवाजें, घंटियां, मंत्रोच्चारण, श्लोक इत्यादि।)

✓ कक्षा की प्रस्तुति के आधार पर किसी कार्यक्रम के लिये सर्वोत्तम विषय चुनें और उसे विकसित कर आगे का कार्यक्रम तैयार करें। काम को विद्यार्थियों में बांट दें। कार्यक्रम को टेप कर उसे किसी स्थानीय, क्षेत्रीय या राष्ट्रीय रेडियो स्टेशन पर भेजें।

▲ विश्व विरासत चंदा (फंड)

कन्वेन्शन की एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि है, विश्व विरासत फंड से विश्व विरासत संरक्षण परियोजनाओं को आर्थिक सहायता देना।

विश्व विरासत फंड को बहुत सी सहायताओं और प्रौद्योगिक सहयोग के लिये उपयोग में लाया जाता है, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा स्थलों के खराब होने के कारणों या उनसे बचाव आदि पर किये जाने वाले अध्ययन, संरक्षण उपायों की योजना, संरक्षण और नवीनीकरण कार्यों के लिये स्थानीय विशेषज्ञों का प्रशिक्षण और नेशनल पार्कों और स्मारकों के संरक्षण के लिये उपकरण उपलब्ध करवाना आदि शामिल हैं। राष्ट्रों द्वारा प्रस्तावित सूची बनाने और स्थलों का नामांकन भेजने के लिये किये जाने वाले प्रयासों के लिये भी यह फंड सहायता देता है। कितनी सहायता मांगी गई है

© यूनेस्को 2002

और किस प्रकार की सहायता मांगी गई है इस आधार पर कमेटी या चेयरपर्सन द्वारा यह सहायता किसी भी अनुबंधित राज्य को दी जा सकती है।

आपतकालीन संरक्षण उपायों और 'खतर में पड़ी विश्व विरासत' इस सूची में सम्मिलित किए गए स्थलों के संरक्षण के लिये आवश्यक आर्थिक मदद को प्राथमिकता दी जाती है।

विश्व विरासत फंड, जिसे विश्व विरासत कन्वेन्शन द्वारा 1972 में बनाया गया था की आय का मुख्य साधन अनुबंधित राज्यों द्वारा अनिवार्य रूप से दी जाने वाली राशि है जो यूनेस्को को राज्यों द्वारा दिये जाने वाली राशि का लगभग 1% हिस्सा होती है, इसके अतिरिक्त अनुबंधित राज्य स्वेच्छा से भी कुछ राशि देते हैं।

आय के दूसरे साधन हैं ट्रस्ट -निधि जो कई राष्ट्रों द्वारा विशिष्ट कारणों के लिये दी जाती है, तथा वह राशि जो विश्व विरासत प्रकाशनों के विक्रय द्वारा प्राप्त होती है।

पर इन सभी मार्गों द्वारा विश्व विरासत फंड को मिलने वाली राशि, विश्व विरासत कमेटी के पास मांगी जाने वाली सहायता की पूर्ति के लिये बहुत ही कम पड़ती है। पर फिर भी इस फंड द्वारा, अफ्रीका, एशिया-प्रशांतीय क्षेत्र, अरब राज्यों, लेटिन अमेरिका तथा केरिबियन, और यूरोप की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिये लगभग कई अरब डॉलरों की सहायता दी जा चुकी है।

आप, या आपके विद्यार्थी यदि विश्व विरासत संरक्षण के लिये कोई दान देना चाहते हैं तो आप अंतर्राष्ट्रीय मनी आर्डर द्वारा या बैंक ट्रान्सफर द्वारा निम्न लिखित बैंकों में यह राशि भेज सकते हैं

अगर राशि यू एस डॉलरों के रूप में है तो बैंक का पता है:

यूसेस्को एकाउन्ट न. 949-1-191558
चेज जेपी मोरगन बैंक
इंटरनेशनल मनी ट्रान्सफर डिविजन
4 मेट्रोटेक सेन्टर, ब्रुकलिन
न्यूयोर्क
एन वाय 11245, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका
स्विफ्ट कोड: CHASU33- ABA NO 0210-0002-1

अगर राशि यूरो में है तो बैंक का पता है:

यूनेस्को एकाउन्ट नं. 30003-03301-00037291909-97
सोसायटे जनरले
पेरिस सेयने अमाउन्ट
10 रयू थेनार्ड
75005 पेरिस, फ्रान्स
स्विफ्ट कोड: SOGEFRPPAFS

कृपया अपने स्कूल का नाम और पता लिखें और साथ में यह भी लिखें कि आप विश्व विरासत फंड के लिये डोनेशन भेज रहे हैं।

© यूनेस्को 2002

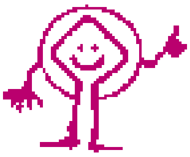

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 15

जागरुकता बढ़ाना

उद्देश्य : विश्व विरासत के प्रति विद्यार्थियों के क्रियाशील योगदान और एकता को प्रोत्साहन देना

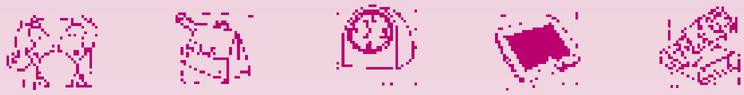

चर्चा | कक्षा के अंदर तथा कक्षा के बाहर के के क्रियाकलाप | बहुत से कक्षा-घटे | भाषा | विश्व विरासत नक्शा, संक्षिप्त विवरण

✓ चर्चा करें कि किस प्रकार विद्यार्थी स्थानीय जनता को उनके स्थानीय, राष्ट्रीय और विश्व विरासत के प्रति जागरुक बनाने में मदद कर सकते हैं।

✓ विश्व विरासत फंड बनाने के कारणों पर चर्चा करें।

✓ स्थानीय और विश्व विरासत के संरक्षण के लिये धन- एकत्रीकरण गतिविधियों की संभावना पर चर्चा करें।

© यूनेस्को 2002

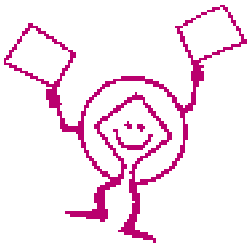

विश्व विरासत कन्वेन्शन: पाठ्यक्रम पर एक दृष्टि

कला

उपयोग विश्व विरासत स्थलों के फोटो और जानकारी के उपयोग से कला और इतिहास की शिक्षा

बनाना विश्व विरासत स्थलों के स्केल मॉडल (प्रतिरूप) बनाना

तैयारी जनता में विश्व विरासत स्थलों और उनके संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिये विज्ञापन अभियान का आयोजन

यात्रा विश्व विरासत स्थलों पर जाकर चित्रकारी, पेंटिंग बनाना या फोटो खींचना

उपयोग विश्व विरासत स्थलों द्वारा वास्तुकला के विशिष्ट प्रकारों के बारे में जानकारी

विदेशी भाषा

पढ़ना दूसरे देशों के प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासतों के बारें में सूचना-पत्रिकायें पढ़ना

अध्ययन विश्व विरासत स्थल के अध्ययन द्वारा दूसरे देशों के वर्तमान और भूत काल के बारे में जानना

लिखना विश्व विरासत स्थलों के संरक्षण की आवश्यकता पर लेख लिखना

इतिहास

यात्रा किसी विश्व विरासत स्थल या आस-पास के किसी ऐसे स्थल पर जाना जो किसी ऐतिहासिक काल से संबंधित हो

जानना किसी विशेष ऐतिहासिक काल के अध्ययन द्वारा किसी विश्व विरासत स्थल के बारे में जानना

भाषा/साहित्य

लिखना किसी समाचार पत्र या आपकी कक्षा के लिये कन्वेन्शन या किसी विशिष्ट विश्व विरासत स्थल के बारे में लेख लिखना

इंटरव्यू किसी विरासत स्थल के पास रहने वाले लोगों से मुलाकात करना और उनसे उस स्थल से संबंधित विचारों को जानना

लिखना किसी स्थल के विषय में सूचना-पत्रिका लिखना

नाटक किसी ऐतिहासिक नाटक का मंचन

पढ़ना ऐसे उपन्यास या कहानियां पढ़ना जिसमें किसी स्थल का विवरण है।

गणित

सर्वेक्षण किसी स्थल के भौगोलिक लक्षणों (जानवरों की प्रजातियां, विश्व विरासत स्थल की इमारत का आकार) का सर्वेक्षण और ग्राफ, पाई चार्ट की मदद से उन आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण

अध्ययन स्मारक और इमारत के आकार-प्रकार को जानना और उसका एक प्रतिरूप (स्केल माडल) तैयार करना

आध्यात्मिकअध्ययन

अध्ययन विभिन्न धर्मों और आस्थाओं से संबंधित विश्व विरासत स्थलों के छायाचित्रों की प्रदर्शनी लगाना (बहुत से ऐसे छायाचित्र किट में दिये गये हैं।)

इंटरनेट

यात्रा इंटरनेट पर यूनेस्को विश्व हेरिटेज सेंटर की वेब साइट और एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट की वेब साइट पर जाना

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत और अस्तित्व

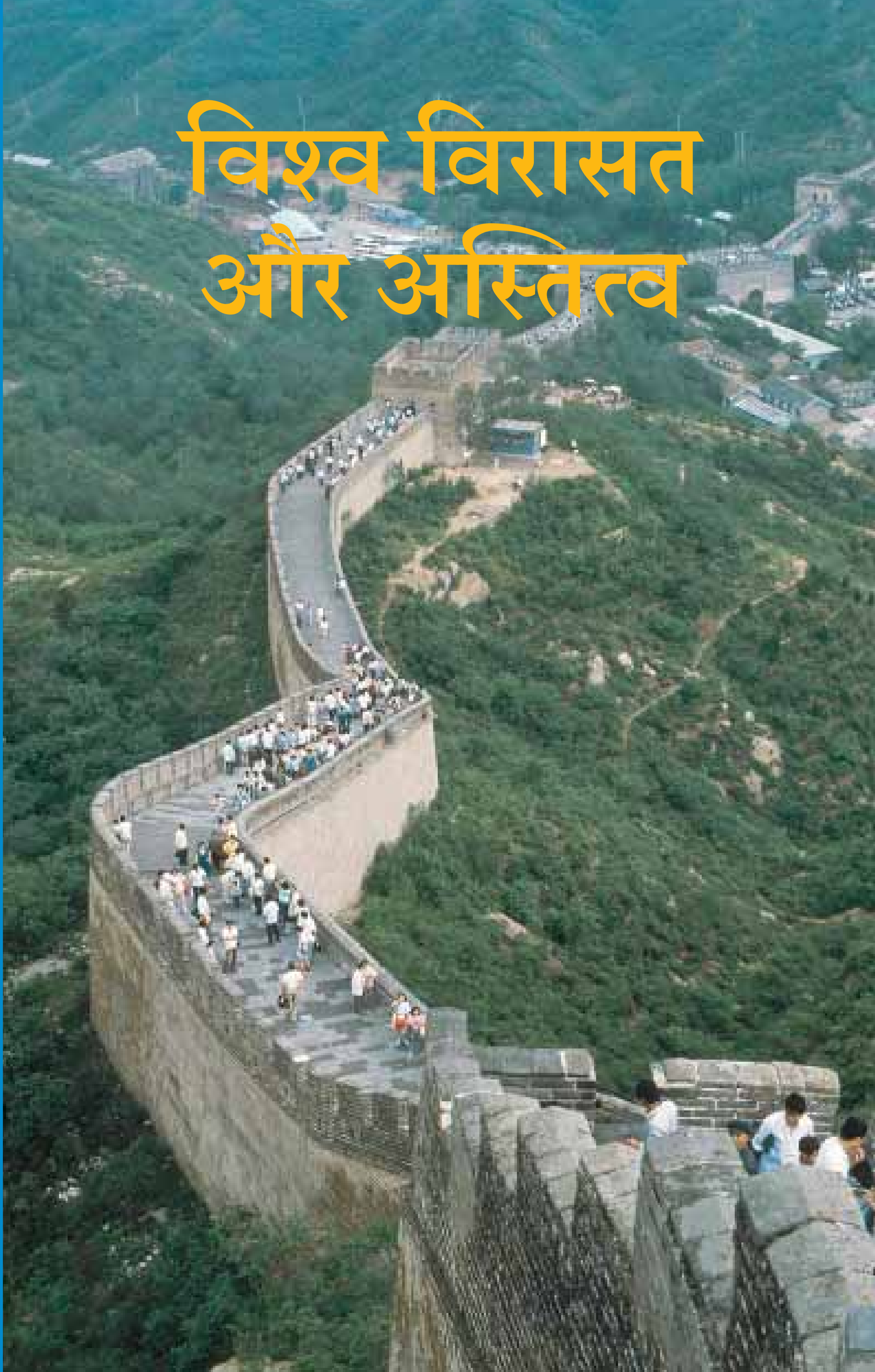

ग्रेटवाल, चीन। © यूनेस्को/वोरोन्ट्जोफ्फ

मैं नहीं चाहता कि मेरे घर के चारों तरफ दीवारें हों और मेरे घर की खिड़कियां हमेशा बंद हों। मैं चाहता हूँ कि सभी भूमियों की संस्कृतियाँ मेरे घर में जब चाहें जैसे चाहें आ जायें। पर यदि वे मुझे अपने साथ घर से दूर ले जाना चाहें तो मैं इनकार कर दूंगा।

महात्मा गांधी

विश्व विरासत और पहचान

उद्देश्य	**85**
ज्ञान	85
मानसिक दृष्टिकोण	85
योग्यता	85
विश्व विरासत: अस्तित्व की पहचान	**86**
अस्तित्व : मैं कौन हूँ? - हम कौन हैं?	86
विद्यार्थी क्रियाकलाप 16: नाम अस्तित्व के वाहक हैं	87
तेजी से बदलते युग में अस्तित्व	87
विश्व विरासत स्थल और अस्तित्व	**88**
विद्यार्थी क्रियाकलाप 17: विश्व विरासत औरअस्तित्व	89
इमारतों की विभिन्न शैलियों द्वारा अस्तित्व की अभिव्यक्ति	**90**
विद्यार्थी क्रियाकलाप 18: इमारतों की विभिन्न शैलियों द्वारा अस्तित्व की भावाभिव्यक्ति	91
विद्यार्थी क्रियाकलाप 19: काउन्सिल शहर के किसी ऐतिहासिक भाग के भविष्य के लिये निर्णय लेती है।	92
विद्यार्थी क्रियाकलाप 20: आंतर-सांस्कृतिकशिक्षण	93
किसी क्षेत्र के निवासी तथा उनका अस्तित्व	
विद्यार्थी क्रियाकलपा 21 जिम्बाब्वे का विशाल नेशनल म्यूजियम, जिम्बाब्वे	94
विद्यार्थी क्रियाकलाप 22: यूलूरू-काटा त्ज्यूटा नेशनल पार्क, आस्ट्रेलिया	96
विश्व विरासत और अस्तित्व: पाठ्यक्रम की ओर एक दृष्टि	**99**

उद्देश्य

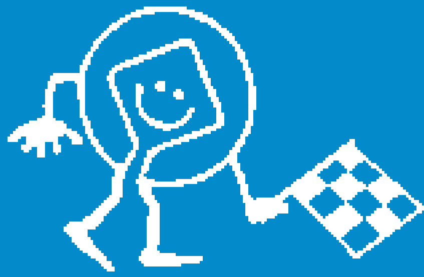

ज्ञान

सहायता विद्यार्थियों को निम्नलिखित विषयों को जानने और समझने में सहायक होना:

- विश्व विरासत सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक स्थल विभिन्न संस्कृतियों के प्रतीक हैं और वे तेजी से बदलते हुए विश्व में स्थिरता के साकार रूप हैं
- प्रत्येक संस्कृति के अपने विशिष्ट गुण हैं पर ये सभी संस्कृतियां एक मानवीय सभ्यता के विभिन्न हिस्से हैं
- प्रकृति और संस्कृति के बीच उसी प्रकार विभिन्न संस्कृतियों के बीच अंतर्क्रियायें होती रहती हैं और वे सभी एक दूसरे पर निर्भर हैं।

मानसिक दृष्टिकोण

प्रोत्साहन विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे

- अपनी संस्कृति, देश के इतिहास और इसके प्राकृतिक पर्यावरण के प्रति प्रशंसक भाव रखें
- वर्तमान सामाजिक मूल्यों और उनके उद्‌गम को पहचानें
- सभी लोगों और उनकी संस्कृतियों के प्रति आदर भाव रखना और इस प्रकार वैश्विक स्तर पर आपसी समझ और आदरभाव को बढ़ावा दें
- विश्व के सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासतों के प्रति दायित्व में हाथ बटायें।

योग्यता

सहायता विद्याथियों की सहायता करें कि वे इस योग्य बनें कि

- अपनी वंशवृक्ष की जड़ों तक पहुंचने के लिये अनुसंधान कर सकें (परिवार, देश)
- विभिन्न विषयों पर खुलकर और प्रजातांत्रिक ढंग से चर्चा कर सकें
- विश्व विरासत संरक्षण के पक्ष में नेतृत्व का बीड़ा उठा सकें।

विश्व विरासत : अस्तित्व की पहचान

विश्व विरासत को समझकर हम अपने स्वयं की पहचान के प्रति सजग होते हैं जैसे कि हमारी जड़ें कहां हैं, हम किस संस्कृति के वंशज है या फिर समाज में हमारी क्या पहचान है इत्यादि। यदि हम किसी भी विश्व विरासत स्थल को ध्यान से देखें तो हम पायेंगे कि उसके द्वारा हम उन लोगों और उस सभ्यता के विश्वास, मूल्यों और ज्ञान के बारे में जान सकते हैं जिन्होंने उसे बनाया था (सांस्कृतिक विरासत) या जिसने उस सभ्यता पर असर डाला था (प्राकृतिक और मिश्र स्थल, और सांस्कृतिक परिदृश्य)। इस प्रकार ये स्थल हमें स्पष्ट और अस्पष्ट दोनों प्रकार की विरासतों को समझने के अवसर प्रदान करते हैं।

सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों द्वारा एक ऐसे वातावरण का निर्माण होता है जिस पर मनुष्य मानसिक, धार्मिक, शैक्षणिक और आर्थिक दृष्टि से निर्भर करते हैं। उनके विनाश या बिगड़ने से, हमारे अपने, हमारे देश के, यहां तक कि हमारी पृथ्वी के अस्तित्व को भी हानि पहुंच सकती है। हमारा यह उत्तरदायित्व बनता है कि हम इन स्थलों को आनेवाली पीढ़ियों के लिये सुरक्षित रखें।

विश्व विरासत प्रतिज्ञा, वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, बर्गन, नोर्वे

▲ अस्तित्व : मैं कौन हूँ-हम कौन हैं?

अस्तित्व

1. गुणों और लक्षणों द्वारा एक जैसा होना; पूर्ण रूप से अनिवार्य रूप से एक जैसा होना; एकता।
2. व्यक्तित्व, अलग पहचान होना
3. वह स्थिति जिसके द्वारा भावनाओं, रुचि आदि की पहचान हो

ऑक्सफोर्ड लघु शब्द-कोष

जन्म से ही, हममें से प्रत्येक दूसरे से अपने बाह्य रूप के कारण अलग है, हमारे आनुवंशिक और शारीरिक गुणों के कारण जो हमें हमारे माता-पिता और पूर्वजों से मिले हैं। उदाहरण के तौर पर हमारी उंगलियों के निशान, हमारे अपने अस्तित्व की एक अमिट पहचान हैं। परिवार का नाम जो वंशागत है और वह नाम जो हमें दिया गया है, आगे जाकर बदल भी सकते हैं पर वे हमारे अपने अस्तित्व के अभिन्न अंग हैं।

पर अस्तित्व केवल किसी व्यक्ति का नहीं होता। यह प्रश्न कि मैं कौन हूं ?, हम कौन हैं ? इस प्रश्न के साथ बहुत ही गहराई से जुड़ा है। यहां हम का अभिप्राय किसी जाति, समुदाय, राष्ट्र या उस आस्था या विश्वास से हो सकता है जिसके हम सब सदस्य हैं। एक समूह के रूप में हम समूह के दूसरे सदस्यों से मुख्यत: भाषा, विचार, परंपराओं, नैतिकता, रीति-रिवाज, खाना, कपड़े आदि के द्वारा जुड़े हुए हैं।

भाषा (एँ), राष्ट्रीय पहनावा, राष्ट्रीय ध्वज, और राष्ट्रीय गीत किसी राष्ट्र के अस्तित्व के प्रतीक हैं।

बर्गन विश्व विरासत युवा मंच, नोर्वे में युवावर्ग अपनी पारंपरिक वेशभूषा में
© यूनेस्को

© यूनेस्को 2002

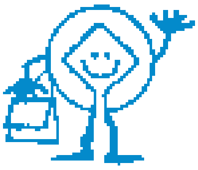

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 16

नाम अस्तित्व के वाहक /पहचान हैं

उद्देश्य: हमारे स्वयं और हमारे परिवार के अस्तित्व पर रोशनी डालना

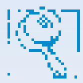
अनुसंधान

कक्षा क्रियाकलाप

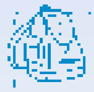
कक्षा के बाहर क्रियाकलाप

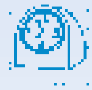
दो कक्षा घंटे और विद्यालय के बाहर कुछ समय

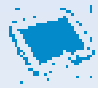
भाषा

✓ अपने विद्यार्थियों को उनके माता-पिता और रिश्तेदारों की सहायता से परिवार के नाम का अर्थ और वह कैसे शुरू हुआ यह खोजने को कहें। उन्हें यह समझाने के लिये कहें कि उनका नाम (पहला तथा दूसरा) किस प्रकार से चुना गया था। प्रत्येक विद्यार्थी अपने नाम के बारे में क्या महसूस करता है ? क्या वह नाम किसी क्षेत्र के किसी महत्वपूर्ण सांस्कृतिक या प्राकृतिक स्थल से जुड़ा है? पर यह संभावना बहुत ही कम है। क्या वह किसी व्यक्ति की याद में रखा गया है जैसे कि दादा दादी, किसी रिश्तेदार की, या फिर वह इतिहास के किसी व्यक्ति, सिनेमा आदि से जुड़ा है? क्या नाम से किसी व्यक्ति के अस्तित्व पर कुछ प्रभाव पड़ता है? अगर हां, तो वह प्रभाव किस प्रकार से प्रकट होता है?

▲ तेजी से बदलते विश्व में अस्तित्व

यह संसार तेज रफ्तार से बदल रहा है, और बहुत से लोग जो इक्कीसवीं शताब्दी की ओर भागते जा रहें हैं अपनी या अपने वंश की उत्पत्ति को भूलते जा रहे हैं। जब कि जो होना चाहिये वह ठीक इसके विपरीत है। हमें अपनी जड़ों तथा संस्कृति के प्रति प्रशंसा की भावना होनी चाहिये क्योंकि वे हमारे अस्तित्व की नींव हैं जिसके ऊपर ही हमारे भविष्य का निर्माण हो सकता है।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तावित, वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, बीजिंग, चीन

व्यक्तियों की तरह ही, हमारे समुदाय (जाति, देश) आदि भी समय के साथ बदलते रहते हैं। यह बदलाव प्राकृतिक वातावरण और दूसरे समुदायों तथा संस्कृतियों की परस्पर अंतर्क्रियायों के कारण आता है। हालांकि ऐसा हमेशा से ही होता आया है, पर, इस बीसवीं सदी में वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी क्रांति के कारण, बदलाव की गति और तीव्रता दोनों ही बहुत बढ़ गई हैं, विशेषकर आधुनिक यातायात के साधन, दूर संचार और जन संचार (इनफोरमेटिक्स, टेलीफोन, टेलीफैक्स, टेलीविजन, इंटरनेट, कम्यूनिकेशन सेटेलाइट) साधनों द्वारा। बदलाव की इस तीव्र प्रक्रिया को वैश्वीकरण (ग्लोबेलाइजेशन) कहा जाने लगा है।

ग्लोबेलाइजेशन हालांकि एक आर्थिक प्रक्रिया है, पर इसके महत्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव भी हैं। इनमें से एक है विश्व भर के सभी लोगों, विशेषकर युवाओं में कई ऐसी वस्तुओं के प्रति रुझान होना जिनका विश्व भर में विज्ञापन किया जाता है और उन्हे अत्यधिक संख्या में निर्मित भी किया जाता है, जैसे कि लोकप्रिय संगीत, फिल्म, टेलिवीजन प्रोग्राम, कपड़े और खाना।

© यूनेस्को 2002

ग्लोबेलाइजेशन के विषय में यूनेस्को के दो मुख्य प्रलेखों में इस प्रकार कहा गया है:

.........संस्कृति का वैश्विकरण बिना लड़खड़ाये आगे बढ़ता जा रहा है पर वह अभी आंशिक है, हम वैश्विकरण के आश्वासनों और फायदों को नजरअंदाज नहीं कर सकते और न ही उनकी वजह से आने वाले खतरों को, और उस खतरे को तो कभी नहीं जिसकी वजह से मनुष्य अपने खास और विशेष गुणों को ही भूलते जा रहे हैं। पर, यह उन्हीं को देखना है कि वे भविष्य में क्या करें और किस प्रकार से अपनी परंपराओं के गड़े खजाने (सुरक्षित धन) और संस्कृति का उपयोग कर अपनी प्रतिभा को पूर्ण रूप से उभारें, और यदि हम सावधान नहीं है तो आज की हवा की चपेट में आकर हम अपने आप को खतरे में डाल सकते हैं।

जानें : अपने अंदर के खजाने को, 21 वींसदी के लिये शिक्षण इस विषय पर इंटरनेशनल कमीशन की रिपोर्ट, पृ. 17. पेरिस, यूनेस्को प्रकाशन, 1996

इस तेजी से बदलते हुए युग में जी रहे व्यक्तियों और उनके समुदायों के लिये यह आवश्यक है कि वे इस बदलाव के साथ समंजस्य स्थापित करें पर ऐसा करते हुए अपनी परंपराओं के अमूल्य तत्वों को कभी नष्ट न होने दें।

उदाहरण के तौर पर अफ्रीकन आध्यात्मिक मूल्य जो उन्हें कई-कई वर्षों से संजोयी गई धार्मिक परंपराओं द्वारा प्राप्त हुए हैं, मनुष्य और प्रकृति, शारीरिक और अशारीरिक, तर्कसंगता और अंत:प्रेरणा तथा कल और आज की पीढ़ियों के बीच के संबंध के महत्व पर विशेष दबाव डालते हैं । ज्ञान और मूल्यों को इस अमूल्य निधि को आधुनिक समस्याओं के समाधान के लिये उपयोग में लाया जा सकता है, जैसे कि अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने में और आपसी मतभेद और विवाद की स्थिति से उबरना इत्यादि में।

हमारी सृजनात्मक विभिन्नता, संस्कृति और विकास पर वर्ल्ड कमीशन की रिपोर्ट, पृ.166. पेरिस, यूनेस्को प्रकाशन, ।996

विश्व विरासत स्थल और अस्तित्व

विश्व विरासत सूची में अंकित कई स्थल, लोगों को उनकी पहचान की याद दिलाते हैं। ग्रेट जिम्बाब्वे के खण्डहर हमें यह याद दिलाते हैं कि जिम्बाब्वे का जन्म अफ्रीका में ही औपनिवेशिक काल से पूर्व ही हुआ था। क्रेमलिन और मास्को का रेड स्क्वेयर, रशियन फेडरेशन की पहचान हैं, वेनिस और उसका टापू , पीसा की झुकी मीनार तथा फलोरेंस का शहर इटली की पहचान हैं; बालबेक और बायबलोस लेबेनान की पहचान हैं; आगरे का ताजमहल भारत की; एन्टीगुआ गुटामेला की तथा बुखारा का ऐतिहासिक केन्द्र उजबेकिस्तान की पहचान है-और ऐसे कितने ही उदाहरण हैं।

कुछ प्राकृतिक स्थल जैसे कि, यूनाइटेड स्टेट्स अमेरिका का एवरग्लेडेस नेशनल पार्क और ग्रेन्ड केन्योन नेशनल पार्क, यूनाइटेड रिपब्लिक ऑफ तन्जानिया का सेरेनगेटी नेशनल पार्क, नेपाल का सागरमथा नेशनल पार्क (माउन्ट एवरेस्ट), अरजेन्टीना के लॉस ग्लेशियर्स अदि भी समुदायों और राष्ट्रीय पहचान के प्रतीक हैं।

आई सस्सी डी मेटेरा, इटली
© यूनेस्को /मोलडावियेनू

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 17

विश्व विरासत और अस्तित्व

उद्देश्य: विश्व विरासत स्थलों के मूल्य को समझना

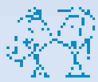
चर्चा

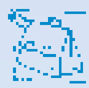
कक्षा क्रियाकलाप

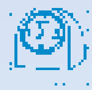
1कक्षाघंटा और कक्षा के बाहर समय

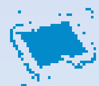
इतिहास सामाजिक ज्ञान

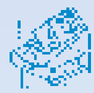
विश्व विरासत नक्शा संक्षिप्त विवरण

✓ लैमिनेटेड फोटो और दूसरे ऐसे संसाधनों की मदद से विद्यार्थियों को उन विश्व विरासत स्थलों से परिचित करवायें जिन्होंने मनुष्यता के इतिहास अथवा प्रकृति संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

- वे स्थल जो लोगों की पहचान हैं।
- वे स्थल जो राजनैतिक इतिहास की घटनाओं के साक्षी है।
- वे स्थल जो विश्व के धर्मों और आस्थाओं से जुड़े हैं।
- वे स्थल जो विभिन्न प्रकार के रोजगार साधनों के उदाहरण हैं।

नीचे दिये गये संपुटक (मेट्रिक्स) में चर्चा के विषयों के सुझाव हैं:

	मनुष्य की उत्पत्ति	शिकारी/ समाज	परंपरागत समाज	कृषिप्रधान समाज	व्यापारी समाज	उद्योग से जुड़ा समाज	आधुनिकोत्तर समाज
एशिया और प्रशांत क्षेत्र	पेकिंग मेन स्थल (चीन)			कोरडीलेरास के राइस टेरेसेस फिलिप्पाइन्स			
अरब राज्य		टेडरार्ट एकेकस के चट्टान-कला स्थल (लीबियन अरब जमाहिरिया)					
अफ्रीका					मोजेमबिक्यू के द्वीप (मोजेमबिक्यू)		
यूरोप और उत्तरी अमेरिका			आइ सास्सी डे मेटेरा (इटली)		लूबेक का हेनसियेटिक शहर (जर्मनी)	आइरन ब्रिज गोर्ज, यूनाइटेड किंगडम	बोहास और इसकेस्थल (जर्मनी)
लेटिन अमेरिका और केरिबियन						ओरो प्रेटा का ऐतिहासिक नगर (ब्राजील)	ब्राजीलिया (ब्राजील)

© यूनेस्को 2002

इमारतों की विभिन्न शैलियों द्वारा अस्तित्व की अभिव्यक्ति

विश्व विरासत स्थलों की इमारतों की कुछ शैलियां, लोग और उनके प्राकृतिक वातावरण के बीच की अंतर्क्रियाओं के उत्कृष्ट प्रमाण हैं। नोर्वे के बर्गन जिले में स्थित ब्रायजेन विश्व विरासत स्थल एक ऐसा ही स्थल है जो यह स्पष्ट करता है कि किस प्रकार से नोर्वे में पायी जाने वाली लकड़ी, नोर्वे की संस्कृति की परिचायक बनी।

ब्रायग्गेन, नोर्वे
© यूनेस्को/ डी. रोगर

नोरवेजियन लकड़ी ने नोरवेजियन संस्कृति को किस प्रकार प्रभावित किया

क्या नोर्वेजियन इमारती सामान और उसकी संस्कृति के बीच कोई संबंध है?

डायरेक्टोरेट फार कल्चरल हेरिटेज के डायरेक्टर जनरल स्टीफन ट्स्चूडी-मॅडसेन लिखते हैं:

आइये सबसे पहले हम एक पेड़ को देखें, इसकी सबसे बड़ी कमी है इसकी ऊंचाई, चौड़ी पत्तियों वाला कोई पेड़ इतना लंबा और सीधा नहीं होता जिससे मजबूत इमारती लकड़ी मिल सके और इसके द्वारा एक ठोस लकड़ी की इमारत बनाई जा सके जिसमें लकड़ी के आड़े लट्ठे फंसाये जा सकें......

सबसे लंबी लकड़ी जो एक इमारत में उपयोग में लाई गई थी, के द्वारा उस पेड़ की लबांई का अंदाजा लगाया जा सकता है (चीड़ का पेड़, नोर्वे में सबसे अधिक उपयोग में लाया जाने वाला इमारती सामान है): यह लकड़ी 1861 में हॉफ चर्च की इमारत की तोड़-फोड़ से मिली थी, जिसकी लंबाई 15 मीटर थी। और यह लंबाई, लंबाई की परिकाष्ठा ही समझी जा सकती हैं क्योंकि कोई भी साधारण घर इससे आधी लंबाई की लकड़ी से आराम से बनाया जा सकता है।

शायद ही कोई राजा या उसका कोई दरबारी इस पेड़ की कद-काठी और मजबूती का मुकाबला कर सकता है। एक घर की आवश्यकता सभी को होती है और उसके नियम भी सबके लिये एक से ही होते हैं, हालांकि घर में लगाई गयी लकड़ी की मोटाई और उस की सज धज अलग अलग हो सकती है।

कोई यह सवाल भी पूछ सकता है कि क्या इस प्रकार की स्थिति का समाज पर कोई प्रजातांत्रिक या बराबरी का प्रभाव पड़ा। मुझे इन घरों के कक्षों के आका र-प्रकार में एक ऐसी वैश्विक मानवता की व्याप्ति दिखाई पड़ती है जिसके कारण यहां सामाजिक और मानविक सामंजस्य का प्रवेश हुआ है। दीवारों में लगी लकड़ी की आड़ी रेखाओं द्वारा शांतता और स्थिरता की अनुभूति होती है, और साथ ही उनकी प्राकृतिक छटा, मन को विश्राम देती है। और, लकड़ी के काम का अपने आप में ही एक विशेष महत्व है, ना केवल यह एक प्रतिचालक है (इनस्युलेटर), इसका स्पर्श सुखदायी भी है।

लकड़ी के घर बनाने की यह परंपरा अभी भी चल रही है, और आज भी नोर्वे में बनाये जा रहे नये घरों में 80 प्रतिशत के करीब घर लकड़ी के ही हैं। और यही कारण है कि जब हम नोर्वे की सांस्कृतिक विरासत के बारे में चर्चा करना चाहते हैं तो हम अपने आप को ऐसे मजबूत आधार पर खड़ा पाते हैं जो शायद संस्कृति की दूसरी ऐसी अभिव्यक्तियों के आधारों में सबसे मजबूत है। और इस संस्कृति का विकास एक पेड़ के विशेष गुणों और उसकी कमियों के आधार पर ही हुआ है।

नोर्वे: एक सांस्कृतिक विरासत. *स्मारक और स्थल, यूनिवरसीटेट्सफोरलाजेट*

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप

इमारतों की विभिन्न शैलियों द्वारा अस्तित्व की अभिव्यक्ति

उद्देश्य: भौतिक विरासत (आसपास की इमारतों, स्मारकों, नेशनल पार्क) आदि के अध्ययन द्वारा उनके अस्तित्व पर प्रकाश डालना।

अनुसंधान | कक्षा क्रियाकलाप | 2 कक्षा घंटे | कला, भूगोल | लैमिनेटेड फोटो

✓ आपके विद्यार्थियों को आपके देश या क्षेत्र की इमारतों, स्मारकों और नेशनल पार्क आदि पर निबंध लिखने को कहें। क्या इनमें कुछ विश्व विरासत स्थल हैं?

क्या आपकी संस्कृति और इमारत के लिये उपयोग में लाये गये सामान, इमारतों के नमूनों (शहरों और गांवों में इमारतें किस प्रकार से बनी हुई हैं), प्राकृतिक स्रोत (पास की खदानों के पत्थर) और भौगोलिक परिदृश्य (किसी झील के किनारे बसा शहर) आदि में कोई संबंध है?

क्या आपके सांस्कृतिक पहचान की झलक उस घर और उसमें लगाये गये सामान में दिखाई देती है जिसमें आप रहते हैं?

टिम्बकटू, माली
© यूनेस्को/ एम. कोने

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 19

काउन्सिल शहर के ऐतिहासिक भाग के भविष्य के लिये निर्णय लेती है।

उद्देश्य: विकास के कारण विरासत संरक्षण पर पड़ने वाले प्रभाव को समझना

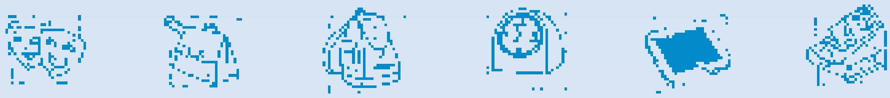

✓ निम्नलिखित स्थिति की परिकल्पना कीजिये और उस पर आधारित भूमिका अभिनय का आयोजन कीजिये।

स्थानीय प्राधिकरण ने शहर के उस केन्द्रीय भाग के विकास का एक प्रारूप तैयार किया है जहांआप रहते हैं। शहर का केन्द्रीय भाग बहुत ही पुराना हैं और वहां पर बहुत से पुराने परंपरागत घर हैं। और इस कारण वे घर, स्थानीय अस्तित्व की बहुत ही महत्वपूर्ण पहचान हैं। पर शहर के इस भाग के घरों का स्तर आजकल के आधुनिक घरों के मुकाबले बहुत ही पिछड़ा हुआ है। पानी के नल और रेस्टरूम जैसी सुविधायें वहां नहीं दी जा सकी हैं। विकास योजना के क्रियान्वयन के लिये पुराने घरों को तोड़ना आवश्यक है ताकि वहां आधुनिक अपार्टमेन्ट बनाये जा सकें। स्थानीय प्राधिकरण के कुछ सदस्य विकास योजना को लागू करना चाहते हैं जबकि कुछ स्थानीय नेता इस योजना के बिलकुल विरुद्ध हैं। आज दोनों ही पक्ष मिलकर इस बात पर वाद-विवाद करेंगे कि योजना का कार्यान्वयन किया जाय या नहीं।

✓ कक्षा को पांच समूहों में विभाजित करें:

1. स्थानीय प्राधिकरण जो विकास योजना के पक्ष में है
2. स्थानीय प्राधिकरण के कुछ सदस्य जो इस योजना के खिलाफ हैं
3. लोग जो उस पुराने शहर में रह रहे हैं
4. विशेषज्ञ (आर्किटेक्ट, टाउन प्लानर्स)
5. मीडिया के लोग

✓ एक चेयरपर्सन और दो वाइसचेयरपर्सनों का चुनाव कीजिये जो वाद-विवाद को आगे बढ़ायेंगे और दो रेप्पोटियर्स जो मीटिंग की रिपोर्ट लिखेंगे।

✓ विश्व विरासत शहरों और विश्व विरासत खतरे में इस सूची में सम्मिलित कुछ स्थलों पर कुछ इसी प्रकार के खतरों की सम्भावनाओं के विषय में चर्चा करें।

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 20

आंतर-संस्कृतिक शिक्षा

उद्देश्य: विश्व विरासत स्थलों और अस्तित्व के बीच के संबंध को समझना

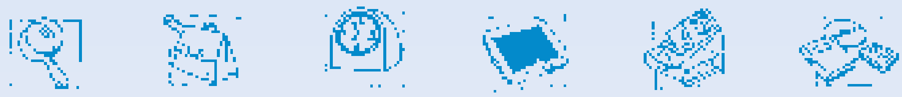

अनुसंधान | कक्षा के अंदर और कक्षा के बाहर क्रियाकलाप | बहुत से कक्षा-घंटे | भाषा सामाजिक ज्ञान | विश्व विरासत नक्शे, संक्षिप्त विवरण | इंटरनेट

✓ कक्षा को समूहों में विभाजित कीजिये। प्रत्येक समूह को नीचे दिये गये विषयों में से एक पर छोटा सा लेख लिखने को कहें।

- अपना विद्यालय
- अपनी कक्षा
- अपने देश के विश्व विरासत स्थल

✓ इन प्रस्तुतीकरणों को दूसरे विद्यालयों में भेजें। (मेल, फैक्स या इंटरनेट के द्वारा) और उन स्कूलों से भी ऐसे प्रस्तुतीकरण मंगवायें। क्या आपको वे प्रस्तुतीकरण मिले? उन्हें आप तक पहुंचने में कितना समय लगा? आप के विद्यालय के प्रस्तुतिकरणों की तुलना में वे कैसे थे?

✓ चर्चा करें कि किस प्रकार से आज आधुनिक संचार साधनों ने संसार भर के लोगों को इतना पास ला दिया है। क्या जब उनके माता-पिता छोटे थे तो लोगों का इतना पास आना संभव था? यह प्रश्न भी उनसे पूछें।

अस्तित्व और देसी लोग

विभिन्न स्थानों में रहने वाले लोग, अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत से किस प्रकार से संबंधित हैं यह जानना, किसी व्यक्ति, समूह और राष्ट्र के अस्तित्व को समझने, पहचानने में तथा विश्व विरासत संरक्षण द्वारा उसे सुरक्षा देने में सहायक हो सकते हैं। आगे दिये गये उदाहरणों द्वारा यह बात बिलकुल स्पष्ट हो जायेगी। ये उदाहरण, आपको ऐसे ही दूसरे उदाहरणों को उस क्षेत्र में जिसमें आप रहते हैं या फिर किसी अन्य क्षेत्र से खोजने और इसी तरह के दूसरे क्रियाकलाप बनाने की प्रेरणा देते हैं।

यूनेस्को विश्व विरासत युवा मंच सांस्कृतियों के आदान-प्रदान की संभावनायें प्रदान करते हैं, विक्टोरिया फाल्स विश्व विरासत युवा मंच
© यूनेस्को

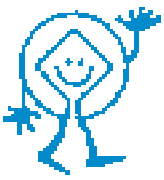

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 21

ग्रेट जिम्बाबवे नेशनल म्यूजियम जिम्बबाब्वे

उद्देश्य: एक स्थल की ऐतिहासिक उत्पत्ति कैसे हुई यह समझना

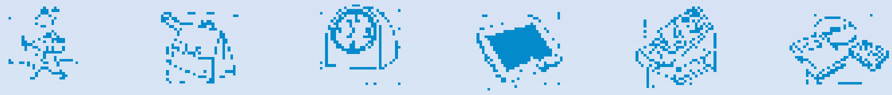

✓ आइये आपको ग्रेट जिम्बबाब्वे की वह कहानी सुनायें जो कि किसी बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थल की उत्पत्ति के एतिहासिक विवाद से संबंधित है। ग्रेट जिम्बबाब्वे के पुरातत्ववैज्ञानिक विश्लेषणों द्वारा यह स्पष्ट रूप से पता चल चुका है कि इस की उत्पत्ति अफ्रीका में ही हुई है।

ग्रेट जिम्बाबवे के महत्व का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि इस स्थल को अब एक राष्ट्रीय चिन्ह के रूप में जाना जाता है। यहां तक कि इस देश का नाम भी इस प्रभावशाली और बहुचर्चित पत्थरों के खण्डहर के नाम पर रखा गया है। (जिम्बाब्वे का अर्थ है पत्थरों का घर)

ग्रेट जिम्बाब्वे एक पेड़ों से घिरे खुले मैदान में स्थित है और अफ्रीका के सहारा उप-क्षेत्र में पुरातन काल की सबसे बड़ी इमारत है। इस स्थल के दो भाग हैं, एक जो मुख्यत: पहाड़ी चट्टानों के अवशेषों से निर्मित हैं, और एक किला जो आपस में गुंथी हुई दीवारों और ग्रेनाइट के चिकने गोल पत्थरों (बोल्डर्स) पर टिकाया गया था। किले के अंदर आकर रहने वाली भावी पीढ़ियों ने इन बोल्डरों के बीच में पत्थर की दीवारे बना कर छोटे-छोटे कक्ष और पतले रास्ते बनाये। घाटी के अवशेष, जो चारों ओर से विशालकाय दीवारों से घिरे हैं, सबसे प्रभावशाली स्मारक हैं: इसकी दीवारें लगभग 250 मीटर लंबी हैं जो 15, 000 टन वजन के बहुत ही सावधानी के साथ काटे हुये चट्टानों के टुकड़ों से बनी है। (यह सबसे बड़ी अकेली पुरातन इमारत है)

उस समय रोडेशिया के नाम से प्रख्यात इस क्षेत्र के खण्डहरों को अफ्रीकन उत्पत्ति का बताना और उस आदिम स्थान की फली-फूली संस्कृति को मान्यता देना गोरे औपनिवेशकों को कतई मंजूर नहीं था। नेताओं और प्रचारकों की मदद से उन्होंने इतिहास को दोबारा लिखने की कोशिश की जिन्होंने इस स्थल पर फिनिशिया, अरब, इंडिया यहां तक कि हिब्रू के प्रभाव होने की संभावना पर बहुत अधिक जोर दिया। एक संवैधानिक चर्चा के अन्तर्गत जोर शोर से यह कहा गया कि ग्रेट जिम्बाब्वे की उत्पत्ति अफ्रीका द्वारा नहीं की गई।

पर पुरातत्व-विशेषज्ञ रॅन्डाल मेक्लेवर और जेरट्र्यू केटन -थाम्पसन ग्रेट जिम्बाब्वे स्थल पर खुदाई के द्वारा यह निष्कर्ष निकाला कि यह खण्डहर पूर्ण रूप से अफ्रीकी थे। खुदाई में मिली अधिकतर वस्तुओं की उत्पत्ति के मूल स्थानीय शोना ही थे और खुदाई के हर स्तर पर मिलने वाले सभी अवशेष, अफ्रीकी जीवन शैली की पुष्टि कर रहे थे।

इस कार्य और इसके पश्चात दूसरे पुरातत्वविशेषज्ञों, भाषावैज्ञानिकों, मनुष्योत्पत्ति वैज्ञानिकों (एनथ्रापोलॉजिस्ट) द्वारा बहुत ही परिश्रम के साथ किये गये अनुसंधान कार्य द्वारा यह प्रमाणित किया गया कि ग्रेट जिम्बबाब्वे के इतिहास को कम से कम तीन चरणों में बांटा जा सकता है।

© यूनेस्को 2002

लगभग ग्यारहवीं शताब्दी के समय यहां बहुत से लोग आकर रहने लगे जो पहाड़ों पर छोटे-छोटे डंडों और मिट्टी से, घर बनाया करते थे। दो सौ साल के बाद यहां मिट्टी के ही मगर पक्के घर बनने लगे और पहली पत्थर की दीवार भी बनी। आने वाली शताब्दियों में यहां के समाज ने अफ्रीकन महाद्वीप के पूर्वी किनारे पर आने-जाने वाले मुस्लिम व्यापारियों के साथ व्यापार किया और बहुत प्रगति की। पर, पन्द्रहवीं शताब्दी के आते-आते ग्रेट जिम्बाब्वे अपने आप को बचा न सका और धीरे-धीरे समाप्त हो गया।

फले-फूले व्यापार के अवशेष, इमारत की शैली, और साथ ही निर्माण में पत्थरों के उपयोग ने इस विवाद को जन्म दिया कि इन खण्डहरों की उत्पत्ति अफ्रीकन लोगों द्वारा नहीं की गई।

इतिहास की सच्चाई जानकर उसे दोबारा लिखना और जिम्बाब्वे को उसकी असली पहचान देना आदि कार्य अब समाप्त हो चुकें हैं। आज ग्रेट जिम्बाब्वे के खण्डहर देश की आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हैं और ये अफ्रीकन विरासत के रत्न हैं।

✓ अपने विद्यार्थियों से इस स्थिति पर उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई इस विषय पर एक छोटा निबंध लिखने को कहें। सभी विद्यार्थियों द्वारा लिखे गये निबंधों पर चर्चा करें।

ग्रेट जिम्बबाब्वे नेशनल मान्यूमेन्ट, जिम्बबाब्वे
© पेट्रिमोयने 2001/ सी. लेपेटिट

© यूनेस्को 2002

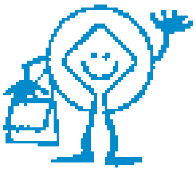

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 22

यूलूरू-काटा त्ज्यूटा नेशनल पार्क, आस्ट्रेलिया

उद्देश्य: सांस्कृतिक परिदृश्य के अभिप्राय और विश्व विरासत संरक्षण में उस स्थानपर रहने वाले लोगों की भूमिका को समझना

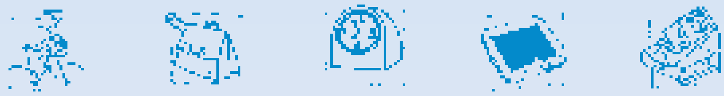

विश्व विरासत स्थल पर यात्रा	कक्षा क्रियाकलाप	दो कक्षा-घंटे	भूगोल, इतिहास सामाजिक ज्ञान	संक्षिप्त विवरण विश्व विरासत नक्शा

यह दूसरा उदाहरण जो आस्ट्रेलिया के यूलूरू-काटा त्ज्यूटा नेशनल पार्क का है, यह दिखाता है कि किसी स्थल का विश्व विरासत सूची में अंकित होना वहां पर रहने वाले लोगों की पहचान और उनके अस्तित्व की भावना को या फिर उनकी जीवन शैली को किस प्रकार से उन्नत कर सकता है।

साथ ही यह पार्क, यहां पर रहने वाले लोगों और सरकार की तरफ से साझेदारी की भावना से किये जा रहे सफल स्थल प्रबंधन का एक उदाहरण भी है।

वर्ष 1987 में इस स्थल को प्राकृतिक स्थल के रूप में शामिल किया गया था। वर्ष 1994 में इस स्थल का दोबारा नामांकन एक सांस्कृतिक परिदृश्य के रूप में भेजा गया था। सांस्कृतिक परिदृश्य का अभिप्राय एक ऐसे स्थान से है जिसे वहां पर रहने वाले लोग और प्रकृति दोनों ने मिल कर बनाया है, और इस प्रकार वह स्थान प्राकृतिक वातावरण और लोगों के बीच होने वाली अंतर्क्रियाओं की एक अभिव्यक्ति है। यूलूरू-काटा त्ज्यूटा नेशनल पार्क विश्व विरासत में शामिल होने वाले पहले सांस्कृतिक परिदृश्य का उदाहरण है।

यूलूरू-काटा त्ज्यूटा नेशनल पार्क, पारंपरिक आदिम प्रदेश में स्थित है जहां अभी भी आदिवासी रहते हैं और जहां किसी आदिमभाषा को पहली भाषा के रूप में, अभी भी बोला जाता है। 1985 में आस्ट्रेलिया सरकार ने इस प्रदेश की मालकियत अनान्गू जाति को दे दी जो पश्चिमी आस्ट्रेलिया के रेगिस्तान के निवासी हैं। विरासत की इस 'वापसी' के बाद, अनान्गू जाति ने इस नेशनल पार्क को आस्ट्रेलियन नेचर कनसर्वेशन एजेन्सी (ए एन सी ए) को लीज पर दे दिया। और अब अनान्गू लोग और ए एन सी ए, दोनों ही इस पार्क का प्रबंधन और संरक्षण मिलजुल कर एक साथ करते हैं। यह 'वापसी' और नेशनल पार्क का संयुक्त प्रबंधन, अदिवासी जमीनी अधिकार अभियान के इतिहास और आस्ट्रेलिया विरासत संरक्षण इतिहास में महत्वपूर्ण स्मृति स्तम्भ समझे जाते हैं।

अनान्गूओं का ज्ञान और जीवन, अस्तित्व और सामाजिक ढांचा, उनकी आस्था और विश्वास और वह परिदृश्य अथवा प्राकृतिक प्रदेश जिसमें वे रहते हैं आदि सभी 'त्ज्यूकूरपा' द्वारा निर्धारित होते हैं और उसीके आधार पर ही वे समझे भी जा सकते हैं। त्ज्यूकूरपा जिसका कभी-कभी अशुद्ध अनुवाद 'स्वप्न काल' के रूप में कर दिया जाता है यह आदेश देता है कि अनान्गू समाज का ढांचा कैसे बनाया जायेगा, और वे कैसे एक दूसरे की और जमीन की देखभाल करेंगे। अनान्गू लोगों के सभी व्यवहार भी उसी के द्वारा तय होते हैं। जब अनान्गू लोग उस धरती को पार करते हैं जहां यूलूरू-काटा त्ज्यूटा स्थित है तो वे अपने पूर्वजों की उन यात्राओं को स्मरण करते हैं जो उन्होंने उस समय की थीं जब उस धरती पर कुछ भी नहीं था। और वे यह अच्छी तरह से समझते हैं कि कैसे उनके पूर्वजों ने (लोगों, पेड़-पौधों और जानवरों के रूप में) उस धरातल के भू-दृश्य को बदलना शुरू किया था। जब वे एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र की यात्रा करते थे तो वे उस धरा को अपनी अंतर्क्रियाओं के द्वारा बदलते भी जाते थे। और आज भी, जैसा कि अतीत में किया जाता था, इस ज्ञान को हमेशा याद किया जाता है, संभाल कर रखा जाता है कई संस्कारों, गानों, नृत्य, कला और कारीगरी आदि के माध्यम से दूसरों को सौंपा जाता है। इस प्रकार एक परिदृश्य जिसे वे लोग जो अनान्गू नहीं हैं , एक प्राकृतिक स्थल के रूप में देखते हैं, वास्तव में सांस्कृतिक दृष्टि से अर्थपूर्ण है वह स्थल है जिसे एक सांस्कृतिक प्रक्रिया के द्वारा बनाया गया है।

वर्ल्ड हेरिटेज न्यूजलेटर, नं. 10, मार्च 1996

© यूनेस्को 2002

उलूरू-काटा नेशनल पार्क, आस्ट्रेलिया
© *एस. टीटशेन*

हम हमेशा से कहते आये हैं कि यह जमीन हमारे लिये त्ज्यूकूरपा के कारण बहुत ही महत्वपूर्ण है, अब समुद्रपार से आने वाले लोग और जो यहां के निवासी नहीं हैं मानने लगे हैं कि जमीन का सांस्कृतिक महत्व भी है – मैं खुश हूँ कि आखिर लोगों ने इस बात को मान लिया। अतीत में, कुछ लोग इसे हंसी में टाला करते थे और इसे स्वप्न देखना कहा करते थे पर त्ज्यूकूरपा वास्तविक है, यह हमारा कानून है, हमारी भाषा है, हमारी जमीन है और परिवार सब कुछ है।

येमी लेस्टर, चेयर, यूलूरू काटा त्ज्यूटा बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट

© यूनेस्को 2002

केवल कन्वेन्शन पर हस्ताक्षर मात्र से कोई भी तुरंत ही यह नहीं समझ पायेगा कि हमारा अस्तित्व और हमारी सांस्कृतिक जड़े हमें बाकी के विश्व के साथ किस प्रकार जोड़ती हैं। हम यह तो समझ सकते हैं कि अपने देश या जाति की विरासत की सुरक्षा का क्या महत्व है, पर यह समझ पाना शायद कठिन है कि हम एक-दूसरे से वास्तव में किस प्रकार से जुड़े हैं। इस संबंध को देखने का एक तरीका है विश्व को सांस्कृतिक द्वीपों के एक समुद्र के रूप में देखना, वह समुद्र जो कोरल रीफ से बना है।

टूब्बाताहा रीफ मेराइन पार्क, फिलिप्पाइन्स.
© आई यू सी एन/ जे थोरसेल

एक कोरल रीफ कोरल प्राणियों की बहुत सी परतों द्वारा बनती है। पर रीफ के केवल ऊपर की परत के ही प्राणी जीवित होते हैं। कुछ वर्ष के बाद ये प्राणी मर जाते हैं और इस परत के ऊपर जीवित प्राणियों की एक और नई परत आ जाती है। हर एक नयी परत के साथ रीफ थोड़ी-सी बदल जाती है; यह थोड़ी बड़ी हो जाती है, और थोड़ी सी लंबी भी हो जाती है। रीफ में प्रत्येक कोरल प्राणी स्वतंत्रता से इधर उधर घूम सकता है, पर ऐसा केवल प्रतीत होता है। वास्तव में हर प्राणी अपने से पहली की पीढ़ियों के बीच धंसा हुआ होता है और उससे छूट कर अलग नहीं हो सकता है। पर प्रत्यक्ष्य रूप में, हर एक और प्रत्येक जीवित कोरल प्राणी, दूसरे प्राणियों से जुड़ा हुआ नहीं दिखाई देता। यदि आप कोरल प्राणियों की कुछ नीचे की परतों के को देखें तो पायेंगे कि वे सभी एक ही रीफ के हिस्से हैं। यदि नीचे की कुछ परतों को जान बूझ कर तोड़ दिया जाय या फिर प्रदूषण से वे नष्ट हो जायें तो बाकी की परतों का हाल क्या होगा यह आप समझ ही सकते हैं। हमारा संसार भी एक कोरल रीफ की ही तरह है। यह हमसे पहले की कई हजार पीढ़ियों से बना है- उनके विचार, उनके काम, उनकी उपलब्धियां द्वारा। वे सब हमारा भी एक हिस्सा है- जो हम हैं उसका एक हिस्सा। हमारा अस्तित्व और हमारी विरासत।

थामस हायल्लार्ड ऐरिकसन, एनथ्रोपोलोजी प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ ओसलो, नोर्वे

© यूनेस्को 2002

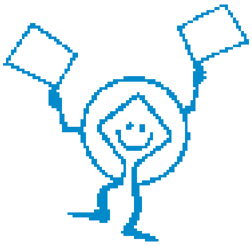

विश्व विरासत और अस्तित्वः पाठ्यक्रम पर एक दृष्टि

कला

उन विश्व विरासत स्थलों के चित्र बनायें जो मनुष्य की सृजनात्मकता के उत्कृष्ट नमूने हैं और वे उन्हें बनाने वालों की पहचान हैं, और यदि वे सांस्कृतिक परिदृश्य हैं तो वे उनके रखवालों की पहचान हैं।

विदेशी भाषा

किसी दूसरी भाषा के आलेखों को पढ़ कर उन शब्दों को निकालने की कोशिश करें जो आपकी भाषा में भी हैं, और चर्चा करें कि वे एक जैसे क्यों हैं, और इनसे देशों के बीच के सांस्कृतिक संपर्क के बारे में क्या पता चलता है।

आप की किसी विश्व विरासत स्थल पर दी गई सूचना-पत्रिका का किसी दूसरी भाषा में अनुवाद करें। उसमें से ऐसे कुछ शब्द और संकल्पनायें बाहर निकालें जिन्हें आपको समझाने की जरूरत पड़ सकती है (पर मूल आलेख में यह मान लिया जाता है कि उन्हें समझाने की कोई आवश्यकता नहीं) और चर्चा करें कि वे लोगों की पहचान के बारे में क्या-क्या बताते हैं।

भूगोल/विज्ञान

विश्व विरासत सूची का अध्ययन करें और लोगों तथा भौगोलिक स्थितियों के बीच के संबंध को स्पष्ट करें। चर्चा करें कि प्रकृति, व्यावहारिक रूप में लोगों की पहचान बनाने के लिये किस प्रकार सहायक होती है। जैसे कि नोर्वे के पेड़।

इतिहास

भूमिका अभिनय, विशेष रूप से किसी विश्व विरासत स्थल पर जिससे कि विद्यार्थियों में उन लोगों के प्रति लगाव की भावना जागृत हो जिन्होंने उसे बनाया या फिर जो लोग अभी वहां रहते हैं ।

भाषा/साहित्य

अपनी सांस्कृतिक अस्तित्व की सुरक्षा का महत्व इस विषय पर निबंध लिखें और इन में कुछ विचारों को लेकर एक छोटा नाटक तैयार करें।

एक प्रतियोगिता में हिस्सा लें जिसमें सभी विद्यार्थी किसी विशेष सांस्कृतिक या प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा के पक्ष में 5 मिनट का भाषण देंगे।

पढ़ें और उन उपन्यासों और कहानियों पर चर्चा करें जिनमें अस्तित्व के बारे में लिखा गया है या फिर किसी विश्व विरासत स्थल के बारे में लिखा गया है। विद्यार्थियों से कहें कि वे अपनी कुछ कहानियां लिखें।

पता करें कि क्या कोई ऐसे कुछ नाटक हैं जो आपके क्षेत्र के किसी प्राकृतिक या किसी सांस्कृतिक स्थल का उनके अस्तित्व से संबंध, इस संकल्पना पर आधारित हैं।

दर्शन/धार्मिक अध्ययन

धार्मिक स्मारकों और इमारतों के फोटो एकत्रित कर विद्याथियों को किसी धार्मिक पंथ के बारे में बतायें।

जब आप किसी धार्मिक स्थल (चर्च, मस्जिद,मंदिर, परिदृश्य) पर जायें तो धार्मिक प्रतीकों को समझने की कोशिश करें।

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत और पर्यटन

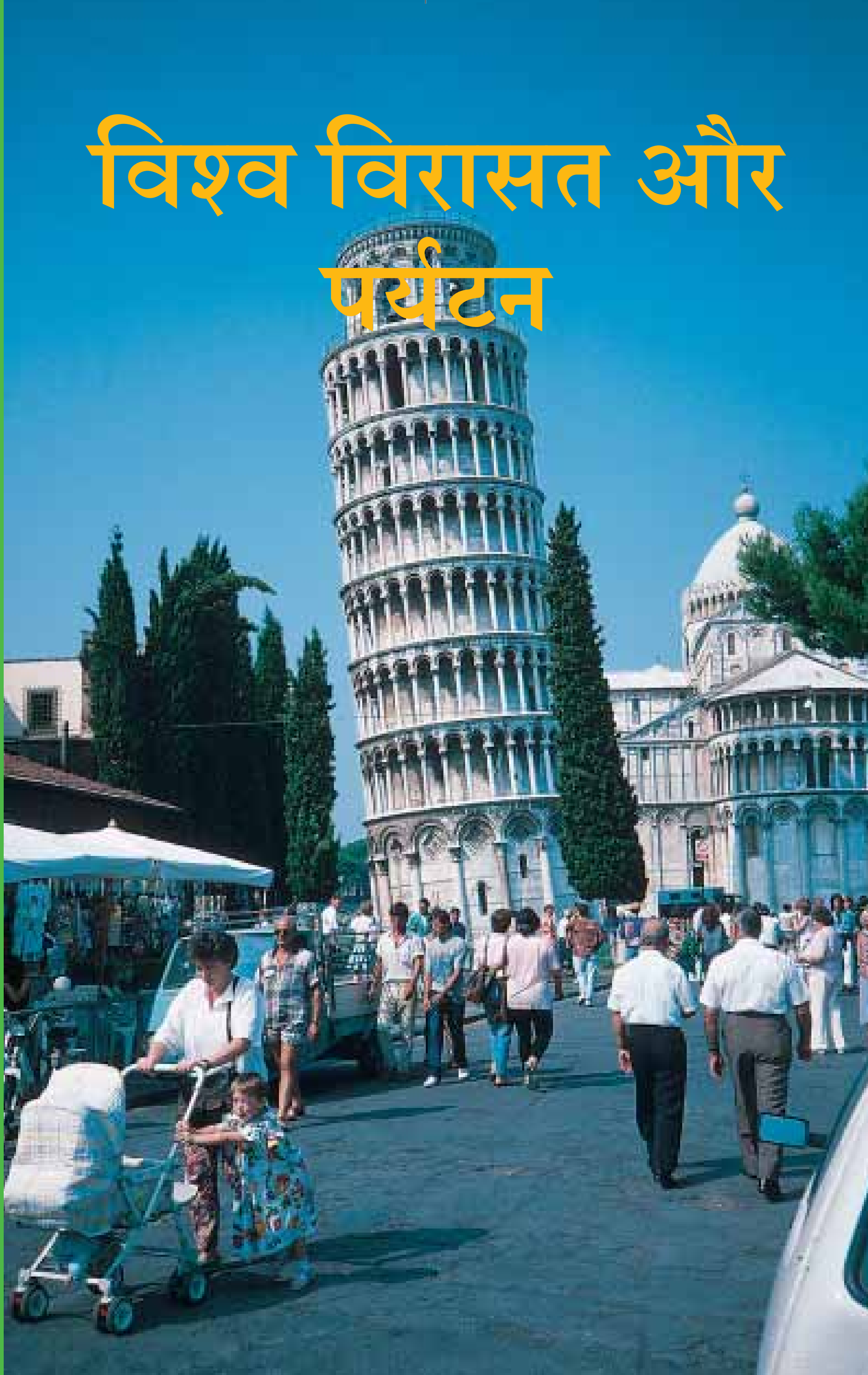

पिज़ा डेल डूमो, पिज़ा, इटली। © जे.ए. टेलर

वर्ष 1998 में

552 विश्व विरासत स्थलों पर 500,000,000 पर्यटक

विश्व विरासत और पर्यटन

उद्देश्य: 103

ज्ञान 103
मानसिक दृष्टिकोण 103
योग्यता 103

पर्यटन : एक वैश्विक घटना और बड़ा व्यापार 104

विद्यार्थी क्रियाकलाप 23: पर्यटकों के रुझान की गणना 105
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना: विश्व पर्यटन के आंकड़े चार्ट । 106
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना: विश्व पर्यटन के आंकड़े चार्ट ।। 107
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना: विश्व पर्यटन के आंकड़े चार्ट ।।। 108
पर्यटन के लाभ तथा उससे विश्व विरासत को संभावित खतरे 109
विद्यार्थी क्रियाकलाप 24: पर्यटन के लाभ तथा उससे विश्व विरासत को लाभ और संभावित खतरे नये प्रकार के पर्यटन की आवश्यकता 110

विश्व विरासत, पर्यटन तथा जैव-वैज्ञानिक दृष्टि से धारणीय विकास 111

विद्यार्थी क्रियाकलाप 25: विश्व विरासत और पर्यटन-खेल 112
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना : विश्व विरासत और पर्यटन-खेल 113
विद्यार्थी क्रियाकलाप 26: सम्मान रहित और सम्मान सहित पर्यटक 114
पर्यटकों के लिये आचारों-व्यवहारों की रूपरेखा 114

अधिकाधिक विरासत स्थलों की यात्रा 115

विद्यार्थी क्रियाकलाप 27 : विरासत स्थलों पर पर्यटन-सुविधाओं का आकलन 116
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना: विरासत स्थलों पर पर्यटन-सुविधाओं का आकलन 117

आभासी पर्यटन और विश्व विरासत 118

विश्व विरासत स्थलों पर पर्यटन प्रबंधन 119

विद्यार्थी क्रियाकलाप 28 : एक प्राकृतिक विश्व विरासत स्थल के बीच में से गुजरते हुए एक राजमार्ग (हाई वे) का बनना 120
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना: एक प्राकृतिक विश्व विरासत स्थल के बीच में से गुजरते हुए एक राजमार्ग (हाई वे) का बनना 121

पाठ्यक्रम पर एक दृष्टि: विश्व विरासत और पर्यटन 122

उद्देश्य

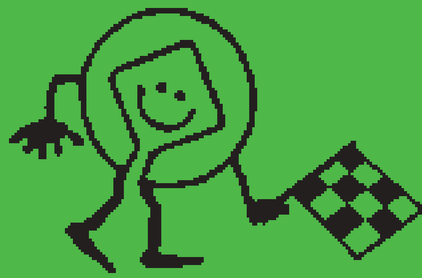

ज्ञान

सहायता विद्यार्थियों को निम्नलिखित विषयों को जानने और समझने में सहायक होना

- विश्व पर्यटन का रुझान और उसका विश्व विरासत स्थलों पर संभावित प्रभाव
- पर्यटन किस प्रकार हमें विरासत, दूसरी संस्कृतियों, मूल्यों और रीति-रिवाजों को समझने में सहायता करता है
- आगन्तुकों के प्रबन्धन के लिये स्थल प्रबंधन की आवश्यकता।

मानसिकता

प्रेरणा विद्यार्थियों को प्रेरणा दें कि वे

- विरासत के प्रति प्रशंसा और संरक्षण की भावना को सुदृढ़ करने के लिये नये प्रकार के पर्यटनों के विकास की आवश्यता को समझें
- जन-पर्यटन से विश्व विरासत स्थलों की सुरक्षा के लिये किये जाने वाले उपायों के प्रति आदर रखें तथा उन्हें दूसरों को समझा सकें।

योग्यता

सहायता विद्यार्थियों की सहायता करें कि वे योग्य बनें

- प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण द्वारा पर्यटन रुझानों और विश्व विरासत संरक्षण के आपसी संबंध को जानने में
- विश्व विरासत स्थलों पर सहायक (गाइड) का कार्य करने की प्रारम्भिक योग्यता प्राप्त करने में
- सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों को आदर और उत्तरदायित्व के भाव से देखने में
- और विश्व विरासत स्थलों की ओर सृजनात्मक दृष्टिकोण से देख कर उनके प्रस्तुतीकरण में सहायक होने में जिससे पर्यटकों को तो लाभ हो, पर साथ में उनका संरक्षण भी हो सके।

पर्यटन : वैश्विक घटना और एक बड़ा व्यापार

किसी अकेले व्यक्ति अथवा किसी संस्कृति का विकास नहीं हो सकता जब तक वह दूसरे व्यक्तियों और दूसरी संस्कृतियों के साथ अंतर्क्रियायें न करे। हमें यह सीखना होगा कि एक संस्कृति का दूसरी संस्कृति पर क्या ऋण है। और यह जान लेना होगा कि सांस्कृतिक पर्यटन भी उन सभी उत्पादक और चुनौतीपूर्ण साधनों में से एक हो सकता है जिसके द्वारा संस्कृतियों और सभ्यताओं के बीच वार्तालाप की संभावना प्रकट की जा सके। दूसरों से मिलकर ही हम अपनी संस्कृति और विरासत की सही परख कर सकते हैं और अपने निजी और प्राकृतिक वातावरण को भली प्रकार समझ सकते हैं।

कोइचिरो मतस्यूरा, डायरेक्टर जनरल यूनेस्को, यू एन ई पी ग्लोबल मिनिस्टेरीयल इनवायरोनमेन्ट फोरम, नेरोबी, 8 फरवरी 2001

पिछले चालीस वर्षों की सबसे बड़ी वैश्विक घटना है जन पर्यटन में अत्यधिक वृद्धि , जिसके कारण विश्व विरासत स्थलों पर जाने वाले लोगों की संख्या पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है।

यातायात प्रौद्योगिकी में तेजी से होते विकास, जीवन के स्तर में बढ़ोतरी, आय-सहित अवकाश के साथ उपलब्ध खाली समय के कारण आज कल लोग इतनी यात्रा कर रहें हैं जितनी उन्होंने पहले शायद कभी नहीं की थी। उदाहरण के लिये, 1950 में विश्व पर्यटन संघटन (डब्ल्यू टी ओ) के द्वारा किये आकलन के अनुसार विश्व भर में लगभग 2.5 करोड़ लोगों ने पर्यटन किया, जबकि 1999 में यह संख्या लगभग 66.4 करोड़ थी, इसका मतलब 50 साल मे यह संख्या पच्चीस गुना से भी अधिक बढ़ गई। डब्ल्यू टी ओ का यह अनुमान है कि वर्ष 2010 में पर्यटकों की संख्या 1 खरब और वर्ष 2020 में यह संख्या लगभग 1.6 खरब हो जायेगी!

संपर्क पते

आजकल बहुत से ऐसे लोग हैं जो रुचिपूर्ण नये स्थानों को खोजने और वहां जाने की इच्छा रखते हैं और चूंकि विश्व विरासत में शामिल स्थल वैश्विक दृष्टि से उत्कृष्ट समझे जाते हैं, बहुत से लोग वहां जाना पसंद करते हैं। आजकल अधिकतर लोग क्योंकि बड़े-बड़े शहरों में रहते हैं, वे ऐसे स्थानों पर जाना अधिक पसंद करते हैं जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिये जाने जाते हैं या फिर वे विश्व विरासत के प्राकृतिक स्थल हैं। ऐसे स्थानों पर यात्रा को स्थल-पर्यटन (इको-टूरिज्म) कहा जाता है, जबकि सांस्कृतिक स्थलों के पर्यटनों को सांस्कृतिक पर्यटन के नाम से जाना जाता है।

पर्यटक

वह व्यक्ति जो पर्यटन/यात्रा या यात्रायें करता है, विशेष कर वह यात्री जो मनोरंजन के लिये यात्रा करता है, या यात्री जो खुशी या संस्कृति के लिये यात्रा करता है, बहुत से स्थानों पर जाता है क्योंकि वे रुचिकर हैं, प्रेक्षणीय हैं इत्यादि।

ऑक्सफोर्ड लघु शब्द-कोश

पर्यटन

यात्रा करने की प्रक्रिया या सिद्धांत, मनोरंजन के लिये यात्रा करना

ऑक्सफोर्ड लघु शब्द-कोश

पर्यटक मोन्ट सेन्ट मिशेल और उसकी खाड़ी के दर्शन को जाते हुए, फ्रान्स।
© पेट्रिमोयने 2001/ डी शेनोट

© यूनेस्को 2002

पर्यटन को अधिकतर विकास से जोड़ा जाता है क्यों कि इसके कारण लोगों को रोजगार तो मिलता ही है और साथ में अत्यधिक आवश्यक विदेशी मुद्रा भी मिलती है। उदाहरण के लिये, आकलन के अनुसार 1950 में पर्यटकों द्वारा लगभग 2.1 अरब अमेरिकन डालर खर्च किये गये, जिसकी तुलना में 2000 में पर्यटकों ने लगभग 486 खरब अमेरिकन डालर खर्च किये।

पर्यटकों के रुझान इस विषय पर और जानकारी के लिये आप वर्ल्ड टूरिज्म आर्गेनाइजेशन वेबसाइट पर जायें। (http://www.world-tourism.org)

संस्कृति के बिना कोई पर्यटन संभव नहीं क्योंकि संस्कृति ही सबसे मुख्य प्रेरणा है जो लोगों को दूसरे स्थानों पर ले जाती है।
राउण्ड टेबल ऑन कल्चर के प्रोसीडिंग्स, पर्यटन और विकास: इक्कीसवीं शताब्दी के लिये निर्णायक तथ्य, पृ. 7. पेरिस, यूनेस्को, 26-27 जून 1996

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 23

पर्यटक रुझानों की गणना

उद्देश्य: पर्यटक रुझानों की गणना और यात्रियों की संख्या का विश्व विरासत संरक्षण पर होने वाले भावी प्रभावों को जानना

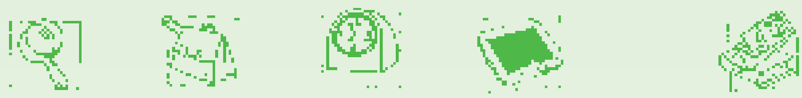

अनुसंधान | कक्षाक्रियाकलाप | एक या बहुत से कक्षा घंटे | गणित सामाजिक ज्ञान | विद्यार्थी क्रियाकलाप पत्र विश्व पर्यटन आंकड़े कैलकूलेटर, विश्व विरासत नक्शा, लैमिनेटेड फोटोग्राफ्स

✓ आपके विद्यार्थियों को विद्यार्थी-क्रियाकलाप पन्नों का चार्ट 1 दिखायें (यदि हो सके तो प्रत्येक विद्यार्थी के लिये एक फोटोकापी करवा लें।) उन्हें उन आंकड़ों के विषय में बतायें और उन्हें एकत्र करने, विश्लेषण करने तथा उसके उपयोग के बारे में बतायें। जिन 15 देशों में सबसे अधिक यात्री जाते हैं में से प्रत्येक देश के लिये विश्व विरासत नक्शे में से विरासत स्थलों की संख्या देखने को कहें। विद्यार्थियों से कहें कि वे विरासत स्थलों की संख्या और पर्यटकों की संख्या के बीच के पारस्परिक संबंध को ढूंढ़ें। (क्या किसी देश के विरासत स्थलों की संख्या वहां पर आने वाले पर्यटकों की संख्या की व्याख्या कर सकती है)। जिन दस देशों में सबसे अधिक पर्यटक जाते हैं, उन देशों को भौगोलिक क्षेत्रों: अफ्रीका, अमेरिका तथा केरिबियन, एशिया और प्रशांत क्षेत्र, अरब राज्य और यूरोप में रखने को कहें।

✓ चार्ट 2 दिखाकर उन 15 देशों को इन दो सूचियों में रखने को कहें: औद्योगीकृत देश और कम उद्योग वाले देश। क्या एक औद्योगीकृत देश और विश्व विरासत स्थलों का वह देश जो पर्यटन के द्वारा सबसे अधिक पैसा अर्जित कर रहा है, के बीच कोई पारस्परिक संबंध है? खोजों पर चर्चा करें। पर्यटन के आधार पर पैसा कमाने वाले देशों में कितने विरासत स्थल हैं ?

✓ विद्यार्थियों को चार्ट 3 दिखायें और चर्चा करें कि 'विकास दर' से वे क्या समझते हैं और प्रत्येक दशक में विकास दर अलग क्यों है।

✓ विद्यार्थियों को अपने देश के विश्व विरासत स्थलों पर जाने वाले पर्यटकों की संख्या और पर्यटन के कुछ आंकड़े एकत्र करने और उन्हें कक्षा में प्रस्तुत करने को कहें।

© यूनेस्को 2002

विश्व में 15 अव्वल पर्यटन गंतव्य
अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों का आगमन

चार्ट 1

क्रमांक	देश	अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों का आगमन (अरब/ मिलियन)		बदलाव की प्रतिशत दर	मार्केट का हिस्सा
		1999	2000	2000/1999	2000
1	फ्रांस	73.0	75.5	3.4	10.8
2	यूनाइटेड स्टेट्स	48.5	50.9	4.9	7.3
3	स्पेन	46.8	48.2	3.0	6.9
4	इटली	36.5	41.2	12.8	5.9
5	चीन	27.0	31.2	15.5	4.5
6	यूनाइटेड किंगडम	25.4	25.2	-0.8	3.6
7	रशियन फेडरेशन	18.5	21.2	14.5	3.0
8	मेक्सिको	19.0	20.6	8.4	3.0
9	कनाडा	19.5	20.4	4.9	2.9
10	जर्मनी	17.1	19.0	10.9	2.7
11	आस्ट्रिया	17.5	18.0	2.9	2.6
12	पोलैण्ड	18.0	17.4	-3.1	2.5
13	हंगरी	14.4	15.6	8.1	2.2
14	हांग कांग (चाइना)	11.3	13.1	15.3	1.9
15	ग्रीस	12.2	12.5	2.8	1.8

स्रोत: वर्ल्ड टूरिस्म आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यू टी ओ), अगस्त 2001 तक एकत्रित डाटा

विश्व के सबसे अधिक पर्यटन-आय वाले दस देश
अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों से अर्जित धन

चार्ट 2

क्रमांक	देश	अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों से अर्जित धन (अरब/ बिलियन) 1999	2000	बदलाव की प्रतिशत दर 2000/1999	मार्केट का हिस्सा 2000
1	यूनाइटेड स्टेट्स	74.9	85.2	13.7	17.9
2	स्पेन	32.4	31.0	–4.3	6.5
3	फ्रांस	31.5	29.9	–5.1	6.3
4	इटली	28.4	27.4	–3.2	5.8
5	यूनाइटेड किंगडम	20.2	19.5	–3.4	4.1
6	जर्मनी	16.7	17.8	6.5	3.7
7	चीन	14.1	16.2	15.1	3.4
8	आस्ट्रिया	12.5	11.4	–8.7	2.4
9	कनाडा	10.2	10.8	5.9	2.3
10	ग्रीस	8.8	9.2	5.0	1.9
11	आस्ट्रेलिया	8.0	8.4	5.3	1.8
12	मेक्सिको	7.2	8.3	14.8	1.7
13	हांगकांग (चाइना)	7.2	7.9	9.4	1.7
14	टर्की	5.2	7.6	46.8	1.6
15	रशियन फेडरेशन	7.5	–		

स्रोत: वर्ल्ड टूरिस्म आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यू टी ओ), अगस्त 2001 तक एकत्रित डाटा

डब्ल्यू टी ओ के दीर्घकालीन अनुमान 2020 पर एक दृष्टि

चार्ट 3

विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यटन अनुमान

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन आगमन (मिलियन)

	आधार वर्ष	अनुमान		औसत वार्षिक विकास दर	बाजार का हिस्सा	
	1995	2010	2020	1995-2020	1995	2020
अफ्रिका	20.2	47.0	77.3	5.5	3.6	5.0
अमेरिकाज	108.9	190.4	282.3	3.9	19.3	18.1
पूर्वी एशिया/प्रशांत क्षेत्र	81.4	195.2	397.2	6.5	14.4	25.4
यूरोप	338.4	527.3	717.0	3.0	59.8	45.9
मध्य पूर्व	12.4	35.9	68.5	7.1	2.2	4.4
दक्षिण एशिया	4.2	10.6	18.8	6.2	0.7	1.2
अंतर्क्षेत्रीय आकलन	464.1	790.9	1,183.3	3.8	82.1	75.8
दीर्घ आकलन (लौंग-हॉल)	101.3	215.5	377.9	5.4	17.9	24.2

स्रोत : वर्ल्ड टूरिज्म आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यू टी ओ) , डब्ल्यू टी ओ के डाटा बेस में जुलाई 2000 तक शामिल डाटा

1. क्षेत्रांतर का मतलब उस पर्यटक आगमन से है जिसमें यात्रा का उद्गम देश स्पष्ट नहीं है।

2. लौंग हाल से मतलब उस आकलन से है जिसमें अंतर क्षेत्रीय आकलन को छोड़ बाकी सब कुछ शामिल है।

▲ पर्यटन के लाभ तथा उससे विश्व विरासत को संभावित खतरे

पर्यटन के बहुत से फायदे हैं। मेजबान देश, शहर और विरासत स्थलों पर पर्यटन द्वारा लोगों को रोजगार उपलब्ध होता है, विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, स्थानीय अवसंरचना में सुधार होते हैं (उदाहरणार्थ मार्ग, संचार उपकरणों, चिकित्सा आदि)। यात्री विश्व के आश्चर्यों की प्रशंसा कर सकते हैं और दूसरे देशों के वातावरण, संस्कृति, मूल्यों, जीवन शैली के बारे में अधिक जान सकते हैं और इस प्रकार वे अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव और एकता को बढ़ावा देते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि हम दूसरों के विषय में जानकर ही अपने आप को अधिक जान सकते हैं।

पर, पर्यटन के दुष्प्रभाव भी हैं, उदाहरणार्थ विश्व विरासत स्थल बोरोबुदुर मंदिर प्रांगणों को लीजिये। इसे देखने के लिये यात्री इंडोनेशिया आते हैं जो कि एक बहुत ही गर्म तथा नमी वाला क्षेत्र है। यात्रियों के आराम को ध्यान में रख यात्री-बसों के ड्राइवर, कभी कभी एयर-कंडीशनर को चालू रखने के लिये बसों के इंजनों को खुला छोड़ देते हैं ताकि जब यात्री स्थल दर्शन कर वापस आयें तो उन्हे ठंडक मिले। पर इसके कारण जो कार्बन-डाइआक्साइड के वाष्प निकलते हैं वे पत्थरों से बने मंदिरों को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

बोरबुदूर मंदिरों के प्रांगण, इंडोनेशिया © यूनेस्को / ए. वोरोनजोफ

मोटर-गाड़ियों, बसों आदि के बढ़ते यातायात के कारण बहुत से दूसरे विश्व विरासत स्थलों को भी खतरा बना हुआ है। यूनाइटेड किंगडम में स्टोनहेन्ज के पास बनाये गये एक रास्ते ने तो इस स्थल की संपूर्णता को जैसे खण्डित ही कर दिया है। पर यूनेस्को के कहने पर, इजिप्ट प्राधिकरण द्वारा इजिप्ट में पिरामिडों के मैदानों के पास गीजा से दहशूर तक मुख्य मार्ग (हाइवे) बनाने की योजना को रद्द कर दिया गया था।

विश्व विरासत कनवेन्शन 'खतरे में पड़ी विश्व विरासत' इस सूची के संदर्भ में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और पर्यटन विकास योजनाओं के गम्भीर खतरे के बारे में बात करता है। (लेख II, अनुच्छेद 4)।

पर्यटन के अच्छे और बुरे दोनों ही प्रभाव हैं, पर अभी आवश्यकता यह है कि हम पहले को अपनायें और दूसरे को निकाल कर बाहर कर दें।

विद्यार्थियों द्वारा की गई प्रतिज्ञा यूथ फोरम, बर्गन, नोर्वे

स्टानेहेन्ज, एवेबरी तथा संबंधित स्थल © यूनेस्को / ए. लेकोडरे

© यूनेस्को 2002

विद्यार्थी क्रियाकलाप 24

पर्यटन के लाभ तथा उससे विश्व विरासत को संभावित खतरे

उद्देश्य: पर्यटन के लाभ तथा उसके द्वारा विश्व विरासत को संभावित खतरों को भली-भांति समझना

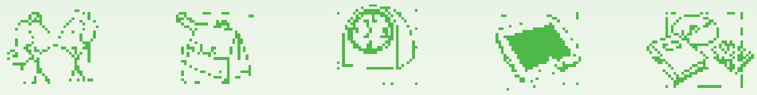

चर्चा | कक्षा क्रियाकलाप | एक कक्षा-घंटा | भाषा, सामाजिक ज्ञान | कागज के दो लंबे पन्ने

✓ कक्षा को दो समूहों में विभाजित करें और एक समूह को किसी स्थानीय या विश्व विरासत स्थल पर पर्यटन द्वारा होने वाले लाभों की सूची बनाने को कहें। दूसरे समूह को विश्व विरासत स्थलों को पर्यटन के द्वारा होने वाले खतरों की सूची बनाने को कहें। दोनों समूहों में से एक-एक विद्यार्थी को सूची का प्रस्तुतीकरण करने को कहें, और चर्चा करें कि किस प्रकार पर्यटन के खतरों को कम किया जा सकता है।

▲ नये प्रकार के पर्यटन की आवश्यकता

पर्यटन विभिन्न संस्कृतियों, जीवन शैलियों और प्राकृतिक वातावरणों को सराहने का एक अच्छा अवसर प्रदान करता है और युवाओं में बौद्धिक विचार-विनिमय को प्रेरित करता है।

पर्यटन द्वारा एक ऐसी सहिष्णुता का मानस प्राप्त हो सकता है जिसमें विश्व सबके लिये विभिन्न होते हुए भी अनुपम है।
राउन्ड टेबल ऑन कल्चर, टूरिस्म एण्ड डेवलपमेन्ट के प्रोसीडिंग्स: इक्कीसवीं सदी के लिये निर्णायक तथ्य, पृ. 7. पेरिस, यूनेस्को, 26-27 जून 1996

पर, पर्यटन के कारण आर्थिक व सामाजिक व्यवस्था का संतुलन बिगड़ भी सकता है यदि स्थानीय जनता के लिये हस्पताल या विद्यालय न बनवाकर, आने वाले पर्यटकों के लिये आवश्यक अवसंरचनाओं (होटल, स्वीमिंग पूल, रेस्तराँ अदि) के निर्माण को प्राथमिकता दी जाती है।

इस समय एक ऐसे पर्यटन की आवश्यकता है जो क्षेत्र के स्थल-वैज्ञानिक धारणीय (इकोलोजिकली ससटेनेबल) विकास को प्रोत्साहन दे और मेजबान देशों को अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने में सहायक हो, और ऐसा तभी हो सकता जब आने वाले पर्यटक उस क्षेत्र की संस्कृति और पर्यावरण को भली प्रकार जानें, उसे सराहें और साथ ही उसकी सुरक्षा का भी ध्यान रखें। इसके लिये आवश्यकता है संस्कृतियों के बीच वास्तविक वार्तालाप, आपसी सद्भाव और एकता की । उदाहरणार्थ यदि किसी देश में पानी की कमी है तो पर्यटक अपने तौलियों चादरों आदि को प्रतिदिन धुलवाये जाने की अपेक्षा न रख कर पानी की बचत कर सकते हैं और मेजबान देश के प्रति अपनी एकता को प्रकट कर सकते हैं।

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत, पर्यटन और स्थल-वैज्ञानिक धारणीय (इकोलोजिकली ससटेनेबल) विकास

पर्यटन, किसी क्षेत्र के स्तारीय तथा धारणीय विकास में सहायक हो सकता है यदि स्थानीय जनता उसमें निष्ठापूर्वक सहयोग दे। विकास योजनाओं की संकल्पनाओं और क्रियान्वयन में स्थानीय लोगों के समामेलन तथा पर्यटन के आधार प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों की दीर्घकालीन सुरक्षा द्वारा यह संभव किया जा सकता है।

'राउन्ड टेबल ऑन कल्चर' के प्रोसिडिंग्स, पर्यटन और विकास : 21वी सदी के लिये निर्णायक तथ्य, पृ. 7. पेरिस, यूनेस्को पब्लिशिंग ऑफिस, 26–27 जून 1996

जन-पर्यटन का स्थलों के रख-रखाव और संरक्षण पर गम्भीर प्रभाव हो सकते हैं, बहुत अधिक संख्या में यात्रियों के आने से सांस्कृतिक स्थल, तथा टूरिस्टों द्वारा विदेशीय प्रजातियों को लगाने, पर्यावरण की दृष्टि से कमजोर समुद्र तटों पर टूरिस्ट रिसोर्ट बनाने और पर्यटकों द्वारा फैलाई गई गंदगी के प्रदूषण आदि के कारण प्राकृतिक स्थल खराब हो सकते हैं। प्रत्येक विरासत स्थल का, विशेषकर विश्व विरासत स्थल का अच्छा प्रबंधन अति आवश्यक है। युवाओं के लिये आवश्यक है कि वे यह जान लें कि उन्हें इस प्रबंधन में किस प्रकार से योगदान देना है, क्योंकि आने वाले कल के सभी निर्णय उन्हें ही लेने हैं।

हम आज इन स्थलों की प्रशंसा कर सकते हैं क्यों कि हमारे पूर्वजों ने इन्हें हमारे लिये सम्भाल कर रखा है, और यह हमारा उत्तरदायित्व है कि हम उन्हें अपने बच्चों के लिये सम्भाल कर रखें ताकि वे भी उन स्थलों की प्रशंसा कर सकें और उनसे प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

विद्यार्थियों के सुझाव, वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, बीजिंग चीन

कोई विश्व विरासत स्थल, प्रभावी प्रबंधन और संरक्षण का एक आदर्श रूप होना चाहिये। पर दुर्भाग्यवश, इन अनुपम स्थलों से की जाने वाली ये अपेक्षायें वर्तमान परिस्थितियों में कभी-कभी सम्भव नहीं हो पाती हैं। कठोर पर्यटन नियंत्रण तथा यात्रियों के पर्यावरण के प्रति सजग होने पर बहुत से स्थलों को पर्यटन के द्वारा इतनी आय प्राप्त हो सकती है कि उसके द्वारा उनकी दीर्घकालीन सुरक्षा की जा सके।

टूरिज्म, इको टूरिज्म, एण्ड प्रोटेक्टेड एरियास, एच सेबेलोस-लासकूरेयर (एडि.),
आई यू सी एन, 1996

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 25

विश्व विरासत और पर्यटन खेल

उद्देश्य: खेल-खेल में स्थल और पर्यटन प्रबंधन से संबंधित तथ्यों को समझना

प्रयोगात्मक क्रियालाप	कक्षा क्रियालाप	तीन कक्षा-घंटे	सामाजिक ज्ञान भूगोल	विश्व विरासत नक्शा, संक्षिप्त विवरण	पासा सिक्के

नियम:

✓ कक्षा को 2 या 4 विद्यार्थियों के समूहों /टीमों में बांटें।

✓ कक्षा के पहले घंटे में प्रत्येक टीम को विश्व विरासत के एक स्थल के बारे में जानकारी दें । (आंकड़े, फोटो,स्थिति, गुणधर्म आदि)। हर टीम अपने स्थल का प्रतिनिधित्तव करेगी। शिक्षकों की मदद से प्रत्येक टीम अपने स्थल के लिये 'एक पर्यटन प्रबंधन योजना' तैयार करेगी।

✓ कक्षा के दूसरे घंटे में विद्यार्थी खेल की शुरुआत कर सकते हैं। प्रत्येक टीम पासा फेंकती है और उसके अनुसार आगे बढ़ती है। जब दोनों टीमें आगे बढ़ चुकी हैं, तो कुछ समय दिया जाता है कि टीमें खेल के वर्गों में जो कुछ लिखा है उसे तैयार कर सके। अगर कोई टीम दिया गया कार्य ठीक प्रकार से नहीं कर पाती तो वह आगे नहीं बढ़ सकती है। जब कोई टीम उस वर्ग में आ गई है जहाँ पोस्टर लिखा है तो उसे समय मिलता है कि वह अपने स्थल को लोकप्रिय बनाने के लिये पोस्टर बनाये। वह पहली टीम जो उसके सभी कार्यो को समाप्त कर और पोस्टर बनाकर 'समाप्त' नामक वर्ग पर पहुंच जाती है विजेता टीम कहलाती है।

तीसरे कक्षा-घंटे में विद्यार्थी टीमों द्वारा दिये गये उत्तरों पर चर्चा करते हैं और अपने पोस्टरों को दिखाते हैं।

विक्टोरिया फाल्स की पार्क संरक्षिकायें दर्शकों और पहले अफ्रीकन क्षेत्रीय विश्व विरासत मंच के विद्यार्थियों को स्थल-दर्शन का प्रशिक्षण देते हुए
© यूनेस्को

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत और पर्यटन खेल

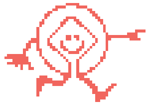

शुरू करें आपके स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल कर लिया गया है दूसरी टीमों को अपन स्थल की पर्यटन प्रबंधन योजना दिखायें 1	पोस्टर 2	पोस्टर 3	साइट पर कोई प्राकृतिक विपदा आ गई है। समझायें कि क्या हुआ था (अपने स्थल की खूबियों को ध्यान मे रख यह बताइयें कि क्या नुकसान हुआ। शुरू पर वापस जायें 4	पोस्टर 5	आपके स्थल पर बहुत कचरा बिखरा हुआ है। इस समस्या के लिये 5 उपाय बतायें 4 वर्ग पीछे जायें 6
पोस्टर 7	पोस्टर 8	पोस्टर 9	आपके स्थल के सूचना केन्द्र की आलोचना की गई है कि उसमें सुविधायें नहीं हैं। आगन्तुकों को एक पत्र लिखें जिसमें उनसे केन्द्र के सुधार के लिये दान देने को कहें। 5 वर्ग पीछे जायें 10	पोस्टर 11	आपके स्थल पर इस बार सबसे अधिक यात्री आये हैं आपके पास जो पैसा एकत्र हुआ है उससे आप स्थल की बहाली करना चाहतेहैं। आप किस चीज को प्राथमिकता देना चाहेंगे और क्यों?बिना बोले चित्र बनाकर स्पष्ट करें। 5 वर्ग आगे जाइये 12
रख-रखाव ठीक न होने से स्थल का एक भाग नीचे गिर गया है। कठिनाइयों की सूची बनायें (कम से कम पाँच) और उनका क्या समाधान हो सकता है यह भी बतायें शुरू पर वापस जायें 13	आपके द्वारा संरक्षण राशि के लिये की गई अपील मंजूर हो गई है। इस अपील को लिखें वे 7 कारण लिखें जिसके लिये आपको फंड की जरूरत है। 5 वर्ग आगे जाइये 14	एक नया टूरिस्ट होटेल बनाया गया है। होटेल का मैनेजर विश्व विरासत संरक्षण का महत्व समझता है। किसी पत्रिका में प्रकाशितकरनेके लिये एक विज्ञापन बनायें 4 वर्ग आगे जायें 15	आइ सी ओ एम ओ एस ने अपने 5 वर्षीय समालोचना में आपके संरक्षण लेखे-जोखे की आलोचना की है। 9 वर्ग वापस जायें 16	पोस्टर 17	आपके स्थल के विषय में राष्ट्रीय दूरदर्शन पर कार्यक्रम दिखाया गया 3 वर्ग आगे जाइये 18
पोस्टर 19	बहुत से पर्यटकों के आने से आपका स्थल काफी उखड़ गया है। आपके स्थल को पर्यटन से 5 फायदे और 5 नुकसान लिखें। 11 वर्ग वापस जायें 20	पोस्टर 21	आपकी होटल की छत में हुए सुराख के कारण आपको होटल बंद करना पड़ेगा 5वर्ग वापस जायें 22	पोस्टर 23	**समाप्त** आपका स्थल बहुत ही अच्छी तरह से सुरक्षित और प्रबंधित है। आपकी प्रबंधन योजना की रिपोर्ट लिखें, आपको क्या कठिनाइयां आईं और आपने क्या हल निकाले यह लिखें। 24

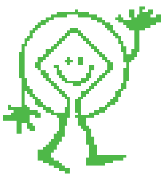

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 26

सम्मान-रहित बनाम सम्मान-पूर्ण पर्यटक

उद्देश्य: एक सम्मान-पूर्ण पर्यटक बनना

भूमिका अभिनय | कक्षा के अंदर या कक्षा के बाहर के क्रियाकलाप | बहुत से कक्षा-घंटे | भाषा, सामाजिक ज्ञान | विश्व विरासत नक्शा संक्षिप्त विवरण, लैमिनेटेड फोटो | भूमिकाओं के गुण

✓ विद्यार्थियों को बुलाकर उनसे एक बुरा-व्यवहार करने वाले पर्यटक की भूमिका करने को कहें, जो स्थलों का सम्मान नहीं करता, इधर उधर कचरा फैलाता है, या फिर स्थल की दीवारों पर लिख कर उन्हें खराब करता है, स्थानीय परंपराओं और रीति-रिवाजों की खिल्ली उड़ाता है और केवल अपने आराम के बारे में सोचता है। एक सम्मान-पूर्ण पर्यटक स्थानीय परंपराओं और संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहता है (स्थल का इतिहास, स्थानीय हस्तकलाओं, कलाकृतियां, संगीत, खाना, कपड़े आदि)। यदि यह नाटक लिख लिया जाता है और अभिनीत किया जाता है आप विद्यार्थियों के साथ निम्न लिखित रूप-रेखाओं के आधार पर चर्चा करें कि इस प्रकार के पर्यटक को एक ऐसे पर्यटक में किस प्रकार बदला जा सकता है जो स्थानीय और विश्व विरासत स्थलों को देखने में रुचि रखता हो और उनकेप्रति सम्मान की दृष्टि रखता हो।

✓ आपके विद्यार्थियों से किसी स्थानीय, राष्ट्रीय या विश्व विरासत स्थल चुनने को कहें जिसके विषय में वे अपने सुझाव दें जिनसे एक ऐसे अभियान की तैयारी की जा सके जिसके द्वारा पर्यटक एक नये रूप में स्थल-दर्शन कर सकें। सुझावों पर चर्चा करें और स्थानीय पर्यटन बोर्ड अथवा विरासत समिति को उन सुझावों के विषय में बतायें।

पर्यटकों के लिये आचारों-व्यवहारों की रूपरेखा

अपनी यात्रा की योजना बनाने के पूर्व पर्यटकों को चाहिये कि वे:

1. अपने गंतव्य स्थान के बारे में अधिक से अधिक जान लें।
2. उन्हीं (एयर लाइन्स,टूर ऑपरेटरों, ट्रेवल एजेन्टों और होटलों) के पास जायें जो पर्यावरण की देख-भाल के प्रति निष्ठा रखते हैं।
3. हो सके तो अपनी यात्रा के लिये वह समय चुनें जब उस स्थान पर कम पर्यटक आने की संभावना हो।
4. कम-लोकप्रिय जगहों पर जायें।

गंतव्य पर जाकर पर्यटकों को चाहिये कि वे:

1. स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का आदर करें।
2. मेजबान समुदायों की गोपनीयता, संस्कृति, आदतों, परंपराओं आदि का ध्यान रखें।
3. स्थानीय वस्तुओं की खरीद और सेवाओं द्वारा स्थानीय अर्थव्यवस्था को सहयोग दें।
4. स्थानीय संरक्षण में सहयोग दें।
5. स्थानीय वातावरण और इसके इकोसिस्टम, वन्य जीवन की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति सजग रहें।
6. सांस्कृतिक स्थलों और स्मारकों को बिगाड़ें नहीं।
7. बिजली, पानी का उपयोग और कचरे का निपटारा सही ढंग से करें।
8. आग से सावधान रहें।
9. फालतू शोर नहीं करें।
10. केवल निर्देशित रास्तों और मार्गों का उपयोग करें।

जनरल बीहेवियरल गाइडलाइन्स फॉर टूरिस्ट्स, इनवाइरोनमेन्टल कोड्स ऑफ कन्डक्ट फॉर टूरिज्म, यूनाइटेड नेशन्स इनवायरोनमेन्ट प्रोग्राम

© यूनेस्को 2002

अधिकाधिक विरासत स्थलों की यात्रा

वर्ष 1978 में पहले बारह विश्व विरासत स्थलों को अंकित किया गया था, वर्ष 1987 तक इनकी संख्या 289 तक पहुंच चुकी थी, और पन्द्रह साल बाद 2002 में इस सूची में 721 स्थल शामिल हैं। प्रत्येक वर्ष विश्व विरासत कमेटी इस सूची में नये स्थलों को शामिल करती है। यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरा में आये युवाओं ने अधिक सेअधिक विरासत स्थल देखने की इच्छा काफी जोर शोर के साथ व्यक्त की थी। पर बहुत से विद्यालय विश्व विरासत स्थलों से बहुत दूर स्थित हैं और उन स्थलों पर जाने के लिये बहुत अधिक धन की आवश्यकता होती है। इसलिये विद्यार्थियों द्वारा यह सुझाव दिया गया कि विद्यार्थियों को निशुल्क या कम खर्च पर आने दिया जाय और स्थानीय व्यापारियों द्वारा विद्यालयों के लिये विश्व विरासत स्थलों पर यात्राओं के आने-जाने का खर्च वहन किया जाय। कई स्थानों पर विद्यालय, विश्व विरासत स्थलों की यात्रा के लिये कई प्रकार की गतिविधियों (केक और मिठाइयों को बेचना, कारों की धुलाई, शुल्क सहित संगीत गोष्ठियों का आयोजन, आदि) द्वारा पैसों की व्यवस्था करते हैं।

विद्यार्थियों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिये सावधानी और विचार पूर्ण तैयारी की आवश्यकता होती है। यह तो सच है कि यात्राओं द्वारा कोई स्थल खराब होता है, पर यात्राओं का आयोजन यदि ठीक प्रकार से किया जाय तो वे युवाओं के मन में इन स्थलों की दीर्घकालीन सुरक्षा और संरक्षण के प्रति निष्ठा उत्पन्न करने में अवश्य ही सहायक हो सकती हैं।

विश्व विरासत संधि

सुकोथाई का ऐतिहासिक नगर तथा संबंधित दूसरे ऐतिहासिक नगर
© पेट्रिमोयने 2001/ पी. एवेनचूरीयर

© यूनेस्को 2002

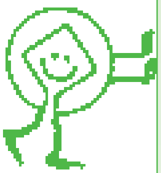

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 27

विरासत स्थलों पर पर्यटन-सुविधाओं का आकलन

उद्देश्य: विरासत स्थलों पर पर्यटन-सुविधाओं के सुधार हेतु स्थलों का विधिपूर्वक निरीक्षण

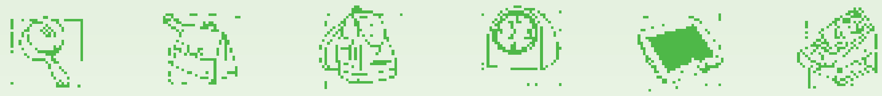

✓ पर्यटकों में लोकप्रिय किसी नजदीकी विरासत स्थल पर यात्रा की योजना बनायें।

✓ विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ने की प्रत्येक विद्यार्थी के लिये एक फोटोकॉपी करवायें।

✓ जिस स्थल पर जाना हैं उसकी जानकारी आप विद्यार्थियों कों दें तथा पन्नों को पूर्णरूप से भरने तथा रिपोर्ट लिखने का महत्व समझायें।

✓ विद्यार्थियों से रिपोर्ट मिलने के बाद, उनके निष्कर्षों को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत कर चर्चा करें कि सुविधाओं में किस प्रकार से सुधार किया जा सकता है।

एक विश्व विरासत स्थल के लिये आवश्यक है कि

स्थल पर आने वाले पर्यटकों की संख्या का लेखा-जोखा रखा जाय ताकि कमजोर क्षेत्रों को नुकसान से बचाया जा सके।

वहां बढ़े-बूढ़ों, बच्चों और विकलांगों के चलने के लिये विशेष रास्ते बनायें जायें।

मुख्य स्थल के ठीक बाहर किसी व्यापारिक क्षेत्र को न आने दें।

विद्यार्थियों के सुझाव, वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, बीजिंग चीन

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थियों से कहें कि वे सुविधाओं के संतोषजनक होने या न होने का आकलन सही स्थान पर क्रॉस का निशान बनाकर करें।

सुविधायें	पर्याप्त	अपर्याप्त	अच्छी	बहुत अच्छी
स्थल के लिये मार्ग दर्शक चिन्ह				
कार पार्किंग				
वाशरूम सुविधा				
सूचना				
प्रदर्शनी				
स्मृति-भेंटों की दुकानें				
कूड़े दान				
सफाई				
गाइड				
खानापीना				
दूसरी सुविधायें				

विरासत स्थल प्रबंधक

प्रिय महोदय/महोदया

आपके स्थल की यात्रा पर मैंने पाया कि .....

❑ पर्यटन-सुविधायें पर्याप्त हैं

❑ स्थल पर दी जाने वाली सुविधायें अपर्याप्त हैं और उनमें अधोलिखित सुधार किये जा सकते हैं:

. . . .

. . . .

. . . .

मैं यह आशा करता हूं कि यह रिपोर्ट आपको भविष्य की योजनाएँ बनाने में सहायक होगी।

भवदीय/भवदीया

नाम | हस्ताक्षर | तिथि

विद्यार्थी अपनी रिपोर्ट पूर्ण करने के पश्चात उन्हें शिक्षकों को दें।

आभासी पर्यटन और विश्व विरासत

आधुनिक प्रौद्योगिकी के द्वारा, किसी विश्व विरासत और दूसरे कई स्थलों को बिना वहां जाये भी देख पाना संभव हो गया है। उदाहरणार्थ, मनोरंजन पार्क और म्यूजियमों जैसे स्थानों में पूरे के पूरे गांवो, या शहर के कुछ हिस्सों को हूबहू निर्मित किया गया है। इंगलैण्ड के योर्क नामक स्थान पर स्थित जोरविक के वाइकिंग विलेज को जमीन के नीचे दोबारा हूबहू बनाया गया है जिसकी यात्रा पर्यटक, स्वचलित छोटी-सी रेलगाड़ी में बैठकर कर सकते हैं। आजकल मनोरंजन-पार्कों के सबसे बड़े आकर्षण केन्द्र तीन आयामों वाले पर्दों पर विशेष प्रभावों के साथ दिखाई जाने वाली 'नकल-यात्रायें' हैं जिसमें लोग मशीनों से जुड़ी एक चलने वाली कुर्सी पर बैठकर विभिन्न स्थानों की यात्रा करतें हैं जिसमें अंतरिक्ष भी शामिल है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के साथ इस प्रकार के पर्यटन के फायदे और नुकसानों पर चर्चा कर सकते हैं, विशेष कर आने वाले भविष्य के संदर्भ में।

मैं एक यात्री हूं। तुम एक आगन्तुक हो। वे पर्यटक हैं।
आइये इस वाक्य के विरोधाभास को समझें: हम सुदूर जंगलों में और सुंदर स्थानों पर यात्रा करना पसंद करते हैं, पर उन्हीं स्थानों पर आये मनुष्यों के झुंड को देखकर हमें एक झटका लगता है जबकि वे भी वही कर रहे हैं जो हम कर रहे हैं । वहां उपस्थित सभी लोग एक सीधे-सादे इरादे से आये हैं- फुर्सत के क्षणों को बिताने। पर एकत्रित रूप में हम उन्हीं स्थानों को चुनौती दे रहे हैं जो हमें बहुत ही प्रिय हैं। वस्तुत: हम कई सुरक्षित स्थानों और नेशनल पार्कों आदि को बहुत अधिक प्यार के द्वारा भी मार सकते हैं।
एडरिन फिलिप्स, आई यू सी एन, 1996

संदर्भ सामग्री की सूची

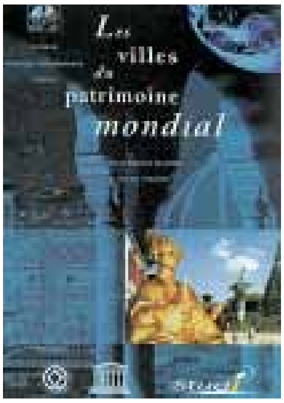

विश्व विरासत पर आजकल बहुत से सीडी-रॉम निकाले जा रहें हैं जिन पर अब विश्व भर के सौ से भी अधिक विश्व विरासत शहरों को देख पाना संभव हो गया है। सीडी रॉम वर्ल्ड हेरिटेज सीटिज, और कम्बोडिया के अंगकोर जैसे स्थलों पर सीडी निकालने के लिये हम यूनेस्को को धन्यवाद दे सकते हैं। अभिकल्पित प्रदर्शनियों और डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू साइट्स के द्वारा भी विद्यार्थी विश्व विरासत स्थलों पर जा सकते हैं। यदि आपके पास इंटरनेट है तो आप यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर वेबसाइट पर जाकर विश्व विरासत सूची में शामिल 721 स्थलों के विषय में जानकारी ले सकते हैं।

विक्टोरिया फाल्स विश्व विरासत युवा मंच के विद्यार्थी जाम्बेजी नदी की यात्रा के दौरान पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का निरीक्षण करते हुए।
© यूनेस्को

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत स्थलों पर पर्यटन-प्रबंधन

विश्व विरासत स्थल संरक्षण के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, स्थल को बिना नुकसान पहुंचाये लोगों को वहां पर आने देना। कुछ स्थल जो अभी तक अपनी सुंदरता को टिकाये हैं और पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं क्यों कि पहले वहां पर पहुंच पाना बहुत ही कठिन था, पर अब वे ही स्थल, टूर आपरेटरों के निशाने पर हैं। और यही कारण है कि प्रत्येक विश्व विरासत स्थल के लिये सही पर्यटक प्रबन्धन की आवश्यकता होती है।

ग्रेट वॉल ऑफ चाइना को विश्व विरासत सूची में 1987 में अंकित किया गया। इस दीवार का कुछ भाग जो बीजिंग में है, को देखने के लिये हर साल अरबों की संख्या में स्थानीय और विदेशी पर्यटक आते हैं, यह भाग ईटों और पत्थरों से बना हुआ है और इसे मिंग राजवंश द्वारा बनाया गया था। पर इस स्थल का अत्यंत प्रेक्षणीय पुरातन भाग जो लगभग 2000 साल पुराना है, गान्सू राज्य के गोबी रेगिस्तान में स्थित है। यह भाग जो नाजुक पदार्थों से निर्मित है, रेगिस्तान की सूखी आबो हवा की वजह से ही अभी भी सुरक्षित है। इन अवशेषों में मिट्टी से निर्मित किले हैं तथा पानी में पायी जाने वाली घासों के तैयार ढेर हैं जिनकी मशालें जलाकर किले को उत्तर से आने वाले अदिवासियों के आक्रमण से बचाया जाता था। ग्रेट वाल के इस भाग को देखने के लिये अभी तक बहुत ही कम पर्यटक आते थे, पर यहां आने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि होने पर इस स्थान के नाजुक अवशेषों को क्षति पहुंचने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता।

ते वाहीपौनामू, न्यूजीलैण्ड का एक विश्व विरासत प्राकृतिक स्थल है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता अभी तक टिकी हुई है, न्यूजीलैण्ड के बहुत से देशों से बहुत दूर स्थित होने के कारण इस स्थल की अनुपम और मूल्यवान जैव-विविधता का संरक्षण अभी तक संभव हो पाया है। पर पर्यटन तथा यातायात के विकास के कारण बहुत से पर्यटक न्यूजीलैण्ड जैसी जगह पर भी पहुंच गये हैं। पर्यटकों को वहां तक पहुंचने के लिये दो शहर, हास्त और मिलफोर्ड को आपस में जोड़ता हुआ एक राजमार्ग (हाइवे) जो इस स्थल के अंदर से जायेगा को बनाने की योजना वर्तमान वर्षों में बहुत ही चर्चा का विषय बनी हुई है। इस योजना के फायदे और नुकसान के बारे में विद्यार्थी क्रियाकलाप 28 में चर्चा की जायेगी।

तेवाहीपोनामू, न्यूजीलैण्ड
© यूनेस्को / एफ. डोन्डाऊ

विश्व विरासत नक्शा

विश्व विरासत और पर्यावरण

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 28

एक प्राकृतिक विश्व विरासत स्थल के बीच में से गुजरते हुए एक राजमार्ग (हाईवे) का बनना

उद्देश्य: विकास, पर्यटन, और विश्व विरासत स्थल के संदर्भ में अलग-अलग दृष्टिकोणों और विचारों को समझना

भूमिका अभिनय | कक्षा क्रियाकलाप | कक्षा के बाहर का क्रियाकलाप | बहुत से कक्षा घंटे | भूगोल, गणित, विज्ञान | विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना एक प्राकृतिक विश्व विरासत स्थल के बीच में से गुजरता हुआ (हाई वे) बनाना संक्षिप्त विवरण विश्व विरासत नक्शा

✓ कक्षा को पांच समूहों में बांटें और प्रत्येक समूह को एक विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना दें। विद्यार्थियों को प्रत्येक वक्तव्य को उसके सही किरदार/पात्र के साथ जोड़ने को कहें। उसके बाद प्रत्येक समूह और किरदारों को 1-5 तक कोई नम्बर दें। उसके बाद प्रत्येक समूह को उस वक्तव्य को और आगे बढ़ाने को कहें जिसके लिये वे जिम्मेदार हैं।

✓ समूहों को अपने-अपने वक्तव्य को बढ़ाने के लिये काफी समय दिये जाने के बाद, प्रत्येक समूह एक प्रतिनिधि को चुनेगा जो कक्षा में आयोजित एक खुली वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेगा और अपने किरदार के पक्ष में बोलेगा। प्रत्येक समूह में से एक विद्यार्थी ज्यूरी का सदस्य बनेगा जो वाद-विवाद के बाद यह निर्णय लेगी कि रास्ता बनेगा या नहीं। निर्णय पर चर्चा करें।

© यूनेस्को 2002

1. एक पुरातन प्राकृतिक स्थान की विरानियों से गुजरता हुआ एक शहरी रास्ता किसी पवित्र स्थान के लिये किसी भयानक खतरे से कम नहीं और न्यूजीलेंड को ऐसे रास्तों की जरूरत भी नहीं, इनके बनने से केवल पर्यटकों के आने के तरीके ही बदलेंगे, क्योंकि रास्ते न होने पर भी वे तो आयेंगे ही; और न ही हमें अधिक पर्यटकों की आवश्यकता है। यह रास्ता केवल पैसा बटोरने के लिये बनाया जा रहा है और यह नहीं हो पायेगा।

डायरेक्टर, फॉरेस्ट एण्ड बर्ड प्रोटेक्शन सोसायटी

2. हमारे समुद्र तटों पर पर्यटन बढ़ाने के लिये इससे अच्छा दूसरा और कोई रास्ता नहीं। हमने जो कुछ भी खोया है उसे इस रास्ते की वजह से दोबारा पा लेंगे। अगर मिलफोर्ड जाने वाली बसों का केवल 10 प्रति शत यातायात भी पश्चिमी तटों पर आता है तो यह हमारे पर्यटन उद्योग को दो गुना बढ़ा देगा।

जनरल मैनेजर, वेस्टलैण्ड कंट्री काउन्सिल

3. वादियों के अंदर से गुजरता हुआ यह रास्ता, इस दलदली जगह के नाजुक इकोसिस्टम को हिला कर रख देगा और पहाड़ियों के नीचे बनाया गया रास्ता, इस स्थान की प्राकृतिक सुंदरता की संपूर्णता में बाधक होगा।

फोरेस्ट सर्विस रेन्जर

4. यहां के प्राकृतिक परिदृश्यों की सुंदरता अप्रतिम है। यह मार्ग न्यूजीलैण्ड पर्यटन और विश्व पर्यटन के नये आयाम स्थापित करेगा। और इन सभी दृश्यों को केवल कार के अंदर बैठ कर हास्त और मिलफोर्ड के बीच के इस रास्ते पर से गुजरते हुए ही देखा जायेगा।

ट्रान्सपोर्ट मिनिस्टर

5. अगर हम एक संतुलित दृष्टि से देखें तो हमें इस योजना में कोई हानि नहीं दिखाई देती, व्यावहारिक तौर पर इसके लिये देश को कुछ अधिक खर्च नहीं करना पड़ेगा। इससे पर्यटन और दक्षिण के बंजर भूमि तथा फायोर्डलैण्ड में रहने वाले समुदायों को फायदा होगा जो अपनी आजीविका इन स्थानों से प्राप्त करते हैं।

ओटेगो डेली टाइम्स, न्यूजपेपर एडिटर

स्रोत : ग्रेमोन्थ हाई स्कूल न्यूजीलैण्ड

एक प्राकृतिक विश्व विरासत स्थल के बीच में से गुजरता हुए एक मुख्य मार्ग (हाईवे) का बनना

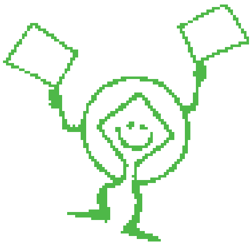

पाठ्यक्रम पर एक दृष्टि: विश्व विरासत और पर्यटन

कला

अभिकल्पना: किसी स्थल पर यात्रियों को आकर्षित करने के लिये - अभियान जिसमें पोस्टर हों
अभिकल्पना: हो सके तो स्थल पर्यटन सूचना पत्रिकायें बनायें
चित्र बनाना: किसी स्थल का चित्र बनाना: स्थल पर बनाये गये स्केच के आधार पर एबस्ट्रेक्ट डिजाइन या कपड़ों के डिजाइन बनाना
अभिकल्पना: स्थानीय/ क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ विश्व विरासत स्थलों के संरक्षण की आवश्यकता पर एक पोस्टर; विरासत की पूर्व छवि पर अनुसंधान, यह छवि बनने के कारण पर्यटन की स्थिति में बदलाव आया या नहीं

भूगोल/इतिहास

चर्चा: कोई स्थल, बहुत दिनों से पर्यटन का गंतव्य स्थान क्यों था (या क्यों नहीं था)
चर्चा: क्या स्थल का इतिहास स्थानीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या वैश्विक दृष्टि से विषय-संगत है
सुझाव: पर्यटकों के लिये स्थल के इतिहास को जीवंत रूप से प्रस्तुत करने हेतु सुझाव देना
अध्ययन: यात्रियों के आने से स्थलों पर जमीन आदि के उखड़ने का अध्ययन करना और इससे बचने के उपायों पर चर्चा करना जैसे कि दूसरे मार्गों को बनना आदि

इंटरनेट

खोज: 'वर्ल्ड हेरिटेज' और 'टूरिज्म' इन शब्दों की मदद से विशिष्ट क्षेत्रों और देशों के संदर्भ में और सूचना एकत्रित करना

भाषा/साहित्य

लिखें: पर्यटकों के लियें सूचना पत्रिकायें: साधारण जनता, विकलांग यात्री, बाहर के देशों से आने वाले यात्री, युवाओं के लिये, आदि
लिखें: स्थल के लिये नारों के माध्यम से विज्ञापन
लिखें: स्थल के विषय में लिखना और किसी स्थल की यात्रा की ऑडियो टेप बनाना
वाद विवाद: भूमिका अभिनय द्वारा विरासत स्थलों के मूल्य और पर्यटन के लिये खतरों को प्रस्तुत करना
अनुवाद: स्थल पर उपलब्ध सूचनाओं का दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना
अध्ययन: स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और विश्व विरासत स्थलों पर उपलब्ध सभी विज्ञापन पत्रिकाओं का अध्ययन करना
अनुसंधान: किसी क्षेत्र से संबंधित जानकारी को उपन्यास और कहानियों आदि में खोजना और किसी साहित्यिक आलेखों को किस प्रकार से इनफोरमेशन ब्रॉशरों या पर्यटकों के लिये बनायी जाने वाली पत्रिकाओं में शामिल किया जाय इस पर चर्चा करना

गणित

उपयोग: ग्राफ, पाई चार्टों या आंकड़ों द्वारा पर्यटक रुझानों को प्रस्तुत करना और उन के द्वारा विश्व विरासत स्थलों पर होने वाले प्रभावों पर चर्चा करना, यात्रियों द्वारा भरवाये गये प्रश्न-प्रपत्रों (क्वश्चनेयर)के आधार पर स्थलों का आकलन करना और लेखा-जोखा तैयार करना

सामाजिक ज्ञान

सर्वेक्षण: प्रश्न-प्रपत्रों केद्वारा किसी स्थल का सर्वेक्षण करना
भेंट (इंटरव्यू): स्थल प्रबंधकों की भेंट द्वारा विरासत स्थलों के संरक्षण पर पर्यटन के अच्छे या फिर कम अच्छे प्रभावों के बारे में पता लगाना

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत और पर्यावरण

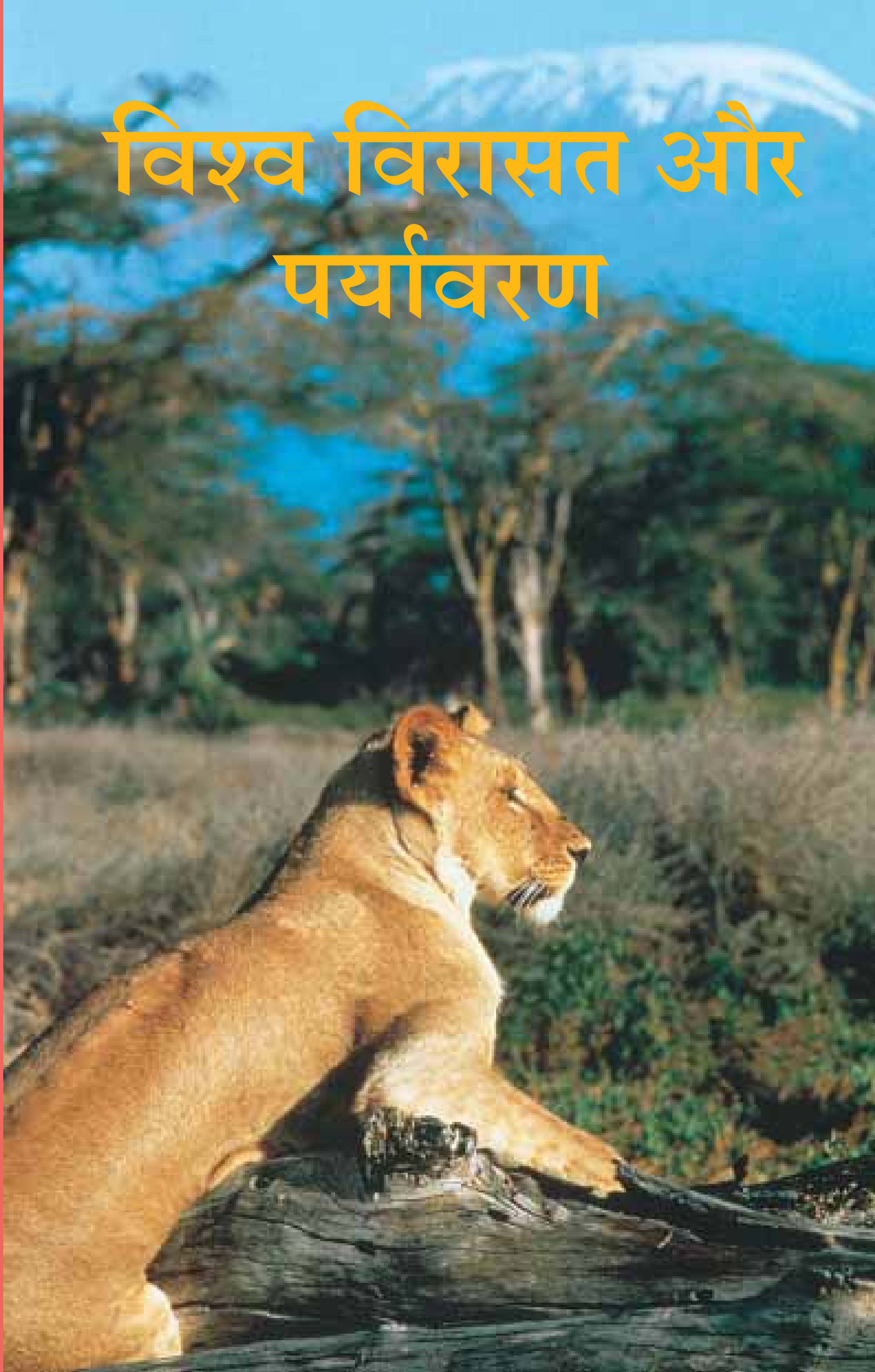

किलीमन्‍जारो नेशनल पार्क, तन्जानिया संयुक्त गणराज्य। © यूनेस्को/एम. बेटिस्से

'प्रकृति का निर्वचन बहुत से रूपों में किया जा सकता है- वैज्ञानिक व्यापार के आधार के रूप में, एक संसाधन के रूप में; उस दृश्य के रूप में जिसे हम इसे देख सकते हैं, अनुभव कर सकते हैं और उसका आनंद ले सकते हैं; या फिर एक कलात्मक प्रेरणा के रूप में।'

राष्ट्रपति नेलसन मन्डेला, अक्तूबर 1994

विश्व विरासत और पर्यावरण

पृष्ठ

उद्देश्य 125

ज्ञान 125
मानसिकता 125
योग्यता 125

युवावर्ग और विश्व विरासत संरक्षण 126

विद्यार्थी क्रियाकलाप 29 इकोसिस्टम (जैविक प्रणालियां) और भूमि के प्रकार 127

अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण 127

विद्यार्थी क्रियाकलाप 30 पर्यावरण का बिगड़ना 129

विश्व विरासत के संरक्षण द्वारा जैव-विविधता का संरक्षण 132

विद्यार्थी क्रियाकलाप 31: जैव-विविधता पर दबाव 133
सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक विविधता 133
प्रजातियों की उत्पत्ति और नाश 134
वेल्ले डे मे नेचर रिजर्व, सेशेल्स 135
मानस वाईल्ड लाइफ सेन्कचूरी / मानस वन्य जीवन अभयारण्य 136
ते वाहिपुनामु, न्यूजीलैण्ड 136
विद्यार्थी क्रियाकलाप 32: गोन्डवाना लैण्ड के टुकड़ों की पहेली 138
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना: गोन्डवाना लैण्ड के टुकड़ों की पहेली 139
विद्यार्थी क्रियाकलाप 33: विश्व विरासत प्राकृतिक स्थलों और संबधित मानदंडों की जोड़ी बनाना 140

स्थलवैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से धारणीय (टिकाऊ) विकास 140

बान्क डे' अरग्यूइन नेशनल पार्क, मॉरीटेनिया 141
विद्यार्थी क्रियाकलाप 34 : पर्यावरण की सुरक्षा 142
विद्यार्थी क्रियाकलाप 35: स्थलवैज्ञानिक दृष्टि से धारणीय विकास 142
धारणीय विकास के लिये स्थानीय सहयोग 143
विद्यार्थी क्रियाकलाप 36: विरासत पद-यात्रा 143

हमारे पृथ्वी ग्रह का भविष्य 144

पाठ्यक्रम पर एक दृष्टि
विश्व विरासत और पर्यावरण 145

उद्देश्य

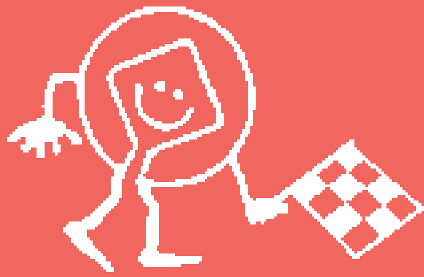

ज्ञान

सहायता विद्यार्थियों को निम्नलिखित विषयों को जानने और समझने में सहायता करना

- प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यावरण और लोगों उनके पर्यावरण के बीच होने वाली अंतर्क्रियाएँ
- जैव विविधता तथा खतरे में पड़ी प्रजातियों के संरक्षण के लिये विश्व विरासत स्थलों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित किये जाने की आवश्यकता
- विश्व विरासत कन्वेन्शन, सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण कार्य के एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में।

मानसिकता

प्रेरणा विद्यार्थियों को निम्नलिखित की प्रेरणा देना:

- संरक्षण के प्रति निष्ठा और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व की
- अपनी इस पृथ्वी पर के जीवन की धारा को ऐसे धारणीय (टिकाऊ) विकास की दिशा में ले जाने में जिसमें प्रजातियों तथा जैव-प्रणालियों की विविधता (जैव विविधता) की सुरक्षा निहित हो और आने वाली पीढ़ियां आश्वस्त हों कि उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

योग्यता

सहायता विद्यार्थियों की सहायता करें कि वे इस योग्य बनें कि :

- वे पर्यावरण की सुरक्षा विशेषकर विश्व विरासत संरक्षण में सहयोग दे सकें
- वे आनेवाली पीढ़ियों तथा लोगों के स्वास्थ्य के लिये स्थलवैज्ञानिक दृष्टि से धारणीय विकास में सहयोगी हों
- वे विश्व विरासत संरक्षण का नेतृत्व कर सकें।

युवा वर्ग तथा विश्व विरासत संरक्षण

विश्व विरासत संरक्षण, पर्यावरण, पर्यावरण की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता तथा लोगों और पर्यावरण के बीच चलने वाली अंर्तक्रियाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

पेड़-पौधों और जानवरों की कई प्रजातियों की घटती संख्या तथा उनके इस संसार से लुप्त होने का खतरा और परिणामस्वरूप जैव विविधता का कम होना, आज के युग की सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरण चिन्ता है, और विश्व विरासत संरक्षण इन चिन्ताओं के संबोधन और समाधान खोजने में सहायक सिद्ध हुआ है। विश्व विरासत संरक्षण का स्थलवैज्ञानिक धारणीय विकास (इकोलोजिकल ससटेनेबल डेवलपमेन्ट) की अंतर्राष्ट्रीय संकल्पना के साथ प्रासंगिकता से जुड़ा होना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि किसी विश्व विरासत स्थल के सुरक्षित क्षेत्र घोषित होने और वहां के स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं और आर्थिक निर्वाह के लिये संसाधनों की आपूर्ति के बीच संतुलन का होना।

और यही कारण है कि कनवेन्शन पर्यावरण की सुरक्षा की ओर एक ऐसी संपूर्ण दृष्टि से देख पाता है जिसमें किसी स्थल की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता के संरक्षण जैसे सभी आयाम शामिल हैं।

विश्व विरासत सूची में वर्ष 2001 तक शामिल 144 प्राकृतिक स्थलों में, पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों की बहुत सी प्रजातियों, बहुत से इकोसिस्टम (जैव प्रणालियों/पर्यावरण की छोटी ईकाइयों), भूगर्भीय निर्मितियों, स्थल वैज्ञानिक और जीव वैज्ञानिक प्रक्रियायों, प्राकृतिक आवासों के अतिरिक्त अनुपम सुंदरता और सौन्दर्य के स्थानों की सुरक्षा की जा रही है। पूर्ण पृथ्वी (जल और थल) के लगभग 10 प्रतिशत हिस्से में स्थित इन प्राकृतिक स्थानों की पूर्ण देख-भाल हो रही है और उन्हें आरक्षित स्थल (प्रोटेक्टेड एरिया) घोषित कर दिया गया है।

यदि हम यह चाहते हैं कि युवा वर्ग पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें तो उन्हें पर्यावरण से संबंधित सभी मुद्दों और चुनौतियों से अवगत करवाने और उनके अनुसार कार्य कर सकने के योग्य बनाना आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे विश्व विरासत कनवेन्शन को जानकर युवावर्ग यह कार्य कर सकता है। किट के इस विभाग में पर्यावरण संरक्षण के कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे और विश्व विरासत संरक्षण में उनके महत्व के विषय में बताया गया है।

ग्रेमाऊथ हाई स्कूल के विद्यार्थी दक्षिणपश्चिमी न्यूजीलैण्ड में ते वाही पोनामू स्थल के ग्लेशियरों को देखते हुए।
© यूनेस्को

विश्व विरासत संधि

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 29

इकोसिस्टम (जैव प्रणालियाँ/पर्यावरण की इकाइयाँ) और भूमि के प्रकार

उद्देश्य: विश्व विरासत प्राकृतिक स्थलों और पर्यावरण की विभिन्न इकाइयों के बारे में जानना

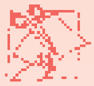
प्रायोगिक क्रियाकलाप

कक्षा-क्रियाकलाप

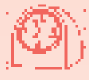
दो कक्षा घंटे

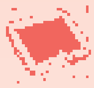
भूगोल, विज्ञान

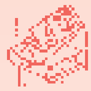
विश्व विरासत नक्शा संक्षिप्त विवरण

✓ आपके इलाके की पर्यावरण की इकाइयों और भूमि के अलग-अलग प्रकारों के विषय में जानें। उनके मुख्य गुणधर्म या लक्षण क्या हैं (क्या आपके इलाके में कोई दलदली स्थान है, नम या तर भूमि या कोई झील है) इन स्थानों पर पेड़-पौधों और जानवरों की कौन-कौन सी प्रजातियां (नम भूमि में रहने वाले जलीय पक्षी) रहती हैं?

✓ अपने विद्यार्थियों को संक्षिप्त विवरण को ध्यान से देखने के लिये कहें और उसमें से 20 विश्व विरासत प्राकृतिक स्थलों को चुनकर उन्हें निम्न तीन श्रेणियों में रखने के लिये कहें :

- जगंल
- समुद्र तट
- पर्वतीय क्षेत्र

✓ विद्यार्थियों की खोजों पर चर्चा करें और उन्हें उनके देश के कुछ स्थलों को चुनकर उपरोक्त तीन श्रेणियों में रखने को कहें।

✓ विद्यार्थियों से कहें कि वे विश्व विरासत सूची में से निम्न प्रकारों के उदाहरण पहचानें:

- कोरल रीफ
- जंगल
- द्वीप
- रेगिस्तान/मरुभूमि
- आर्द्र भूमि

और उनके उत्तरों पर चर्चा करें।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण

हमारे बिगड़ते पर्यावरण - वायु, भूमि और पानी के प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग (पृथ्वी का गर्म होना), ओजोन की परत में छेद होना, प्राकृतिक और अनावर्ती (नॉन रिन्यूबल) संसाधनों का घटना, प्रजातियों का लुप्त होना, जैवविविधता कम होना आदि को देखते हुए हमें शीघ्रता से साथ कुछ कदम उठाना अति आवश्यक हो गया है जिससे कि हो चुके नुकसान की भरपाई हो सके, प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता का संरक्षण हो सके और वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों का धारणीय विकास संभव हो सके।

© यूनेस्को 2002

संपर्क पते

विश्व विरासत संरक्षण, विशेषतया प्राकृतिक विश्व विरासतों का संरक्षण, पर्यावरण के सुधार और उसकी सुरक्षा में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। विश्व विरासत समझौते के अलावा, और भी दूसरी कई संधियाँ हैं जो पर्यावरण के संरक्षण से संबंधित हैं। इन दूसरी संधियों और उनके सचिवालयों के बारे में अधिक जानकारी, यूनेस्को की वेब साइट http://unesco.org/whc से प्राप्त की जा सकती है।

सितम्बर 1972 को स्टॉकहोम, स्वीडन में पर्यावरण पर हुई यूनाइटेड नेशन्स की वर्ल्ड कान्फ्रेंस की पहली सभा के तुरंत दो महीने बाद विश्व विरासत कनवेन्शन पर भी हस्ताक्षर किये गये थे। स्टॉकहोम की उस कान्फ्रेंस के ठीक बीस साल बाद, जून 1992 में, विश्व के सभी बड़े नेता, रिओ डे जेनीयरो (ब्राजील) में हुई यूएन की पर्यावरण और विकास कान्फ्रेंस में एकत्रित हुए थे। यह कान्फ्रेंस जिसे 'अर्थ समिट' के नाम से जाना जाता है, तेजी से बिगड़ते हुए प्राकृतिक वातावरण की स्थिति के आकलन तथा उसके सुधार की सही कूटनीतियों को खोजने के उद्देश्य से बुलाई गई थी। इस समिट में एजेन्डा 21, का अनुमोदन किया गया था, जिसमें हमारी पृथ्वी को बचाने के लिये कुछ सुझाव दिये गये थे, इस एजेन्डा के अध्याय (चेप्टर) 36 में, युवाओं के शिक्षण का उपयोग एक साधन के रूप में किये जाने का मुख्य प्रस्ताव रखा गया था।

इसके साथ ही 181 देशों और यूरोपियन समुदायों ने *कन्वेन्शन ऑन बायोलोजिकल डाइवर्सिटी* पर हस्ताक्षर किये जो जैवविविधता के संरक्षण के लिये संगठित प्रयासों को संबोधित करती है। इसके अतिरिक्त दो और अंतर्राष्ट्रीय कनवेन्शन तथा रिओ अर्थ समिट में जंगलों के संरक्षण पर दिया गया वक्तव्य, पर्यावरण की सुरक्षा के कुछ अन्य प्रयास हैं।

कनवेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज 21 मार्च 1994 से लागू किया गया जिसे 186 देशों ने अनुमोदित किया। इस कन्वेन्शन का मुख्य उद्देश्य ग्रीन हाऊस गैसों की बढ़ती हुई सांद्रता को स्थिर करना और ग्लोबल वार्मिंग को रोकना है।

यूनाइटेड नेशन्स कन्वेन्शन टू कम्बैट डेसरटिफिकेशन इन दोज कन्ट्रीज एक्सपियरिंग सिरियस ड्राऊट एण्ड / ऑर डेसरटिफिकेशन, पर्टिकुलरली इन अफ्रीका, को 26 दिसम्बर 1996 में लागू किया गया। इसका उद्देश्य मानवता को त्रस्त करने वाली स्थलवैज्ञानिक आपदाओं जैसे कि सूखा पड़ने और मरुस्थलों के बढ़ने की घटनाओं को दूर करना है।

ट नॉन-लिगली बाइन्डिंग ऑथोरिटेटिव स्टेटमेन्ट ऑफ प्रिन्सिपल्स फॉर ए जनरल कानसेन्सस ऑन मेंनेजमेन्ट, कन्सर्वेशन एण्ड ससटेनेबल डेवलपमेन्ट ऑफ ऑल टाईप्स ऑफ फोरेस्ट को भी रियो अर्थ समिट में अपनाया गया था। इसका उद्देश्य सभी देशों के द्वारा विश्व को पुन: हरा भरा बनाने के लिये प्रेरित करना है जो वन्यारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों के द्वारा संभव है।

इसके अतिरिक्त, *कन्वेन्शन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन इनडेन्जरर्ड स्पिशिज ऑफ वाइल्ड फॉना एण्ड फ्लोरा* (सीआईटीईएस) को 1975 में अपनाया गया था। सीआईटीईएस विश्व भर में पेड़-पौधों और जानवरों लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर नियंत्रण रखता है। सीआईटीईएस ने इन लुप्तप्राय प्रजातियों के किसी भी वन्य-नमूने (वाइल्ड स्पेसिमन) के व्यापार पर रोक लगा दी है।

वर्ष 1971 के *रामसर कनवेन्शन ऑन वेटलैण्ड ऑफ इंटरनेशनल इम्पारटेन्स,* (जिसे साधारणतया *रामसर कनवेन्शन ऑन वेटलैण्ड* के नाम से जाना जाता है) विभिन्न सरकारों के बीच हुई वह सन्धि है जो वेटलैण्ड्स और उनके संसाधनों के संरक्षण और विवेक पूर्ण उपयोग के लिये अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की एक रूपरेखा प्रस्तुत करती है।

इचकूइल नेशनल पार्क, ट्यूनिशिया
© इनकेफ्रा

© यूनेस्को 2002

इस समय लगभग 1,094 वेटलैण्ड्स (तर भूमि के स्थल) हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 87 मिलियन हेक्टेयर है, जिन्हे रामसर लिस्ट ऑफ वेटलैण्ड्स ऑफ इंटरनेशनल इम्पोरटेन्स में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया है।

जिन 25 स्थलों को रामसर लिस्ट ऑफ वेटलैण्ड्स ऑफ इंटरनेशनल इम्पोरटेन्स में शामिल किया गया है वे विश्व विरासत स्थल भी हैं। ये स्थल हैं:

अल्जीरिया	ला वेल्ल'इ ड'लहेरिर (यह विश्व विरासत स्थल तस्सिली न'अज्जेर से संबधित है)
आस्ट्रेलिया	ग्रेट सेन्डी स्ट्रेट (यह विश्व विरासत स्थल फ्रेजर आयलेन्ड से संबंधित है)
	ककाडू नेशनल पार्क
बंगलादेश	सुंदरबन
बलजेरिया	स्रेबारना नेचर रिजर्व
कनाडा	पीस-अथाबासका डेल्टा
	व्हूपींग क्रेन समर रेन्ज (ये दोनों विश्व विरासत स्थल वूड बफेलो नेशनल पार्क के हिस्से हैं)
कोस्टा रिका	कोकोस आइलेन्ड नेशनल
डेमोक्रेटिक रिप. ऑफ द कोन्गो	विरुन्गा नेशनल पार्क
फ्रान्स	मोन्ट-सेन्ट मिचेल एन्ड इट्स बे
हंगरी/स्लोवाक रिपब्लिक	एगतेलॅक कार्स्ट और स्लोवाक कार्स्ट की गुफायें
हंगरी	होरटोबे'गी नेशनल पार्क
इंडिया	किओलेडियो नेशनल पार्क
लेबेनान	टायरे
मॉरीटेनिया	बान्क ड' अरग्यूइन नेशनल पार्क
नाइजेर	नाइजेर का 'डब्ल्यू' नेशनल पार्क
फिलीप्पाइन्स	टूब्बातहा रीफ मेराइन पार्क
रोमानिया	डान्यूबे डेल्टा
रशियन फेडरेशन	सेलेन्गा डेल्टा (विश्व विरासत स्थल लेक बेइकल का हिस्सा)
सेनेगल	दूजोउ नेशनल बर्ड सेंक्च्युरी
स्लोवेनिया	स्कोकजन गुफायें
स्पेन	डोनाना नेशनल पार्क
स्वीडन	स्जाउन्जा (विश्व विरासत स्थल द लेपोनियन एरिया का एक हिस्सा)
ट्यूनिशिया	इशकूइल नेशनल पार्क
यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका	एवरग्लेडेस नेशनल पार्क

निगेर का डबल्यू नेशनल पार्क
© यूनेस्को

लेक बेकेल, रशियन फेडरेशन
© यूनेस्को

इसके अतिरिक्त, यूनेस्को का 'मेन एन्ड बायोस्फियर प्रोग्राम' (एम ए बी), पर्यावरण और विकास के मुद्दों के बीच के विवादों का हल खोजने के लिये कार्य करता है जिनमें प्राकृतिक संसाधन, लोगों की गतिविधियों का पर्यावरण पर प्रभाव और समाज का इन बदलावों पर प्रतिक्रियाओं का अध्ययन आदि शामिल हैं। बायोस्फियर रिजर्व जैव-विविधता के संरक्षण में सहायता करते हैं, पर्यावरण की इकाइयों को स्वस्थ रखते हैं, भूमि-उपयोग के परंपरागत तरीकों को सीखने में हमारी सहायता करते हैं, प्रकृति संसाधनों के धारणीय (टिकाऊ) प्रबन्धन पर सूचना का प्रसार करते है और प्राकृतिक संसाधनों के संकट निवारण में सहायक होते हैं।

© यूनेस्को 2002

▲ दूसरे कन्वेन्शनों के लिये वेब साइट

▶ प्राकृतिक विरासत

कन्वेन्शन ऑन बायोलोजिकल डाइवर्सिटी	http://www.biodiv.org
कन्वेन्शन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन इनडेन्जर्ड स्पीशीज	http://www.cites.org
कन्वेन्शन ऑन माइग्रेटरी स्पिशिज	http://www.unnep-wcmc.org/cms
रामसर कन्वेन्शन ऑन वेटलेन्डस	http://www.ramsar.org
यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेन्शन ऑन क्लाइमेटिक चेंज	http://www.unfcc.de
यूनाइटेड कन्वेन्शन टू कम्बाट डेसरटिफिकेशन	http://www.uccd.int

▶ सांस्कृतिक विरासत

प्रोटक्शन ऑफ कल्चरल प्रोपट्री इन द इवेन्ट ऑफ आर्मड कनफ्लिक्ट
http://www.unesco.org/culture/legalprotection/war/html_eng/index_en.shtml

प्रिवेन्शन ऑफ इल्लिसिट इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट एन्ड ट्रान्सफर ऑफ ओनरशिप ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी
http://www.unesco.org/culture/legalprotection/theft/html_eng/index_en.shtml

ड्राफ्ट कनवेन्शन ऑन द प्रोटेक्शन ऑफ अन्डरवाटर कल्चरल हेरिटेज
http://www.unesco.org/culture/legalprotection/water/html_eng/index_en.shtml

यूनीड्रोइट कनवेन्शन ऑन स्टोलेन ऑर इल्लिगली एक्सपोर्टेड कल्चरल ऑबजेक्ट्स
http://www.unidroit.org/english/conventions/c-cult.htm

दूसरे कल्चरल हेरिटेज कनवेन्शन
http://www.fletcher.tufts.edu/multi/cultural.html

▶ यूरोप के सांस्कृतिक उपकरण

मेम्बर कन्ट्रीज ऑन काऊन्सिल ऑफ यूरोप के सदस्यों ने भी कुछ अंतर्राष्ट्रीय कानूनी समझौते किये हैं। ये हैं:

यूरोपियन कल्चरल कन्वेन्शन
http://conventions.coe.int/Treaty/en/Treaties/Html/0.18.htm

यूरोपियन कन्वेन्शन आन द प्रोटेक्शन ऑफ आरकीओलोजिकल हेरिटेज
http://conventions.coe.int/Treaty/en/Treaties/Html/0.66.htm

कन्वेन्शन फॉर द प्रोटक्शन ऑफ आर्किटेक्चरल हेरिटेज ऑफ हेरिटेज
http://conventions.coeint/Treaty/en/Treaties/Html/121.htm

यूरोपियन कन्वेन्शन आन द प्रोटेक्शन ऑफ आर्ची ओलोजिकल हेरिटेज (संशोधित)
http://conventions.coe.int/Treaty/en/Treaties/Html/143.htm

यूरोपियन लेन्डस्केप कन्वेन्शन
http:// www.nature/coe.int/english/main/landscape/conv.htm

काऊन्सिल ऑफ यूरोप के दूसरे समझौते की पूर्ण सूची आप नीचे दिये गये पते पर पा सकते हैं
http://conventions.coe.int/Treaty/EN/CadreListeTraites/htm

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 30

पर्यावरण का बिगड़ना

उद्देश्य: अपने देश के वर्तमान तथा संभावी पर्यावरण मुद्दों की पहचान तथा उनका विश्व विरासत प्राकृतिक विरासत स्थलों से संबंध को जानना

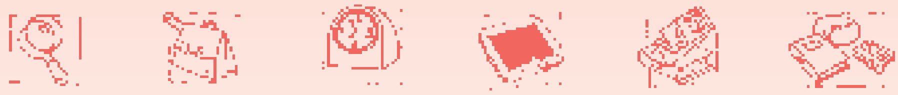

✓ विद्यार्थियों से कहें कि वे अपने देश या क्षेत्र के पर्यावरण मुद्दों तथा संभावी समस्याओं की सूची बनायें (जैसे कि, भू-क्षरण या मृदा कटाव, मौसम का बदलना, समुद्र सतह का ऊपर उठना, वनरोपण आदि)। उनसे पूछें कि क्या वे किसी स्थानीय, राष्ट्रीय या क्षेत्रीय विश्व विरासत स्थल के बारे में जानते हैं जिसे उपरोक्त समस्याओं से खतरा हो सकता है।

✓ क्या आपके देश या क्षेत्र के कुछ पर्यावरण समस्याओं के समाधान खोज लिये गये हैं या उन्हें सुधार लिया गया है? यह कैसे सम्भव हुआ? स्थानीय कार्यवाही द्वारा अथवा अंतर्राष्ट्रीय कार्यवाही के द्वारा?

✓ विद्यार्थियों से कहें कि वे एक सप्ताह तक समाचार पत्रों से पर्यावरण संबंधी लेखों को काट कर रखें और निष्कर्षों पर चर्चा करें।

वैश्विक पर्यावरण तनाव के सूचक

- विश्व की दो-तिहाई से भी अधिक पक्षियों की प्रजातियों में पक्षियों की संख्या घटती जा रही है और उनके अस्तित्व को खतरा है ।

- पिछले 200 वर्षों में विश्व में पक्षियों की प्रजातियों की एक चौथाई प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं।

- मेंढकों की संख्या में कमी हो रही है हालांकि यह पता नहीं चल पा रहा कि ऐसा क्यों हो रहा है।

- कोरल रीफ आकार में घट रहें हैं।

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत संरक्षण के द्वारा जैव विविधता का संरक्षण

जैव विविधता या जैववैज्ञानिक विविधता से अभिप्राय सभी प्रकार के जीवित प्राणियों से है जिनमें विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, सूक्ष्मजीवाणु और उनके जीन्स (आनुवंशिक इकाइयां) और जैविक प्रणालियां शामिल हैं जिनके वे एक भाग हैं।

पृथ्वी की जैव विविधता का संरक्षण एक बहुत ही बड़ा काम है जिसमें पृथ्वी की संपूर्ण जैव-व्यवस्था का संरक्षण निहित है। इसमें जलीय, समुद्रीय और थलीय सभी पर्यावरणों और सूक्ष्म जीवाणुओं का संरक्षण शामिल है।

विश्व विरासत संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण के वैश्विक प्रयासों का एक महत्वपूर्ण घटक है और यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगठित होकर किये गये कार्य पर निर्भर है।

ओकापी वाइल्डलाइफ रिजर्व, कांगो प्रजातांत्रिक गणराज्य का एक स्थल है जिसे विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया था क्योंकि वह विश्व के अत्यंत महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवासों मे से एक हैं जहां जैव विविधता का स्व-स्थानीय (इन सिटू) संरक्षण किया जा रहा है। जैव विविधता के इस संरक्षण में कुछ ऐसी प्रजातियों का भी समावेश है जिनके अस्तित्व को खतरा है। इस आरक्षित क्षेत्र में पक्षियों और वनमानुषों की खतरे में पड़ी कई प्रजातियां, और पूरे विश्व के कुल 30,000 जीवित बचे ओकापियों में से 5,000 ओकापी रहते हैं।

ओकापी वाइल्डलाइफ रिजर्व, कान्गो प्रजातांत्रिक गणराज्य © आई यू सी एन/जे. थोरसेल

जैव प्रणालियों, जो पर्यावरण की छोटी ईकाइयाँ है, का संरक्षण भी विश्व विरासत संरक्षण का अहम घटक है। उदाहरणार्थ, वर्ष 1996 में विश्व विरासत सूची में अंकित बेलिजे बेरियर-रिफ रिजर्व सिस्टम, 93, 400 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ एक उत्कृष्ट प्राकृतिक क्षेत्र है जिसमें समुद्र के किनारों के पास बसे प्रवाल/मूंगो के अर्ध-वर्तुलाकार कोरल रीफ, रेत के छोटे और छिछले टापू, मैंग्रोव्ह वन, समुद्री किनारों के पास की खारे पानी की झीलों तथा नदी मुख झीलों का संरक्षण किया जा रहा है। इसी प्रकार के दूसरे विशाल विरासत स्थलों में वन्य प्रणाली (जैसे कि श्री लंका का सिंहराजा फोरेस्ट रिजर्व) और वेट लैण्ड्स (जैसे कि स्पेन का डोनाना नेशनल पार्क) आदि की सुरक्षा होती है।

आइलैण्ड और वेटलैण्ड जैसे इकोसिस्टम जिन्हें नष्ट होने का अधिक खतरा है, की जैव-विविधता का कम होना एक अपरिवर्तनीय घटना है, इसलिये जैव विविधता के खतरे के प्रति सतर्क होना और उस खतरे को कम करने के लिये शीघ्रता से कुछ कदम उठाना अति आवश्यक है। गौरतलब है कि खतरे में पड़ी प्रजातियों की सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण, इकोसिस्टमों (जैव प्रणालियों) की दीर्घ-कालीन सुरक्षा तथा प्राकृतिक वनस्पतियों और पशुओं के समुदायों की सुरक्षा है जिसका तात्पर्य पूर्ण प्राकृतिक परिदृश्यों की सुरक्षा से है।

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 31

जैव विविधता पर दबाव

उद्देश्य: जैव विविधता पर संभावित खतरों को पहचानना

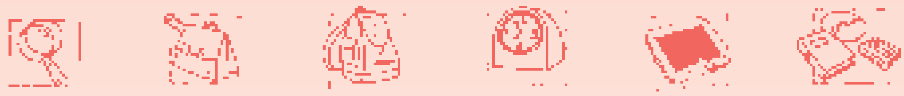

अनुसंधान | कक्षा-क्रियाकलाप | कक्षा के बाहर के क्रियाकलाप | 4 कक्षा-घंटे और फील्ड में जाना | विज्ञान, जीव विज्ञान | नोट पॅड पेन्सिल, दूरबीन, कैमरा

✓ विद्यार्थियों से पूछें कि जैव विविधता पर जो निम्नलिखित दबाव हैं उनमें से कौन-कौन से दबाव उनके क्षेत्र में दिखाई देते हैं:

- आवासों में बदलाव (स्थानीय वनस्पतियों को हटाकर कृषि के लिये उपयोग में लाना)
- नयी प्रजातियों को उस क्षेत्र में लाना (ये प्रजातियाँ स्थानीय पौधों और जानवरों के साथ खासकर स्थानीय प्रजातियोंसे आवासों के लिये स्पर्धा कर सकती हैं)
- प्रदूषण : वायु, जल, मृदा और ध्वनि
- खानें
- तथा दूसरे दबाव

✓ विद्यार्थियों से पूछें कि क्या उन्हें इस बारे में कोई जानकारी है कि उनके स्थानीय क्षेत्र में पक्षियों, जानवरों, और पौधो की प्रजातियों की संख्या घट रही है ?

✓ क्या जैव-विविधता को घटने से रोकने के लिये कुछ संरक्षण प्रयास किये जा रहे हैं?

✓ किसी स्थानीय पार्क, जंगल या पक्षियों के लिए आरक्षित क्षेत्र में यात्रा की योजना बनायें और जैव-विविधता का सर्वेक्षण करें (जानवरों और पौधों की प्रजातियों की संख्या को गिनें)। अभिभावकों को कक्षा में बुलायें और विद्यार्थियों को अपनी खोजों को प्रस्तुत करने को कहें। अभिभावकोंसे पूछें कि जब वे छोटे थे तो जैव-विविधता कम थी या अधिक ?

▲ सांस्कृतिक विविधता और जैव विविधता

विश्व विरासत सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थल, प्राकृतिक तथा जैविक दोनों प्रकार की विविधताओं को प्रकट करते हैं।

यह हमारी आवश्यकता है कि हम प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता दोनों का एक साथ संरक्षण करें, यदि हम दोनो में से किसी भी एक की उन्नति चाहते हैं; अपने संसाधनों के विषय में स्थानीय जानकारी, और उन संसाधनों का सही प्रबंधन संपूण मानवता के लिये एक अंतिम और निर्णायक संसाधन है।

जैफरी ए मेकनीले, आई यू सी एन, नेचर एन्ड रिसोर्सेज, वो. 28, न. 3, 1992

© यूनेस्को 2002

▲ प्रजातियों का विकास और लुप्त होना

प्रजातियों का विकास एक गतिशील प्राकृतिक प्रक्रिया है। प्रजातियों के आनुवंशिक गुण बदलने (जेनेटिक चेंजेज) के कारण नयी प्रजातियाँ बनती हैं।

विश्व विरासत संरक्षण का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य उन प्राकृतिक स्थलों की सुरक्षा है जो किसी प्रजाति के विकास का लेखा-जोखा प्रस्तुत करती है। प्राकृतिक विरासत मानदंड (।), जो किसी प्राकृतिक स्थल को विश्व विरासत सूची में अंकित करने के 4 मानदंडों में से एक है, के अनुसार

पृथ्वी के इतिहास के विभिन्न चरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ उत्कृष्ट उदाहरण, जिसमें जीवन के प्रमाण शामिल हैं, वर्तमान में चल रहीं भूगर्भीय प्रक्रियाओं जिनके द्वारा विभिन्न प्रकार के धरातल बनते हैं के उदाहरण हैं या फिर कुछ भूगर्भीय या भौगोलिक आकृतियाँ हैं।

जर्मनी की मेसेल पिट का जीवाश्म-स्थल (फोसिल साइट) एक ऐसे स्थल का उदाहरण है जिसे विश्व विरासत सूची में मानदंड (।) के आधार पर अंकित किया गया था। मेसिल पिट नामक इस स्थान पर इयोसिन ईशा के उन जानवरों के बहुत से जीवाश्म मौजूद हैं जो ईसा से लगभग 57 अरब से लेकर 36 अरब वर्ष पूर्व के काल में इस पृथ्वी पर रहते थे। इन जीवाश्मों के द्वारा हमें स्तनधारी जानवरों के विकास पूर्व चरणों के संदर्भ में बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।

आस्ट्रेलिया की फोसिल मेमल साइट रिवरस्लेग और नराकूरटे में आस्ट्रेलिया के अद्भुत जानवरों (उदाहरण के लिये थैली वाले छछूंदर और पंखो की पूंछ वाले पोस्यूमस और दूसरे अद्भुत और अब लुप्त हो चुके स्तन धारी जानवर जैसे कि थैली वाले शेर) के जीवाश्म बहुत ही उत्तम प्रकार से सुरक्षित हैं। इस स्थल को विश्व विरासत सूची में मानदंड (।) और मानदंड (॥) के आधार पर शामिल किया गया था।

आस्ट्रेलियन स्तनधारियों के जीवाश्म (रिवरस्लेग और नराकूरटे), आस्ट्रेलिया
© यूनेस्को

एक नयी प्रजाति की खोज
वोलेमी पाइन, जो डायनोसर्स काल का एक अवशेष है

दिसम्बर 1994 में, सिडनी आस्ट्रेलिया के पास में पेड़ की एक नयी प्रजाति पाई गई थी जिसका नाम है वोलेमी पाइन (वोल्लेमी नोबलिस), जो 35 मीटर की ऊंचाई तक बढ़ता था। इसके मुख्य तने का व्यास लगभग 1 मीटर था। पेड़ की एक ऐसी प्रजाति की खोज जो इतना अधिक लंबा था, एक अभूतपूर्व घटना है। वोलेमी पाइन्स का आवास, सिडनी के उत्तरी-पश्चिमी भाग में बहुत अधिक ढलाव वाले पहाड़ों से निकलते हुए एक झरने के पास था जो कि एक ऐसा सुरक्षित स्थान था जिसने इन पेड़ों की रक्षा आग की उन लपटों से की जो आस-पास के पठारी प्रदेश के पेड़ों को अक्सर जला दिया करती थी। और, इस प्रकार वे पेड़ बहुत ही लंबे समय तक जीवित रहे। पेड़ की इस नयी प्रजाति की खोज इस बात का एक नाटकीय प्रमाण है कि कभी-कभी हम अपनी जैव वैज्ञानिक विरासत के कुछ भाग से अनभिज्ञ रहते हैं।

स्टेट ऑफ द इनवायरोनमेन्ट आस्ट्रेलिया 1996 एक्जीक्यूटिव समरी, कॉमनवेल्थ ऑफ आस्ट्रेलिया

© यूनेस्को 2002

जैव विविधता नष्ट तब होती है जब कोई पेड़ या जानवर अपने को नयी पर्यावरण परिस्थिति (जैसे कि वर्षा और तापमान में बदलाव) के अनुकूल ढाल नहीं पाता है तथा प्रजनन करने और जीवित रह सकने में असफल हो जाने के बाद लुप्त हो जाता है। जीवाश्मों के लेखे-जोखे को देखकर यह लगता है अधिकतर पौधों और जानवरों की प्रजातियाँ को आखिकर लुप्त हो जाना है। पर, आजकल अधिकतर यही सोचा जाता है कि प्रजातियों के लुप्त होने की प्रक्रिया, नई प्रजातियों के बनने की तुलना में बहुत तेजी से होती जा रही है जो पूर्ण रूप से अपरिवर्तनीय वैश्विक बदलाव की एक प्रतिनिधिक प्रक्रिया है।

वर्तमान में

- जीवित बची पक्षियों के 11 प्रतिशत
- जीवित बचे स्तनधारियों के 11 प्रतिशत
- मछलियों के 5 प्रतिशत
- पौधों की प्रजातियों के 8 प्रतिशत

→ को लुप्त हो जाने का खतरा बना हुआ है।

- बड़े स्तन धारियों की संख्या में कमी शिकार के कारण आई है।

- मछली पकड़ने और ह्वेलों को मारने के कारण सामुद्रिक प्रजातियों की संख्या में भारी कमी आ गई है।

कई स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है जिससे खतरे में पड़ी पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों की प्रजातियों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके और उन्हें लुप्त होने से बचाया जा सके।

▲ वेल्ली डे माइ नेचर रिजर्व, सेशेल्स

वेल्ली डे माई नेचर रिजर्व, सेशेल्स © नेशनल जियोग्राफिक सोसायटी/डब्ल्यू. कर्टसिन्गर

सेशेल्स के एक छोटे-से द्वीप प्रेसलिन के मध्य में स्थित वेल्ली डे माइ नेचर रिजर्व को विश्व विरासत सूची में 1983 में शामिल किया गया था। इस वादी के पाम फोरेस्ट की स्थिति अपने मौलिक रूप से लगभग मिलती-जुलती ही है। यहां विश्व के सबसे बड़े नारियल पाये जाते हैं, जिनका वजन लगभग 20 कि.ग्रा. तक हो सकता है। अतीत में इस संपूर्ण द्वीप पर ही नारियल की बहुत सी प्रजातियाँ पाई जाती थीं, पर अति दोहन के कारण द्वीप के जैव-विविधता से परिपूर्ण पाम फोरेस्ट अब केवल छोटी सी वादी में सिमट कर रह गए हैं। अभी भी इस वादी और इसके मूल्यवान पाम-फोरेस्टों को, दूसरे स्थानों की प्रजातियों के लगाये जाने, नारियलों को लगातार निकाले जाने तथा आग के कारण खतरा बना हुआ है।

© यूनेस्को 2002

▲ मानस वाइल्डलाइफ सेंक्च्यूरी, इंडिया

भारत की मानस वाइल्डलाइफ सेंक्च्यूरी, हिमालय पर्वत के नीचे उस स्थान पर स्थित है जहां पहाड़ी जंगल समाप्त होकर बाढ़ की मिट्टी से बने घास के मैदानों और उष्ण कटिबंधीय जंगलो में मिल जाते हैं । इस स्थान पर बहुत से ऐसे पशुओं का आवास है जिनके लुप्त होने का खतरा है। इस स्थल को वर्ष 1985 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया था और फिर बाद में वर्ष 1992 में 'खतरे में पड़ी विश्व विरासत' सूची में डाल दिया गया था। मानस में बाघ, ठिगने सूअर, भारतीय गैंडा और हाथी आदि जानवर ऐसे हैं जिनके अस्तित्व को खतरा है। इन जानवरों को प्रमुख खतरा अवैधानिक शिकार से है। वर्ष 1997 की रिपोर्ट के अनुसार, उस वर्ष 22 गैंडें मारे जा चुके थे और गैंडों की कुल संख्या केवल दस या पंद्रह के बीच रह गई थी।

विश्व विरासत नक्शा

ते वाहीपोउनामु, न्यूज़ीलैण्ड

तेवाहीपोउनामु, न्यूज़ीलैण्ड के दक्षिणी द्वीप पर स्थित है। तेवाहीपोउनामू की भूमि (जो लगभग 2.6 हेक्टेयर या न्यूज़ीलेन्ड का 10 प्रतिशत है) अधिकतर दलदली क्षेत्रों, बड़े-बड़े पहाड़ों या लंबी-लंबी चोटियों से बना है जो सीधे जाकर समुद्र में मिलती हैं। यह स्थल, उन बड़े-बड़े ग्लेशियरों (बर्फ की चट्टानों) और हिम युग की स्पष्ट निशानी है जिसने यहां वादियों और बड़े-बड़े झरनों को जन्म दिया था। चूँकि न्यूज़ीलैण्ड बाकी दुनिया से बहुत दूर और अलग हटकर था, यहां विशेष प्रकार के पक्षु-पक्षी और पेड़ों की प्रजातियां पाई जाती हैं। यहां के अधिकतर पक्षी न उड़ सकने वाले बन गये और यहां के वृक्षों ने वर्षा से बचाव के लिये अपने आप को एक विशिष्ट आकार में ढाला। उदाहरण के लिये यहां उगने वाले बड़े -बड़े सफेद चीड़ के पेड़ कहीकेटिआ, 30 मीटर तक की ऊँचाई के हो सकते हैं। ऐसे जंगलों को 'डाइनोसोर जंगल' भी कहा जाता है क्यों कि यह जंगल वैसे ही दिखाई देते हैं जैसे आज से 65 अरब वर्ष पूर्व, डाइनोसोरों के काल में दिखाई देते थे।

पर यूरोपियन बस्तियों के कारण यहां पर बहुत से शिकार करने वाले जानवर तथा परपोषी जीव लाये गये जिनके कारण स्थानीय पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों की जातियां खतरे में पड़ गई या फिर लुप्त हो गयीं।

सबसे अलग-थलग होने तथा भौगोलिक और मौसम के बदलाव के कारण यहां पर कुछ ऐसे पेड़-पौधों की उत्पत्ति हुई जो विश्व और कहीं नहीं पाये जाते। पर वही घटक जिन्होंने न्यूज़ीलैण्ड के वातावरण, पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को इतना विशिष्ट बनाया था, इन सबके बहुत संवेदनशील होने के कारण भी बने हैं। सबसे पहले न्यूज़ीलैण्ड मेंआकर बसने वाले पोलिनेशियनों ने, जो 1000 वर्ष पूर्व यहां आये थे, यहां पर बड़ी संख्या में प्रजातियों और उनके आवासों को नष्ट करना शुरू कर दिया था। जब तक यूरोपियन यहां आकर बसे, तब तक इस देश के 23 प्रतिशत जंगल और 30 प्रतिशत पक्षी नष्ट हो चुके थे, जिनमें सबसे प्रमुख था मोआ (जो कि एक बहुत ही बड़ा न उड़ सकने वाला पक्षी था)। अधिक लोगों के यहां आ कर रहने तथा शिकारी जानवरों के खतरे के कारण यहां अब लगभग 503 पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों की ऐसी प्रजातियां हैं जो खतरे में हैं, इसके अतिरिक्त चौवालीस प्रजातियां ऐसी हैं जो लुप्त हो चुकी प्रजातियों की सूची में शामिल हो चुकी हैं।

स्रोत: ग्रेमाऊथ हाई स्कूल, न्यूज़ीलैण्ड

© यूनेस्को 2002

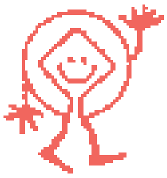

विद्यार्थी क्रियाकलाप 32

गोण्डवाना लैण्ड के टुकड़ों की पहेली

उद्देश्य: महाद्वीपों की उत्पत्ति को समझना और यह समझना कि सबसे अलग-थलग होना प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा में किस प्रकार से सहायक हो सकता है

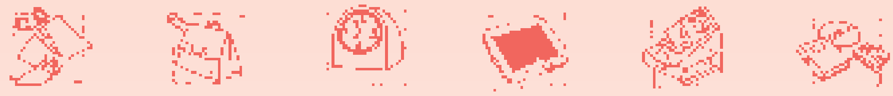

प्रायोगिक क्रियाकलाप	कक्षा क्रियाकलाप	2 कक्षा घंटे	भूगोल इतिहास, विज्ञान,	विश्व विरासत नक्शा विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना गोण्डवाना लैण्ड के टुकड़ों की पहेली	कैंची, लई संसार का नक्शा

✓ अपने विद्यार्थियों को पहले गोण्डवाना लेन्ड क्या था यह बतायें।

✓ यहां के चट्टानों और जीवश्मों के भौतिक प्रमाण के आधार पर वैज्ञानिकों का यह मानना है कि न्यूजीलैण्ड भी पहले उस परम-महाद्वीप गोण्डवाना लैण्ड का ही एक हिस्सा था, जिसमें आस्ट्रेलिया, अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका, इंडिया, अन्टार्कटिका आदि थे। शायद न्यूजीलैण्ड ही गोण्डवाना न्लैण्ड के होने का सबसे महत्वपूर्ण प्रमाण है क्यों कि यह लगभग 80 अरब वर्ष पूर्व ही आस्ट्रेलिया और अन्टार्कटिका से अलग हो गया था। इस देश का 1600 कि. मी लंबा हिस्सा चारों तरफ से पानी से घिरा है, और केवल 1000 वर्ष पूर्व ही लोग यहां आकर रहने लगे थे और तब तक, न्यूजीलैण्ड के स्थानीय पेड़-पौधे वैसे-के वैसे अनछुए पड़े रहे। आज भी यह पृथ्वी का सबसे अलग-थलग हिस्सा है।

✓ कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बांटें। प्रत्येक विद्यार्थी को क्रियाकलाप पन्ने की एक प्रति दें। उनसे बोलें कि वे छिद्रदार रेखाओं के अनुसार टुकड़ों को काट लें, और उन सबको एकत्र कर गोण्डवाना के महाद्वीप पर चिपकायें। चर्चा करें कि गोण्डवाना लैण्ड के टूटने के कारण न्यूजीलैण्ड किस प्रकार बाकी विश्व से एकदम अलग हो गया और किस प्रकार यहां के पशु-पक्षी और पेड़-पौधों की सुरक्षा संभव हो सकी।

✓ गोण्डवाना लैण्ड की तुलना आजके महाद्वीपों से करें।

स्रोत : ग्रेमाउथ हाई स्कूल, न्यूजीलैण्ड

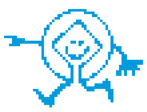

विश्व विरासत नक्शा

© यूनेस्को 2002

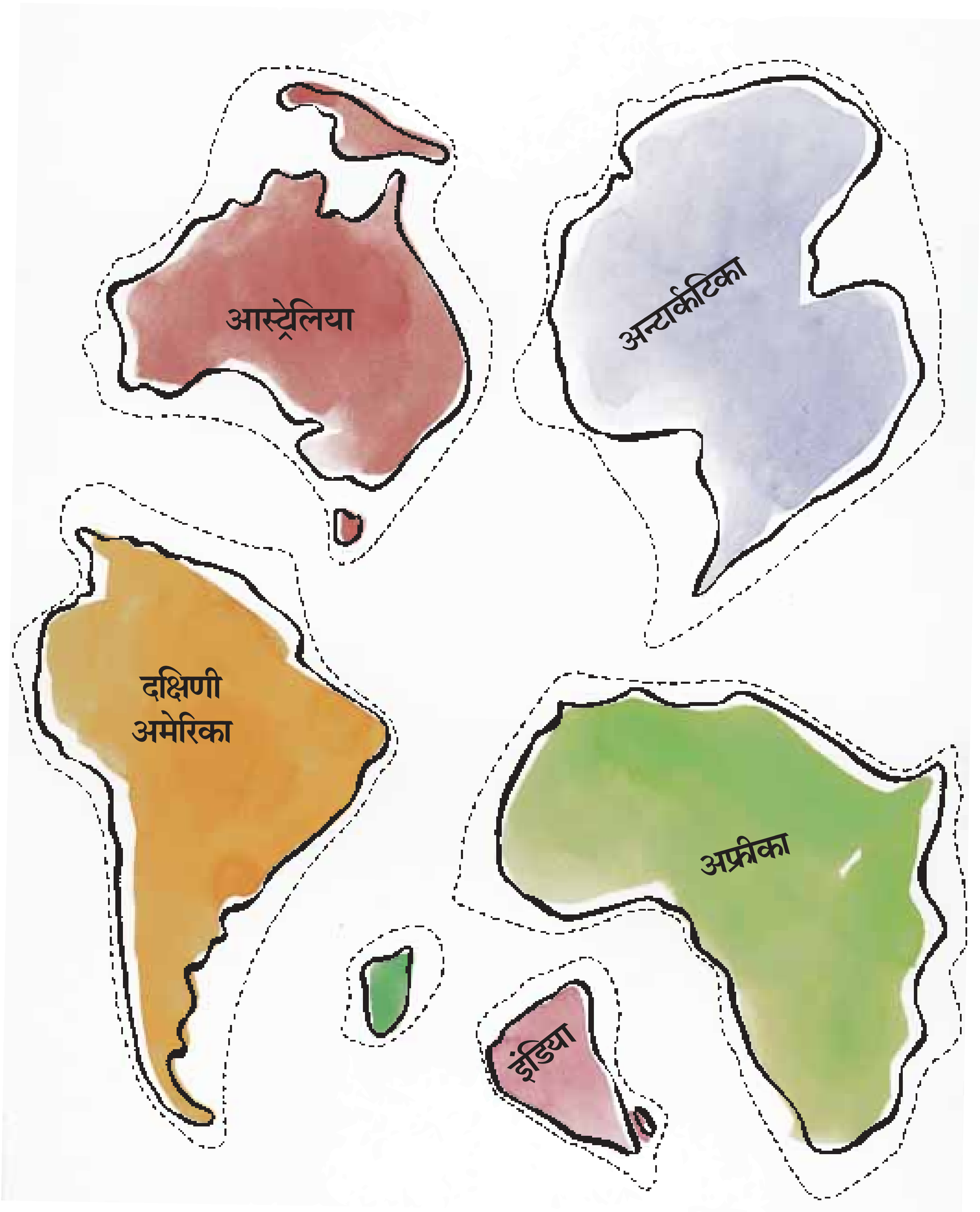

गोण्डवाना लैण्ड के टुकड़ों की पहेली

गोण्डवाना लैण्ड

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 33

विश्व विरासत प्राकृतिक स्थलों को संबंधित मानदंडों से जोड़ना

उद्देश्य: विश्व विरासत प्राकृतिक स्थलों के चयन को ठीक प्रकार से समझना

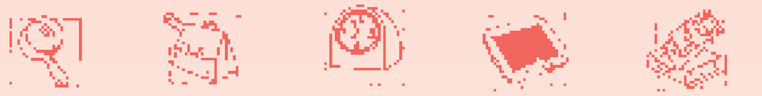

अनुसंधान | कक्षा क्रियाकलाप | 3 कक्षा घंटे | प्राकृतिक विज्ञान कला | लेमिनेटेड फोटा विश्व विरासत नक्शा संक्षिप्त विवरण

✓ संक्षिप्त विवरण में से पच्चीस प्राकृतिक स्थलों को विश्व के विभिन्न भागों में से निकालें (प्रासंगिक पन्नों की फोटो कॉपी कर लें अथवा मानदंडों को छोड़ कर बाकी आलेख को हाथ से उतार लें)

✓ कक्षा को पाँच समूहों में बांट लें और प्रत्येक समूह को पांच चुने हुए क्षेत्र दें, जिसके बारे में उन्हें लिखना है कि वे विश्व विरासत नक्शे पर कहां स्थित हैं औार उनको विश्व विरासत सूची में किन मानदंडों के आधार पर शामिल किया गया था। प्रत्येक समूह को एक विद्यार्थी चुनने को कहें जो अपनी प्रस्तावना कक्षा के समक्ष रखेगा। उनके उत्तरों की तुलना संक्षिप्त विवरण में दिये गये वास्तविक मानदंडों से करें।

✓ प्राकृतिक स्थलों को विश्व विरासत में शामिल करने के चार मानदंडों को ध्यान में रखते हुए, विद्यार्थियों को प्रत्येक मानदंड पर आधारित स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्थलों की सूची बनाने को कहें। उसके पश्चात उनसे पूछें कि क्या उन स्थलों में से कोई स्थल विश्व विरासत नक्शे पर हैं और उसके अनुसार चर्चा करें। विद्यार्थियों को प्रस्तावित स्थलों के पोस्टर बनाने को बोलें जिन पर उन्हें संरक्षण संबंधी नारे लिखने को कहें।

स्थलवैज्ञानिक और सांस्कृतिक दृष्टि से धारणीय विकास

विकास को धारणीय (ससटेनेबल) होना ही चाहिये, जिससे कि वर्तमान पीढ़ियां अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये आने वाली पीढ़ियों के पर्यावरण और धारणीय विकास की क्षमता को नष्ट न करें।

पर्यावरण और धारणीय विकास, पेरिस, यूनेस्को, 1997

मानवता और पर्यावरण के संतुलन को टिकाये रखने की आवश्यकता यही विश्व विरासत कन्वेन्शन की आत्मा है। विश्व विरासत की परिभाषा में चूंकि प्रकृति और संस्कृति दोनों ही शामिल हैं, यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को प्रकृति और लोगों के बीच होने वाली अंतर्क्रियाओं की याद दिलाता है जो स्थलवैज्ञानिक धारणीय विकास के आधारभूत तत्व हैं।

© यूनेस्को 2002

विकास की प्रक्रिया में प्रकृति को सही स्थान देना आवश्यक है, क्योंकि वही हमारी आध्यात्मिक तृप्ति और अत्यंत व्यावहारिक रूप में हमारे जीवन की नींव है।

जेफरे ए. मेकनीले, आई यू सी एन, प्रकृति और संसाधन, वो. 28, न. 3, 1992

विकास और बढ़ती जनसंख्या के कारण हमारे पर्यावरण के समक्ष आने वाले खतरों (कृषि के लिये जंगलों को काटना, मछली पकड़ना और प्रदूषण) का इस प्रकार से प्रबंधन होना आवश्यक है कि विश्व की जैविक (तथा सांस्कृतिक) विविधता का संरक्षण हो सके। अधिकतर यह समझा जाता है कि संसाधनों के उपयोग (कृषि, खानों का खोदना) और संरक्षण इन दोनों में से केवल एक ही संभव हो सकता है। और यही कारण है कि आरक्षित विश्व विरासत स्थलों पर संसाधनों के उपयोग की मनाही होती है। सावधानी-पूर्वक प्रबन्धित कई क्षेत्रो में इससे अधिक प्रभावी उपाय को अपनाया गया है जिसमें प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को संसाधनों के प्रतिबंधित उपयोग से संतुलित किया जाता है जिससे कि धारणीय विकास के अवसर प्राप्त हो सकें, या फिर स्थानीय लोगों के लिये कोई ऐसी आर्थिक गतिविधि ढूंढी जाती है जिससे वे संरक्षण उपायों में स्वयं ही रुचि लेने लगते हैं।

▲ बान्क डे' अरग्यूइन नेशनल पार्क, मॉरीटेनिया

वेस्टर्न अफ्रीका के इस पार्क में अरबों की तादाद में पक्षी रहते हैं। अटलान्टिक तट पर बसा यह पार्क बालू के बहुत से छोटे-छोटे टीलों, समुद्री दलदलों, छोटे-छोटे द्वीपों और समुद्र के छिछले पानी से बना है जो एक ऐसा भू-सागरीय परिदृश्य उपस्थित करता है जो अपनी प्राकृतिक विषमता के कारण एक असाधारण दृश्य है और जैविक विविधता से परिपूर्ण है। यह स्थल बहुत से प्रवासी पक्षियों का आश्रय स्थल है और यहां कछुओं और डॉलफिन की बहुत सी प्रजातियां रहती हैं।

बान्क डे' अरग्यूइन स्थानीय क्षेत्र के लिये आर्थिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है: यहां के सात मछली पकड़ने वाले गांव यहां के सम्पन्न प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर करते हैं और ये स्थलवैज्ञानिक दृष्टि से बहुत ही संवेदनशील पर्यटन के आधार भी हैं। यहां के पांरपरिक मछली पकड़ने के तरीकों ने इस स्थान के प्राकृतिक संसाधनों पर कुछ अधिक प्रभाव नहीं डाला है। पर यदि यहां मोटर बोट चलाई जाती हैं और बहुत अधिक संख्या में मछलियों को निकाला जाता है तो निश्चय ही यहां पर आने वाले पक्षियों के जीवन पर बुरा असर पड़ेगा।

बान्क डे आरग्यूइन नेशनल पार्क, मोरेटेनिया
© यूनेस्को /आई यू सी एन/ जे. थोरसेल

© यूनेस्को 2002

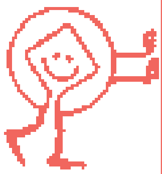

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 34

पर्यावरण की सुरक्षा

उद्देश्य: विश्व विरासत प्राकृतिक स्थलों के सही प्रबंधन के महत्व को समझना

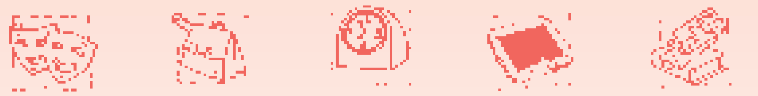

भूमिका अभिनय | कक्षा क्रियाकलाप | बहुत से कक्षा घंटे | भाषा, भूगोल विज्ञान, जीव विज्ञान | विश्व विरासत नक्शा संक्षिप्त विवरण

✓आपके विद्यार्थियों को मोरीटेनिया के बान्क डें' अरग्यूइन नेशनल पार्क की स्थिति को समझाकर बताइये और एक काल्पनिक विश्व विरासत पर नीचे लिखे दृश्य को अभिनीत करने के लिये कहें। कक्षा को अलग-अलग मंसूबे रखने वाले वर्गों का प्रतिनिधित्व करने को कहें।

✓ व्यापारी वर्ग के कुछ लोग यहां मछली पकड़ने का कारोबार करना चाहते हैं और उन्हें कुछ विदेशी लोग भी मिल गये हैं जो इस परियोजना के लिये पूंजी उपलब्ध करवाना चाहते हैं। जबकि पार्क के मैनेजर और स्थानीय पर्यावरण कार्यकर्ता चिन्तित हैं कि यदि यहां मछली पकड़ने का व्यापार बढ़ गया तो यहां के पक्षियों का जीवन अव्यवस्थित हो जायेगा। यहां का प्राधिकरण स्थानीय लोगों को अधिक पैसा दिलवाने के लिये तैयार है पर वे अपने सन्तुलित वर्तमान प्रणाली (इकोसिस्टम) को बदलना नहीं चाहते हैं। क्या कोई ऐसा उपाय है जिससे सभी सहमत हों?

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 35

स्थल वैज्ञानिक धारणीय विकास के लिये उचित कार्य करना

उद्देश्य: विद्यार्थियों को कचरे के प्रति सजग रहने के लिये प्रेरित करना

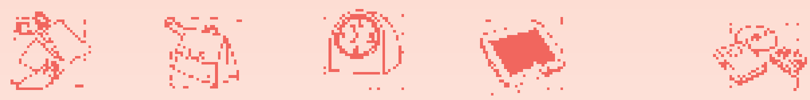

प्रायोगिक क्रियाकलाप | कक्षा क्रियाकलाप या कक्षा के बाहर का क्रियाकलाप | कुछ कक्षा घंटे और बहुत से सप्ताह तक कक्षा के बाहर का समय | कला, विज्ञान | पुनर्चक्रित की जा सकने वाली वस्तुएँ जैसे कि बोतलें, कागज, अलम्यूनियम और टीन के कनस्तर आदि रखने के लिये डिब्बे

✓ प्रदूषण का सीधा संबंध अधिक खपत और व्यर्थ वस्तुओं से होता है । संसाधनों का सही और धारणीय उपयोग, तथा वस्तुओं का पुनर्चक्रण ही समस्या का सही समाधान है। हम सभी को अतिशीघ्रता के साथ यह सोचना चाहिये कि हम पुनर्चक्रण और संसाधनों के संतुलित उपयोग में अपना योगदान किस प्रकार से दे पायें। किसी पर्यावरण विशेषज्ञ को कक्षा में पुनर्चक्रण के महत्व और यह किस प्रकार से किया जा सकता है,यह समझाने के लिये आमंत्रित करें। विद्यार्थियों को कहें कि वे स्कूल और समाज (इनमें विद्यार्थियों के अभिभावक भी शामिल हैं) के लिये एक पुर्नचक्रण अभियान की तैयारी करें (कागज, एल्यूमिनियम, टीन के कनस्तर, बोतलें आदि)। निर्णय लें कि किन-किन वस्तुओं को पुर्नचक्रण के लिये चुना जाय। कला विभाग के विद्यार्थियों से कहें कि वे इस अभियान के लिये पोस्टर बनायें। पुर्नचक्रण अभियान के परिणाम पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें।

✓ विश्व विरासत संरक्षण और धारणीयता इस विषय पर चर्चा करें। वस्तुओं को व्यर्थ न गंवाकर उनका पुनर्प्रयोग व पुर्नचक्रण क्यों महत्वपूर्ण हैं?

✓ विद्यार्थियों से कहें कि वे आगें आयें और अपने स्थानीय वातावरण और विरासत स्थलों को साफ रखने के लिये इधर-उधर पड़े कचरे को कूड़ेदान में फेंक कर या वस्तुओं का समझदारी से पुनर्चक्रण कर अपना सहयोग दें।

© यूनेस्को 2002

▲ धारणीय विकास के लिये स्थानीय सहयोग

संरक्षण के लिये मिलने वाले स्थानीय सहयोग को बढ़ाया जा सकता है यदि लोग आरक्षित स्थान जैसे कि विश्व विरासत स्थलों का एक टिकाऊ तरीके से इस्तेमाल कर सकें। आरक्षित स्थानों पर संरक्षण और विकास परियोजनाओं के एकीकरण द्वारा ही उन्हें समुचित सहारा दिया जा सकता है।

परियोजनाओं के धारणीय विकास के लिये संरक्षण अभियोजनाओं और प्रबंधन में स्थानीय जनता का सहभागी होना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 36

विरासत पद-यात्रा

उद्देश्य: विद्यार्थियों को साहसपूर्ण और सृजनात्मक कार्य करने के अवसर देना और उन्हें पर्यावरण के प्रति अधिक जागरुक बनाना

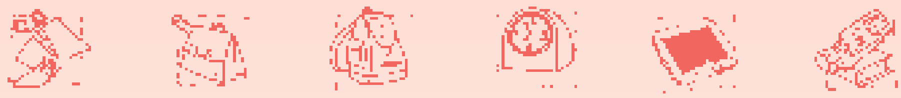

✓ विद्यार्थियों को अन्वेषण और साहसिक कार्य करने में बहुत आनंद आता है, तो उन्हें सुझाव दें कि वे एक विशेष विरासत पद-यात्रा करें। सब मिल कर सोचें कि वह कैसी यात्रा हो, एक प्राकृतिक स्थल यात्रा हो, एक सांस्कृतिक स्थल यात्रा हो, एक शहरी विरासत की यात्रा हो, एक फूलों की यात्रा हो या फिर विडियो बनाने की पद यात्रा हो। एक बार यदि आप विरासत यात्रा का विषय निश्चित कर लेते हैं, तो कुछ नक्शों को लेकर आयें और उन्हें एक साथ मिलकर देखें। विद्यार्थियों से बोलें कि वे अपनी पद यात्रा की योजना बनायें और अपने खाली समय में कुछ 'आन द स्पाट' निरीक्षण करें। यात्रा की योजना पूर्ण हो जाने के बाद विद्यार्थियों से बोलें कि वे यात्रा के विशेष गुणधर्मों की ओर ध्यान एकाग्र करने के लिये एक छोटी-सी पुस्तिका तैयार करें।

कनाडा के हेड-स्मेश्ड-इन-बफेलो जंप काम्प्लैक्स में हेरिटेज ट्रेल
© एस. टिटचेन

✓ अपनी पद यात्रा के लिये कोई विशेष दिन निर्धारित करें। इस यात्रा के दौरान अपनी इन्द्रिय क्षमताओं का विकास करें। (सूंघना, सुनना, देखना आदि)

✓ इस यात्रा का आपके विद्यार्थियों पर क्या प्रभाव हुआ यह जानकर, दूसरी ऐसी ही यात्राओं का आयोजन करें जिसमें विद्यार्थी बाहर के लोगों को भी आमंत्रित कर सकते हैं (आपके विद्यालय की दूसरी कक्षाओं, या फिर आस-पास के दूसरे विद्यालय, अभिभावक, समाज के दूसरे सदस्य आदि)।

© यूनेस्को 2002

वर्ष 1992 में हुए रियो अर्थ समिट के बाद कुल मिलाकर 333 प्राकृतिक, सांस्कृतिक और मिश्र (प्राकृतिक, सांस्कृतिक) को विश्व विरासत सूची में अंकित किया गया था, जिनमें से अठ्ठावन प्राकृतिक स्थल थे (डिसेम्बर 2001 तक कि सूची के अनुसार)

विकसित देशों में निश्चय ही प्राकृतिक संसांधनों के उपयोग में बदलाव आया है- शक्ति, पानी और भूमि का अच्छा उपयोग, वायु, जल, और मृदा के प्रदूषण में सुधार आया है। पर विकासशील देशों में हम बहुत अधिक प्रदूषण देखते हैं। पर एक अच्छी उपलब्धि यह है कि उन्होंने यह समझ लिया है कि उनकी समस्यायें अब अपने अंतिम और निर्णायक चरण में पहुंच चुकी हैं और यह कि आर्थिक और सामाजिक विकास का कार्य कभी भी पर्यावरण की सुरक्षा से अलग हटा कर नहीं किया जा सकता।
मोस्ताफा तोलबा, चेयरमेन ऑफ द कमिशन फार ससटेनेबल डेवलपमेन्ट
यूनेस्को स्रोत, न. 92 जुलाई-अगस्त 1997

यह वैश्विक और पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान का प्रतिनिधित्व करता है।

विश्व विरासत सूची में शामिल जायदाद

दिसम्बर 2001 तक संशोधित

144

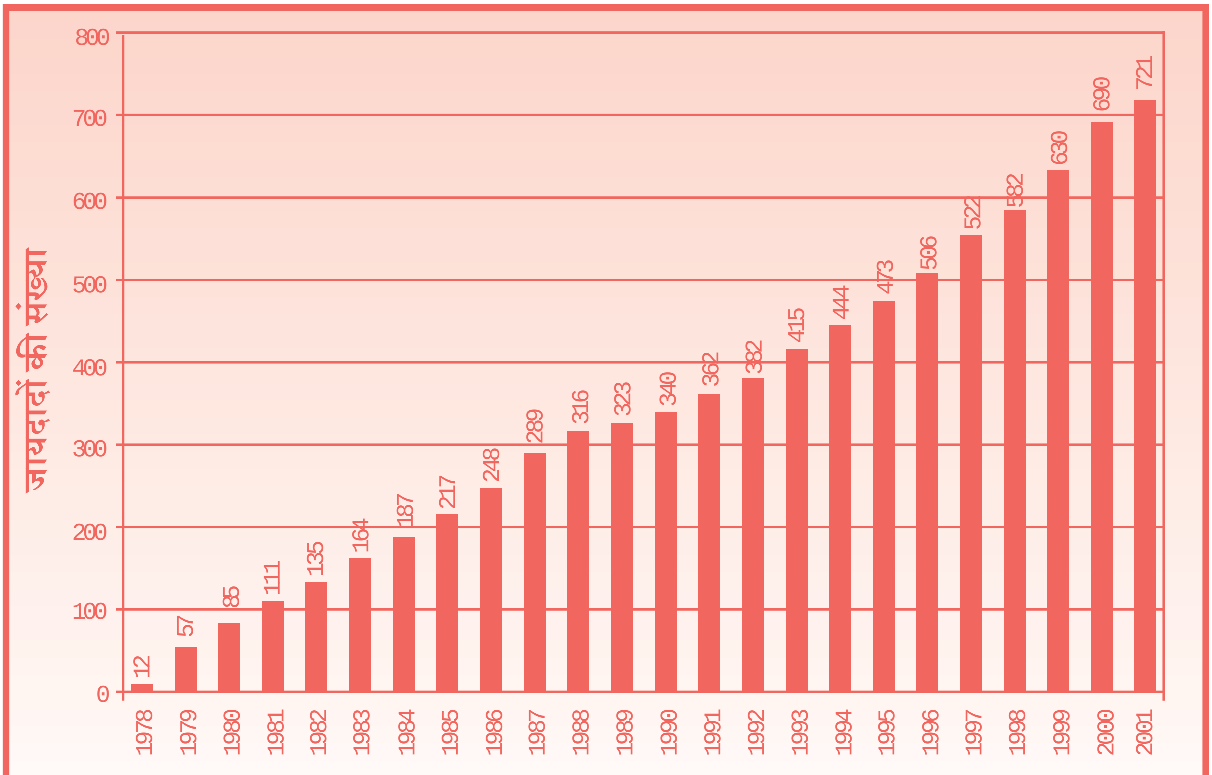

स्रोत : यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेन्टर, पेरिस, 2001

चूंकि विश्व विरासत स्थलों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष वैश्विक मूल्य का माना गया है, उनका प्रभावी प्रबंधनों की मिसाल बनना आवश्यक है।
बर्नड वोन ड्रोस्टे, डायरेक्टर, यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर, पेरिस और जेफ्फरे ए. मेकनीले, आई यू सी एन,
विश्व विरासत, बीस साल बाद, आई यू सी एन, 1992

© यूनेस्को 2002

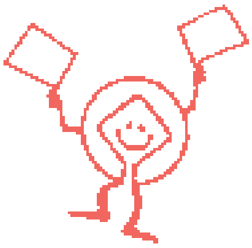

विश्व विरासत और पर्यावरण: पाठ्यक्रम पर एक दृष्टि

कला

चुनें: विद्यार्थियों का मनपसंद प्राकृतिक विश्व विरासत स्थल चुनें और उन्हें उसका चित्र बनाने या पेन्ट करने को कहें।

जीव विज्ञान

चुनें: आपके क्षेत्र में कोई विश्व विरासत स्थल चुनें और उसमें पाये जाने वाले पेड़-पौधे, वृक्ष और पशुओं की सूची बनायें।

तुलना: इस सूची की तुलना आपके आस-पास की जगह के पेड़-पौधे, पशु और वृक्षों से करें। किसी एक स्थल के पेड़-पौधों, पशुओं और भौगोलिक स्थिति का आपके विद्यार्थियों के साथ अध्ययन करें।

विदेशी भाषा

संबंध: विदेश के किसी स्कूल से (एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क की सहायता से) संबंध स्थापित करें और मिलतें-जुलते पर्यावरण संबंधी मुद्दों और उनका विश्व विरासत संरक्षण पर प्रभाव इन विषयों पर विचारों का आदान प्रदान करें

इतिहास

चुनें: किसी प्राकृतिक स्थल को चुनें और विद्यार्थियों से वहां की भूमि के प्रकार के विषय में कुछ बताने को कहें, उनसे पूछें कि वह भूमि अतीत में कैसी थी और वर्तमान में कैसी है और इसके संरक्षण में क्या संभावी खतरे हो सकते हैं।

भूगोल

चुनें: कोई विश्व विरासत प्राकृतिक स्थल लें जिसमें ग्लेशियर हों (देखें, लोस ग्लेशियर्स, अर्जेन्टीना, संक्षिप्त विवरण) और ग्लोबल वार्मिंग के परिणामों के विषय में चर्चा करें।

चुनें: कोई भूगर्भीय या जीवाश्म स्थल अध्ययन के लिये चुनें।

भाषा

चुनें: कोई ऐसा विश्व विरासत स्थल चुनें जिसे विद्यार्थी समझते हैं कि उसे प्रदूषण से खतरा हो सकता है, उस स्थल पर प्रदूषण को रोकने और संरक्षण की गतिविधि शुरू करने या उसे मजबूत बनाने के लिये एक विज्ञापन अभियान की तैयारी करें।

गणित

सर्वेक्षण: आपके क्षेत्र की उन प्रजातियों (पौधे, वृक्ष, पक्षी, स्तनधारी, मछली) पर सर्वेक्षण करें जिन्हें संख्या कम होने या लुप्त होने का खतरा हो सकता है और उनकी प्रतिशत की गणना करें।

विज्ञान

प्रमाण: स्थानीय झीलों और नदियों आदि से जल का नमूना लेकर प्रदूषण के प्रमाणों को ढूंढें।

परीक्षण: किसी भवन के बाहरी भागों का प्रदूषण की दृष्टि से परीक्षण करें।

चर्चा करें: कि किस प्रकार मनुष्य के व्यवहार को बदल कर उसे संरक्षण के लिये प्रेरित किया जा सकता है।

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत और शांति की संस्कृति

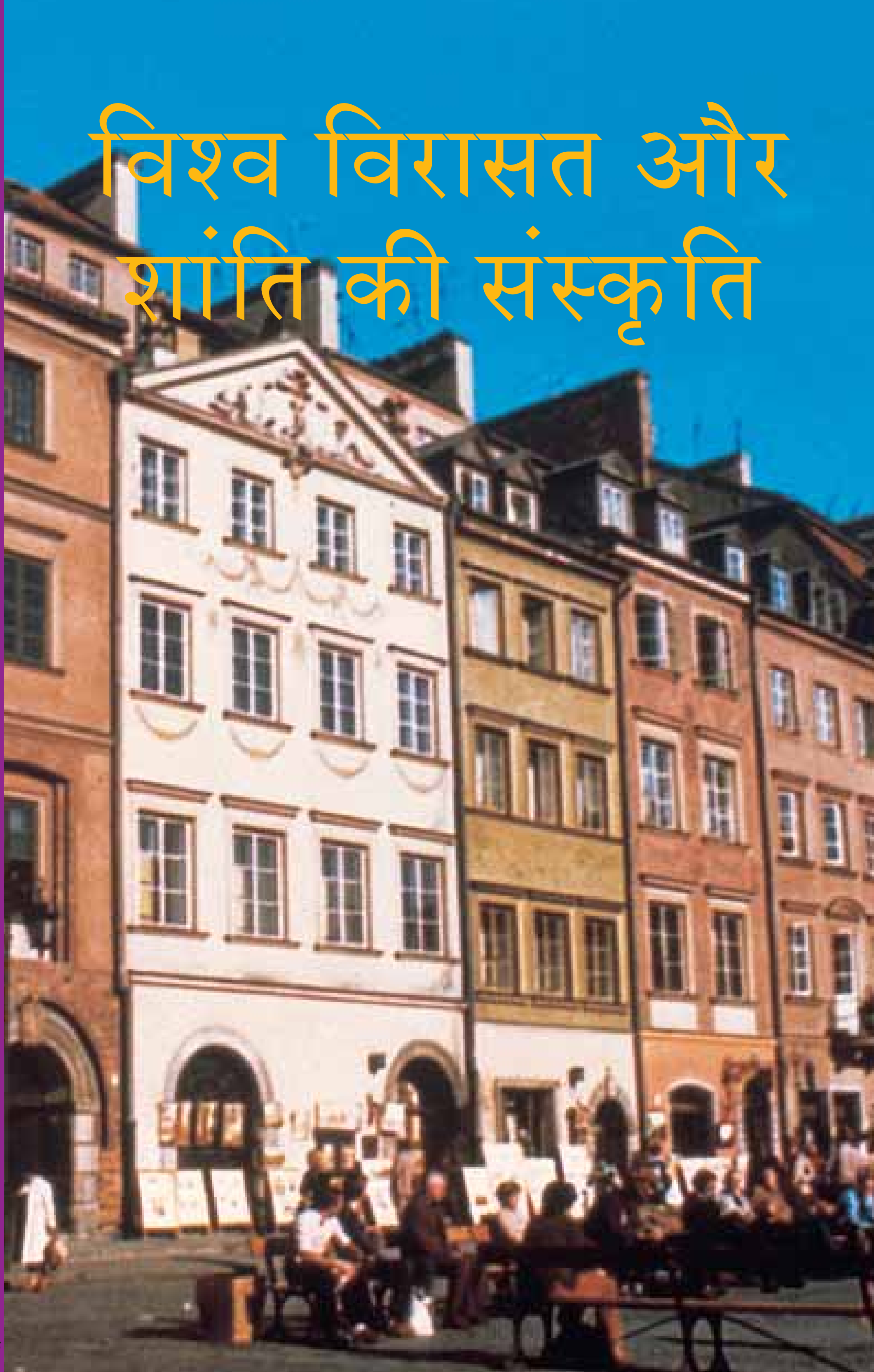

© यूनेस्को/वारसा का ऐतिहासिक केन्द्र, पोलैण्ड

चूंकि युद्धों की शुरुआत पहले लोगों के मानस में होती है
इसलिये उनसे सुरक्षा के लिये आवश्यक शांति का गठन भी
लोगों के मानस में ही करना होगा।

यूनेस्को के संविधान की प्रस्तावना

विश्व विरासत और शांति की संस्कृति

	पृष्ठ
उद्देश्य	149
ज्ञान	149
मानसिक दृष्टिकोण	149
योग्यता	149
विश्व विरासत और शांति की संस्कृति	150
विद्यार्थी क्रियाकलाप 37 : विश्व विरासत और शांति की संस्कृति	151
स्थल जो शांति के प्रतीक हैं	152
विद्यार्थी क्रियाकलाप 38 : विश्व विरासत और आपके क्षेत्र में शांति	154
युद्ध के समय विश्व विरासत की सुरक्षा	154
विद्यार्थी क्रियाकलाप 39: युद्ध के समय क्षतिग्रस्त विश्व विरासत की बहाली	155
हेग कनवेन्शन द्वारा सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा	155
विद्यार्थी क्रियाकलाप 40 युद्ध के समय प्राकृतिक और विश्व विरासत की सुरक्षा	157
युद्ध के समय प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा	157
विश्व विरासत और मानवीय अधिकार	158
विद्यार्थी क्रियाकलाप 41 अंधविश्वास/भ्रांत धारणायें- शांति में बाधक	159
विद्यार्थी क्रियाकलाप 42 एक विश्व विरासत और शांति की क्रॉस-वर्ल्ड पज़ल बनायें	160
विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना : एक विश्व विरासत और शांति की क्रॉस-वर्ल्ड पज़ल बनायें	161
पाठयक्रम पर एक दृष्टि: विश्व विरासत और शांति की संस्कृति	162

उद्देश्य

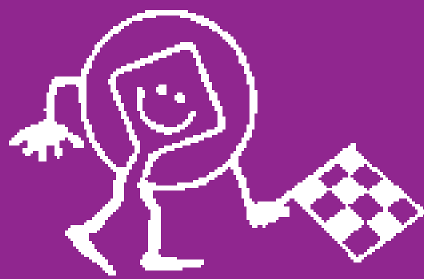

ज्ञान

सहायता विद्यार्थियों को निम्नलिखित को जानने और समझने में सहायक बनें:

- विश्व विरासत स्थल, शांति, मानव अधिकार और प्रजातंत्र के प्रमाण
- यूनेस्को और विश्व विरासत कनवेन्शन के नैतिक संदेश
- जातिवाद की निरर्थकता, सहिष्णुता तथा सभी लोगों की सभ्यता के प्रति आदरभाव के महत्व को समझना।

मानसिकता

प्रेरणा विद्यार्थियों को प्रेरित करें कि वे:

- दूसरे लोगों और उनकी सभ्यताओं के प्रति आदर भाव रखें और अपने जीवन में विवाद की स्थितियों का शांतिपूर्ण हल खोजें
- विश्व विरासत संरक्षण के लिये संगठित रूप से सहायक हों।

योग्यता

सहायता विद्यार्थियों की सहायता करें कि वे:

- एक साथ मिलजुल कर काम करें(टीमवर्क)
- अपने विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से निबटायें और दूसरों के विवादों का शांतिपूर्ण हल खोजने में सहायक बनें
- राजनैतिक और सामाजिक जीवन में प्रजातांत्रिक रूप से रहें
- यूनेस्को के विश्व विरासत संरक्षण प्रयासों में योगदान करें।

विश्व विरासत और शांति की सभ्यता

केवल राष्ट्रों, अपितु व्यक्तियों, समाज के अलग-अलग वर्गों, एक देश और उसके नागरिकों तथा लोगों और उनके पर्यावरण के बीच के अहिंसात्मक संबंधों का अर्थ ही शांति है। विश्व विरासत सूची में अंकित प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों को जानकर हमें शांति के अलग-अलग रूपों की अनुभूति होती है, क्योंकि ये स्थल हमें मानवता और संस्कृति की उन महान कलाकृतियों का स्मरण करवाते हैं जो हमारी स्वतंत्रता, न्यायप्रियता, आपसी समझ, प्यार व मित्रता की अभिव्यक्ति हैं। ये हमारी मानवता के मूलभूत अधिकार हैं और किसी भी व्यक्ति, समाज, देश और विश्व की शांति और विकास के लिये अपरिहार्य रूप से आवश्यक तत्व हैं।

शांति

1. (क) स्वतंत्रता, युद्ध या शत्रुता का खत्म होना, किसी देश या समाज की वह स्थिति जिसमें एक दूसरे के साथ कोई युद्ध या विवाद नहीं।
   (ख) किन्हीं दो शक्तियों में युद्ध के उपरांत शांति का अनुमोदन।
2. समाज के बीच की हलचल और अराजकता से मुक्ति, सामाजिक व्यवस्था और सुरक्षा
3. विघ्न बाधाओं या घबराहट और परेशानी से मुक्ति

ऑक्सफोर्ड लघु शब्दकोश

विश्व के सबसे महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा के लिये गठित विश्व प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत कन्वेन्शन तथा उसका विश्व विरासत फंड, संगठित अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों पर निर्भर करता है।

विश्व विरासत संधि

एक दूसरों के तौर-तरीकों और उनकी जिंदगी से अनभिज्ञ रहना पूर्ण मानवता के इतिहास में वे कारण हैं जो आपसी सन्देह और अविश्वास को जन्म देते हैं, और इन्हीं मतभेदों की परिणति कभी-कभी युद्ध में भी हो सकती है;
और वह युद्ध जो अब समाप्त हो चुका है की शुरुआत, गरिमा, समानता, आपसी सद्भाव जैसे प्रजातांत्रिक मूल्यों के हनन और उनके स्थान पर अनभिज्ञता, अंधविश्वास, जाति और मनुष्यों के बीच असमानता जैसे सिद्धान्तों को बढ़ावा देने के कारण ही हुई थी।
...
और यह कि संस्कृति का विस्तार और मानवता के लिये न्याय, स्वतंत्रता तथा शांति का शिक्षण, मनुष्य की गरिमा के लिये अपरिहार्य हैं और वे पावन कर्तव्य हैं जिनका पालन सभी राष्ट्रों को परस्पर सहयोग और एक दूसरे के प्रति संबंधता की भावना के साथ करना चाहिये।
... और यही कारण है कि मानवता की बौद्धिक और नैतिक एकता को टिकाये रखने के लिये शांति की नींव रखना बहुत ही आवश्यक है।
यूनेस्को संविधान की प्रस्तावना

शांति की संस्कृति एक नदी के समान आगे बढ़ती है जिसमें परंपराओं, सभ्यताओं, भाषा, धर्म और राजनीति आदि की अलग-अलग नहरें आकर मिलती रहती हैं और जिसका लक्ष्य वह वैश्विक सभ्यता है जो आपसी समझ, सहिष्णुता और एकता जैसे शांतिमय वातावरण में पनपती है।
रेने सी रोमेरो, नेशनल ए एस पी कोआर्डिनेटर, यूनेस्को नेशनल कमीशन फॉर द फिलिप्पाइन्स

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 37

विश्व विरासत और शांति की परिभाषा

उद्देश्य: शांति और विश्व विरासत के बीच के संबंध को ठीक प्रकार से समझना

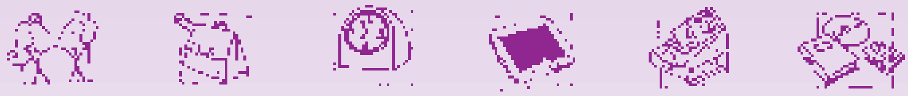

चर्चा | कक्षा-क्रियाकलाप | एक कक्षा घंटा | इतिहास, नागरिक शास्त्र | विश्व विरासत कनवेन्शन, विश्व विरासत नक्शा, संक्षिप्त विवरण | शब्द कोश

✓ शांति यह शब्द बोर्ड पर लिखें (या केवल इसे बोलें) और विद्यार्थियों से कहें वे इस शब्द से संबंधित जितने शब्द वे सोच सकते हैं लिखें। प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी सूची पढ़ने को कहें। जैसे वे उन्हें पढ़ें, आप बोर्ड पर उन्हें लिखते जायें, और जो शब्द दोबारा बोले जा रहे हैं उन्हें अंकित कर लें। इस प्रक्रिया के अन्त में आपको वह शब्द मिल जायेंगे जो शांति शब्द के साथ अधिक संबंधित हैं।

✓ इसी प्रकार यही प्रक्रिया विश्व विरासत इस शब्द के साथ दोहराने को कहें, पर इसके पूर्व उन्हें विश्व विरासत नक्शा देखने को कहें और वे स्थल निकालने को कहें जो शांति, सामंजस्य, निस्तब्धता (पीस, हारमोनी, ट्रेन्क्वीलिटी) या फिर सुरक्षा और युद्ध से जुड़े हैं (शांति स्मारक, किले, किलेबंदी, दीवारें) आदि से संबंधित हैं। इसके बाद इस विभाग के अन्तर्गत दिये गये (एक या अधिक) स्थल जो शांति से संबंधित हैं चुनने को कहें और उनसे संबंधित अधिक जानकारी एकत्रित करने को कहें (स्कूल की लाइब्रेरी के विश्व-कोष या इंटरनेट से) और शांति के इतिहास में इन स्थलों की क्या भूमिका थी यह लिखने को कहें।

स्थल जो शांति के प्रतीक हैं

कई विश्व विरासत स्थल, शांति और मानव अधिकारों जैसे मूलभूत मूल्यों के द्योतक हैं जिनके संरक्षण के लिये हमेशा ही अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त होता रहा है। इनमें से कुछ तो शांति-संदेश के अत्यन्त प्रभावशाली साकार रूप हैं। जैसे कि केनेडा और यूनाइटेड स्टेट्स अमेरिका की सीमा पर स्थित वाटरटन ग्लेशियर इंटरनेशनल पीस पार्क जिसके नाम में ही शांति का संदेश है। वर्ष 1995 में विश्व विरासत सूची में अंकित यह स्थल, अलबर्टा (कनाडा) के वाटरटन नेशनल पार्क और मोन्टाना (अमेरिका) के ग्लेशियर पार्क से मिल कर बना है जो इस प्रकार का विश्व का पहला अंतर्राष्ट्रीय पीस पार्क है। रम्य भू-दृश्यों वाला यह पार्क पेड़-पौधों और पशुओं की विभिन्न प्रजातियों, ग्लेशियरों और पर्वतीय आकृतियों से परिपूर्ण है।

वाटरटन ग्लेशियर इंटरनेशनल पीस पार्क, कनाडा और यूनाइटेड स्टेट्स अमेरिका
© यूनेस्को

© यूनेस्को 2002

दूसरी तरफ विश्व विरासत सूची में वर्ष 1996 में अंकित किया गया हिरोशिमा पीस मेमोरियल (गेनबकु डोम), मनुष्य के सबसे अधिक विनाशकारी शक्ति उपयोग के बाद के अर्ध-शताब्दी से अधिक अंतराल में, विश्व-शांति की उपलब्धि का दृढ़ और शक्तिशाली प्रतीक चिन्ह है।

भवन के सबसे ऊंचे स्थान पर बने इस गुम्बज (डोम) का महत्व भी उतना ही ऊंचा है: अगस्त 1945 के पहले आणविक विस्फोट में क्षतिग्रस्त भवन के अवशेष यदि मनुष्यकृत विध्वंसता की परिकाष्ठा के सूचक हैं तो दूसरी तरफ यह डोम उस आशा का प्रतीक है जो हमें विश्व शांति को निरंतर बनाये रखने का संदेश देती है। 6 अगस्त, 1945 के दिन हिरोशिमा में हुए पहले बम-विस्फोट जिसमें लगभग 140,00 लोग मारे गये थे, बम विस्फोट से प्रभावित क्षेत्र के अंदर केवल यही एक इमारत ऐसी थी जो टूटने से बच गई थी पर वह भी मात्र एक ढांचे के रूप में। शहर में जब निर्माण कार्य फिर से आरम्भ किया गया तो इस इमारत को ज्यों-का-त्यों ही रहने दिया गया और इसे गेनबाकू डोम (एटम बाम्ब डोम) के नाम से जाना जाने लगा। वर्ष 1966 में हिरोशिमा नगर पालिका ने यह निर्णय लिया कि इस डोम को हमेशा के लिये उसी स्थिति में सुरक्षित रखा जाय। वर्ष 1950 और 1964 के बीच यहां एक शांति पार्क का निर्माण किया गया जिसका मुख्य प्रतीक चिन्ह यह डोम ही है। वर्ष 1952 से प्रति वर्ष इस पार्क में 6 अगस्त को हिरोशिमा पीस मेमोरियल सेरेमनी आयोजित की जाती है।

इंटरनेशनल काउन्सिल ऑन मॉन्यूमेन्टस एन्ड साइट्स

हिरोशिमा पीस मेमोरियल (गेनबाकू डोम), जापान, शांति के संदेश का एक प्रबल प्रतीक
© यूनेस्को

युगोस्लाविया के विभाजन का कारणीभूत था वह युद्ध, जिसने क्रोयेशिया के पूराने शहर ड्यूब्रोविन्क को स्वतंत्रता और शांति के प्रतीक की मान्यता प्रदान की। डालमेशिया समुद्रतट पर बसा यह शानदार शहर जिसे 'एड्रियेटिक का मोती' के नाम से जाना जाता है, के ध्वज पर 'लिबरटास' (स्वतंत्रता) यह शब्द कितने ही शतकों से अंकित किया जा रहा है। तेरहवीं शताब्दी के दौरान यह शहर भूमध्य सागरीय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभर कर आया था जिसके पास भरी पूरी समुद्री फौज थी और जिसके पूरे यूरोप में फैले कई व्यापार के केन्द्र और सलाहकार थे। वर्ष 1667 में भूकम्प से क्षतिग्रस्त होने के बावजूद भी डोब्रोविन्क अपने सुंदर गोथिक (जर्मनी की पुरानी वास्तुकला) शैली में बनें रेनेस्सेन्स (पुनर्जागरण) और बेरोक चर्चो (नक्शीदार गिरजाघर), मठों, महलों, फव्वारों और पत्थर की उस दीवार को जो पुराने शहर को चारों तरफ से घेरती थी, सुरक्षित रख पाया था। यह दीवार जिसने इस शहर को कई सदियों तक समुद्र से होने वाले आक्रमणों से बचाया, कुछ वर्ष पूर्व हुई आधुनिक बमबारी से अपने को नहीं बचा पाई। वर्ष 1991 में यूनेस्को की 'खतरे में पड़ी विश्व विरासत' सूची में शामिल हुए ड्यूब्रोविन्क, जिसने यूनेस्को की मदद से अपने सभी क्षतिग्रस्त भवनों की बहाली की, अब अंतराष्ट्रीय एकता के साथ-साथ स्वतंत्रता और शांति का एक अविच्छिन्न प्रतीक बन चुका है।

© यूनेस्को 2002

ड्यूबरोविन्क का पुराना शहर, क्रोयेशिया
© यूनेस्को / आई यू सी एन/जे.थोरसेल

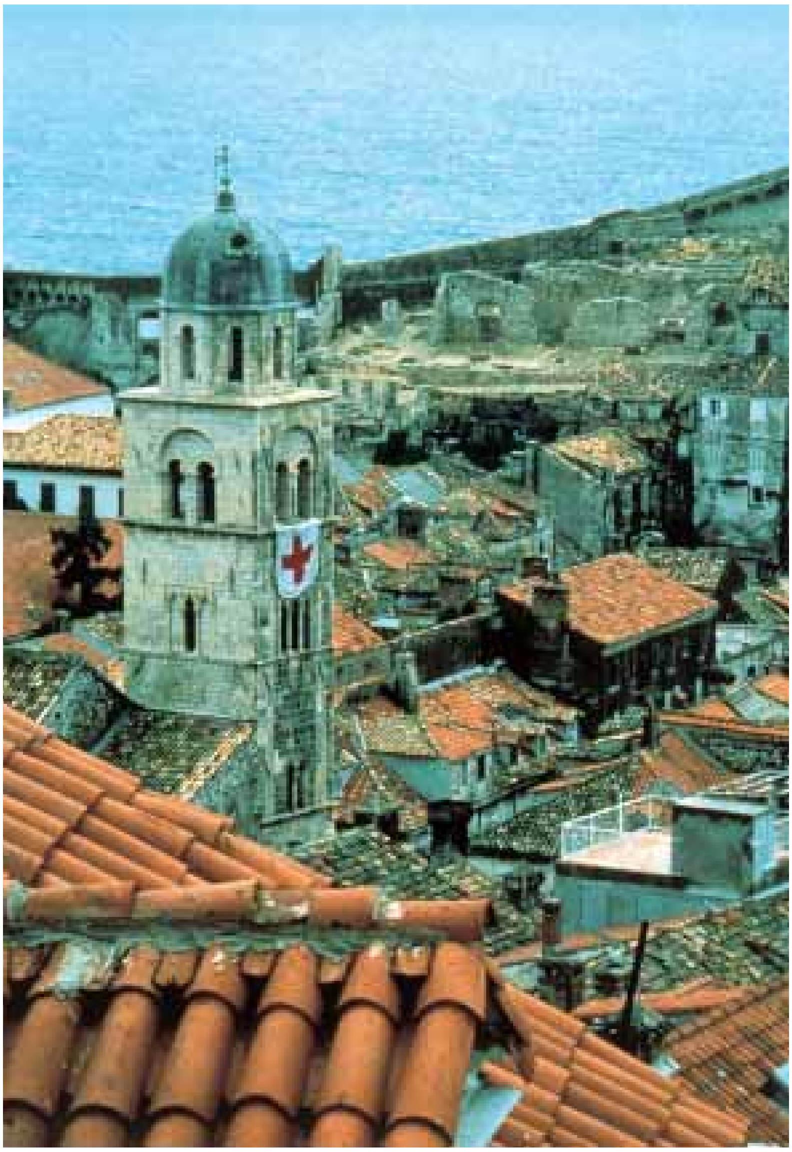

ड्यूबरोविन्क का विनाश, 1991
© यूनेस्को / डी. लेफेवरे

153

© यूनेस्को 2002

विद्यार्थी क्रियाकलाप 38

विश्व विरासत और आपके क्षेत्र में शांति

उद्देश्य: उन विरासत स्थलों पर रोशनी डालना जो शांति के प्रतीक हैं।

अनुसंधान	कक्षा के अंदर और बाहर का क्रियाकलाप	1 कक्षा घंटा	इतिहास भूगोल, कला	विश्व विरासत नक्शा संक्षिप्त विवरण	राष्ट्रीय इतिहास की पुस्तकें

✓ विद्यार्थियों को उन प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों के नाम लेने के लिये कहें (सम्भवत: विश्व विरासत स्थल) जहां पर शांति के समझौते हुए थे, या फिर वे इतिहास की घटनाओं के प्रतीक हैं (मुख्य लड़ाईयां, महत्वपूर्ण घोषणाएं)।

✓ उनसे कहें कि इन स्थलों के विषय में उन्हें जो जानकारी मिलती है उसके आधार पर स्थल से संबंधित संदेश को कक्षा में कलात्मक रूप में प्रस्तुत करें (लिखकर, चित्रकला या फिर पेंटिंग) के द्वारा।

युद्ध के समय विश्व विरासत की सुरक्षा

विश्व विरासत और अस्तित्व

किसी भी युद्ध के दौरान सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक दोनों प्रकार के स्थलों को बहुत नुकसान पहुंच सकता है। विशिष्ट सांस्कृतिक स्थलों पर कभी जान-बूझ कर हल्ला बोला जाता है ताकि लोगों के मेहनत से संजोये गये अस्तित्व को मिटाया जा सके । प्राकृतिक स्थलों (विशेषतया पेड़-पौधे और पशु-पक्षी) को भी बहुत से खतरे हो सकते हैं - बम विस्फोटों से, आरक्षित प्राकृतिक स्थानों पर मिलिट्री की गाड़ियों के आने-जाने से, आग से, अवैधानिक शिकार और बड़ी संख्या में लोगों के स्थानान्तरण के कारण। वे प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थल जो पर्यटकों के माध्यम से धन उपलब्ध करवाते हैं, युद्ध के समय में जान बूझ कर नष्ट किये जा सकते हैं।

विश्व विरासत और पर्यटन

युद्ध के समय झेली जाने वाली पीड़ा के सामने, सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों का संरक्षण भोग-विलास जैसा ही प्रतीत होगा। पर प्रथम दृष्टि में ऐसे प्रतीत होने पर भी उनका संरक्षण परमावश्यक है, खासकर यदि वे राष्ट्रीय पुस्तकालय, चर्च, म्यूजियम, यूनिवर्सिटियां या फिर सदियों पुराने पुल आदि हैं।

विश्व विरासत और अस्तित्व

ऐसे ही कुछ उदाहरणों में एक प्रमुख उदाहरण है पोलैण्ड में स्थित अठारहवीं सदी के वारसा का वह ऐतिहासिक केन्द्र जिसे विश्व विरासत सूची में वर्ष 1980 में अंकित किया गया था। अगस्त 1944 में, दूसरे महायुद्ध के दौरान इस शहर के केन्द्र के 85% हिस्से को नाजियों की टुकड़ियों द्वारा नष्ट कर दिया गया था। युद्ध के समाप्त होने के बाद यहां के नागरिकों ने 5 वर्षीय पुनर्निर्माण अभियान के अन्तर्गत कड़ी मेहनत द्वारा यहां के चर्चों, महलों और बाजारों को पुन: अपने पुराने रूप में खड़ा कर दिया जैसे कि आज हम उन्हें देखते हैं। यह एक असाधारण उदाहरण है जिसमें इतिहास के उस भाग का जो तेरहवीं शताब्दी से लेकर बीस वीं शताब्दी तक बीता था, पूर्ण रूप से पुनर्निर्माण किया गया था, जो वस्तुत: गर्व और अस्तित्व की ही एक अभिव्यक्ति है।

© यूनेस्को 2002

युवाओं के द्वारा की गई ड्यूब्रोविन्क अपील

क्यों कि युद्ध हमारी विरासत को नष्ट कर देते हैं, हमें समस्याओं के
शांति पूर्वक समाधानों के लिये अधिक प्रयास और कार्य करना चाहिये।

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 39

युद्ध के दौरान क्षतिग्रस्त विरासत की बहाली

उद्देश्यः विश्व विरासत बहाली के बारे में जानना

अनुसंधान | कक्षा क्रियाकलाप | कक्षा के बाहर क्रियाकलाप | 1 या 2 कक्षा घंटे | इतिहास | स्थानीय इतिहास पस्तकें, स्थानीय साहित्य, व्यक्तिगत मुलाकातें

✓ विद्यार्थियों से कहें कि वे निम्नलिखित विषयों पर अपने दादा-दादी/नाना-नानी, दूसरे बुजुर्गों या फिर रिश्तेदारों, या पड़ोस के बड़े-बूढ़ों से मुलाकात कर प्रश्न पूछें:

- यह मानकर कि उन्होंने अपने जीवन काल में किसी युद्ध या फिर लड़ाई को देखा था, क्या उन्हें याद है कि किन सांस्कृतिक संस्थाओं, इमारतों या फिर प्राकृतिक स्थलों को बुरी तरह क्षत-विक्षत या नष्ट कर दिया गया था ?
- क्या उन स्थलों का पुनरुत्थान किया गया था? वे इस पुनरुत्थान के विषय में क्या सोचते हैं?
- क्या इस पुनरुत्थान में कोई विश्व विरासत स्थल भी शामिल था?

✓ विद्यार्थियों से कहें कि वे अपनी मुलाकातों के संक्षिप्त विवरण लिखें और इन संक्षिप्त विवरणों के आधार पर कक्षा में चर्चा करें।

▲ हेग कन्वेन्शन सांस्कृतिक स्थलों की सुरक्षा में

दूसरे विश्व युद्ध के समय सांस्कृतिक स्थलों की तबाही को देखते हुए, वर्ष 1954 में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने हेग (नीदरलैण्ड) में, द *कनवेन्शन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी इन द इवेन्ट ऑफ आर्म्ड कन्फ्लिक्ट* का अनुमोदन किया। हेग कन्वेन्शन में लोगों कों सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से महत्वपूर्ण चल तथा अचल दोनों प्रकार की संपत्ति को सुरक्षा देने का प्रावधान है, और यह कन्वेन्शन, संपत्ति की उत्पत्ति, मालकियत आदि से परे हट कर, किसी भी प्रकार की सम्पत्ति की सुरक्षा को आदर देना आवश्यक समझता है।

© यूनेस्को 2002

1954 हेग कन्वेन्शन की प्रस्तावना

आदरणीय अनुबंधित राज्य

यह देखते हुए कि हाल में हुए सैनिक मुठभेड़ में हमारी सांस्कृतिक संपदा को कितना भारी नुकसान पहुंचा है, और यह कि युद्धों के तरीकों के प्रौद्योगिक विकास को देखते हुए हमारी संपदाओं के विनाश की संभावनायें बढ़ रहीं है;

यह समझते हुए कि सांस्कृतिक संपदा को नुकसान वह चाहे किन्हीं भी लोगों का क्यों न हो, पूर्ण मानवता के सांस्कृतिक विरासत का नुकसान है क्योंकि सभी लोग विश्व संस्कृति में अपना योगदान देते हैं ;

यह ध्यान में रखते हुए कि सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा विश्व के सभी लोगों के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है, और विरासतों को अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा देना भी आवश्यक है;

इस मत के साथ कि यह सुरक्षा प्रभावी नहीं हो सकती जब तक कि शांति के समय में भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपायों द्वारा इस सुरक्षा की व्यवस्था नहीं की जाती;

इस दृढ़ निश्चय के साथ कि सांस्कृतिक संपदा की सुरक्षा के लिये सभी कदम उठाये जायेंगे

सहमत हैं कि ...

हेग कनवेन्शन से अनुबंधित राज्य बनकर एक राष्ट्र, अपने क्षेत्र में इस प्रकार की सभी संपदाओं की सुरक्षा के लिये सभी संरक्षक उपाय अपनाने के लिये प्रतिबद्ध है। संक्षिप्त में इसका अर्थ है कि वे राज्य यह सब करेंगे:

- किसी भी सैनिक मुठभेड़ से सांस्कृतिक विरासत के प्रभावित होने की संभावना को कम करेंगे और उनकी सुरक्षा के लिये न केवल शत्रुता अपितु शांति के समय में भी निवारक उपाय करेंगे,
- सुरक्षा का पूर्ण बंदोबस्त करेंगे; कुछ महत्वपूर्ण इमारतों और स्मारकों पर सुरक्षा चिन्हों को अंकित करेंगे जिससे कि उन्हें आरक्षित क्षेत्रों की मान्यता प्राप्त हो सके;
- सेना में, सांस्कृतिक विरासतों के सुरक्षा के उत्तरदायित्व के लिये कुछ विशेष टुकड़ियों का गठन करेंगे।

अभी तक *हेग कनवेन्शन* को वर्ष 1967की मध्य-पूर्व की लड़ाई के समय, तथा हाल में ही हुए उस युद्ध के समय लागू किया जा चुका है जिसमें बोस्निया, हर्जेगोविना, कम्बोदिया, क्रोएशिया (विशेष रूप से पुराने ड्यूबरोवनिक शहर में) और इराक आदि की सांस्कृतिक विरासतों को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया गया था।

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 40

युद्ध के समय सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा

उद्देश्य: हेग कनवेन्शन और युद्ध के समय प्राकृतिक वातावरण की सुरक्षा की आवश्यकता को समझना

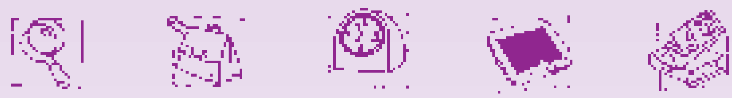

अनुसंधान | कक्षा क्रियाकलाप | 1 कक्षा घंटा | इतिहास नागरिक शास्त्र | 1954 हेग कनवेन्शन

✓1954 हेग कनवेन्शन की प्रस्तावना पर आपके विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। और पूरे कनवेन्शन की एक प्रति अपने नेशनल कमीशन फॉर यूनेस्को या यूनेस्को से मंगवायें। विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें :

- उस ऐतिहासिक संदर्भ (दूसरे विश्व युद्ध के बाद) के विषय में जिसके कारण हेग कनवेन्शन का प्रारूप तैयार किया गया था।
- हेग कनवेन्शन के उद्देश्यों के विषय में; या फिर युद्ध के समय विरासत की सुरक्षा के विषय में।
- हेग कनवेन्शन और विश्व विरासत कनवेन्शन एक दूसरे से किस प्रकार से अलग हैं और किन विषयों में वे एक दूसरे की प्रतिपूर्ति करते हैं।
- कुछ ही समय पूर्व के उन युद्ध अथवा सैनिक लड़ाइयों के विषय में चर्चा करें जिनमें हेग कनवेन्शन को लागू किया गया था।
- युद्धों के कारण प्राकृतिक वातावरण को किस प्रकार से नुकसान पहुँचता है?

✓ चर्चा करें कि युद्धों के कारण हमारे प्राकृतिक वातावरण को किस प्रकार से नुकसान पहुँचता है?

संपर्क पते

▲ युद्ध के समय प्राकृतिक विरासतों की सुरक्षा

पृथ्वी के कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण जैव-प्रणालियों (इकोसिस्टम) का विनाश जो कुछ समय पूर्व के युद्ध के समय हुआ था इस बात का प्रमाण है कि इन परिस्थितियों (सैनिक वाहनों का इधर-उधर आना जाना, भूमि को जान-बूझ कर आग जलाकर साफ किया जाना, बहुत से लोगों का एक साथ स्थानांतरण) में इन प्राकृतिक विरासतों को सुरक्षित रख पाना कितना कठिन कार्य है। कान्गो गणराज्य जिसका पहले का नाम जायरे था में स्थित विश्व विरासत स्थल काहूजी-बियेगा के उदाहरण के द्वारा यह समझा जा सकता है। रवान्डा में हाल में हुए युद्ध के दौरान लगभग 50,000 लोगों का एक शरणार्थी कैम्प, इस पार्क की सीमा के समीप ही बनाया गया था। पहाड़ी गुरिल्लाओं की एक दुर्लभ प्रजाति, जिसके विषय में वैज्ञानिकों - जार्ज शेलर, स्वर्गवासी प्रोफेसर ग्रेज्जीमेक और डायने फोसि ने काफी अध्ययन किया था, इसी पार्क में रहती है। अब इस प्रजाति के अस्तित्व पर भारी खतरा है और इसके लुप्त होने का भी डर है। ऐसी स्थिति में, यूनेस्को, शरणार्थियों के लिये यू एन हाई कमिशनर, राष्ट्रीय प्राधिकरण और जर्मन सहायक संस्था, जी टी जेड ने अपने प्रयासों द्वारा विश्व विरासत फंड से आर्थिक सहायता लेकर, शरणार्थी कैम्प को दूसरे अधिक उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया।

लुप्तप्राय पहाड़ी गुरिल्ला, ब्वीन्डी का प्रवेश-निषिद्ध नेशनल पार्क, यूगान्डा © यूनेस्को

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत और मानव अधिकार

मानव अधिकारों को मान्यता तथा आदर प्राप्त करवाने हेतु किये जा रहे मानवता के संघर्ष में अधिकतर, शांति, स्वतंत्रता और विकास के कार्य भी सम्मिलित होते हैं और इतिहास साक्षी है कि यह संघर्ष प्रजातांत्रिक और शासन में लोगों के सहयोग जैसे सिद्धांतों से भी जुड़ा हुआ है।

बहुत से विश्व विरासत स्थल इन आदर्शों का प्रतिपादन करते हैं, पर उनकी इस अभिव्यक्ति के रूप अलग-अलग हो सकते हैं जिनमें से कुछ को समझ पाना शायद हमारे लिये थोड़ा कठिन भी हो सकता है। निम्नलिखित उदाहरणों से यह बात स्पष्ट हो जायेगी।

गौरी द्वीप जो सेनेगल तट से थोड़ी दूरी पर राजधानी डाकर के सामने स्थित है, पंद्रहवी सदी से लेकर उन्नीसवी सदी तक अफ्रीकी समुद्र तट पर गुलामों के व्यापार का सबसे बड़ा केन्द्र था। पुर्तगाली, डच, इंगलिश और फेन्च इन सभी शक्तियों द्वारा किये गये क्रमिक शासन के कारण यहां के वास्तुशिल्प में बहुत सी विषमताएं दृष्टिगोचर होती हैं जैसे कि गुलामों के उदास से दिखने वाले आवास और गुलामों के व्यापारियों के लिये बनाये गये आलीशान बंगले। मानवीय शोषण और जीवन के साथ किये जाने वाले समझौते के आश्रय स्थलों के अवशेषों के रूप में आज भी वे हमारे सामने विद्यमान हैं।

मानव अधिकारों के प्रति निरादर और उनके क्रूरता से किये गये हनन की एक कड़वी यादगार है, पोलैण्ड का आशविट्ज कोनसन्ट्रेशन कैम्प जिसे विश्व विरासत सूची में 1979 में शामिल किया गया था। स्थल के चारों तरफ की गई किलेबंदी, लोहे की कांटेदार तारें, प्लेटफार्म, छावनियां, फांसी के तख्ते, और सबसे अधिक भयानक गैस के कक्ष तथा दहन भट्टियां, साक्षी हैं उन कठोर यातनाओं की जो नाजियों द्वारा लाखों करोड़ों मासूम लोगों को दूसरे विश्व युद्ध के दौरान दीं गईं थीं। आज जिनका वर्णन करना भी कठिन प्रतीत हो रहा है ऐसी यातनायें सहीं थीं उन 15 करोड़ लोगों ने जिन्हें इस स्थान पर मारा गया था। मारे गये लोग, चौबीस अलग-अलग राष्ट्रीयताओं से संबंध रखते थे और इनमें बच्चे और बूढ़े सभी शामिल थे, पर वे सभी लोग अधिकतर ज्यू मूल के ही थे। यह स्थल मानवता के इतिहास के उस काल का प्रतिनिधित्व करता है जिसे हमें याद रखना चाहिये ताकि हम आने वाले भविष्य मे ऐसे अत्याचारों कों न होने दें। यह स्थल इस बात का प्रमाण है कि मानव की भ्रान्त धारणायें बहुत ही भयानक रूप ले सकती हैं।

आज इस स्थल पर आकर दर्शक, ऑशविट्ज म्यूजियम का अनुभव ग्रहण कर सकते हैं जिसमें जेल की कोठरियां है, गैस के कक्ष हैं, तथा दहन भट्टियां बनी हैं। यह म्यूजियम एक ऐतिहासिक और अनुसंधानिक संस्थान है जिसमें एक विशिष्ट अभिलेखागार है। विश्व के विभिन्न भागों से हजारों की तादाद में लोग और कभी-कभी तो स्कूलों की पूरी की पूरी कक्षायें यहां आती है, और इस प्रकार यह स्थल, वैश्विक शांति और सुरक्षा के संघर्ष को अग्रसर करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

आशविट्ज कानसनट्रेशन कैम्प, पोलैण्ड
© यूनेस्को/ ए.हूसारस्का

© यूनेस्को 2002

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 41

भ्रांत धारणायें - शांति में बाधक

उद्देश्य: असहिष्णुता को कम करना और अंतर-सांस्कृतिक अध्ययन तथा वैश्विक वातावरण के प्रति आदर को बढ़ावा देना।

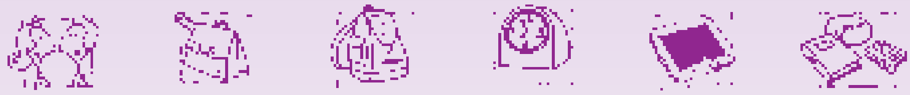

चर्चा | कक्षा क्रियाकलाप | कक्षा के बाहर का क्रियाकलाप | बहुत से कक्षा घंटे | इतिहास, नागरिक शास्त्र विश्व-भाषा, साहित्य | इतिहास की पुस्तकें, कोष

✓ विद्यार्थियों को इतिहास की मुख्य घटनाओं (पहले और दूसरे विश्व युद्ध, गुलामी की प्रथा) के विषय में उनके विचार बताने को कहें जिनके कारण गलत धारणाओं, असहिष्णुता आपसी भेद-भाव का जन्म हुआ। साथ ही उन्हें एक शांतिमय भविष्य की आवश्यकता इस विषय पर निबंध और कवितायें लिखना, चित्र और पोस्टर बनाना, गीत लिखना अथवा संगीत की दूसरी गतिविधियों को करने को भी कहें।

✓ उपरोक्त गतिविधियों द्वारा व्यक्त किये गये भावों को उस जानकारी और ज्ञान से जोड़ने को कहें जो अभी तक उन्होंने विश्व विरासत के संबंध में प्राप्त किया है: दूसरी संस्कृतियों और जीवन शैलियों के विषय में जानना, विश्व विरासत स्थलों के बारे में जानना आदि क्या दूसरे लोगों के प्रति प्रशंसा और आदर के सच्चे भाव तथा वैश्विक वातावरण उत्पन्न करने में सहायक हैं ?

स्वतंत्रता सभी के लिये अपरिहार्य रूप से आवश्यक है यह कई विश्व विरासत स्थलों का मुख्य संदेश है जैसे कि स्टैचू ऑफ लिबर्टी और इन्डिपेन्डेस हॉल, और ये दोनों ही स्थल यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में हैं। स्टैचू ऑफ लिबर्टी जिसे विश्व विरासत सूची में 1984 में शामिल किया गया था, न्यूयार्क के बंदरगाह पर स्थित है और इसने वर्ष 1886 से, जिस समय इसका उद्घाटन हुआ था, अरबों की संख्या में यहां आने वाले प्रवासियों का स्वागत किया है। 46 मीटर लंबे इस स्मारक को पेरिस में फ्रेन्च मूर्तिकार फ्रेडरिक-आगस्ते बारथोल्डी ने बनाया था जिसके धातु के कार्य में सहायता गूस्तवे एफिल (जिसने पेरिस, फ्रान्स में एफिल टॉवर को बनाया था) द्वारा की गई थी। स्वाधीनता का प्रतीक यह स्मारक, उन्नीसवीं शताब्दी की सबसे बड़ी यांत्रिक उपलब्धि है। ये तथ्य कि इस मूर्ति को बनाने के लिये आवश्यक पूंजी को अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर एकत्र किया गया था और इसे यूरोप में एक फ्रेंच मूर्तिकार द्वारा बनाया गया था आदि, इस विश्व विरासत स्थल के शांतिपूर्ण सांस्कृतिक आदान-प्रदान के प्रतीक होने की अभिव्यक्ति को सुदृढ़ करते हैं।

इनडिपेन्डेन्टस हॉल, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका © यूनेस्को

इंडिपेन्डेन्स हॉल, पेन्नसिल्वेनिया के शहर फिलेडेलफिया शहर मध्य में स्थित वह स्थान हैं जहां स्वतंत्रता की घोषणा और अमेरिकन संविधान के आलेखों पर क्रमश: वर्ष 1776 और 1787 में हस्ताक्षर किये गये थे। और तभी से उपरोक्त प्रलेखों में शामिल प्रजातंत्र के वैश्विक सिद्धांत, जिन्हें अमेरिका और विश्व के इतिहास में मूलभूत महत्व प्राप्त है, विश्व के कई भागों में कानून लिखने वालों को प्रेरणा प्रदान करते रहें हैं। इस स्थल को विश्व विरासत सूची में 1979 में शामिल किया गया था।

© यूनेस्को 2002

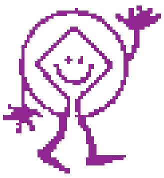

■ विद्यार्थी क्रियाकलाप 42

एक विश्व विरासत और शांति क्रास-वर्ल्ड पजल बनाना

उद्देश्य: विद्यार्थियों के मनों में विश्व विरासत और शांति के बीच के मूलभूत संबंध को सुदृढ़ बनाना

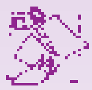

प्रायोगिक क्रियाकलाप

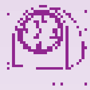

1 या 2 कक्षा घंट

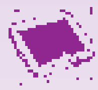

नागरिक शास्त्र

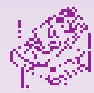

विश्व विरासत नक्शा

विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ना
एक विश्व विरासत और शांति क्रास-वर्ल्ड पजल, शब्द कोश
विश्व कोष

✓ अपने विद्यार्थियों से दो सूचियां बनाने के लिये कहें - एक विश्व विरासत स्थलों की और दूसरी उन सब शब्दों और संकल्पनाओं जो कि शांति से संबंधित है (उदाहरण के लिये: शांति शब्द के पर्यायवाची शब्द: अमन, शांति, युद्ध -विराम, समता, सामंजस्य, मैत्री, निश्चल, चुपचाप, निस्तब्धता आदि; शांति शब्द से मिलते जुलते शब्द: अहिंसा, समझौता आदि; और शांति के विपरीत अर्थ वाले शब्द: चढ़ाई, लड़ाई, सैनिक हमला, धावा बोलना, शत्रुता, सैनिक हलचल, संघर्ष आदि)।

उसके बाद उन्हें कहें कि वे विश्व विरासत स्थलों के नामों और दूसरी सूची में शामिल किये गये शब्दों के उपयोग द्वारा अपनी एक क्रॉस वर्ल्ड पजल बनायें। विद्यार्थी क्रियाकलाप पन्ने पर दिये गये ग्रिड का उपयोग एक उदाहरण के तौर पर कर सकते हैं।

© यूनेस्को 2002

				e						
a				c						
r		t		n						
g	o	r	e	e						
a		o		d	e	f	e	n	c	e
		f		n				a		c
				e				i		a
		l		p				r		e
p	e	a	c	e				d		p
		h		d				a		
		a		n				h		
		m		i						
		j								
p	e	a	c	e						
		t								

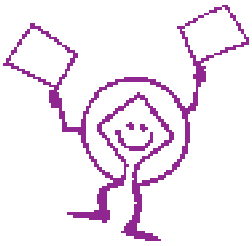

पाठ्यक्रम पर एक दृष्टि: विश्व विरासत और शांति की संस्कृति

कला

चुनें: एक ऐसा विश्व विरासत स्थल चुनें जो शांति अथवा सौंदर्य से संबंधित हो।

बनायें: विश्व विरासत संरक्षण और शांति इन दोनों को प्रोत्साहित करने के लिये पोस्टर बनायें और उस पर संदेश लिखें।

विदेशी भाषा

अनुवाद: शांति और विरासत जैसे शब्दों का दूसरी भाषाओं में अनुवाद करें जिनसे विद्यार्थी परिचित हों।

अनुसंधान: अपनी विदेशी भाषा की कक्षा में वे विश्व विरासत स्थल ढूंढें जो शांति से संबंधित हैं।

भूगोल

पढ़ें: रोज समाचार पत्र पढ़ें और उन लेखों को काटकर रखें जो विश्व के विभिन्न भागों में हो रहे तनाव और आपसी मन-मुटाव से संबंधित हों और जो विश्व विरासत पर संभावी खतरों से संबंधित हों।

प्रस्तुत करें: एक महीने बाद उन कतरनों को भौगोलिक क्षेत्रों के अनुसार अलग-अलग करें (उदा. अफ्रीका, अरब राज्य, एशिया और प्रशांत क्षेत्र, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, लैटिन अमेरिका और केरिबियन)

पहचानें: उन विरासत स्थलों को पहचानें जो इस समय चल रहे तनाव या लड़ाई के पास स्थित हैं और चर्चा करें कि क्या उनके नष्ट होने या नुकसान होने का कोई खतरा है

इतिहास

पहचानें: एक स्थल को चुनें जो शांति का प्रतीक है (आपके देश में या विश्व में किसी और जगह) जो अभी तक विश्व विरासत सूची में शामिल नहीं किया गया है

चर्चा करें: इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व पर चर्चा करें और उसकी वर्तमान और भविष्य में उसकी क्या स्थिति होगी इस पर रोशनी डालें

भाषा

बनायें: 'शांति' इस शब्द के पर्यायवाची शब्दों की सूची बनायें फिर उनमें से एक शब्द चुनें और उस शब्द का विश्व विरासत से संबंध इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखें।

गणित

चुनें: कोई एक विरासत स्थल चुनें जैसे कि गोरी द्वीप, सेनेगल और अनुसंधान करें कि अमेरिका को जाने वाली नावों में कितने गुलाम बैठ कर गये, प्राप्त डाटा को चार्ट द्वारा, दशकों अथवा सदियों के अनुसार प्रस्तुत करें और परिणामों पर चर्चा करें।

© यूनेस्को 2002

संसाधन सामग्री

© यूनेस्को/वी. काउटॅान/बी. गेलाय/बी. पेटिट - आईयू सी एन/थोरसेल; पेट्रिमोइने 2001/क्रिस्टोफे लेपेटिट

हमें मनोरंजक और विषय-संगत शैक्षणिक सामग्री चाहिये जो विश्व विरासत का महत्व समझने में हमारी सहायता करे। इसके विकास में युवाओं का भी योगदान हो।

हमारी प्रतिज्ञा, पहला अंतर्राष्ट्रीय विश्व विरासत युवा मंच, बर्गन, नोर्वे

संसाधन सामग्री

पृष्ठ

पारिभाषिक शब्द-कोश 165

संपर्कपते 169

यूनेस्को हेडक्वार्टर्स 169
यूनेस्को के क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालय 171
दूसरे सहयोगी संगठन 172

संसाधन सामग्री की सूची 175

यूनेस्को सामग्री जो नि:शुल्क उपलब्ध है 175
यूनेस्को सामग्री जो विक्रय के लिये है 176
दूसरी विक्रय सामग्री 177
संपर्क सूची 178

दूसरी संसाधन सामग्री

विश्व विरासत सामग्री
विश्व विरासत स्थलों का संक्षिप्त विवरण
विश्व विरासत स्थलों के 26 लैमिनेटेड फोटोग्राफ्स
विश्व विरासत नक्शा
पोस्टर
स्टिकर

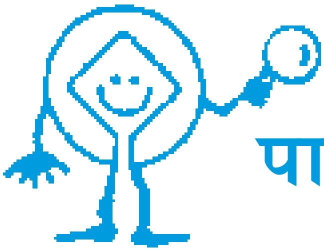

पारिभाषिक शब्द-कोश

द एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क (ए एस पीनेट)

इसे यूनेस्को ने 1953 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य था विश्व भर के सभी स्कूलों को संगठित कर अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव, सहनशीलता और शांति की संस्कृति को स्थापित करने हेतु शिक्षा की भूमिका को सुदृढ़ करना। पिछले पांच दशकों से, 7000 से भी अधिक स्कूल ए एस पीनेटवर्क में शामिल हो उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिये नयाचार शिक्षण सामग्री और संसाधनों के विकास कार्य में लगे हैं।

जैवविविधता, या जीववैज्ञानिक विविधता

का अभिप्राय जीवों के सभी विभिन्न प्रकारों से है जिसमें पृथ्वी के सभी पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, सूक्ष्मजीव उनकी आनुवंशिक इकाइयां (जीन्स) और जैव-प्रणालियां (इकोसिस्टम) शामिल हैं जिनके वे एक भाग हैं।

कन्सर्वेशन

का अभिप्राय किसी स्थल के देख-भाल की उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा उस स्थल के विशेष मूल्यों का संभार हो सके। संरक्षण में रख-रखाव, परिरक्षण, पुनर्निर्माण, स्थल का पुनरुत्थान तथा बहाली आदि शामिल हो सकते हैं।

मानदंड (एकवचन)/मानदंडो (बहुवचन)

मानदंडो का उपयोग वैश्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थलों के चुनाव के लिये किया जाता है ताकि उन्हें विश्व विरासत सूची में शामिल किया जा सके।

शांति की संस्कृति

यह एक ऐसी संकल्पना है जो किसी एक क्षेत्र में सीमित नहीं की जा सकती और इसमें उन सभी गतिविधियों का समावेश है जो यूनेस्को द्वारा उन नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहन देने के लिये की जाती हैं जो शांति से आत्मीय रूप से जुड़ी हैं।

सांस्कृतिक विरासत

की विश्व विरासत कन्वेन्शन में दी गई परिभाषा में स्मारक, भवनों के समूह और स्थल शामिल हैं।

सांस्कृतिक परिदृश्य

वे दृश्य जो लोगों और उनके प्राकृतिक पर्यावरण के बीच की अंतर्क्रियायों को प्रदर्शित करते हैं।

जनरल कान्फ्रेन्स ऑफ यूनेस्को

यूनेस्को के सभी सदस्य राज्यों द्वारा प्रत्येक दो वर्ष के बाद संगठन के कार्यक्रमों और बजट की स्वीकृति के लिये आयोजित की जाने वाली बैठक।

© यूनेस्को 2002

आई सी सी आर ओ एम

वह अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र है जहां सांस्कृतिक संपदाओं के परिरक्षण और बहाली हेतु अध्ययन और अनुसंधान कार्य किया जाता है। आई सी सी आर ओ एम, सांस्कृतिक विरासत स्थलों के संरक्षण के संदर्भ में विशेष सुझाव देता है तथा उनकी बहाली के लिये आवश्यक यांत्रिक कौशल उपलब्ध करवाने के लिये प्रशिक्षण-क्रमों का आयोजन करता है।

आई सी ओ एम

यह म्यूजियमों की अंतर्राष्ट्रीय काउन्सिल है जो विश्व भर में म्यूजियमों म्यूजियम-विशेषज्ञों के लिये विकास और प्रोत्साहन कार्य करती है ।

आई सी ओ एम ओ एस

यह स्मारकों और स्थलों की अंतर्राष्ट्रीय काउन्सिल है। आई सी ओ एम ओ एस उन सांस्कृतिक स्थलों और सांस्कृतिक परिदृश्यों के यांत्रिक पक्षों का मूल्यांकन करती है, जिनका विश्व विरासत सूची में शामिल किये जाने के लिये नामांकन भेजा गया है।

आई सी यू एन

यह विश्व संरक्षण यूनियन है। इसका कार्य विश्व विरासत कमेटी को प्राकृतिक स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल किये जाने हेतु सुझाव देना है।

खतरे में पड़ी विश्व विरासत सूची

इस सूची में उन सभी विरासत स्थलों को शामिल किया जाता है जिन्हें विश्व विरासत कमेटी द्वारा बहुत अधिक खतरे में होने की घोषणा की गई है और जिन्हें अन्तर्राष्ट्रीय संरक्षण समुदायों के एकत्रित प्रयास की आवश्यकता होती है ।

सदस्य राज्य

वे सभी राष्ट्र जो यूनेस्को के सदस्य हैं, सदस्य राज्य कहलाते हैं।

प्राकृतिक विरासत

की विश्व विरासत कनवेन्शन की परिभाषा में प्राकृतिक विशेषतायें, भूगर्भीय व भौगोलिक निर्मितियां और प्राकृतिक स्थल शामिल हैं।

नामांकन

वह प्रक्रिया जिसके द्वारा कनवेन्शन से अनुबंधित कोई राज्य, किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में अंकित किये जाने के लिये निवेदन करता है। इस प्रक्रिया में पूर्ण-रूप से भरा गया एक विशेष नामांकन प्रपत्र यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज सेन्टर को भेजा जाता है।

विशेष वैश्विक मूल्य

किसी स्थल का विशेष वैश्विक मूल्य होने का अभिप्राय यह है कि उस स्थल का मिट जाना संपूर्ण विश्व के लोगों के लिये एक अपूरणीय हानि होगी। विशेष वैश्विक मूल्य का सरल अर्थ विश्व विरासत मूल्य का होना भी समझा जा सकता है।

पेट्रिमोनिटो

यह एक किरदार है जो उस युवा का प्रतीक है जो विरासत का संरक्षण करता है। इसे बर्गन, नोर्वे में हुए पहले विश्व विरासत यूथ फोरम में भाग लेने वाले युवाओं ने बनाया था ।

© यूनेस्को 2002

अनुबंधित राज्य (एकवचन) अनुबंधित राज्य (बहुवचन)

अनुबंधित राज्य वे राष्ट्र हैं जिन्होंने विश्व विरासत कन्वेन्शन का अनुमोदन किया है। इस अनुबंध के तहत वे अपने राष्ट्रीय क्षेत्र के अंदर स्थित स्थलों को जानकर उन्हें विश्व विरासत सूची में अंकित किये जाने के लिये नामांकन भेजते हैं। जब कोई अनुबंधित राज्य किसी स्थल के लिये नामांकन भेजता है तो उस स्थल का संरक्षण किस प्रकार से किया जा रहा है इसका संपूर्ण विवरण स्थल के प्रबंधन की योजना के साथ भेजता है। अनुबंधित राज्यों से यह आशा की जाती है कि वे विश्व विरासत सूची में शामिल स्थलों के विश्व विरासत मूल्यों का संरक्षण करेंगे, तथा उन्हें इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाता है कि वे निश्चित समय अंतराल पर यूनेस्को को उन स्थलों की स्थिति का विवरण भेजते रहेंगे। सभी अनुबंधित राज्य दो साल में एक बार यूनेस्को के जनरल कान्फ्रेंस के साधारण सत्र में एकत्रित होते है जिसे अनुबंधित राज्यों की जनरल एसेम्बली कहा जाता है। इस जनरल एसेम्बली में अनुबंधित राज्य विश्व विरासत कमेटी का चुनाव करते हैं, विश्व विरासत फंड के एकाउंट स्टेटमेन्ट की जांच करते हैं और मुख्य विषयों पर आवश्यक कूटनीतियों का निर्णय लेते हैं।

प्रस्तावित सूची

प्रत्येक देश जो कनवेन्शन का अनुबंधित राज्य है से यह निवेदन किया जाता है कि वह अगले पांच या दस साल में जिन प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों को विश्व विरासत सूची में अंकित करना चाहता है उन सभी की एक प्रस्तावित सूची बना लें।

यूनाइटेड नेशन्स

यह एक अतंर्राष्ट्रीय संगठन है जिसके 189 (वर्ष 2001 तक) सदस्य राज्य हैं। इसका गठन दूसरे विश्व युद्ध के बाद अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व शांति बनाये रखने, राष्ट्रों के बीच मैत्री-पूर्ण संबंध स्थापित करने, सामाजिक प्रगति, जीवन स्तरों तथा मानव अधिकारों को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से किया गया था।

यूनेस्को, यूनाइटेड नेशन्स एजूकेशनल, साइन्टिफिक एण्ड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन)

यह यूनाइटेड नेशन्स की एक विशिष्ट संस्था है जिसके वर्ष 2001 में 188 सदस्य थे। यूनेस्को का उद्देश्य अतंर्राष्ट्रीय बौद्धिक सहयोग द्वारा पुरुषों और स्त्रियों के मन में शांति की सुरक्षा को स्थापित करना है।

यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेन्टर

का उत्तरदायित्व है कि वह विश्व विरासत कमेटी के निर्णयों का क्रियान्वयन करे।

यूनेस्को यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट (यूनेस्को की युवाओं के लिये विश्व विरासत शैक्षणिक परियोजना)

यह एक अंतर्क्षेत्रीय परियोजना है जिसे यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेन्टर और ए एस पीनेट एजूकेशन विभाग की कोआर्डिनेशन यूनिट के संयुक्त समन्वयन (कोआर्डिनेशन) द्वारा चलाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य, विश्व विरासत शिक्षा को विश्व के सभी क्षेत्रों के स्कूलों के पाठ्यक्रमों में शामिल करना है जिस के द्वारा विश्व विरासत स्थलों के मूल्यों और उनके संरक्षण की सही समझ को सुनिश्चित किया जा सके।

© यूनेस्को 2002

विश्व विरासत

विशेष वैश्विक मूल्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत जो विश्व विरासत सूची में अंकित की गई हैं।

विश्व विरासत ब्यूरो

विश्व विरासत कमेटी के सात सदस्यों से एक ब्यूरो का गठन होता है जो एक साल में दो बार मिलते हैं और कमेटी के कार्य की तैयारी करते हैं।

विश्व विरासत कमेटी

विश्व विरासत कनवेन्शन का कार्यान्वयन 21 सदस्यीय अंतर-सरकारी विश्व विरासत कमेटी द्वारा किया जाता है।

विश्व विरासत समझौता (विश्व विरासत कनवेन्शन)

द कनवेन्शन कनसर्निंग द प्रोटेक्शन ऑफ वर्ल्ड कल्चरल एन्ड नेचुरल हेरिटेज को 1972 में हुई यूनेस्को जनरल कॉनफ्रेन्स के 16 वें सत्र में अनुमोदित किया गया था। इस समझौते का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिये विशेष वैश्विक मूल्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा, संरक्षण, परिरक्षण तथा प्रेक्षण है।

विश्व विरासत निधि/वर्ल्ड हेरिटेज फंड

यह ऐच्छिक व अनिवार्य रूप में दी गई सहायता के द्वारा एकत्रित किया जाता है और इसे विश्व विरासत संरक्षण के लिये उपयोग में लाया जाता है।

विश्व विरासत सूची/वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट

विशेष वैश्विक मूल्य की सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्र सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों (जिसमें सांस्कृतिक परिदृश्य भी शामिल हैं) की सूची।

विश्व विरासत युवा मंच/ वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरा

अभी तक दस विश्व विरासत युवा मंचों का आयोजन किया जा चुका है: बर्गन, नोर्वे 1995; ड्यूबरोविन्क, क्रोएशिया 1996, बीजिंग, चीन 1997, ओसाका, जापान 1998; ले डे गोरी, सेनेगल 1999; इफ्रेन, मोरोक्को 1999; केरन्स, आस्ट्रेलिया 2000; लिमा, पेरू 2001; और काल्सक्रोना स्वीडन 2001। युवा मंच का उद्देश्य युवाओं में अतंर-सांस्कृतिक समझ तथा उसके आदान प्रदान को प्रोत्साहित करना, उन्हें विश्व विरासत कनवेन्शन के महत्व के प्रति जागरुक करना तथा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तरों पर विश्व विरासत संरक्षण में युवाओं के योगदान की योजना बनाना है।

© यूनेस्को 2002

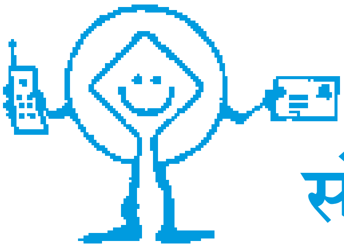

संपर्क पते

■ यूनेस्को हेडक्वार्टर्स

यूनेस्को हेडक्वार्टर्स

7 प्लेस डे फोन्टेनोय
75352 पेरिस 07 एस पी
फ्रांस
टेलि: (33 1) 45 68 10 00
फैक्स: (33 1) 45 67 16 90
ई मेल: http://unesco.org

वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर

यूनेस्को हेडक्वार्टर्स
टेलि: (33 1) 45 68 15 71
(33 1) 45 68 18 76
फैक्स: (33 1) 45 68 55 70
ई मेल: wh-info@unesco.org
http://www.unesco.org/whc
www.unesco.org/whc/education

एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क (ए एस पी नेट)

एजूकेशन सेक्टर
यूनेस्को हेडक्वार्टर्स
फैक्स: (33 1) 45 68 56 39
ई मेल: aspnet.@unesco.org
http://www.unesco.org/education/asp

यूनेस्को सांस्कृतिक विरासत क्षेत्र
(द डिवीजन ऑफ कल्चरल हेरिटेज, यूनेस्को)

संस्कृति के इस क्षेत्र का उत्तरदायित्व मुख्यत: अतंर्राष्ट्रीय अभियानों का प्रबंधन होता है, जिनमें कुछ विश्व विरासत संपदाओं से संबंधित होते हैं। यह विभाग वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर, आई सी सी आर ओ एम और आई सी ओ एम ओ एस के सहयोग से, पहले से शुरू की जा चुकी परियोजनाओं का क्रियान्वयन भी करता है।

डिविजन ऑफ कल्चरल हेरिटेज
सेक्टर फॉर कल्चर
1 रयू मिओलिस
75732 पेरिस, सीडेक्स 15
फ्रांस
टेलि: (33 1) 45 68 37 56
फैक्स: (33 1) 45 68 55 96

© यूनेस्को 2002

अंतर्राष्ट्रीय मानक क्षेत्र(द इंटरनेशनल स्टेन्डर्ड्स सेक्शन)

यह 1954 के हेग कनवेन्शन *(कनवेन्शन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी इन द इवेन्ट ऑफ आर्म्ड कनफ्लिक्ट)* और वर्ष 1970 के *कनवेन्शन ऑन द मीन्स ऑफ प्रोहिबिटींग एन्ड प्रिवेन्टींग द इलिसिट इम्पोर्ट, एक्सपोर्ट एन्ड ट्रान्सफर ऑफ ओनरशिप ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी* का प्रशासन देखता है।

इंटरनेशनल स्टैन्डर्ड्स सेक्शन
डिविजन ऑफ कल्चरल हेरिटेज, सेक्टर फार कल्चर
यूनेस्को हेडक्वार्टर्स

विज्ञान क्षेत्र, यूनेस्को (द साइन्स सेक्टर, यूनेस्को)

इस क्षेत्र के विभाग, डिविजन ऑफ इकोलोजिकल साइन्सेस (स्थल वैज्ञानिक विभाग), डिविजन ऑफ अर्थ साइन्सेस (भू-विज्ञान विभाग) और ब्यूरो फॉर कोआर्डिनेशन ऑफ इनवायरोनमेन्टल प्रोग्रेम्स (पर्यावरण-कार्यक्रमों के समन्वयन का ब्यूरो), विश्व विरासत सेंटर और आई यू सी एन के सहयोग से प्राकृतिक विश्व विरासत संपदाओं से संबंधित चल रही परियोजनाओं, विशेषकर उन स्थलों जिन्हें यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व घोषित किया गया है, का क्रियान्वयन करता है।

डिविजन ऑफ इकोलोजिकल साईन्सेज
साईन्स सेक्टर
1 रयू मिओलिस
75732 पेरिस सीडेक्स 15
टेलि: (33 1) 45 68 40 67
फैक्स: (33 1) 45 68 58 04

मैन एण्ड द बायोस्फियर प्रोग्राम
ई मेल: mab@unesco.org
http://www.unesco.org/mab

कल्चर ऑफ पीस प्रोग्राम (शांति की सभ्यता कार्यक्रम)

यह एक ऐसी संकल्पना है जो किसी एक क्षेत्र में सीमित नहीं की जा सकती और इसमें उन सभी गतिविधियों का समावेश है जो यूनेस्को द्वारा उन नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहन देने के लिये की जाती हैं जो शांति से आत्मीय रूप से जुड़ी हैं।

कल्चर ऑफ पीस कोआर्डिनेशन
यूनेस्को हेडक्वार्टर्स
टेलि: (33 1) 45 68 12 20
फैक्स: (33 1) 45 68 55 57
ई मेल: cp@.unesco.org
http://www.unesco.org/cp

यूनेस्को पब्लिशिंग ऑफिस (यू पी ओ/डी)

यूनेस्को हेडक्वार्टर्स
टेलि: (33 1) 45 68 46 25
फैक्स: (33 1) 45 68 57 39
http://upo.unesco.org

© यूनेस्को 2002

■ यूनेस्को के क्षेत्रीय और उपक्षेत्रीय कार्यालय

यूनेस्को डाकर

12 एवेन्यू रोउमे, बी पी 3311, डाकर, सेनेगल
फोन: (22 1) 8492323
फैक्स: (22 1) 8238393
ई मेल: dakar @.unesco.org

यूनेस्को सेंटिएगो

काल्ले एनरिक्यू डेलपियानो 2058. केसिल्ला 3187, सेंटिएगो, चाइल
फोन: (562) 6551050
फैक्स: (562)6551046
ई मेल: uhst@.unesco.org

यूनेस्को बैंकाक

प्रेकेनांग पोस्ट ऑफिस, बोक्स 967, बैंकाक, 10110, थाईलैण्ड
टेलि: (662) 391 0879/0577/0550
फैक्स: (662) 391 0866
ई मेल: bangkok@.unesco.org

यूनेस्को अमान

पी ओ बाक्स 2270, वाडी सक्वरा, अम्मान 11181, जार्डन
टेलि: (962 6) 5514234/6559
फैक्स: (962 6) 5532183
ई मेल: amman@.unesco.org

यूनेस्को एपिया

पीओ बाक्स 5766
माटाउटू, यूटीए पोस्ट ऑफिस, एपिया, समोआ
टेलि: (685) 24 276
फैक्स: (685) 22 253
ई मेल: unesco.apia@.unesco.org

यूनेस्को हरारे

पी ओ बाक्स एच जी 435, हाईलैण्ड्स, हरारे, जिम्बाब्वे
टेलि: (263 4) 77 6114/15
फैक्स: (263 4) 77 60 55
ई मेल: harare@.unesco.org

यूनेस्को सेन जोसे

एपी. पोस्टल 220, सेन फ्रान्सिसको 2120, सेन जोसे, कोस्टा रिका
टेलि: (506) 296 37 81/220 44 00
फैक्स : (506) 231 22 02
ई मेल: san-jose@.unesco.org

© यूनेस्को 2002

यूनेस्को दोहा

पी ओ बाक्स, 3945, दोहा, कतार
टेलि: (974) 86 77 07/77 08
फैक्स: (974) 86 76 44
ई मेल: doha@.unesco.org

■ सहयोगी संस्थायें

इंटरनेशनल सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ द प्रिजर्वेशन एन्ड रिस्टोरेशन ऑफ कल्चरल प्रोपर्टी (आईसीसीआरओएम)

आई सीसीआरओएम
वाया डी सेन मिशेल 13
1-00153 रोम
इटली
टेलि: (396) 585 531, फैक्स: (396) 585 533 49
ई मेल: iccrom@.iccrom.org
http://www.icomos.org/iccrom

इंटरनेशनल कॉन्सिल ऑन मोन्यूमेंटस एन्ड साइट्स (आईसीओएमओएस)

आई सी ओ एम ओ एस
49-51 रयू डे ला फेडरेशन
75015 पेरिस
फ्रांस
टेलि : (33 1)45 67 67 70, फैक्स : (33 1) 45 66 06 22
ई मेल: secretariat@.icomos.org
http://www.icomos.org

वर्ल्ड कन्जर्वेशन यूनियन (आईयूसीएन)

आई यू सी एन
रयू मॉवेर्न 28
सी एच-1196 ग्लैण्ड
स्विटजरलैण्ड
टेलि: (41) 22 999 0001
फैक्स : (41) 22 999 0010
ई मेल: mail @.iucn.org
http://www.iucn.org

इंटरनेशनल कॉउन्सिल ऑफ म्यूजियम्स (आईसीओएम)

आई सी ओ एम
1 रयू मिओलिस
75732 पेरिस सीडेक्स 15 फ्रांस,
टेलि : (33 1) 47 34 05 00, फैक्स : (33 1) 43 06 78 62
ईमेल:secretariat@.icom.org
http://www.icom.org

© यूनेस्को 2002

नोरडिक वर्ल्ड हेरिटेज ऑफिस (एनडब्ल्यूएचओ)

एन डब्ल्यू एच ओ
पोस्ट बाक्स 8196 डेप.
एन-0034 ओस्लो
नोर्वे
टेलि: (47) 22 94 05 80
फैक्स: (47) 22 94 05 81
ई मेल: nwho@ra.no
http://www.grida.no/ext/nwho/index.htm

आर्गेनाइजेशन ऑफ वर्ल्ड हेरिटेज सीटिस (ओडब्ल्यूएचसी)

ओ डब्ल्यू एच सी
56 रयू सेन्ट-पियरे
क्यूबेक जीआई के 4एआई
कनाडा
टेलि: (1) 418 692 0000
फैक्स: (1) 418 692 5558
ई मेल:secretariat@.ovpm.org
http://www.ovpm.org

यू एन ई पी वर्ल्ड कन्जर्वेशन मोनिटरिंग सेन्टर (डब्ल्यूसीएमसी)

यूएनईपी डब्ल्यू सी एम सी
219 हन्टिगडन रोड
केम्ब्रिज सी बी3 ओडीएल
यूनाइटेड किंगडम
टेलि: (44) 1223 277 314
फैक्स: (44) 1223 277 136
ई मेल: info@unep-wcmc.org
http://www.unep-wcmc.org

वर्ल्ड टूरिज्म ओर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ)

डब्ल्यू टी ओ
केपिटेन हाया 42
28020 मेड्रिड
स्पेन
टेलि: (34 91) 567 81 00
फैक्स: (34 91) 571 37 33
ई मेल :omt@.world-tourism.org
http://www.world-tourism.org

याद रखें: उपरोक्त सूचनाओं में परिवर्तन हो सकता है। कृपया संशोधित पतों के लिये यूनेस्को हेडक्वार्टर्स में संपर्क करें।

© यूनेस्को 2002

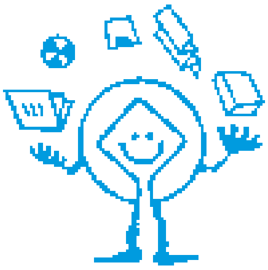

संदर्भ सामग्री की सूची

■ यूनेस्को सामग्री जो नि:शुल्क उपलब्ध है*

वर्ल्ड हेरिटेज मैप (मोड़ा जा सकने वाला पोस्टर)

अंग्रेजी, फ्रेन्च और स्पेनिश में उपलब्ध

वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट

अंग्रेजी और फ्रेन्च में उपलब्ध

ब्रीफ डिसक्रिपशन्स ऑफ वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स

अंग्रेजी और फ्रेन्च में उपलब्ध

द वर्ल्ड हेरिटेज (इनफोरमेशन शीट्स)

अंग्रेजी, फ्रेन्च और स्पेनिश में उपलब्ध

द वर्ल्ड हेरिटेज 2002 (रंगीन इनफोरमेशन ब्राशर)

अप्रैल 2002 से अंग्रेजी, फ्रेन्च और स्पेनिश में उपलब्ध

कनवेन्शन कनसर्निंग द प्रोटेक्शन ऑफ वर्ल्ड कल्चरल एन्ड नेचुरल हेरिटेज

पेरिस, यूनेस्को,1972
अंग्रेजी, फ्रेन्च ,स्पेनिश, रूसी और अरबी में उपलब्ध

ऑपरेशनल गाइडलाइन्स फॉर द इम्पलिमेन्टेशन ऑफ वर्ल्ड हेरिटेज कनवेन्शन

अंग्रेजी और फ्रेन्च में उपलब्ध

वर्ल्ड हेरिटेज न्यूजलेटर (दो महीने में एक बार)

विश्व विरासत नीतियों और तथ्यों के विषय में नवीनतम जानकारी
अंग्रेजी और फ्रेन्च में उपलब्ध

वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन ब्राशर

4 पन्ने की पत्रिका जिसमें विश्व विरासत शिक्षण और ए एसपीनेट के विषय में जानकारी है।
अंग्रेजी और फ्रेन्च में उपलब्ध

एएसपी नेट इन्ट्रोडक्शन शीट

एक छोटी पत्रिका जिसमें ए एसपी नेट का संक्षिप्त विवरण है

यूनेस्को एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क में हिस्सा लेने के लिये कुछ मुख्य व्याख्यायें

ए एस पीनेट कार्य की रूप रेखा एक पैकेज्ड मेन्यूल में

© यूनेस्को 2002

निम्नलिखित वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरा की प्रतिज्ञायें वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन वेबसाइट पर उपलब्ध हैं (http://www.unesco.org/whc/education):

- पहला वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, बर्गन नोर्वे
  24–28 जून 1995
- पहला यूरोपियन वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, ड्यूब्रोविन्क, क्रोएशिया
  25 मई –30 मई 1996
- पहला अफ्रीकन वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, विक्टोरिया फाल्स, जिम्बाबवे
  18–24 सितम्बर 1996
- एशिया-पेसेफिक वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, बीजिंग, चीन
  15–21 सितम्बर 1997
- दूसरा अतंर्राष्ट्रीय वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, ओसाका, जापान
  21–29 नवम्बर 1998
- पहला अरब स्टेट्स वर्ल्ड हेरिटेज यूथ फोरम, इफराने, मोरक्को
  22–28 नवम्बर1999
- पेसिफिक वर्ल्ड यूथ फोरम, कैरन्स, आस्ट्रेलिया
  23–28 नवम्बर 2000

पीरियोडिकल्स

बायोस्फियर रिजर्व्स, बुलेटिन ऑफ वर्ल्ड रिसर्च

यूनेस्को एम ए बी प्रोग्रेम
अंग्रेजी और फ्रेन्च में उपलब्ध

बुकलेट

बायोडाइवर्सिटी इनवायरोनमेन्ट एन्ड डेवलपमेन्ट ब्रीफ्स

साइन्स, कनसर्वेशन एन्ड ससटेनेबल यूज
पेरिस, यूनेस्को, 1994
अंग्रेजी में उपलब्ध

■ यूनेस्को सामग्री जो विक्रय के लिये है**

विश्व विरासत पर सामान्य प्रकाशन

मैनेजमेन्ट गाइडलाइन्स फॉर वर्ल्ड कल्चरल हेरिटेज साइट्स

बर्नाड एम. फेल्डन और जूक्का जोक्लिहटो, आईसीसीआरओएम/यूनेस्को,1993
अंग्रेजी और फ्रेन्च में उपलब्ध

वर्ल्ड हेरिटेज डेस्क डायरी

सेन मारकोस/ यूनेस्को, मेड्रिड/पेरिस
अंग्रेजी, फ्रेन्च तथा स्पेनिश में वार्षिक प्रकाशन

द वर्ल्ड हेरिटेज

चिल्ड्रन्स प्रेस/यूनेस्को, पेरिस
वर्ष 8-15 की आयु के बच्चों के लिये क्रमिक प्रकाशन
फ्रेन्च, अंग्रेजी तथा स्पेनिश में उपलब्ध

© यूनेस्को 2002

पेट्रिमोनियो डे ला ह्यूमेनिडेड

12 अंकों का विश्वकोश
सेन मारकोस/यूनेस्को, मेड्रिड/पेरिस,1995
स्पेनिश में उपलब्ध

वर्ल्ड हेरिटेज

12 अंकों का विश्वकोष
वर्लाकशूश स्टूटगार्ट/प्लाजा वाय जेन्स/यूनेस्को
स्टूटगार्ट/पेरिस, 1996/1997
जर्मन में उपलब्ध

स्काटजे डर मैन्शियेट

फ्रेढर किंग और थेलर/यूनेस्को, मूनचेन/पेरिस,1996/1997
जर्मन में उपलब्ध

द वर्ल्ड हेरिटेज

12 अंकों का विश्वकोश
कोडान्शा/यूनेस्को, टोक्यो/पेरिस, 1996/1997
जापानी में उपलब्ध

आवर क्रियेटिव डाइवर्सिटी: संस्कृति और विकास पर वर्ल्ड कमीशन की रिपोर्ट

पेरिस, यूनेस्को,1995

पीरियोडिकल्स

वर्ल्ड हेरिटेज रिव्यू

दो महीने में एक बार प्रकाशित, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विश्व विरासत पर गहराई से लिखे लेख
अंग्रेजी, फ्रेन्च और स्पेनिश में उपलब्ध

■ दूसरी सामग्री जो विक्रय के लिये है

मास्टर वर्कस ऑफ मैन एण्ड नेचर

पटोन्गा, आस्ट्रेलिया, हार्पर-मेकरि पब्लिशिंग, 1972
आई एस बी एन : 0-646-05376-0
अंग्रेजी में उपलब्ध
मंगवाने का पता: आई यू सी एन, रयू मॉवेर्न 28, 1196 ग्लैण्ड, स्विटजरलैण्ड

पेराडाइस ऑन अर्थ

पेटोन्गा, आस्ट्रेलिया, जेआईडीडी पब्लिशर्स, 1995
आई एस बी एन: 0-646-19397-एक्स
अंग्रेजी में उपलब्ध
मंगवाने का पता: आई यू सी एन, रयू मॉवेर्न 28, 1196 ग्लैण्ड, स्विटजरलैण्ड

© यूनेस्को 2002

वर्ल्ड हेरिटेज ट्वेन्टी इयर्स लेटर

ग्लैण्ड, स्विटजरलैण्ड, आई यू सी एन 1992
आई एस बी एन:2-8317-0109-0
अंग्रेजी में उपलब्ध
मंगवाने का पता: आई यू सी एन, रयू मावेर्ने 28, 1196 ग्लैण्ड, स्विटजरलैण्ड

उपरोक्त प्रकाशनों को मंगवाने के लिये इस वेब साइट पर जायें: http://www.iucn.org/bookstore

वर्ल्ड कल्चरल एण्ड नेचुरल प्रोपर्टी

युवाओं के लिये क्रमिक प्रकाशन
टोक्यो, गेक्केन, 1994
जापानी में उपलब्ध

■ संपर्क सूची

*यूनेस्को सामग्री जो निशुल्क उपलब्ध है के लिये संपर्क करें:
यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेन्टर
7 प्लेस डे फोन्टेनोय, 75352 पेरिस 07 एस पी फ्रान्स
फैक्स: (33 1) 01 45 68 55 70
ई मेल: wh-info@.unesco.org

एसोयिटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क (ए एस पीनेट)
एजूकेशन सेक्टर
यूनेस्को 7 प्लेस डे फोन्टेनोय, 75352 पेरिस 07 एस पी फ्रान्स
फैक्स: (33 1) 01 45 68 56 39
ई मेल: aspnet@.unesco.org

**यूनेस्को सामग्री जो विक्रय द्वारा उपलब्ध है के लिये संपर्क करें:
यूनेस्को पब्लिशिंग ऑफिस
1, रयू मिओलिस, 75732 पेरिस सीडेक्स 15, फ्रान्स
फैक्स: (33 1) 45 68 57 41
ई मेल: c.laje@unesco.org

विश्व विरासत और एएसपी नेट से संबंधित सूचना
यूनेस्को के इंटरनेट सर्वर पर भी उपलब्ध है:

वर्ल्ड हेरिटेज सेन्टर
http://www.unesco.org/whc

एसोसियेटेड स्कूल्स प्रोजेक्ट नेटवर्क (एएसपी नेट)
http://www.unesco.org/education/asp

© यूनेस्को 2002

मोन्ट सेन्ट मिशेल और उसकी खाड़ी, फ्रान्स

सांस्कृतिक मानदंड: *I, III, VI*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि:1979

संक्षिप्त विवरण:

बड़े-बड़े रेतीले समुद्री किनारों के बीच स्थित एक चट्टानी टापू पर खड़े इस ईसाई मठ पर नोरमन्डी और ब्रिटानी के बीच उठने वाली समुद्री की लहरें आकर टकराती हैं। देवदूत सेन्ट मिचेल को समर्पित इस ईसाई मठ को ''पश्चिम का एक आश्चर्य'' समझा जाता है। गोथिक शैली में बना यह मठ उस गांव की यादगार है जिसे यहां की बड़ी-बड़ी दीवारों की छत्र-छाया प्राप्त थी। 11 वीं और 16 वीं सदी के बीच बना यह अद्‌भुत स्थल, अपनी यांत्रिकी और कलात्मक श्रेष्ठता के कारण पर्यटन के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है जिसे एक विशिष्ट प्राकृतिक स्थल होने की कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है ।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/एम क्लाडे

तानूम की चट्टानी चित्रकला, स्वीडन

सांस्कृतिक मानदंड: ***I, III, IV***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1994

संक्षिप्त विवरण:

उत्तरी बोहुस्लन के स्थान तानूम में चट्टानों को तराश कर की गई तरह-तरह की वैभवशाली चित्रकारी (मनुष्यों, पशुओं, औजारों, नावों और दूसरी वस्तुओं को दर्शाते चित्र), एक विशिष्ट कलात्मक उपलब्धि है, जिसकी विशेषता है इसके चित्रों की सांस्कृतिक और कालबद्ध एकता। कलाकृतियों की प्रचुरता तथा कला का एक विशेष स्तर, दोनो ही, यूरोप के लोगों के जीवन और उनके विश्वासों के परिचायक हैं।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को

वोलक्लिनजेन आयरनवर्क्स (लोहे का कारखाना), जर्मनी

सांस्कृतिक मानदंड: ***II, IV***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1994

संक्षिप्त विवरण:

लगभग 6 हेक्टेयर के क्षेत्र में फैला हुआ लोहे के काम का यह कारखाना, वालक्लिनजेन शहर का एक अत्यंत प्रभावी भाग है। अभी हाल ही में बंद हुआ यह कारखाना जिसे 19 वीं और 20 वीं सदी के दौरान, विभिन्न उपकरणों के मेल से बनाया गया था, उत्तरी अमेरिका तथा पश्चिमी यूरोप के संपूर्ण क्षेत्र का एकमात्र ऐसा कारखाना है जो अभी तक उसी स्थिति में है जैसा कि इसे बनाया गया था।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को

एगटेलेक कार्स्ट और स्लोवाक कार्स्ट की गुफायें, हंगरी/स्लोवाक गणराज्य

प्राकृतिक मानदंड: *I*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1995, 2000

संक्षिप्त विवरण:

अभी हाल में 712 ऐसी गुफायें पहचानी गयी हैं जिनमें विभिन्न प्रकार की निर्मितियां पाई गई हैं। इन निर्मितियों का गुफाओं के एक नियमित क्षेत्र में प्रचुरता से पाया जाना, इन गुफाओं के शीत-कटिबन्धीय कार्स्टिक (चट्टानों के घुलने से निर्मित) प्रणाली के एक प्रारूपिक उदाहरण होने की सूचना को प्रकट करता है। उष्ण कटिबंधीय तथा मौसमी प्रभावों के संयोग की अत्यंत ही दुर्लभ घटना को प्रस्तुत करने वाले इस स्थल ने करोड़ों वर्ष पूर्व के भू-गर्भीय इतिहास का अध्ययन करना संभव कर दिया है।

© यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002
फोटो: यूनेस्को

डायनोसॉर प्रोविन्शियल पार्क, कनाडा

प्राकृतिक मानदंड: ***I, III***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1979

संक्षिप्त विवरण:

अलबर्टा राज्य की बंजर भूमि के मध्य में स्थित यह डायनोसॉर प्रोविन्शियल पार्क जहां भू-क्षरण ने बहुत सी अलग-अलग निर्मितियां बनाई हैं, एक अत्यंत ही रमणीय स्थल होने के अतिरिक्त वह स्थान भी हैं जहां से ''रेंगनेवाले जीवों के काल'' के कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण जीवाश्मों को खोजा गया था। इन जीवाश्मों में लगभग 7.5 करोड़ साल पुरानी डायनोसॉर की 35 प्रजातियां शामिल हैं।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: *अलबर्टा पार्क केनाडा*

CASA DE DIOS Y PUERTA DEL CIELO

चिक्विटोस का जेसूइत मिशन, बोलिविया

सांस्कृतिक मानदंड: ***IV, V***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1990

संक्षिप्त विवरण:

वर्ष 1696 तथा 1760 के दौरान इन 6 रेड्यूशियोनिज़ (क्रिस्तानी इंडियनों से संबंधित) बस्तियों की स्थापना जेसूइत द्वारा उस निर्माण शैली में की गई थी जो केथोलिक वास्तुशिल्प और स्थानीय परंपराओं मेल से बनी थी। इन बस्तियों के निर्माण की प्रेरणा जेसूइत को 16 वीं सदी के ''आदर्श शहरों'' से प्राप्त हुई थी। सान फ्रेन्सिसको जेवियर, कोन्स्पेशियॉन, सान्ता आना, सान मिग्युइल, सान रेफेल और सान जोसे यह छह: बस्तियां चिक्विटोस के पूर्व क्षेत्र की जीती-जागती विरासत हैं।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को

लेटिन अमेरिका और केरिबियन

ब्राजीलिया,
ब्राजील

सांस्कृतिक मानदंड: ***I, IV***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1987

संक्षिप्त विवरण:

ब्राजीलिया, देश के केन्द्र में स्थित इस राजधानी का निर्माण वर्ष 1956 में एक्स निहिलो अथवा 'अर्थपूर्ण अस्तित्व' इस संकल्पना के आधार पर किया गया था, जो शहर-निर्माण योजना के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना है। लूसियो कोस्टा जिन्होंने इस शहर के निर्माण की योजना बनाई थी, और आस्कर नीमेयर, जो इस शहर के वास्तुकार हैं के द्वारा यह पूर्ण कोशिश की गई है कि संरचना के प्रत्येक अवयव- आवासीय तथा प्रशासकीय जिलों (जिनकी बाह्य रचना एक उड़ते हुए पक्षी जैसी है) के अभिन्यास से लेकर प्रत्येक इमारत की स्थिति तथा शहर की पूर्ण अभिकल्पना के बीच एक सामंजस्य हो। विशेषतया शहर के सरकारी कार्यालय तो कल्पनाशीलता और नये प्रकार के स्थापत्य की अलग ही मिसाल हैं।

© यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002
फोटो: यूनेस्को/ सी फ्रेयरे

लॉस ग्लेशियर्स, अर्जेन्टीना

प्राकृतिक मानदंड: *II, III*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1981

संक्षिप्त विवरण:

लॉस ग्लेशियर्स नेशनल पार्क अनुपम सुंदरता का एक क्षेत्र है जिसमें ऊंचे-ऊंचे ऊबड़-खाबड़ पहाड़ हैं और बहुत सी बर्फीली झीलें हैं, जिनमें से अर्जेन्टीनो नामक एक झील तो 160 कि. मी. लंबी है। इस झील के आखिरी छोर पर तीन हिमानी चट्टानें के आपसी मिलन से बना संयुक्त उत्प्रवाह, हिमनदी के धूसर दूधिया रंग के पानी में मिलता रहता है जिसके कारण भीषण गर्जना करती हुई बड़ी-बड़ी हिम शिलायें हिम नदी के पानी में गिरकर बौछारें उत्पन्न करती हैं।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/ डी. रोजर

गालापेगोस आइलैण्ड्ज, एक्वेडोर

प्राकृतिक मानदंड: *I, II, III, IV*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1978, 2001

संक्षिप्त विवरण:

दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप से लगभग 1, 000 कि.मी. की दूरी पर प्रशांत महासागर में स्थित 19 द्वीपों के समूह तथा इसके चारों ओर के समुद्री आरक्षित क्षेत्र को 'सजीव म्यूजियम और क्रमिक विकास की प्रदर्शनी' समझा जाता है। तीन महासागरों के संगम स्थान पर स्थित इस अभूतपूर्व स्थान को, 'समुद्री प्रजातियों की मिलन हांडी' (मेल्टिंग पॉट) भी कहा जाता है। गालापेगोस का यह द्वीप समूह, पृथ्वी पर चलती आ रही ज्वालामुखीय तथा भूकम्प संबंधी प्रक्रियाओं के जीवंत उदाहरण है और अपनी विशेष भौगोलिक स्थिति के कारण बाकी के विश्व से अलग-थलग वे स्थल हैं जहां अद्भुत प्राणी-जीवन का विकास हुआ है जैसे कि - जमीन पर रेंगने वाली छिपकलियाँ, विशालकाय कछुए तथा छोटे-छोटे पक्षियों की वे प्रजातियां जिन्होंने चार्ल्स डार्विन को वर्ष 1835 में की गई इस स्थल की यात्रा के दौरान, जीवन के क्रमिक विकास सिद्धांत (थ्योरी ऑफ इवोल्यूनशन) की प्रेरणा प्रदान की थी।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/एफ. पोलकिना

रियो प्लेटानो बायोस्फियर रिजर्व, होन्डूरास

प्राकृतिक मानदंड: *I, II, III, IV*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1982

संक्षिप्त विवरण:

रियो प्लेटानो के जल विभाजक में स्थित यह आरक्षित क्षेत्र, केन्द्रीय अमेरिका के आद्र उष्ण कटिबंधीय वनों के अवशेषों में से एक है जिसमें पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों की बहुत सी प्रजातियाँ रहती हैं। इस पर्वतीय क्षेत्र की केरिबियन समुद्र की ओर जाती हुई ढलानों पर अभी भी लगभग 2,000 देसी लोग अपनी परंपरागत जीवनशैली के अनुसार रह रहे हैं।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/एफ. कूड़ो

ग्रेट जिम्बाब्वे राष्ट्रीय स्मारक, जिम्बाब्वे

सांस्कृतिक मानदंड: ***I, III, VI***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1986

संक्षिप्त विवरण:

ग्रेट जिम्बाब्वे के खण्डहर जो एक पुरातन पौराणिक कथा के अनुसार शेबा की महरानी की राजधानी थे, 11 वीं और 15 वीं शताब्दी के बीच शोना में उदित हुई बंटु सभ्यता के विशिष्ट प्रमाण हैं। 80 हेक्टेयर के क्षेत्र में बसा यह शहर, मध्यकालीन समय से प्रख्यात एक महत्वपूर्ण व्यापार केन्द्र था।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/पेट्रिमोयने 2001/सी. लेपेटिट

दजेन्ने का पुरातन नगर, माली

सांस्कृतिक मानदंड: ***III, IV***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1988

संक्षिप्त विवरण:

ईसा से 250 पूर्व बसा दजन्ने, एक बाजार केन्द्र और सहारा के पार के क्षेत्र में किये जाने वाले सोने के व्यापार के बीच की एक कड़ी के रूप में विकसित हुआ था। 15 वीं और 16 वीं सदी के बीच में यह नगर इस्लाम के विस्तार का एक आध्यात्मिक केन्द्र बन चुका था। यहां के परम्परागत मकान, जिनमें से अब केवल 2000 ही बच पाये हैं, टीलों (टोग्यूएरे) के ऊपर बनाये जाते थे ताकि मौसमी बाढ़ों से उनकी सुरक्षा हो सके।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/बी.नान्टेट

न्गोरोन्गोरो संरक्षित क्षेत्र, तन्जानिया का संयुक्त गणराज्य

प्राकृतिक मानदंड: ***II, III, IV***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1979

संक्षिप्त विवरण:

न्गोरोन्गोरो के विशाल और सुडौल ज्वाला मुख (क्रेटर) में हमेशा से ही बहुत बड़ी संख्या में जंगली पशु रहते आये हैं। इस स्थान से समीप ही स्थित ओल्डोन्यो लेन्गा के जीवित ज्वालामुखी तथा एम्पाकाई के ज्वालामुख के अन्दर समाई हुई एक गहरी झील को देखा जा सकता है। ओल्डूवई की संकरी घाटी, जो यहां से अधिक दूरी पर नहीं है, में की गई खुदाई के दौरान होमो हेबिलिस की खोज की गई थी जो मनुष्य के काफी दूर के रिश्तेदारों में से एक है।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/ जे. थोरसेल

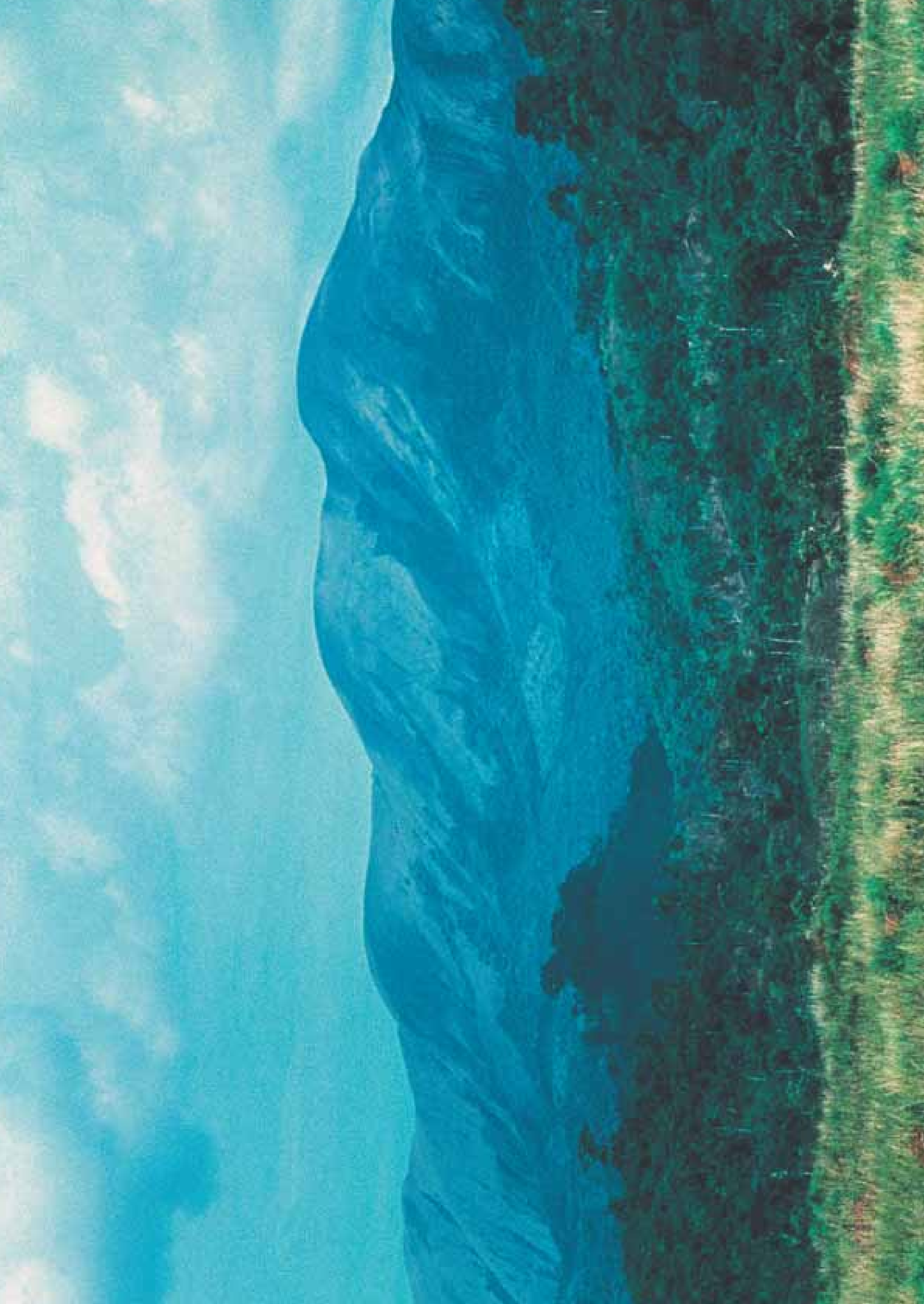

माउन्ट निम्बा का कठोरता से आरक्षित प्राकृतिक क्षेत्र, गिनी और कोट डे' वोयरे

प्राकृतिक मानदंड: *II, IV*
विश्व विरासत सूची में अंकित हाने की तिथि: 1981, 1982

संक्षिप्त विवरण:

गिनी, लाइबेरिया और कोट डे' वोयरे की सीमाओं पर स्थित माउन्ट निम्बा, आस-पास के सवाना क्षेत्र से काफी ऊंचाई पर स्थित है। घास से भरे पहाड़ी चरागाहों के नीचे की ढलानों पर घने जंगल हैं। इन जंगलों में विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे और पशु बहुतायत में पाये जाते हैं, जिनमें इनकी कुछ ऐसी प्रजातियाँ भी हैं जिनका आवास केवल इसी क्षेत्र तक सीमित (एन्डेमिक) है, जैसे कि बच्चों को जन्म देने वाले (विविपेरस) टोड़ तथा पत्थरों को औजारों की तरह उपयोग करने वाले चिम्पेन्ज़ी।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/वरश्यूरेन

त्सिंगी डे बेमाराहा का कठोरता से आरक्षित प्राकृतिक क्षेत्र, मेडेगास्कर

प्राकृतिक मानदंड: ***III, IV***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1990

संक्षिप्त विवरण:

त्सिंगी डे बेमाराहा का कठोरता से आरक्षित प्राकृतिक क्षेत्र, कार्स्टिक (चट्टानों के घुलने से बनने वाला) परिदृश्यों और चूने की छोटी-छोटी चट्टानों से निर्मित है जो चूने की नुकीली चोटियों «त्सिंगी» तथा चूने के पत्थर की सुइयों से बने एक «जंगल» के रूप में है। मानाम्बोलो नदी का पहाड़ी झरना तथा अठखेलियां करते ऊंचे पहाड़ एक प्रेक्षणीय दृश्य उपस्थित करते हैं। ये वन, झीलें और मेन्ग्रोव्ह के दलदल, जिन्हें आज तक कभी छेड़ा नहीं गया, दुर्लभ और लुप्तप्राय लंगूरों (लीमर) तथा पक्षियों के प्राकृतिक आवास हैं।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट 2002*
फोटो: यूनेस्को

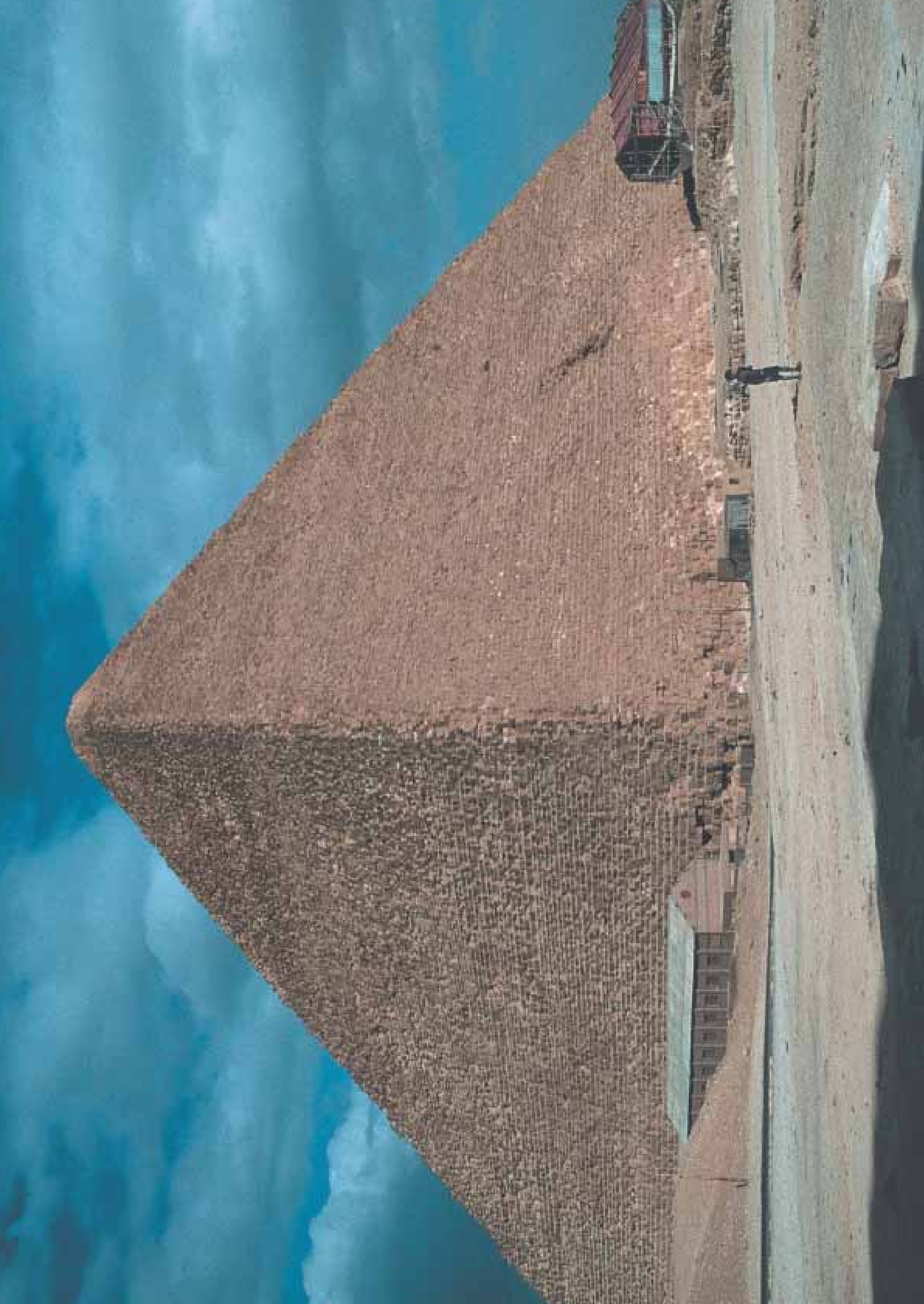

मेमफिस और इसका नेक्रोपोलिस
गीज़ा और दाहशूर क्षेत्र के पिरामिडों के मैदान,
इजिप्ट (मिस्र)

सांस्कृतिक मानदंड: ***I, III, VI***
विश्व विरासत सूची में शामिल होने की तिथि: 1979

संक्षिप्त विवरण:

मिस्र के पुरातन राज्य की राजधानी में कुछ असाधारण स्मारक हैं जहां शवों पर अत्येंष्टि क्रियायें की जाती थीं। इनमें चट्टानी मकबरे, अलंकृत मास्टाबाज़ (ममि रखने के बंद कक्ष), मंदिर और पिरामिड शामिल हैं। पुरातन समय में इस स्थल को विश्व के सात आश्चर्यों में से एक समझा जाता था।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/ए. वोरोन्टज़ोफ

फेज़ का मदीना, मोरक्को

सांस्कृतिक मानदंड: ***II, V***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1981

संक्षिप्त विवरण:

9 वीं सदी में स्थापित फेज़, 14 वीं सदी के मेरिनीडेज़ के शासनकाल तथा उसके बाद दोबारा 17 वीं सदी में अपनी ऊंचाई पर था। वर्ष 1912 में जब फ्रान्स ने रबात को अपनी राजधानी घोषित किया तो इस का राजनैतिक महत्व कम होता गया, पर मदीना शहर के बीचो-बीच बने दो प्रसिद्ध मकबरों - अल-क्वारावियिन और अल-अन्डालूस के कारण इसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व आज भी बना हुआ है।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/डी. रोगर

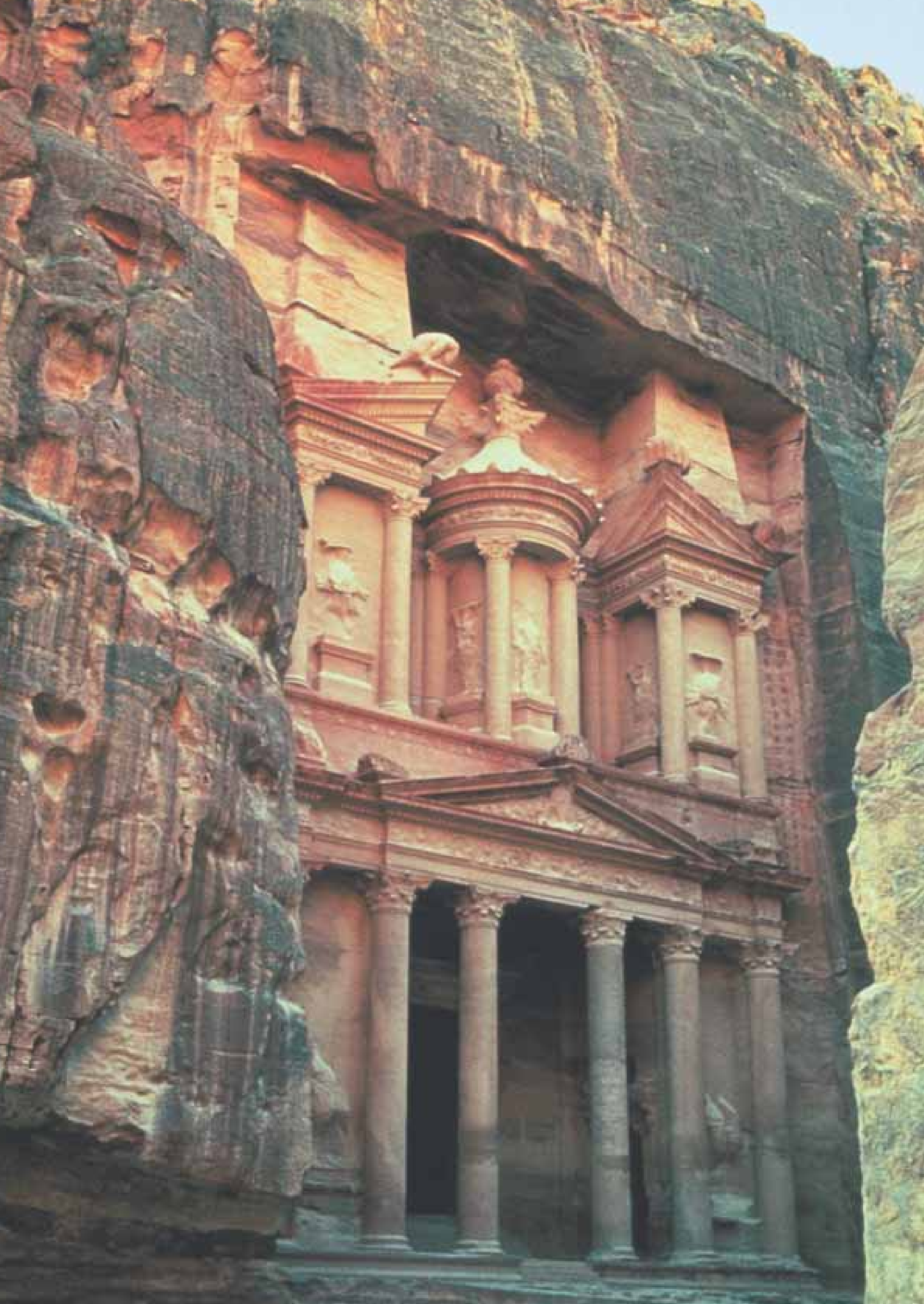

पेट्रा, जॉर्डन

सांस्कृतिक मानदंड: ***I, III, IV***
विश्व विरासत सूची में अंकित होन की तिथि: 1985

संक्षिप्त विवरण:

पूर्व-ऐतिहासिक समय में बसाया गया नबाटियन काफिलों का यह शहर, अरेबीया, इजिप्ट और सिरीया-फिनिशिया के बीच स्थित एक महत्वपूर्ण चौराहा था। पहाड़ों की एक वर्तुलाकार श्रृंखला के बीच बनाये गये पेट्रा का आधा भाग चट्टानों को तराश कर तथा आधा भाग पत्थरों को चिनवा कर बनाया गया था। कई भूल-भूलैया रास्तों और संकरी घाटियों वाला यह स्थल, विश्व का सबसे अधिक महत्वपूर्ण पुरातत्व स्थल है जहां पूरब की पुरातन परंपराओं और ग्रीक वास्तुशिल्प के एकरूप मिलाप की झलक दिखाई देती है।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/जेघीडोउर

शिबम का पुरातन तटबंधी नगर, यमन

सांस्कृतिक मानदंड: *III, IV, VI*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1982

संक्षिप्त विवरण:

16 वीं सदी का शिबम शहर जिसके चारों ओर तटबंधी की गई थी, लम्बरूप निर्माण के सिद्धांत पर आधारित शहर निर्माण योजना का सबसे पुराना और सर्वोत्तम उदाहरण है। सीधी खड़ी चट्टानों पर बनीं ऊपर की ओर उठती हुई मीनारों जैसी प्रभावशली इमारतों के कारण इस शहर को ''रेगिस्तान का मेनहेट्टन'' कहा जाता है।

© यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002
फोटो: यूनेस्को पेट्रिमोयने 2001/सी.डेलपल

अन्जार, लेबेनॉन

सांस्कृतिक मानदंडः *III, IV*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथिः 1984

संक्षिप्त विवरणः

अन्जार के खण्डहर, पहले एक शहर था जिसे कलीफ वालिद 1 ने, 8 वीं सदी की शुरुआत में स्थापित किया था। पुरातन समय के महलों वाले शहरों की याद दिलाने वाले इस नगर का अभिन्यास, अत्यंत विधिपूर्वक रचा गया था। यह शहर ओमाय्याद शहर योजना का एक विशिष्ट प्रमाण है।

© यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002
फोटोः यूनेस्को/आफिस टूरिस्मे लिबेनेइज़

मोहनजोदारो के पुरातन खण्डहर, पाकिस्तान

सांस्कृतिक मानदंड: ***II, III***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की स्थिति: 1980

संक्षिप्त विवरण:

खण्डहरों के रूप में विद्यमान, सिन्धु नदी की घाटी में ईसा से 3000 वर्ष पूर्व बसे मोहनजोदरो के इस विशाल शहर के निर्माण में केवल बिना पकी ईटों का उपयोग किया गया था। इस शहर में ऊंचाई पर बना एक किला था जिसे एक बड़ी तटबंधी के ऊपर बनाया गया था और इसके चारों ओर बड़ी-बड़ी दीवारें थी। नीचे बने शहर का अभिन्यास भी कड़े नियमों के अनुसार रचा गया था जो पुरानी नगर-योजना प्रणाली का एक प्रमाण है।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/ बी. नमीकावा

पहले क्विन शासक का मकबरा, चीन

सांस्कृतिक मानदंड: ***I, III, IV, VI***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की स्थिति: 1987

संक्षिप्त विवरण:

इस पुरातत्ववैज्ञानिक स्थल जिसके विषय में वर्ष 1974 से पहले किसी को कुछ भी पता नहीं था, में से हजारों पुतलों को बाहर निकालने का काम निस्संदेह ही अभी अधूरा रह गया है। यह वह स्थल है जहां चीन को संगठित करने वाले पहले शासक, क्विन (मृत्यु ईसा से 210 वर्ष पूर्व) को दफनाया गया था। राजा की राजधानी ज़ीयानयान के शहरी अभिन्यास की एक प्रतिमूर्ति के रूप में निर्मित इस परिसर के ठीक मध्य में राजा की कब्र है जिसके चारों ओर टेराकोटा के प्रसिद्ध सैनिकों का घेरा बनाया गया था। छोटे-छोटे मनुष्यों की ये आकृतियां एक दूसरे से बिलकुल भिन्न हैं, कुछ अपने घोड़ों के साथ हैं, कुछ अपने रथों पर हैं, तो कुछ, अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित हैं। ये सभी मूर्तियां यथार्थवाद की उत्कृष्ट कलाकृतियाँ हैं जो ऐतिहासिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

© यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002
फोटो: यूनेस्को/बी. पेटिट

लांग प्रबान्ग का नगर, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक (लाओ लोगों का प्रजातांत्रिक गणराज्य)

सांस्कृतिक मानदंड: *II, IV, V*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1995

संक्षिप्त विवरण:

यह नगर पारंपरिक वास्तुशिल्प और शहरी संरचनाओं के स्थापत्य के अभूतपूर्व मिलन का प्रतीक है। दो अलग-अलग संस्कृतियों के मिलाप के मुख्य चरण को प्रस्तुत करने वाली, 19 वीं और 20 वीं सदी के यूरोपियन औपनिवेशिक शासकों द्वारा निर्मित इस विशिष्ट शहर की बसावट का परिरक्षण उत्कृष्ट रूप में किया गया है।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/ पेट्रिमोयने 2001/ए. वोल्फ

फिलिपाइन पर्वतीय श्रृंखला (द फिलिपाइन कोर्डीलेराज) के सीढ़ीदार चावल के खेत, फिलिपाइन्स

सांस्कृतिक मानदंड: ***III, IV, V***
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1995

संक्षिप्त विवरण:

पिछले 2,000 वर्षों से इफ्यूगाओ के ऊंचे चावल के खेत, पहाड़ी तराइयों की रूप-रेखा को अपनाते आये हैं। ज्ञान के यह बीज एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक उन पवित्र परंपराओं के रूप में पहुंचाये गये हैं जिनमें एक कोमल सामाजिक संतुलन निहित है। मनुष्यता और पर्यावरण का यह आपसी तालमेल जिसने इस क्षेत्र के परिदृश्य का सौन्दर्य बढ़ाने में सहायता दी है, मानवता के विजय की ही एक अभिव्यक्ति है।

© यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002
फोटो: यूनेस्को/एम. स्पायर-डोनाटी

ग्रेट बेरियर रीफ, आस्ट्रेलिया

प्राकृतिक मानदंड: *I, II, III, IV*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1981

संक्षिप्त विवरण:

आस्ट्रेलिया के उत्तरपूर्वी तट पर स्थित द ग्रेट बेरियर रीफ एक अत्यंत ही सुंदर और अलग ही प्रकार का स्थल है। यह विश्व का सबसे बड़ा प्रवाल (कोरल) रीफों का संग्रहस्थल है, जिसमें 400 प्रकार के कोरल, मछलियों की 1,500 प्रजातियां, तथा मौलस्कों की 4,000 प्रजातियां रहती हैं। यह एक वैज्ञानिक रुचि का स्थान है जहां ड्यूगोन्ग (समुद्री गाय) और बड़े-बड़े हरे कछुओं जैसी कुछ लुप्तप्राय प्रजातियों के आवास हैं।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट 2002*
फोटो: यूनेस्को

मोर्ने ट्रोइज पिट्न्स नेशनल पार्क, डोमिनिका

प्राकृतिक मानदंड: *I, IV*
विश्व विरासत सूची में अंकित होने की तिथि: 1997

संक्षिप्त विवरण:

मोर्ने ट्रोइज पिट्न्स नामक 1, 342 मीटर ऊंचे ज्वालामुखी के केन्द्र में स्थित यह नेशनल पार्क, वैभवशाली प्राकृतिक उष्णकटिबंधीय वनों तथा वैज्ञानिक रुचि के ज्वालामुखी विशेषताओं के मिले-जुले दृश्य प्रस्तुत करता है। मोर्ने ट्रोइज पिट्न्स नेशनल पार्क के लगभग 7,000 हेक्टेयर के क्षेत्र में, पहाड़ों की सपाट ढलानें, गहराई से कटी घाटियां, गरम वाष्पों के 50 झरने, गरम पानी के झरने, मीठे पानी की झीलें, एक ''उबलते पानी की झील'' और 5 ज्वालामुखी, जैसे प्राकृतिक दृश्यों के दुर्लभ मिलाप को देखा जा सकता है जिनका विशेष वैश्विक मूल्य है। इस क्षेत्र की जैव-विविधता, संपूर्ण लेसर एन्टीलेस क्षेत्र के सभी द्वीपों में सबसे अधिक है।

© *यंग पीपुल्स वर्ल्ड हेरिटेज एजूकेशन प्रोजेक्ट -2002*
फोटो: यूनेस्को/व्यू/जे. थोरसेल